

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 22]

नदं दिल्ली, शनिवार, जून 2, 1979 (ज्येष्ठ 12, 1901)

No. 22]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 2; 1979 (JYAISTHA 12, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग ॥।—खब्द 1

PART III—SECTION 1

ाच्च त्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 ग्रप्नैल 1979

तं० ए० 19014 श्री 79-प्रशाण I- त्मारतीय राजस्य सेवा धिकारी श्रीकारी प्रम वी अधिक सिंह की, राष्ट्रपति द्वारा स्वा प्रायोग के सम्मतिकारी 16 अप्रैस, 1979 के व

> **इस० बालचन्द्रन,** ग्रवर सचिव मंघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 30 स्रप्रैल 1979

ए० 32014/1/79-प्रशा० III—संघ लोक सेवा स्रायोग सचिवालय सेवा संवर्ग के निम्नलिखित स्थायी सहायकों हुँ राष्ट्रपति द्वारा, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई सुवधि के लिए भ्रथवा म्रागामी म्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में स्रनुभाग म्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से, तदर्थ म्राधार पर, कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

ग्रवधि जिसके लिये ग्रनु- भाग ग्रधिकारी नियुक्त किया गया
2-5-79 से 30-6-79 तन
1-5-79 से 30-6-79 तक
1-5-79 से 30-3-79 तक
1-5-79 से 30-6-79 तक

एस० बालाचन्द्रन प्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघालोक सेवा आयोग

(4169

केन्द्रीय सतर्कता ग्रायोग नई दिल्ली, दिनांक 4 मई 1979

सं० 129 ग्रार० सी० टी० 5—केन्द्रीय सतर्कता ग्रायुक्त एतद्द्वारा श्री देवेन्द्र सिह, भारतीय रेल सेचा ग्रभियंता के ग्रधिकारी को 4 मई, 1979 के पूर्वीह्न से ग्रगले ग्रादेश तक स्थानापन्न रूप से केन्द्रीय सतर्कता ग्रायोग मे विभागीय जांच ग्रायुक्त नियुक्त करते हैं।

कृष्ण लाल मल्होत्ना ग्रवर सचिव **क्रु**ते केन्द्रीय सतर्कता ग्रायुक्त

प्रवर्तन निदेशालय

(विदेशी मद्रा वि<u>नियमन ग्रक्षिनियम)</u> नई दिल्ली-1, दिनांक 19 ग्रप्रैल 1979 (नियुक्ति)

v-4/1/78—निम्नलिखित सहायक प्रवर्तन ग्रिधिकारी उनके द्वारा ग्रपने-ग्रपने पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से ग्रगले ग्रादेशों तक के लिए प्रवर्तन ग्रिधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किए गए हैं।

उनकी नियुक्ति के स्थान ग्रौर कार्यभार ग्रहण करने की तारीख उनके प्रत्येक के नाम के सामने दी गई है .--

ऋ०सं० नाम	नि गुक्ति का स्थान	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
 श्री ए० के० मुर्मू श्री ग्र ए० चक्रमाणि श्री ए० एन० नाय ह श्री एन० के० उन्निथा श्री के० चक्रवर्ती 	. गोहाटी मद्रात गोवा कलकत्ता गोहाटी	4-12-78 8-3-79 16-12-78 1-1-79 21-3-79

जे० एन० स्ररोड़ा उप निदेशक (प्रशासन)

गृह मन्त्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिप्तर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनाक 10 मई 1979

सं० ग्रो० दो० 1437/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) ऊमारानी नारजरी को 19-4-1979 के पूर्वाह्न से केंबल तीन माह के लिए श्रथवा उस पद पर नियंमित नियुक्ति होने तक, इनमे जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 14 मई.

सं० डो एक-12-77 स्थापना-स्रधीक्षक, के० रि० पु० बल की से६ में प्रतिनियुक्ति पर जाने के फलस्वरूप उनके को उनके सामने लिखी तिथियों से निर्वातत

- श्री एस० के० रथ, 28-2-7 युप सेन्टर (गोहाटी)
- श्री रणवीर सिंह, 29वीं वाहिनी 16-3-79 (ग्रपराह्न)
 दिनांक 16 मई 1979

सं० स्रो० दो० 1079/78-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ट चिकित्सा स्रिधिकारी (जनरल ड्यूटी स्राफिसर ग्रेड II) डाक्टर एन० नागराज राव, बेस हास्पिटल नं० 2 केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल हैदराबाद का, त्यागक्त दिनांक 25 स्रप्रैल, 1979 स्रपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

> ए० के० बन्धोपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय े केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल नई दिल्ली-110019, दिनांक 9 मई 1979

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक—नीमच को स्था-नांतरित होने पर श्री रघुनाथ सिंह ने 31 मार्च, 1979 के अपराह्न से के० श्रौ० सु० ब० प्रशिक्षण रिजर्व, बी० एच० ई० एल० हरिद्वार के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—हरिद्वार से स्था-नांतरित होने पर श्री रधुनाथ सिंह ने श्री ईश्वर सिंह, सहायक कमांडेंट के स्थान पर 16 ग्रप्रैल, 1979 के ग्रपराह्म से के० ग्रौ० सु० ब० यूनिट जी० ग्रो० एफ० नीमच (म० प्र०) के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया ग्रौर श्री ईश्वर सिंह भिलाई को स्थानान्तरित होने पर उक्त पद का कार्यभार उसी सार्र से छोड दिया।

> ह० अपट महानिरीक्षक/के० स्रौ० सु०

भारत के महापंजीकार की कार्यालय नई दिल्ली-110011 दिनांक 14 मई 1979

सं० 11/28/78-प्रणा०-1—राष्ट्रपति, कर्नाटक, बंगलौर में जनगणना कार्य निदेशालय में भ्रन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री ग्रार० वाई० रेवशेट्टी को, उसी कार्यालय में तारीख 17 ग्राप्रैल, 1979 के अपराह्म से भ्रगले श्रादेशों तक, नियमित ग्राधार पर, ग्रस्थाई क्षमता में, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष पदोन्नति पर नियुक्त करते हैं।

श्री ग्रार० वाई० रेवशट्टी का मुख्यालय बंगलौर में होगा। सं० 11/28/78-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, हरियाणा, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निवेशालय में भ्रम्बेषक के पद पर कार्यरत
श्री जे० श्रार० विशिष्ट को भारत के महापंजीकार के कार्यालय में
तारीख 24 श्रप्रैल, 1979 के पूर्वाह्म से श्रगले आदेशों तक,
नियमित श्राधार पर, श्रस्थाई क्षमता में, सहायक निवेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष पदोश्नति पर नियुक्त
करते हैं।

श्री जे० ग्रार् विशय्ठ का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

सं 11/28/78-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, जम्मृ व कथमीर, श्रीनगर में जनगणना कार्य निदेशालय में श्रन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री सी० एल० छेहरा को जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में तारीख 23 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, नियमित आधार पर, श्रस्थाई क्षमता में, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहष् पदोन्नति पर नियुक्त करते हैं।

श्री छेहरा का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

सं 11/28/78-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री श्रार० सी० भागंव को उसी कार्यालय में तारीख 16 श्रप्रैल, 1979 के श्राराह्म से अगले प्रादेशों तक, नियमित श्राधार पर, श्रस्थाई क्षमता में, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष पदोन्नति पर नियुक्त करते हैं।

श्री भागंव का मुख्यालय जयपुर में होगा।

सं० 11/28/78-प्रणा०-1—-राष्ट्रपति, केरल, बियेन्द्रम में जनगणना कार्य निदेशालय में भ्रन्वेषक भौर इस समय तदर्थ भ्राधार पर महायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एम० जयशंकर को, उसी कार्यालय में तारीख 11 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्म से भ्रगले आदेशों तक, नियमित श्राधार पर, अस्थाई क्षमता में, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तक-दीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

[ं] श्री जयमंकरका मुख्यालय स्रिवेन्द्रम में होगा।

सं० 11/28/78-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, पंजाब, चण्डीगढ़ ्रानगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री क्षे एस० पाबला को उसी कार्यालय में तारीख 11 श्रप्रैल, 1079 के श्रपराह्म से श्रगले श्रादेशों तक; नियमित श्राधार पर, श्राप्याई क्षमता में, सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) दिपद पर सहर्ष पदोन्नति पर नियुक्त करते हैं।

श्री पाबला का मुख्यालय चण्डीगढ़ में होगा।

सं० 11/28/78-प्रशा०-1---राष्ट्रपति, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निदेशालय में ग्रन्वेषक के पद पर कार्य-रत श्री डी०पी० चटर्जी को उसी कार्यालय में तारीख 11 श्रप्रैल 1979 के पूर्वाह्म से अगले श्रादेशों तक, नियमित श्राधार पर, श्रस्थाई क्षमता में, सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तक्षनीकी) के पद पर सहर्ष पदोक्षति पर नियुक्ति करते हैं।

श्री चटर्जी का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं० 11/1/79-प्रणा०-1--राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री श्रार० के० पुरी को 30 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेशों तक नियमित श्राधार पर श्रस्थायी क्षमता में, गुजरात, श्रहमदाबाद में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में जनगणना कार्य, उप निदेशक पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री पुरी का मुख्यालय फ्रहमदाबाद में होगा।

सं० 11/1/79-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, गुजरात, श्रहमदाबाद में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री एम० एल० शर्मा को तारीख 9 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेशों तक, नियमित श्राधार पर, श्रस्थायी क्षमता में, मध्य प्रदेश, भोपाल में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में जनगणना कार्य उप निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री मर्मा का मुख्यालय भोपाल में होगा।

सं० 11/1/79-प्रशा०-1—-राष्ट्रपति, राजस्थान, जयपुर में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में महायक निदेशक जन-गणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री श्रार० डी० भग्नवाल को 25 श्रप्रैल, 1979 के श्रपराह्म से श्रगले श्रादेशों तक, नियमित श्राधार पर, श्रस्थायी क्षमता में, बिहार, पटना में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में जनगणना कार्य उप निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री भ्रम्रवाल का मुख्यालय पटना में होगा।

सं० 11/47/79-प्रमा० 1—-राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के उत्तर प्रदेश संवर्ग के ग्रिधिकारी श्री रवीन्द्र गृप्ता को तारीख 24 श्रप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेशों तक उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्प नियुक्त करते हैं।

श्री गुप्त का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

सं० 11/63/79-प्रशा० 1—राष्ट्रपति, भारतीय प्रणासनिक सेवा के पश्चिम बंगाल संवर्ग के ग्रधिकारी, श्री एस० एन० घोष को, तारीख 24 ग्रप्रैल, 1979 के पूर्वीह्म से ग्रगले ग्रादेशों तक पश्चिम बंगाल, कलकत्ता में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर महर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री घोष का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

सं० पी०/एम० (24)-प्रशा० एक--विभागीय पदोश्चिति समिति की सिफारिश श्रीर संघ लोक सेवा श्रायोग के साथ परामर्श करने पर राष्ट्रपति, श्री विजय प्रसाद महापाल्ल को तारीख 30 श्रप्रैल, 1979 के पूर्वाल्ल से श्रापेल श्रादेशों तक, सहायक महा-पंजीकार (भाषा) के पद पर स्थायी तौर पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री महापाल का मुख्यालय कलकत्ता में होगा।

दिनांक 15 मई 1979

सं० 11/28/78-प्रशा०-1---राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश, लखनऊ में जनगणना कार्य निदेणक के कार्यालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री एम० सी० पड़ा लिया को तारीख 11 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्म से अगले आदेशों तक, नियमित आधार पर, अस्थायी क्षमता में, उसी कार्यालय में सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर पदोन्नति पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्री पडालिया का मुख्यालय लखनऊ में होगा।

दिनांक 17 मई 1979

सं० 11/60/79-प्रशा० 1—-राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा के ग्रसम, मेघालय संवर्ग के श्रिधिकारी, श्री एन० के ० चौधरी को सारीख 20 ग्रप्रैल, 1979 के पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रादेशों तक श्रसम, गोहाटी में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

श्रो बोधरी का मुख्यालय गोहाटी में होगा।

सं० 11/67/79-प्रणा० 1-राष्ट्रपति, भारतीय प्रणामनिक सेवाक्षे अमम मेघालय संवर्ग के प्रधिकारी, श्री जे० तायेंग को तारीख 23 प्रप्रैल, 1979 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेशों तक मेघालय, णिलांग में जनगणना कार्य निदेशक के पद पर सहर्प नियुक्त करते हैं।

श्री तायेंग का मुख्यालय णिलांग में होगा।

विजय पाल पाण्डे भारत के उप महापंजीकार

वित्त मन्द्रालय भ्राधिक कार्य विभाग

बीमा प्रभाग

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1979

सं २ 51 (12)-बीमा-1/76--चूं कि मैं, श्रार० के० महाजन, बीमा नियंत्रक पूर्ण रूप से मन्तुष्ट हूं कि पेन फ्रैंडस प्राविडेंट इंगोरेंस कम्पनी लिमिटेड नामक समिति के कार्यों का पूर्णतः परिसमापन हो गया है;

इसलिए, श्रव में श्रधिसूचना द्वारा बीमा श्रधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 93 की उपधारा (5) के उपबन्धों के श्रनुसार उपर्युक्त समिति के भंग होने की घोषणा करता हूं।

> भ्रार० के॰ महाजन बीमा नियंत्रक

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड, दिनांक 8 मई 1979

सं॰ 219/ए०---निम्नांकित नियंत्रण निरीक्षकों की (वर्ग III प्रराजपनित), भारत प्रतिभूति मुद्रणालय एसद्द्रारा

उप नियंत्रण श्रिधिकारियों के रूप में (वर्ग II राजपितत पद), भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में सुधारित वेतन श्रेणी रू० 650-30-740-35-810-ई०बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 में दिनांक 4-5-79 79 के पूर्वीह्न से नियमित रूप में नियुक्तियां की गई हैं।

- 1. श्री जी० सी० रस्तोगी
- 2. श्री ए० एम० राऊल

सं० 221/ए—श्री एस० एन० चक्रवर्ती, निम्नांकित ग्रिधिकारी को भारत प्रतिभृति मुद्रणालय में (द्वितीय श्रेणी राज-पित्रत पद) उप नियंत्रण प्रधिकारी के पद पर सुधारित वेतन श्रेणी रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 में तदर्थ रूप में 4-5-79 के पूर्वाह्म से 30-9-79 तक नियुक्त किया जाता है भ्रथवा तब तक नियमित रूप से जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाए।

डी० सी० **मुखर्जी,** महा प्र**बन्धक** भारत प्रतिभृति मृत्रणालय

कार्यालय महालेखाकार-प्रथम, मध्यप्रदेश ग्वालियर, दिनांक 17 ग्रप्रैल 1979

सं० क्रमांक-स्थापना-1/15—महालेखाकार-प्रथम, मध्यप्रदेश ने, निम्नलिखित स्थाई ध्रनुभाग ग्रिधिकारियों को स्थानापम क्षमता में लेखा प्रधिकारी के पद पर वेतनमान रुपये 840-40-1000-द० अ०-40-1200 में उनके नाम के ग्रागे दर्शाये गए दिनांक से पदोश्रत किया है:—

सर्वश्री---

- जे० भ्रार० पद्मनाभन, (02/0246) 31-3-79 पूर्वाह्य
- एम० राममूर्ति, (02/0247) 31-3-79 पूर्वाह्न

कृष्ण गोपाल, वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मन्द्रालय

भारतीय भ्रार्डनेन्स फैक्टरियां सेवा महानिदेशालय, श्रार्डनेन्स फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 5 मई 1979

सं० 27/79/जी०—वार्धक्य निवृत्ति श्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री सुकुमार बांस स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०/ मौलिक एवं स्थायी टी० एस० ग्रो० विनांक 31 मार्च, 1979 (ग्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हुए।

> वी० के० मेहता सहायक महानिदेशक आर्डनेन्स फैक्टरियां

डी॰ जी॰ ग्रो॰ एफ॰ मुख्यालय, सिविल सर्विस ग्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-700069, दिनांक 9 मई 1979

सं० 179/ए/ई-1 (एन० जी०) — वार्धवय निवृक्ति श्रायु प्राप्त कर, श्री सत्यवत नाग, मौलिक एवं स्थायी ए० एस० श्रो० श्रौर सर्वश्री कृष्ण मोहन एवं सुधीर कुमार दत्ता, मौलिक एवं स्थायी सहायक, श्रस्थायी ए० एस० श्रो० गण दिनांक 30-4-1979 (श्रपराह्म) से सेवा निवृक्त हुए।

> डी० पी० चक्रवर्ती ए० डी० जी० भ्रो० एफ० (प्रशासन) इस्ते भ्रार्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

प्रारूप

सेवा समाप्ति की सूचना

सं० ए० एन०/एफ०/8319288/ए० एम० सी० केन्द्रीय सिविल मेवा (ग्रस्थाई सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 उप नियम (1) के ग्रनुसार ग्रधोहस्ताक्षरी एतद्द्वारा रक्षा नियंत्रक (ग्रन्य रेंक) उत्तर, मेरठ संगठन में कार्यरत श्री बालेन्द्र शेखर, प्रस्थाई लेखा परीक्षक लेखा सं० 8319288 को नोटिस देता है कि उनकी नेवाएं, गजट ग्रधिन्सूचना से एक महीने की समाप्ति की तारीख से समाप्त समझी जाएगी।

पी० सी० थोमस रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक)

माणिष्य, नागिक श्रापूर्ति एवं सहमान्ति मासालय मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 30 श्रप्रैल 1979 श्रायात-निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/585/59-प्रशासन (राज०) — सेवा निवृत्ति की ध्रायु होने पर, कलकत्ता में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, घ्रायात-नियंत्रि के कार्यालय में श्री डी०एम० घोष्ठरी ने 31 मार्च, 1979 के वोपहर बाद से उस कार्यालय में ग्रपने पद का कार्यभार सौप दिया।

सं० 6/939/71-प्रशासन (राज०)---केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग ध्रधिकारी वर्ग में स्थानापन्न अधिकारी, श्री एल० एस० बटोला को दिनांक 1 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की श्रनुमति दी जाती है।

विनांक 14 मई 1979

सं० 6/528/58-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग श्रिधकारी वर्ग के स्थायी अधिकारी, भी जे० एस० सहोटा की दिनांक 23-2-79 से 30-4-79 तक की अवधि के लिए उक्त सेवा के वर्ग-1 में स्थानापन रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, श्री महोटा को पूर्वोक्त ग्रवधि के लिए इस कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

> राजिन्द्र सिंह, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात इते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

पूर्ति विभाग पूर्ति ग्रौर निपटान महानिदेशालय (प्रशासन ग्रनुभाग-6) नई दिल्ली, दिनांक 26 ग्रप्रैल 1979

स० प्र०-6/247 (476)—राष्ट्रपति, निरीक्षण निर्देशक, मद्रास के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) श्री वी० जे० एम० राव को दिनांक 21-3-79 (पूर्वाह्न) से श्रागामी श्रादेशों तक तदर्थ आधार पर उसी निरीक्षणालय में (भारतीय निरीक्षण सेवा के ग्रुप 'ए' वस्त्र शाखा के ग्रेड 3) में निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) के रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री राव ने 21-3-79 के पूर्वाह्म से महायक निरीक्षण श्रधि-कारी (वस्त्र) का कार्यभार छोड़ दिया श्रौर निरीक्षण अधिकारी (वस्त्र) का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 9 मई 1979

सं० ए-17011/13/71-प्र०-6—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए० की इन्जीनियरी शाखा के निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) श्री खी० ग्रार० चन्द्रन को, जो राष्ट्रीय यरमल पावर निगम में विदेश सेवा पर थे, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1979 के पूर्वीह्म से श्रीर श्रागामी श्रादेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा ग्रुप ए की इन्जीनियरी शाखा में उप निदेशक निरीक्षण के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. विदेश सेवा से वापिसी पर श्री डी० श्रार० चन्द्रत ने दिनांक 16-4-79 के अपराह्म में राष्ट्रीय धरमल पावर निगम, नई दिल्ली में वरिष्ठ श्रीभयन्ता का पदभार छोड़ दिया श्रौर दिनांक 18-4-79 के पूर्वाह्म से निरीक्षण निदेशक, बम्बाई के कार्यालय में उप निदेशक निरीक्षण (इन्जी०) का पदभार सम्भाल लिया है।

विनांक 10 मई 1979

सं० ए०-17011/151/79-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, बर्नपुर निरीक्षणालय में भण्डार परीक्षक (धातु) भी यू० सी० दत्ता को दिनोक 31 मार्च, 1979 के पूर्वाह्म से ग्रीर ग्रागामी ब्रादेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय के श्रधीन जमशेदपुर निरीक्षणालय में महायक निरीक्षण श्रधिकारी (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> पी० डी० सेठ उपनिदेशक (प्रशासन) इस्ते महानिदेशक

(प्रणासन ब्रनुभाग-1) नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1979

मं० प्र०-1/1(262)—राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान निदेशालय कलकत्ता में स्थाई निदेशक (भारतीय पूर्ति मेवा के ग्रेड 1) श्री पी० चक्रवर्ती को 22-2-79 के पूर्वाह्म से ग्रागामी भादेशों तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली, में स्थानापन्न उप महानिदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं।

> हृष्ण किशोर उपनिदेशक (प्रशासन) इस्ते महानिदेशक

इस्पात श्रोर खान मन्त्रालय इस्पात विभाग लोहा भौर इस्पात नियंद्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 2 मई 1979

सं० ई-1-2 (3)/73 ()—एतद्द्वारा लोहा भौर इस्पात नियंत्रक श्री मणांक गेखर मुखर्जी, श्रधीक्षक को दिनांक 2/3-4-1979 के पूर्वाह्म से सहायक लोहा श्रीर इस्पात नियंत्रक के पद पर तदर्थ नियुक्त कर रहे हैं।

> एस० एन० विश्वास संयुक्त लोहा श्रीर इस्पाल नियंत्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग महासर्वेक्षक का कार्यालय देहरादून, दिनांक 8 मई 1979

सं० स्था० 1-5496/698-मानचित्र प्रभिरक्षक-श्री ए० बी० सरकार, जिन्हें इस कार्यालय की सं० स्था० 1-16798/698 मैप क्यूरेटर दिनांक 2-4-1976 के प्रधीन जारी की गई प्रधिसूचना सं० 5063/698 मैप क्यूरेटर दिनांक 2-4-1976 के प्रधीन जारी की गई प्रधिसूचना सं० 5063/698 मैप क्यूरेटर दिनांक 2-4-1976 के प्रस्तर्गत, स्थानांतरण, प्रतिनियुक्ति पर, पूर्वी कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, कलकत्ता में मैप क्यूरेटर (मा० के० सेवा प्रपर्वी०) के पद पर 550-25-750-द० रो-30-900-६० के बेतनमान में नियुक्त किया गया था, वे दिनाक 10-3-1979 के बाद भी एक वर्ष के लिए प्रभैर इसी पद परकार्य करते रहेगे।

के० एल० खोसला मेजर-जनरल भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्त प्राधिकारी)

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1979

सं० 2/28/61-एस-2---महानिवेशक आकाशवाणी, दूरदर्भन केन्द्र, नई दिल्ली में प्रशासन अधिकारी पद पर काम करने वाले श्री जी० एन० श्रीवास्तव को वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी, आकाशवाणी, नई दिल्ली के पद पर 31-1-79 अपराह्म से नियुक्त करते हैं।

एस० वी० सेषाद्री प्रशासन महानिदेशक कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मन्त्रालय प्रकाशन विभाग नई विल्ली, दिनांक 30 ग्रप्रैल, 1979 शुद्धि-पन्न

सं० ए-2001 1/3/69-प्रशासन-1—इस विभाग की ग्रधि-सूचना संख्या ए०-2001 1/3/69-प्रशासन-1, दिनांक 18/ 19-1-79 के आंशिक संशोधन में, निदेशक, प्रकाशन विभाग, श्री एस० एम० चहल, स्थाई सकतीकी सहायक को इस विभाग में 25-9-78 की बजाय 6-9-78 से आगामी आदेशों तक तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक (उत्पादन) नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री बी० एस० बौधरी, सहायक निदेशक (उत्पादन) के अवकाश पर चले जाने से रिक्त हुए पद पर की गई है।

> इन्द्रराज सिह उप-निदेशक (प्रशासन) **कृते** श्विदेशक

फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 9 मई 1979

सं० 9/31/49-एस्ट-1---प्रमुख निर्माता फिल्म प्रभाग में श्री एच० जी० भड़ारकर, स्थायी ग्रधीक्षक को दिनांक 19-4-79 के पूर्वाह्म से, ग्रगले ग्रादेश तक स्थानापन्न सहायक प्रशासकीय ग्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

एम० बन्द्रन तायर प्रशासकीय श्रधिकारी **कृते** प्रमुख निर्माता

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली, विनांक 8 मर्छ 1979

सं० ए-12026/19/78-स्था०—विज्ञापन और दृश्य प्रकार निदेशक, श्री डी० एन० गांधी, तकनीकी सहायक (मुद्रण प्रचार) को इस निदेशालय में 1 मई, 1979 से श्रगले भाषेश तक भ्रस्थायी रूप में तदर्थ श्राधार पर सहायक उत्पादन प्रबन्धक (मुद्रण प्रचार) मियुक्त करते हैं।

आर देवासर उप[्]निदेशक (प्रशासन) **इते वि**शापन और दृश्य प्रदार मिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 197

सं० ए० 22012/1/79-स्टोर-1 (भाग) - स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सरकारी चिकित्सा सामग्री भण्डार, मग्रास के वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक श्री जी० सुन्नामणियम को 29 मार्च, 1979 की पूर्वाल्ल से ग्रागामी ग्रादेशों तक सरकारी चिकित्सा भण्डार, बम्बई में डिपो प्रबन्धक (वर्ग क राजपत्रित) सामग्री के पद पर अस्थाई श्राधार पर नियुक्त किया है।

> एस० के० कर्थाक उपनिदेशक प्रशासन (स्टोर)

कृषि ग्रीर निषाई मंतालय (ग्राम विकास विभाग) विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय प्रधान कार्यालय, फरीदाबाद फरीदाबाद, दिनांक 9 मई 1979

सं० ए० 19024/2/79-प्र०-III—श्री एन० कासी राव, वरिष्ठ रसायनज्ञ को दिनांक 21-4-1979 (ग्रपराह्न) से पूर्णतया ध्रत्पकालीन आधार पर तीन माह से श्रधिक की ध्रविध के लिये नहीं या जब तक नियमित प्रवन्ध नहीं किये जाते हैं, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न मुख्य रसायनज्ञ के रूप में कोचीन में नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 19026/1/79-प्र०-III--श्री सी० डी० बला, श्रधीक्षक (लिपिकी वर्गीय) को दिनांक 5-5-79 के श्रपराह्म से 31-7-79 तक श्रल्पकालीन श्राधार पर मन्डी श्रायोजना एवं प्ररचना केन्द्र की स्थापना योजना के श्रन्तर्गत फरीदाबाद में प्रशासनिक श्रधिकारी केपद पर नियुवत निया जाता है।

दिलांक 10 मई 1979

सं० ए० 19023/15/78-प्र०-। III — श्री टी० सक्षनानी, विषणन विकास श्रधिकारी को भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्ज लि० नई दिल्ली में वरिष्ठ डिजाइन इंजीनियर का पद ज्वाइन करने लियं इस निवेशालय में नई दिल्ली में तारीख 19-2-79 (पूर्वाह्न) से उनके कार्य-भार से मुक्त किया गया है।

बी॰ एल॰ मनिहार, निदेशक प्रशासन, कृते कृषि विपणन मलाहकार.

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 20 मार्च 1979

संदर्भ 5/1/79-स्थापना II/1071—नियंत्रक, भाभा परमाणु भनुसंधान केन्द्र, निम्नलिखित श्रधिकारियों की उनके नामों के आगे लिखी भवधि के लिए, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न महायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

		भ्रवधि	X
क० नाम तथा पद सं०	स्थानापन्न निर्	ुक्ति से (पूर्वाह्म)	तक (श्रपराह्म)
सर्वश्री			
 एस० जी० सपालिगा सहायक 	सहायक [.] कार्सिक श्रधिकारी	26-12-78	25-1-79
 वी नारायन राय वरिष्ठ ग्रामुलिपिक 	सहायक कार्मिक श्रधिकारी	15-1-79	1-3-79
3. एस ० जी० सपालिगा महायक	सहाय क कार्मिक ग्रधिकारी	31-1-79	13-3-79
4. पी० वी कृष्णामूर्ति वरिष्ठ भ्राशु- लिपिक	सहायक कार्मिक अधिकारी	31-1-79	13-3-79

दिनांक 22 मार्च 1979

संदर्भ 5/1/79-स्थापना II/1099—नियंत्रफ, भाभा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र, निम्नलिखित प्रधिकारियों को उनके नामों के ग्रागे लिखी प्रविध के लिए, तदर्थ ग्राधार पर स्थाना-पन्न सहायक लेखा प्रधिकारी/लेखा ग्रिधकारी-II नियुक्त करते हैं:—

€ -				
			भ्रव	ঘি
ऋ 。	नाम तथा पद	•	से	सक
सं ०		नियुक्ति ———	(पूर्वाह्म) 	(भ्रपराक्ष)
1.	श्रीमती एम०पी० गिडवानी सहायक लेखा- पाल	महायक लेखा ग्रधिकारी	15-1-79	22-2-79
2.	श्री टी० के० राममूर्ति सहा- यकलेखापाल		31-1-79	3-3-79
3.	श्री एफ० डी'सूज महायक लेखा- पाल	ा सहायक लेखा ग्रधिकारी	4-3-79	भ्रगले भ्रादेणों नक
4.	श्रीमती एस०पी० मेहरजी महायक लेखा- पाल	सहायक लेखा श्रधिकारी	1-2-79	श्चगले मादेशों तक

1	2	3	4	5
मच मह	् एन० एम० ट यक लेखा धकारी	लेखा ग्रधि- कारी-II	15-1-79	17-2-79
क्रप	मती एघ०एच ाडिया ायक लेखा- न	लेखा	1 5-1-79	17-2-79

दिनांभ 23 मार्च 1979

संदर्भ : सी०-318/टी० एस० डी०/स्थापना-II/1112--मेवा-निवृत्ति श्रवस्था के होने पर, श्री रेमेडिश्रम फानसीकाग्रो कौटिनहो, एक स्थाई चार्जहैंड श्रीर स्थानापन्न वैज्ञानिक श्रधि-कारी/इंजीनियर (एस० बी०) 31-12-1979 के श्रपराह्न से मरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

विनांक 26 मार्च 1979

संदर्भ : 5/1/79-स्थापना-II/1148— नियंत्रक, भाभा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र, श्री एस० एन० सेन, सहायक सुरक्षा प्रधिकारी को 27-12-78 (पूर्वाह्न) से 23-2-79 (प्रपराह्न) की प्रविध तक तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न सुरक्षा ग्रिध-. कारी नियुक्त करते हैं।

कु० एच० ची० विजयकर, उप-स्थापना श्रधिकारी

अम्बई-400085, दिनांक 29 मार्च 1979

संदर्भ : 5/1/79-स्थापना-II/1203---नियंसक, भाभा परमाणु ध्रनुसंधान केन्द्र श्री बी० एम० नाइक, एस० जी० सी० को 13-2-1979 (पूर्वाह्न) से 23-3-1979 (प्रपराह्म) की अवधि के लिए, इसी अनुसंधान केन्द्र में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न महायक कार्मिक श्रिधिकारी नियुक्त करते हैं।

विनांक 5 **भ्र**प्रैल 1979

संदर्भ : 5/1/79-स्थापना-II/1329—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री टी० सी० आर० कुट्टी, सहायक सुरक्षा अधिकारी को 1-3-79 (पूर्वाह्न) से 31-3-79 (अपराह्न) की श्रवधि के लिए, सदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी निय्वत करते हैं।

> वी० एम० खातु, उपस्थापना भ्रधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 18 भ्रप्रैल 1979

संदर्भ : 5(5)/78-स्थाईकरण/1971—निदेशक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, श्री के० के० विश्वंभरन नायर, एक श्रस्थाई वैज्ञानिक श्रिधकारी/इंजीनियर, एस्० सी०, जैव रसायन एवं खाद्य तकनीकी प्रभाग को, इसके द्वारा 1 फर-वरी, 1977 से भाभा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र में, मौलिक रूप में, वैज्ञानिक श्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

संदर्भ : 5(5)/78-स्थाईकरण/1970—निदेशक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, इसके द्वारा निम्नलिखित ग्रधि-कारियों को 1 फरवरी, 1977 से, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र में, मौलिक रूप में वैज्ञानिक श्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एम० बी० नियुक्त करते हैं:--

ऋ ० सं०	नाम	श्रभीकापद	प्रभाग	बी० ए० फ्रार० सी० में स्थाई पद
	सर्वश्री		, error	
	एच० वी० खांडेकर	एस० सी०	विकारण चिकित्सात्मक एवं रक्षण प्रभाग	वैज्ञानिक सहायक 'सी'
	डी० ग्रा र० रायपुरक्षर	एस० सी०	स्वास्थ्य भौतिकी	वैज्ञानिक सहायक 'सी'
	ष्रार० एन० सुजीर	एस० सी०	तकनीकी सेवाएं	फोरमैन
	वी० म्रार० कुलकर्णी	एस० बी०	श्चार०-5 परि- योजना	नक्शामवीस 'बी'
	ए० एस० देशमुख	एस० बी०	जीवविज्ञान एवं फ्रुषि	वैज्ञानिक सहायक 'सी'

वी० श्रार० पाटगांवकर उप-स्थापना श्रधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 9 भग्नैल 1979

संदर्भः पी०-1462/एफ० म्रार० डी०/स्थापना-II/1420— निदेणक, भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र में, इसी केन्द्र के श्री परमक्ष्य पदमानन, स्थानापन्न वैज्ञानिक म्रधिकारी/इंजी-नियर ग्रेड (एस० बी०) का सेवा में त्यागपत्र 19 फरवरी, 1979 के म्रपराह्न में स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 18 भ्रप्नेल 1979

संदर्भ : बी०/1701/स्थापना-II/1504—नियंत्रक, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र, श्री के० जी० बालचन्द्रन, विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग में स्थाई उच्च श्रणी लिपिक तथा मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना, कलपाकम में स्थाना- पन्न एस० जी० सी० को, 12 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न से भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 श्रप्रैल 1979

संदर्भ : 5/1/79-स्थापना II/1616— नियंद्रक, भाभा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र, श्री पी० शिवम, सहायक सुरक्षा प्रधिकारी को 7^9 -1977 (पूर्वाह्न) से 30-11-1977 (प्रपराह्न) की अवधि के लिए, इसी प्रनुसंधान केन्द्र मे, सदर्थ प्राधार पर स्थानापन्न सुरक्षा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

दिनाक 30 **श्रप्रै**ल 1979

संदर्भ : 5/1/79-स्थापना-II/1658--- नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुमंधान केन्द्र, श्री बी० ए० बी० मेनन, महायक को 15-1-1979 (पूर्वाह्न) से 23-2-1979 (श्रपराह्न) की अवधि के लिए, इसी अनुमंधान केन्द्र में, नदर्थ पर स्थानापन्न महायक कार्मिक श्रिधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० टी० पिणोरी, उप-स्थापना भ्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग विद्युत परियोजना इंजीनियरिंग प्रभाग मुम्बई-5, दिनांक 27 अप्रैल 1979

मं० पी० पी० ई० डी०/3 (283)/76-प्रणा० 7489— इस प्रभाग के दिनांक 1 मार्च, 1979 की समसंख्यक ग्रीध-सूचना के कम में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक तथा इस प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखा ग्रीधकारी, श्री बी० डी० डी० ताम्बे को, जिन्हें 26 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्म से 18 अप्रैल, 1978 के ग्रपराह्म तक के लिए इस प्रभाग में लेखा ग्रीधकारी-II नियुक्त किया गया था, 5 मई, 1979 के श्रपराह्म तक उसी पद पर कार्य करने की श्रनुमति प्रदान की जाती है।

> बी० वी० थात्ते, प्रणासन ग्रधिकारी

क्य एवं भंडार निदेणालय बम्बई-400001, दिनांक 9 मर्ड 1979

सं० डी० पी० एस०/21/1 (2)/78-संस्थापन/2849— निदेशक, ऋय एवं भंडार निदेशालय, श्री चिकुरली श्रीकान्त शिवरामू, श्रस्थाई ऋय महायक, को प्रभारी महायक ऋम श्रिधकारी पद पर ६० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन ऋम मे, तदर्थ स्प से दिनांक 2 श्रप्रैल, 1979 पूर्वाह्न से 5 मई, 2---86G1/79 1979 तक, तथा नियमित रूप से 5 मई, 1979 में अग्रिम श्रादेशों तक नियुक्त करते हैं।

> कं० पी० जोसफ, प्रणासन श्रधिकारी

नाभिकीय उँधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 2 म^ई 1979

सं० पी० ए० भ्रार्०/0704/1473—सृख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, श्री बी० एच० एल० जी० णास्त्री, श्रीद्योगिक श्रस्थायी भ्राणुलिपिक (प्रवरण कोटि) को 29-3-1979 से 18-6-1979 तक नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र में स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

यू० <mark>वासुदेव राव,</mark> प्रणासन <mark>प्रधिकारी</mark>

(परमाणु खनिज प्रभाग) हैदराबाद-500016, दिनाक 10 मई 1979

मं० प० ख० प्र-1/10/77-प्रशामन---परमाणु ऊर्जी विभाग के परमाणु खिनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खिनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खिनिज प्रभाग के महायक लेखा श्रिधकारी श्री डी॰ए म० इसरानी को इसी प्रभाग में दिनांक 5-7-1979 से 22-6-1979 तक श्री के० पी० सेखरन, लेखा श्रिधकारी-II. जिन्हे छुट्टी प्रदान कर दी गई हैं, के स्थान पर विशुद्ध रूप से श्रस्थाई पद पर लेखा श्रिधकारी नियुक्त करने हैं।

मं० प० ख० प्र-1/-10/77-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के लेखापाल श्री जे० के० शर्मा को इसी प्रभाग पर, लेखा श्रिधिकारी-धि के पद पर पदोन्नत कर दिए गए श्री डी० एम० इसरानी के स्थान पर, दिनांक 7-5-1979 से 22-6-1979 तक विशुद्ध रूप से श्रम्थाई पद पर सहायक लेखा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

सं प ख प्र-1-29-78-प्रशासन--परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री राजगोपाल मोहन्ते को दिनांक 5-4-1979 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश तक परमाणु खनिज प्रभाग में स्थानापन्न पद पर वैज्ञानिक अधिकारी/श्रभियन्ता ग्रेड 'एस-बी' नियुक्त करते हैं।

हते एम०एस० राव वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 8 मई 1979

मंदर्भ भा० पा० प० स्था/ 1/सी-16/2088--भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य प्रधिकारी श्री पारथमला फिलि≞

पोज चेरियन, उच्च श्रेणी लिपिक, भारी पानी परियोजना (पूरीकोरिन) को उसी परियोजना में श्री सी० पदमनाभन् महायक कार्मिक अधिकारी, जो छुट्टी पर है, के स्थान पर 8/3/1979 से 7/4/79 (प्रपराह्म) तक के लिए तदर्थ आधार पर अस्थायी तौर पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक प्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायनणन वरिष्ठ प्रशासन भ्रधिकारी

पर्यंटन तथा नगर विमानन मंत्रालय महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1979

सं० ए० 38015/1/78 इसी—श्री के ० एन० के० पोवूनाल, तकनीकी प्रधिकारी, वैमानिक संचार स्टेणन वस्वर्ध ने सेवा निवृत्तिपूर्व प्रवकाण के रूप में दिनांक 21-9-78 से 8-1-79 तक 110 दिन की ग्राजित छुट्टियों के साथ 9-1-79 से 31-1-79 तक 23 दिन की ग्राध वेतन छुट्टी पर जाते हुए दिनांक 21-9-78 (पूर्वाह्न) को प्रपने पद का कार्यभार त्याग दिया है ग्रीर छुट्टी की समाप्ति के बाद वे मूल नियम 56 (के) के प्रावधानों के प्रधीन दिनांक 31-1-79 (ग्रपराह्म) से सरकारी सेवा में निवृत माने जाएंगे।

सत्य देव शर्मा उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 9 मई 1979

ए० 12025/16/77-ई एस—-संघ लोक सेवा श्रायोग की सिफारियों पर राष्ट्रपति ने श्री डी०पी०धोप को दिनांक 24-4-79 से श्रीर श्रन्थ श्रादेश होने तक नागर विमानन विभाग में स्थानापन्न विमान निरीक्षक के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 10 मई 1979

सं० ए० 44012/1/78-ईएस---राप्ट्रपति ने निदेशक, विमान निरीक्षक कानपुर के कार्यालय में श्री बी० ग्रार्० बोराह विमान निरीक्षक का दिनांक 21-4-1979 (श्रप-राह्म) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

सं० ए० 44012/1/78-ई एस—-राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय निवेशक, बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई के कार्यालय में श्री एस० पी० सिंह विमान निरीक्षक का दिनांक 18-4-79 (ध्रपराह्न) से सरकारी सेवा से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

सं० ए० 44012/1/78-ईएस—-राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय निदेशक, दिल्ली क्षेत्र, सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में श्री राजीव कपूर, विमान निरीक्षक का दिनांक 17-4-79 (श्रपराह्म) से सरकारी मेवा से त्यागपत्न स्वीकार कर लिया है।

एस० एल० खण्डपुर महायक निदेशक प्रशासन

्विदेण संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 10 मई 1979.

मं० 1/449/79-म्था—विदेण संचार सेवा के महानिदेशक एतद्द्वारा श्री विमल वाख्लू को 1 श्रप्रैल, 1979 के पूर्वाह्म रो श्रीर श्रागामी श्रादेशों तक स्विचन समूह, बम्बई में ग्रस्थायी रूप से महायक श्रभियंना नियुष्त करते हैं।

एच०एल० मलहोत्ना, उप निदेशक (प्रशा) **हते** महानिदेशक

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 10 मई 1979

सं० ए० 32012/2/70-प्रशासन-पांच-विभागीय पदोन्नति समिति (श्रेणी-ख) की सिफारिशों पर श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग, निम्निलिखित वरिष्ठ श्रनुसंधान सहायकों/श्रनुसंधान सहायकों को जो कि इस समय केन्द्रीय जल श्रीर विद्युत श्रनुसंधान शाला, पूणे में तदर्थ श्राधार पर सहायक श्रनुसंधान ग्राधान (भौतिकी) पद पर कार्य कर रहे हैं, उन्हीं पदों पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-1000-द० रो० 40-1200 के वेतनमान में 1 जनवरी, 1979 से श्रगले श्रादेशों तक, नियमित रूप से एतद्द्वारा नियुक्त करते हैं:--

- 1. श्री एन० एम० महाजन
- 2. श्री एम० डी० काम्बले
- 3. श्री एच० एस० एन० स्वामी
- 2. ये श्रधिकारी, महायक श्रनुसंधान श्रधिकारी (भौतिकी) के पद पर 1 जनवरी, 1979 से दो वर्ष पर्यन्त तक परिवीक्षा पर रहेंगे।

दिनांक 15 मई 1979

सं० ए०19012/686/78-ए डी० एम० वी०--श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्री पी०के० चटर्जी, पर्यवेशक को पदोन्नति पर श्रीतिरक्त सहायक निदेशक/ सहायक इंजीनियर के ग्रेड में ६० 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 40-1200 के वेतनमान में 28 जनवरी, 1978 की श्रपराह्म में पूर्णत्या श्रस्थायी तथा तदर्थश्राधार पर केन्द्रीय जल श्रायोग में इस पद को नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, नियुक्त करते हैं।

जै०के० साहा, ग्रवर सचिव

रेल मंत्रालय

सवारी डिब्बा कारखाना
महा प्रबंधक का कार्यालय
कार्मिक शाखा/शेल
मद्रास-38, दिनांक श्रप्रैल 1979

सं० पी०बी०/जी०जी /9/विविध/II—1. मध्य रेलवे से स्थानान्तरित होकर श्री के० वी० शंकरन, स्थानापन्न उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (किनष्ठ प्रशासनिक) 4-1-79 को इस प्रशासन में हाजिर हुए ग्रौर उन्हें स्थानापन्न उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/पद्धित विकास ग्रुप (क्०प्र०) के रूप में तैनात किया गया।

- 2. चित्तरंजन रेल इंजन कारखाने से स्थानान्तरित होकर, श्री पी०जे०ग्रब्गहाम स्थानापन्न उप मुख्य यांतिक इंजीनियर (क०प्र०) 4-1-79 को इस प्रशासन में हाजिर हुए ग्रौर उन्हें स्थानापन्न उप मुख्य यांतिक इंजीनियर/योजना (क०प्र०) के रूप में तैनात किया गया।
- 3. श्री टी० एस० कृष्णमूर्ति, स्थानापन्न उप वित्त सलाह-कार ग्रौर मुख्य लेखा ग्रधिकारी/ म०प०प० (क०प्र०) को जिनका स्थानान्तरण मध्य रेलवे को हो गया, 4-1-79 को इस प्रशासन से भारावमुक्त किया गया।

श्री टी॰ एम॰ नरिमहन, स्थानापन्न वरिष्ठ लेखा ग्रिध-कारी/वित्त (व॰वे॰) को 4-1-79 से स्थानापन्न रूप से उप वित्त सलाहकार ग्रीर मुख्य लेखा ग्रिधकारी /म॰प॰प॰ (क॰ प्र॰) के रूप में पदोन्नत किया गया।

श्री एम०एन० कृष्णमूर्ति, सहायक लेखा श्रधिकारी/ फर० (श्रेणी II) को 4-1-79 से वरिष्ठ लेखा श्रधिकारी/ वित्त (व०वे०) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

- 4. श्री टी० ग्रार० राजामणि स्थानापन्न मुख्य नक्शान-बीस (श्रेणी III) को तदर्थ रूप से श्रेणी II सेवा में स्थाना-पन्न रूप से पदोन्नत करके उन्हें 8-1-79 से स्थानापन्न सहायक इंजीनियर/निर्माण के रूप में तैनात किया गया।
- 5. श्री के० एस० वेंकटरमणी वरिष्ठ पद्धति विश्लेषक (व०वे०) (तदर्थ) को 22-1-79 के ग्रपराह्न से स्थानापन्न सहायक लेखा ग्रधिकारी के रूप में श्रेणी II सेवा में परा-वर्तित किया गया।

इस अधिकारी को वरिष्ट वेतनमान में वरिष्ट लेखा अधिकारी/फर के रूप में 26-2-79 से 11-4-79 तक स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

6. श्री ग्रार० सी० टंडन, स्थानापन्न ग्रपर मुख्य यांत्रिक इंजीनियर (वरिष्ठ प्रशासनिक लेवल-II) को जिनका स्थानान्तरण दक्षिण पूर्व रेलवे को मुख्य कारखाना इंजीनियर (लेवल I विभागाध्यक्ष) के रूप में हो गया इस प्रशासन से 27-1-1979 के ग्रपराहन से भारावमुक्त किया गया।

7. श्री के० पी० करुणाकरण, डिपो भंडारी (श्रेणी III) को 13-2-79 से सहायक भंडार नियंत्रक/श्रनुवीक्षण श्रीर विकास (श्रेणीII) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।

श्री एस० सुब्बैया, स्थानापन्न सहायक भंडार नियंत्रक (ग्रनुवीक्षण ग्रौर विकास) (तदर्थ) को 13-2-79 से श्रेणी ।।। सेवा में परावर्तित किया गया।

- 8. श्री ई० गानसाल्वेम, महायक सुरक्षा श्रधिकारी का दक्षिण मध्य रेलवे सिकंदराबाद से स्थानान्तरण होने पर उन्हें 5-3-79 से इस प्रशासन में स्थानापन्न सहायक सुरक्षा ग्रधिकारी/ग्राग(श्रेणी-II) के रूप में तैनात किया गया।
- 9. श्री के० मायन, स्थानापन्न डिपो भंडारी/ग्रेंड I (श्रेणी III) को 26-3-79 से महायक भंडार नियंत्रक/ग्रनुवीक्षण ग्रौर विकास (श्रेणी II) के रूप में स्थानापन्न रूप से पदोन्नत किया गया।
- 10. श्री जी० शेषगिरि राव शाप श्रधीक्षक/उत्पादन नियंत्रण/फर, को जिन्हें 'राईट्स' पर प्रतिनियुक्त किया गया था 6-12-78 से सहायक यांत्रिक इंजीनियर (श्रेणी- I_I) के रूप में प्रोफार्मा पदोन्नति दी गयी है।
- 11. श्री वी० कार्मेलस, सहायक कर्मशाला प्रबंधक/ ग्रसेम्बली/फर (क० वे०) को विरुद्ध वेतनमान में स्थाना-पन्न रूप से पदोन्नत करके 31-3-79 के ग्रपराहन से स्थानापन्न उत्पादन इंजीनियर/प्रगति/फर (द०वे०) के रूप में तैनात किया गया।

ग्रार० रंगराजन उप मुख्य कार्मिक ग्रधिकारी कृते महाप्रबंधक

मध्य रेल

प्रधान कार्यालय कार्मिक शाखा

बम्बई वी॰टी॰, दिनांक 7 मई 1979

सं एच ०पी ०बी ०-220 बी जी/ Π /एल — निम्निलिखित सहा-यक विद्युत इंजीनियर (श्रेणी Π) को उनके नाम के सामने दिखायी गयी तारीख से उसी पद में स्थायी किया जाता है:

नाम

श्रेणी दो की सेवा में स्थायीकरण की तारीख

श्री जी० एन० सालवन

5-1-1979

सं० एच० पी० वी०-220-जी/II/बी—-निम्नलिखित ग्रिध-कारियों को उनके सामने दिखायी गयी तारीख से सहायक कार्मिक ग्रिधिकारी पद श्रेणी 2 सेवा में स्थायी किया गया है।

ऋमांक	नाम	स्थायी	होने	की	तारीख
1	2		3		
1 स्रोम	। प्रकाश मिश्रा		9-2-	72	
2. ना	०चे० सुन्दरारामन		26-2	-73	1

(3)
11-7-73
30-6-74
31-10-75
1-1-76
1-1-76
1+1-76
1-1-76
7-6-76
11-4-77
11-4-77
कृष्ण चन्त्र, महाप्रबंधक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी **अधिनियम**, 1956 श्रौर मैंसर्ज भाटिया **ब्र**दर्ज ट्रामपोर्ट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

दिल्ली, दिनाक 1979

मं० 2916—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख से तीन मास के श्रवसान पर मैंसर्ज भाटिया खदर्ज ट्रांसपोर्ट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिणत न किया गया नो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

हर लाल सहायक कम्पनी रजिस्ट्रार, दिल्ली एवं हरियाणा

"कस्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर श्रानंदपुर चिट फन्ड कस्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालंधर, दिनांक 1979

स० जी/स्टेट/560/3075 --- कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस नारीख से तीन मास के श्रवसान पर श्रानदपुर चिट फन्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिणित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

"कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर वेन्स क्रोस चिट फंन्ड फाईने-न्सीयरस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

जालंधर दिनांक: 1979

सं० जी/स्टेट/560/3283—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्शारा सूचना दी जाती है कि बेन्स श्रोस चिट फंड फाईनेन्सी-यरस प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर में काट दिया गया है श्रोर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

"कम्पनी श्रधिनियम 1956 ग्रीर युरेका एक्सपोर्टम प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालंधर, दिनांक 1979

मं जी/स्टेट/560/3671—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि युरेका एक्सपोर्टम प्राईवेट लिमिटेट का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्रौर पंजाब रबड़ एन्ड केमीकल इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में ।

जालंधर, दिनांक 1979

सं० डी/स्टेट/560/2952/——कम्पनी श्रिधिनयम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रव-सान पर पंजाब रबड़ एन्ड केमीकल इन्डस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिश्यत न किया गया तो रिजस्टर मे काट दिया जाएगा श्रीर जक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

कम्पनी प्रधिनियम 1956 श्रीर एम० एन० कीम्बर्स प्रा**र्**वेट लिमिटेड के विषय में ।

जालंधर, दिनांक 1979

मं० जी/म्हेट/560/3070—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुमरण में एतदहारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एम०एच०कौम्बर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विविटित कर दी जाएगी।

श्रोम प्रकाण जैन, भस्पनी रजिस्ट्रार

पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 और मेसर्स नायलोटेक्स इन्जीनियरिंग प्राध्वेट लिमिटेड के - विषय मे।

श्रहमदाबाद, दिनांक

1979

सं० 560/2133---कम्पनी अधिनियम. 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स नायलोटेक्स अन्जीनियरिंग प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिणत न किया गया तो रिजस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> जे० गो० गाथा प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य श्रहमदाबाद

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर के० ब्लू माउन्ट होटेल्प प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 9 मई 1979

सं० ए० 677/546-(2)—-कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि ब्लू माउन्ट होटेल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> दिलीप कुमार पाल कम्पनियो का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 के विषय में तथा 'सीतै मिल्म लिमिटेड'' के विषय में (कम्पनी श्रिधिनियम, 56 की धारा 445)

सं० 2009/को-निकि/445/74--एतद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही स० 96/1974 में उच्चन्यायालय, मद्राय की फाइल पर दिये गये दिनाक 6-10-1977 के श्रादेश द्वारा कम्पनी सीते मिल्ज लिमिटेड को समाप्त कर दिया गया है।

कम्पनी अधिनिथम 1956 के विषय में तथा ''मैंको टूल्स लिमिटेड के विषय में'' (कम्पनी श्रधिनिथम, 56 की धारा 445)

मद्रास, दिनाक 9 मई 1979

सं० 5163/को-लिकि/445/77—एतद्द्वारा यह मुचित किया जाता है कि न्यायालय कार्यवाही सं० 32/1977 में उच्च न्यायालय, मद्राम की फाइल पर दिये गये दिनाम 3-11-1977 के ब्रादेण इत्या कमानी मैंको टूल्य लिमिटेड को समा-प्त कर दिया गया है।

एस० सत्यनारायण सहायक क्रमानियों का रिजस्ट्रार बित्ता मंद्रालय

(राजस्त्र ग्रीर बीमा विभाग)

भ्रायकर विभाग

बम्बर्ड, दिनाक 19 मार्च 1979

स० प्रार०18/78-79--जबिक केन्द्रीय सरकार का यह मन है कि जिन निर्धारिनियों पर निम्निलिखिन कारणों के लिए 1-4-1977 से 31-3-1978 की प्रविधि के दौरान लगाई गई णास्ति (पैनल्टी) 5000/- रु० से कम न थी, उनके नाम व प्रत्य सबधित ब्यौरे प्रवाणित करना जनहित में जरूरी फ्रीर समयोचित है:---

- (क) ग्राय छिपाने या उनके द्वारा देय पेशनी कर का ऐसा श्रनुमान दाखिल करने के लिए, जिसके बारे में वे जानते थे या उनके पास यह विश्वास करने के कारण थे कि वह असस्य है,
- (ख) श्राय विवरणी दाखिल न करने या देरी से दाखिल करने श्रथवा लेखा बाह्यां प्रस्तुत न करने के लिए,
- (ग) कर न चुकाने के लि^ए,

ग्रौर इसिलयं ग्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 287 द्वारा प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय मरकार ने निदेण दिया है कि पूर्वोक्त निर्धारितियों के नाम ग्रौर ग्रन्य ब्यौरे प्रकाणित किए जाएं, तदनुमार उन्हें एतद्द्वारा यहा संलग्न ग्रन्सूची-I, II ग्रौर III में प्रकाणित किया जाता है, जिसके साथ (1) है सियत 'व्य' — व्यक्ति के लिए 'क' कम्पनी के लिए 'फ' रिजस्ट्रीकृत फर्म के लिए, 'व्यव्सव' व्यक्तियों के संगठन के लिए, (2) निर्धारण वर्ष ग्रौर (3) लगाई गई णास्ति की रकम भी दिखाई है।

अनुसूची-1:—ऐस निर्धारिनी जिन पर श्राय छिपाने या उनके द्वारा देय पेशगी कर का ऐसा अनुमान दाखिल करने के लिए, जिसके बारे में वे जानते थे या उनके पास यह विश्वास करने के कारण थे कि वह असत्य है, 1-4-1977 से 31-3-1978 की श्रवधि के दौरान लगाई गई शास्ति (पैनल्टी) 5000/- ६० से कम न थी और जिन मामलों में ऐसी शास्ति के खिलाफ अनुमत्य समय के अन्दर आयकर अपीलीय अधिकरण में अपील आयकर आयुक्त के यहां पुनरीक्षण याचिका/ समझौता श्रायोग के यहां श्रजी दायर नहीं की गई, या श्रपील/पुनरीक्षण याचिका/ श्रजी दायर की गई और मामले को श्रीतम क्ष्य दिया जा चुका है।

- - (I) স্মাধ্যত দাও (II) 1971-72, (III) দাও 6,490/-
 - (II) 1972-73 (III)和 6.785, (II) 1973-74, (III) 元 6,785.

प्रामुखी-II: ऐसे निर्धारिती, जिन पर ग्राय विवरणी दाखिल न करने या देरी से वाखिल करने प्रथमा लेखाबहियां प्रस्तुत न करने के लिए 1-4-1977 से 31-3-1978 की प्रयधि के दौरान लगाई गई शास्ति 5000/- रु० से कम न थी ग्रौर जिन मामलों में ऐसी शास्ति के खिलाफ ग्रनुमत्य ममय के ग्रन्दर ग्रायकर ग्रपीलीय ग्रधिकरण में ग्रपील, ग्रायकर ग्रायुक्त के यहां पुनरीक्षण याचिका/ममझौता ग्रायोग के यहां ग्रजी दायर नहीं की गई या ग्रपील/पुनरीक्षण याचिका/ग्रजी दायर की गई ग्रौर मामले को ग्रंसिम रूप दिया जा चुका है।

1. मैसर्स पारिजात फिल्म, 5, फातिमा मंजिल, टी॰ पी॰ एस॰-III, 26वां रास्ता, बान्द्रा बम्बई । (I) श्रर्राजि॰ फ॰, (II) 1971-72, (III) रु॰ 43,265, (II) 1972-73, (III) रु॰ 45,232 (II) 1973-74, (III) 45,232.

प्रमुखी-III: ऐसे निर्धारिती (जन पर कर न चुकाने के लिए 1-4-1977 से 31-3-1978 की प्रविध के दौरान लगाई गई णास्ति 5000/- रु० से कम न थी और जिन मामलों में ऐसी शास्ति के खिलाफ अनुमत्य समय के अन्दर श्रायकर प्रपीलीय श्रिधकरण में अपील, श्रायकर प्रायकर प्रपीलीय श्रिधकरण में अपील, श्रायकर श्रायकर प्रपीलीय श्रिधकरण में अपील, श्रायकर श्रायकर के यहां पुनरीक्षण याचिका/ममझौता श्रायोग के यहां श्रजी दायर नहीं की गई या अपील/पुनरीक्षण याचिका/अर्जी दायर की गई श्रौर मामले को श्रितम रूप दिया जा चुका है।

1. श्री रुमानी जे० बी० कैलाश मेन्सन, तिलक रोड, बाटकोपर (पूर्व), बम्बई । (I) 'क्य' (II) 1972-73, (III) रु० 9,907.

एस० एस० कपूर ग्रायकर ग्रायुक्त, केन्द्रीय-1, बम्बई। प्ररूप भाई • टी • एन • एस • ---

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कानपुर

नागपुर, दिनांक 13 मार्च 1979

फा० मं० श्राय० ए० सी०/म्रर्जन 89/78–79 यतः मुझे, एम० व्ही० म्नार० प्रसाद भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रष्टीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका कारण है 25,000/-से मधिक मुस्य रुपये भौर जिसकी सं० एन० श्राय० टी० प्लाट नं० 24–श्र, ग्रैट नाग रोड़, है तथा जो नागपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपलब्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के **ग्रधीन,** तारी**ख** 12-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों), के बीच ऐसे मन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकत निम्तिविद्या उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी घन या भन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: धव, उक्त प्रविनियम की धारा 269-ग के धनु-सरण में, मैं, उक्त प्रविनियम की बारा 269-व की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थांतु:---

- श्री वसंत कृष्णराव शिरपूरकर, बडकस चौक, नागपुर, (श्रन्तरक)
- श्री श्रीधर मोरेख्वर वैद्द, "स्नेल्दीप" राणी लब्मी-नगर, नागपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अस्य अयक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रवि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रम होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एन० स्राय० टी० प्लाट नं० 24-म्न, जो बाई नं० 11, सर्कल नं० 2, डिव्हीजन नं० 1, जो ग्रेट नाग रोड़, नागपुर में स्थित है।

> एम० व्ही० ग्रार० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, नागपुर

तारी**ख**ः 13 मार्च 1979

प्ररूप धाई० टी• एम• एस•---

श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269≁घ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 मई 1979

श्रीर जिसकी मं० ए०-9/15 है तथा जो वसंत विहार, नई विल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 30-9-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझं यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझं यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर घन्तरक (अन्तरकों) भीर घन्तरि तो (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अभ्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्ये में किवत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किमा प्राय की बाबन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने पाउमसे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय भायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिएथा, छिपाने में भ्विधा के लिए।

जतः जन, उन्त प्रधिनियम, की घारा 269का के भन्-सर्च में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269का की उपधारा (1) के अधीन निश्निविचित व्यक्तियों, अर्थात् :-- ा एथर कमांडर सी० के० मिघा (ग्रवकाणप्राप्त) सुपुत्र स्व० श्री जे० सी० सिवा श्रीमती श्रीति लता मिखा पत्नी एयर कमांडर मी० के० मिद्या, निवासी ए-9/15 वर्मन विहार, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)

2. श्री श्रोम वाधवा सुपुत्र स्वर्गीय श्री हर भगवान वाधवा निवासी ए-7,गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी*त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 विन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इनमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जा उन्त अधि-ितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो प्लाट न० 15, ब्लाक ए० गली नं० 9 जिसका क्षेत्रफल 600 वर्ग गज है, वसंत बिहार, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: 15 फुट चौड़ी सर्विम रोड़। पक्ष्चिम: गली नं० ए—9। उत्तर: मकान नं० 16। वक्षिण: मकान नं० 14।

> डी० पी० गोयल सक्षम ग्रधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली

नारीख: 17-5-1979

प्रकृप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के भिष्ठीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-I, दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 15 मई, 1979

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/I/एस० श्रार०-III सितम्बर-1(37)/78-79/644—यतः, मुझ, डी० पी० गोयल

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीत सञ्जम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रीधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस०-503 है तथा जो ग्रेटर कैलाश, पार्ट-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में पूर्व रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 15-9-1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान के पार्वालयमियात विश्वार है जिल्ला के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान

सं० 6/585/59-प्रशासन (राज०) — सेवा निवृत्ति की धायु होने पर, कलकत्ता में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के कार्यालय में श्री डी०एम० चौधरी ने 31 मार्च, 1979 के वोपहर बाद से उम कार्यालय में श्रपने पद का कार्यभार सौप दिया।

सं० 6/939/71-प्रशासन (राज०)—केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग ग्रधिकारी वर्ग में स्थानापन्न श्रधिकारी, श्री एल० एस० बटोला को दिनांक 1 श्रप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की श्रनुमति दी जाती है।

विनांक 14 मई 1979

सं० 6/528/58-प्रणासन (राज०)—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी वर्ग के स्थायी श्रधिकारी, भी जे० एस० सहोटा की दिनांक 23-2-79 से 30-4-79 तक की श्रवधि के लिए उक्त सेवा के वर्ग-1 में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

 राष्ट्रपति, श्री महोटा को पूर्वोक्त श्रवधि के लिए इस कार्यालय में उप-मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

> राजिन्द्र सिंह, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात इते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

- 1. श्रीमती सवाराज भाटिया धम पन्ती हरवन्स लाल भाटिया, निवासी फ्लैंट न० 15, 163, एस० पी० मुकर्जी रोड़, कलकत्ता-26। (ग्रन्तरक)।
- श्री ठाकुर नानक सिंह पुत्र श्री गय सिंह निवासी
 137, मत्या निकेतन, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)।

को यह मुचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पनि के प्रर्जन क लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितयड किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो उक्त ग्राधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही

त्रा हो।। । जिल्लाके १० मक् १०४०

सं० ए०-17011/151/79-प्र०-6---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, बर्नपुर निरीक्षणालय में भण्डार परीक्षक (धातु) भी यू० सी० दत्ता को दिनोक 31 मार्च, 1979 के पूर्वाह्म से भौर स्नागामी स्नादेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय के श्रधीन जमशेदपुर निरीक्षणालय में महायक निरीक्षण श्रधिकारी (धातु) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

> पी० डी० सेठ उपनिदेशक (प्रशासन) **इस्ते** महानिदेशक

(प्रणासन म्रनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 10 मई 1979

मं० प्र०-1/1(262)—राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान निदेशालय कलकत्ता में स्थाई निदेशक (भारतीय पूर्ति मेवा के ग्रेड 1) श्री पी० चऋवर्ती को 22-2-79 के पूर्वाह्म से ग्रागमी ग्रादेशों तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली, में स्थानापश्च उप महानिदेशक के रूप में नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर अपनिदेशक (प्रशासन) **इसे** महानिदेशक आई॰ टी॰ एन॰ एस०----

प्रायकर प्राधनियम, 1951 (1961 का 43) को धारा 269-ष (1) के ग्रियोन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 5 मई 1979

निदेश सं० ए० एस० प्रारः | 79-80 | 25-यनः मुझे, एम० एस० महाजन
ग्रायंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसकी सं० कोठी नं० 2 (प्राइवेट) हैं तथा जो कि माल रोड़, प्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुखी में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकरी ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रमतसर शहर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 1 सितम्बर 1978 को पूर्वीक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रप्रमान प्रातकत्र के लिए मलरित को गर्ध है ग्रीर मसे यह विश्वास करने का

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उलित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमात प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करते का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अने के दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिज्ञ से प्रथमान प्रतिकल के प्रोप्त प्रमान प्रतिकल के लिये स्वयं नामा गय अनकत्व, निम्निजितित उद्देश से उत्तर प्रस्तरण निम्निज्ञ से वास्तविक रूप संकथित नत्री किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसा भ्राप्त को बाबत, उत्तर भिधिनियम के भ्रधीन कर देन क अन्तरा के वायिस्त में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भ्रीर/या
- (ख) ऐसी हिए आर पा किया रन या ग्रना प्रास्तिया, का अन्हें भारतीय भाषकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त प्रधिनियम पा धन-कर भिधानयम, 1957 (1957 का 27) का प्रयोजनाने अन्तरिता हारा प्रकर नहा किया गमा था मा किया जारा चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के प्रन्तरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपघारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों अर्थात :--

- श्रीमती पुष्पा वती पत्नी श्री प्रेम नाथ कोठी नं० 2, माल रोड़, श्रमृतसण। (ग्रन्तरक)।
- 2. श्री प्रजैव सिंह गुलेरी ग्रीर श्री इन्द्रपाल सिंह कोठी नं० 2 (प्राईवेट) वी माल रोड़, ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- जैसा कि ऊपर सं० 2 में थ्रौर कोई किराएदार हो
 तो। (बहु व्यक्ति, जिसके श्रिधिमोग में सम्पत्ति है)।
- 4. यदि ग्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (बहु व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रघोहरताक्षरी जानता है कि वह मंपित्त में हिनबद्ध है)।

का यह यू ता जारो करक पूर्वामा सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहितः करना है।

उसा महाति के प्रतेत ह मंत्र में होई वा पालेंग :--

- (ऋ) डा स्वाः के राजाक्ष में प्रकाशन को नारीख में 45 दिन को सविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की नारात में 30 दिन का प्रविधि, जा मो प्रविधि बाद में नपाल्न होती हा, के मानर इंगिंग्न व्यक्तिया में किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) ६२ मूबना क राजरत्र में उक्ताशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद किसो प्रत्याव्यक्ति द्वारा प्रयोजन्ताः सीके पण्स लिखित में किए जासकी।

हाडटाचरणः --६५मॅ शुक्त गर्थो मौर पदा का, जा उच्त गर्था-नियम के प्रध्याय 20-क में परिवाधित हैं, बही अर्थे होगा, जा उप प्रधाय में दिशायया है।

अनुसुची

एक कोठी नं० 2 (प्राईवंट) माल रोड़, श्रमृतसर में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्री डीड नं० 2015 दिनांक 1-9~ 1978 श्राफ रिजस्ट्रडीड श्रथारिटी श्रमृतसर कहर कार्यालय में दर्ज है।

एम० एल० महाजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख**ं:** 7-5-1979 मो**हर**ः प्ररूप आई • टी • एन ० एस ०---

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतभर, दिनाक 7 मई 1979

निदेश स० ए० एस० ग्रार०/79-80/26--यत मुझे, एस० एल० महाजन

घायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत प्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ध के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ चप्ए से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 31 है तथा जो कि श्रमरकोट जी० टी० रोड, श्रमृतसर में स्थित है (ग्रींग इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय श्रमृतसर शहर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8 सितम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (प्रन्तरको) श्रीर अन्तरिती (प्रन्तरितया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) ग्रम्तरण ये हुई जिसा ध्राय का वाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) एमा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधितयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधित्यम, या धन-कर अधित्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विस्था जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शतः शव, उक्त ममिनियम की धारा 269मा के शनुसरण में; में उक्त मिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) शकीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- 1 श्रीमती कुलबन्त कौर विधवा श्री निहाल सिंह निवासी मकान नं० 1671, रनजीतपुरा खालसा कालेज, ग्रमृतसर। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री सुरिन्द्र सिंह पुत्र श्री माहल सिंह निवासी कोहाली ग्रीर श्रीमती भभरजीत कौर पत्ती श्री ग्रमरीक सिंह, निवासी छिदन तहसील ग्रजनाला। (ग्रन्तरिती)
- 3 जैसा कि ऊपर स० 2 में श्रौर कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)
- 4 यदि कोई ग्रोर व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रयोहस्ताक्षरी जानता हैं कि वह संगत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोकत सम्पत्ति के पर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रमधि या तस्संबर्धा व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रमधि, जो भी श्रमधि बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर पूचानत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्ता।

हरष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो मीर पदी का, जा उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-कमे परिभाषित है, वहीं मर्ग होगा, जा उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूधा

एक प्लाट न० 31 जो कि श्रमर कोट जी० टी० रोड़, श्रमृतसर में स्थित है जैसा कि रिजस्टर्ड डीड स० 2098 दिनांक 8-9-1978 श्राफ रिजस्ट्रीग श्रथारिटी श्रमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख : 7-5-1979

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०————— ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के ग्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 7 मई 1979

निदेश मं० जी० एस० पी०/79-80/27---यतः मूझे एम० एन० महाजन आयक्द ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्सम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मूस्य 25,000/- रुपए

भौर जिसकी मं० भूमि का प्लाट है तथा जो कि दीता नगर में स्थित है (भ्रौर इममे उपाबद्ध अनूसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुर-वासपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, तारीख 22 सितम्बर 1978 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिक्षल के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से प्रधिक है घोर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित ज्रहेश्य से उन्त ग्रन्तरण के निये लिखित में बास्तविक रूप से किबत नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भाष्य-नियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दाकित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या प्रम्य धास्त्रियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्योजनार्थं अन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उस्त अधिनियम की द्वारा 269-ग के धनुबरण में, में, उस्त ग्रिधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, न्नर्यात:—

- श्रीमती बिमला देवी पत्नी श्री राधा किशन निवासी मालीवाल तहसील गुरदासपुर। (श्रन्तरक)।
- श्री गूरवचन सिंह पुत्र श्री खेल सिंह क्लर्क न्यू बैंक श्राफ इण्डिया, गुरदासपुर। (ग्रन्तरिती)।
- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रीर कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)
- 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबख है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की भ्रविधिया तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 3.0 दिन की अविधि, जो भी भ्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ग) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जासकोंगे।

स्प शीकरण :---इसर्ने प्रयुक्त शब्बों पीर पदों का, तो उक्त प्रधिनियम के भड़्याय 20-क में यथा परिमाणित हैं, वहीं अर्थे होगा, जो उस भड़्याय में विया गया है।

अमुसूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 24 कनाल 8 मरले है जो कि गांव द्रीना नगर में है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड सं० 4067 दिनांक 22-9-1978 ग्राफ रजिस्ट्रींग ग्रथारिटी गुरवासपुर में स्थित है।

> एम० एल० महाजन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 7-5-1979

त्रक्षय माई• टी• एत• एत•------

भायकर ग्रांचितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ(1) के श्रधीत सुचना

मारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, अमृतसर श्चमृतसर, दिनांक 7 मई 1979

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/79-80/28---यतः मुझे, एस० एल० महाजन भागकर ग्रिश्चित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिश्चित्यम' कहा गया है), की चारा 269-ख के ग्रिश्चीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य, 25,000/• च॰ से ग्रिष्ठक है

ग्रीर जिसकी मं० भूमि का टूकड़ा है तथा जो कि घरदोबध वाला तहसील अमृतसर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, गूरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6 ग्रक्तूबर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्त्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके वृत्त्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है भीर प्रन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरित्यों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिबे तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कार्या नहीं किमा गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त बाधि-नियम के भाषीन कर वैमे के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिके; और/था
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या धन्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर मिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर मिधनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना वाष्ठिए था, छिपाने में मृतिश्रा के सिबे;

ग्रतः ग्रज, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-व की उपवारा (1) के ग्रधीन निम्नलिवित व्यक्तियों प्रवीत :---

- श्री नरंजन सिंह पुत्र श्री सन्त सिंस् निवासी मुहल्ला सन्त नगर, ग्रमृतसर। (श्रन्तरक)।
- 2. श्री हंस राज पुत्र श्री दुली राम मालिक ब्रिथ किल्न मंडी गुरदासपुर। (श्रन्तरिती)।
- जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।
- 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविध या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी सविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी क्यक्ति बादा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

श्यक्योकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों को, आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के भड़्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्म होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 27 कनाल 10 मरले है जो कि गांव चरदबध वाला तहसील गुरदासपुर में स्थित है जैसा कि रिजस्टर्ड डीड सं० 4197 दिनांक 6-10-1978 भ्राफ रिजस्ट्रोंग भ्रथारिटी गुरदासपुर के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम भ्रधिकारी सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 7-5-1979

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस •-

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, अमृतसर म्रमृतसर, दिनांक 9 मई 1979

निदेश सं० ए० एस ०म्रार०/79-80/29—यतः मुझे, एम० एल० महाजन

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/-रुपये से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं ज्लाट खसरा सं 38-39 है तथा जो कि दयानन्द नगर, भ्रमतसर में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध अनूसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय श्रमृतसर शहर में रिजस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25 सितम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके वृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे बृष्यमान प्रतिकल का अन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भिक्ष-नियम के श्रधीन कर देते के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रथ्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

पत: धन, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निक्षित व्यक्तियों प्रयोत :----

- 1. श्री शिव नारायण कपूर, राम नारायण कपूर, अनूप नारायण कपूर, प्रज्ञान श्री हरी राम कपूर श्रीर श्रीमती सरदारा सेठ और श्रीमती णुक्ल मेहरा पुलिया श्री हरी राम निवासी कटड़ा परजा, ग्रामृतसर (पी० ग्रो० ए०) श्री रोगन लाल मेहरा पुल श्री तुलसी राम मेहरा निवासी माल रोड, अमृतसर (श्रान्तरक)
- 2. श्री तिलक राज मेहरा पुत्र श्री देस राज मेहरा निवासी मकान सं० 28/एक्स-I, बेरी गेट, श्रमृतसर (ग्रन्तरिती)।
- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में स्नौर कोई किराएदार हो तो। (बहु व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग मे संपत्ति है)।
- 4. यरि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में कृचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरु करता हं ।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्शन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

प्पव्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गक्दों भीर पवों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क भें परिभाषित हैं. वही प्रयं होगा, जो उस भड़्याय में विया गया है।

अनुसूची

्लाट खभरा नं० 38-39 जो कि दयानन्द नगर, सामने दुनी चन्द रोड़ श्रमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड सं० 2345 दिनांक 25-9-1978 श्राफ रजिस्ट्रीग श्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० एस० महाजन सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

तारीख: 9-5-1979

मोहरः

अरून प्राई० टी० एत० एस०------

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर दिनांक 27 मार्च 1979

निदेश सं० ए० एस० ग्रार०/79-80/30--यनः मुझे, एम० एल० महाजन ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 कः 43) (जिमे इनमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को घारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० मे अधिक है म्र्योर जिसकी सं० दुकान नं० 2776/2840 जिसका क्षेत्रफल 60 वर्ग मीटिंग है तथा जो कि प्रताप बाजार, श्रमृतसर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबब ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 6 ग्रक्तूबर, 1978 को पूर्वोवस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यभान प्रतिफल के लिए यन्तरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उत्ति उपजार मृत्य, उसके ५१प रान प्रतिकल सं, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का उन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों)भौर ग्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त**य** पासा ग**पा प्रतिफल निम्न**लिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्त वक रूप से कथित नहीं हंग्या सार ा~∽

- (क) बस्तरण में हुई कियी आय को बाबत, उक्त प्रक्रि-नियम के प्रधीन **कर** देने के अन्तरक र इस्सिव में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और 'म
- (ख) ऐसी किसी प्राप् पाकिसी धनया श्रम्य प्राप्तित्यों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधितियम, 1920 (1812 का 11) या उक्त ग्रिधितियम, या धनकर ग्रिधि गिम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्तिमित हारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने **में** सृ_{िधा} के लिए;

अतः प्रवः उक्त ग्रविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रवित्यम भी भाग 269-व की उन्धारा (1) के प्रशीन, तिम्नलिथित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्री राम दित्ता मल धर्मार्थ ट्रस्ट, श्रमृतसर प्रताप बाजार द्वारा श्री कृष्ण लाल मेहरा पुन्न श्री राम दिसा मल, 17 मकबूल रोड़, श्रमृतसर। (ग्रन्तरक)।
- मैसर्स फर्म सुन्दर सिंह जोगिन्द्र पाल प्रताप बाजार, थ्रमृतसर, दुकान न*०*. 2776/284 (भ्रन्तरिती)।
- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में ग्रीर कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में संपत्ति है)।
- 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबब है)। को यह मूचना जारी करके पूर्वीता सम्पति के प्रर्जन के लिए

कार्यवादिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस यूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर म्नना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी यवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकत ्यक्तियोः में स किसी ज्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन वा भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति मे हि्तबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दोकरगः--इसमें प्रपुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पर्य होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 2776/2840 श्रीर जो दो मंजिला है जिसका क्षेत्रफल 60 वर्ग मी० है जो कि प्रताप बाजार भ्रमृतसर में है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड न० 2479 दिनांक 6-10-1978 ग्राफ रजिस्ट्रींग ग्रयारिटी ग्रमुतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० एल० महाजन सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, म्रमुतसर

तारीख: 27-3-79

प्रारूप ग्राई • टी • एन • एस • -----

आवक्र प्रधित्यम, 1981 (1981 का 43) की झारा 269ष(1) के स्थीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज भ्रमृतसर

ध्रमृतसर, दिनांक 15 मई 1979

निदेश मठ० ए० एस० ध्रार०/79-80/31--यतः मुझे, एम० के० धर

ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त ग्रधिनियम, कहा गया है) की धारा 269घ के ग्रधीन सक्षम ग्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1½ मंजिला इमारत नं० 110 है तथा जो कि लारेंग रोड़, श्रमतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय श्रमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3 सितम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशा से अधिक है और धन्तरक (धन्तरको) और धन्तरितो (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिका उद्देश्य में उक्त धन्तरण लिखित में नास्तविक रूप में किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी भाय की बाबत उक्त भछि-नियम के भ्रधीत कर देने के भन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी बन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाम मन्तरितो द्वार। प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जानिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रन, उन्त भिष्टिनियम की खारा 269-ग के अनु-सरण में, में, जन्त भिक्तिमन की भारा 269व की विपद्यारा (1)के अभीन निम्निजिखित न्यन्तियों, नवींतु:→

- 1. भाई वीर मिंह माहित्य सवन रिजस्टर्ड सोमाईटी द्वारा श्री हरबन्स सिंह श्रानरेरी मेन्नेटरी निवासी ई०-6/13, वसन्त विष्ठार, नई दिल्ली द्वारा स० सन्त सिंह पुत्र बहादुर सरवार हुकम मिंह निवासी 7-बहादुर हुकम मिंह रोड़, अमृतसर मुख्तार-ए-श्राम। (श्रन्तरक)।
- 2 श्री श्रनन्त मैं नन एडवोकेट, निवासी बाजार गंडा वाला, श्रमृतमर। (श्रन्तरिती)।
- 3 जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रीर कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिभिधोग में सम्पत्ति है)।
- 4. यदि श्रौर कोई व्यक्ति इस जायबाद में रुचि रखता कि वह संपत्ति में हितबढ़ है)।

को यह भूजना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति रु धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन क संबंध में कोई भी अध्येष --

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन को तारी स से
 45 दिन की शविष्ठ या तरसंबधी व्यवितयो पर भू जना
 की तामी स से 30 दिन की शविष्ठ जा भी श्वविध बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवितयों में
 में किमी व्यक्ति शारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बख किसी मन्य अयक्ति द्वारा, घधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा मकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परि-भाषित हैं वही धर्य होंगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

1½ मजिला उमारत सं० 110 जिमका क्षेत्रफल 471. 03 वर्गमीटर है जो कि लोयरेंस रोड़, ग्रमृतसर जम कि रिजस्टर्ड डीड म० 2065 दिनांक 7-9-78 ग्राफ र्जिस्ट्री ग्रथारिटी ग्रमृतसर गहर के कार्यालय में दर्ज है।

> एम० के० धर सक्षम प्रधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायूक्त (निरीक्षण) ग्रजैंग रेज, ग्रमृतसर

तारीख: 15-5-1979

प्ररूप प्राई० टी० एन० एन०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्रायकर प्रायक्त (निरीक्षण)
। प्रर्जनरेज, ग्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 15 मई 1979

निदेश सं० बी० टी० एल०/79-80/32--यतः मुझे, एम० के० धर

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अिविन्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० भिम श्रीर इमारत जो श्रानन्द श्राईम फैक्ट्री है तथा जो कि जी० टी रोड़, बटाला में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय बटाला में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 19 सितम्बर, 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरिन की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, ज्यमके दृश्यमान प्रतिफल को ऐसे.. दृश्यमान, प्रतिफल, का शन्य प्रतिशत से श्रिधिक है श्रीर मन्त्रक (अन्तरकों) श्रीर

दिनांक 10 मई 1979

सं० ए० 19023/15/78-प्र०-III — श्री टी० समनानी, विपणन विकास ग्रधिकारी को भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्ज लि० नई दिल्ली में वरिष्ठ डिजाइन इंजीनियर का पद ज्वाइन करने लिये इस निवेशालय में नई दिल्ली में तारीख 19-2-79 (पूर्वाह्र) से उनके कार्य-भार से मुक्त किया गया है।

बी० एल० भनिहार, निदेशक प्रशासन, कृते कृषि विपणन सलाहकार.

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 20 मार्च 1979

संदर्भ 5/1/79-स्थापना II/1071—नियंत्रक, भाभा परमाणु मनुसंधान केन्द्र, निम्नलिखित श्रधिकारियों की

- 1. श्री भ्रानन्द प्रकाण वरमानी पुत्र स्वर्गीय श्री भ्रार० एन० वरमानी निवासी-2 कावेलरी लेन, दी माल, दिल्ली। (श्रन्तरक)।
- श्री मुहिन्द्र सिंह पुत्र श्री गुरिदत्त सिंह सिनमा रोड़, बटाला। (अन्तिरिती)।
- 3. जैसा कि ऊपर सं० 2 म और कोई किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।
- 4. यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रजैंन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितपरमाण अन्य जान किसी अन्य लिखित में किए जा सकते है।
 पन्न सहायक लेखा प्रधिकारी/लेखा अधिकारी-11 नियुक्त करते हैं:--

			भ्रव	<u> </u>
क० नाम सं०	नाम तथा पद	स्थानापन्न नियुक्ति	से (पूर्वाह्म)	तक (भ्रपरा क्ष)
1.	श्रीमतो एम०पी० गिडवानी सहायक लेखा- पाल	महायक लेखा ग्रिधकारी	15-1-79	22-2-79
	श्रीटी० के० रामम्तिसहा- यकलेखापाल	लेखा	31-1-79	3-3-79
	श्री एफ० डी'सूज महायक क्षेखा- पाल	ा सहायक लेखा ग्रधिकारी	4-3-79	भ्रगले भ्रादेणों तक
	श्रीमती एस०पी० मेहरजी महायक लेखा- पाल	सहायक लेखा श्रधिकारी	1-2-79	भ्रगले मादेशों तक

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

भागकर भिवितयम, 1961 (1961 हा 43) की धारा 269य (1) हे अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महत्यक फ्रायकर फ्राप्टुबन (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, अभृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 16 मई, 1979

निदेश सं० यतः मुझे, एम० के० घर, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भंभीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उति वाजार मूला 25,000/- क् भ प्रधिक है और जिसकी सं० भीम जिसका धोन्नफल 28 कनाल 12 मरले है तथा जो कि गांव वैरोताल में स्थित है (प्रौर इममें उपाबद अनुसूचों में और एणं रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकरण प्रधिनारी के वार्यालय तरन तारन में रिजर्ट्रीकरण प्रधिनारम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 4 सितम्बर 1978

को (गिंक्त निर्मित के उदित बाबार हुए ने कम के दृष्टमान प्रति-फल के लिए घन्तरित की गर्म है घोर मुझे यह विष्कास उपन का कारण है कि स्थाप्यॉक्त अम्मित हो उतित बाबार मृत्य, उसके दृष्यमार (विकास, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्दक प्रतिजत प्रधिक है थोर धन्तरक (धन्तरको) ग्रोर अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वाहाबिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रश्नरण में हुई किसी माय की बाबत, उक्त मधिनियम, के मधीन कर देने के म्रश्नरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर√या
- (चा) ऐति किसी आप या हिसी धन या ग्रन्थ प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय घायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 हा 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के लिए;

अमा भन, उक्त यिकियम की जारा ३६०-ग के सन्मरण भे. स. उक्त अधितयम, की ास २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- 1. श्री अजीत सिंह पुत्र श्री हरवं । रिंह् गांत्र वेरोदाल तह्सील तरन तारन जिला अमृतमर (अस्परक)
- 2. श्री बूटा सिंह, मुखदेव निंह, पुत्रान श्री के नर सिंह, गांव लालपुर तहसीत तरा मन्दत निरास्पन्। गर (अनिरिती)
- 3. जैमा कि ऊपर सं० 2 में और होई विराणकार हो तो (बह व्यक्ति, जिसके स्वितीय थें प्रमत्ति हैं)
- यदि और कोई व्यक्ति इस सम्मिल में यित रखना हो (वह व्यक्ति, जिसके तारे में प्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में ड्लिबट है)

को यह मूचना नामे करके पूर्वेत पमिति के पर्मन के निए कार्यवाहियां करना हुं।

उक्त ममानि के जर्दन व संग्रंग में कार्रभी अ.अप:--

- (क) उस सूचना क राजपत्र में प्रकाश को ताशीख में 45 दिन की ग्रवधि या तत्सकाधी न्यिक्तियों पर तृक्ता को तामील में 30 दिन की भ्रवधि, वा भा ग्रवधि बाद में समाप्त होता हो, के बीतर प्रकार क्येक्तिया से से किसी स्थानित द्वारा;
- (अ) इस सूजना र राजपत्र में प्रकाशन को तारीध्व से 45 दिन के भीतर उनत न्यावर सम्पत्ति में हितवढ़ यसी अन्य न्यांक्ट द्वला, धर्महस्ताक्षर के पास विश्वित में किए अर सर्वत '

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दा और नर्दा की, भी उन्त अधिनियम के प्रध्याय 20% में परिभाषित हैं, वही धर्य द्वीगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल 12 मरले हैं जो कि गाव वैरोबाल तहसील तरन तारन जिला श्रमृतसर में स्थित है जैपा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 4024 दिनांक 4-9-78 श्राफ रजिस्ट्रीग श्रथारिटी तरन तारन के चायालय में दर्ज है।

एम० के० धर, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

तारीख: 16-5-1979

ब्रह्म आई० डी० १न० एस● --

आफहर निविध्यम, 1961 (1961 का 43) का धारा

२६७ घ (१) के प्रसीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 28 मार्च 1979

554/प्रर्जन/कानपुर/78-79--ग्रतः, मुझे, निदेश सं० भ० च० चतुर्वेदी भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त प्रधिनियम' रुहा गया है), की धारा 269-ख के श्रवीन मकाम प्राधिकारी को यह विश्वाम करन का कारण है कि स्थावर मस्पति, जिसका उचित बाजार पत्य 25,000/- इपने म प्रधिक है ग्रौर जिनकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रौर इरासे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपूर में, रजिस्ट्री-करण ग्राधिनियम, तारीख 4-9-1978 के उचित पुत्रीकर सम्यनि बाबार कम के दृश्यमान प्रतिरुल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, इसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पाक्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (मन्तरको)भीर मन्तरिती

(अन्तरितियों) के बोच ऐस भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक

रूप से किंचत नहीं किया गया है:---

- (क) प्रन्तरण ने हुई किसी भाग की बाबन, उक्त अधिक नियम, के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं खात्रारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जात्रा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उरून मधिनियम की धारा 289मा के धनुसरण में में, उन्न अधिनियम की धारा 269मा की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- 1. श्री नीरज सूद, कु० परनवी सूद व ग्रन्य 110 माडल टाउन, ग्रन्जाला। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री धनश्याम दास देगला, श्रीमती भगवती देवी देगला 87/ग्रार०/179 ग्राचार्य नगर, कानपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करक पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्बन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे:

स्वश्वतिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिष्ठ-त्याप के ग्रव्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं रार्थ होगा जो उस ग्रव्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

श्रवत संगत्ति मकान नं० 87/296 श्राचार्य नगर कानपुर 90000/- में बेची गई है जिजका कि श्रनुमानित उचित बाजारी मूल्य 118200/- है।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 28-3-1979

प्ररूप प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-प(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज कलकत्ता

कानपुर, दिनांक 27 मार्च, 1979

निदेश सं० 275 ए०—-श्रतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से श्रिधिक है

भौर जिमकी सं े ं ं है तथा जो ं ं ं में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रनूपणहर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-9-1978

श्रधान, ताराख 20-9-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत भ्रधिक है भीर भन्तरक (भ्रन्तरकों)
भीर अन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रिष्टिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या प्रन्य झास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक में मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखिन क्यक्तियों, ग्रामीत्:—

- 1. श्री जालिम सिंह पुत्र श्री मुलन मिह नि० महा-राजगुर उर्फ करकौरा, पर० डिवाई तह० ग्रनूपशहर, जिला बुलन्दगहर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री रामवीर सिंह व कृपाल सिंह व राजेन्द्र सिंह व गोपम शशिपाल व प्रीतपाल कोठ व राजवीर सिंह व महीपाल सिंह व श्रधेराज सिंह मनवीर व विजयपाल पुत्रगण व स्रोमवीर सिंह पुत्रगण रोशन निवासी महाराजपुर उर्फ करकौरा पर० दिवाई, तह० अनूपशहर, जिला बुलन्दशहर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, स्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इनमें प्रयुक्त गन्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कृषि भूमि महाराजगर में रु० 36,000/- की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 81,525/- रुपये फ्रांका गया है।

> भरत चन्द्र चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-3-1979

मोहरः

प्ररूप भाई∙ टी• एन• एस०----

अधिकर अखिनिथम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनाक 27 मार्च 1979

ग्रीर जिसकी सं० ं े है तथा जो ं े में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची म ग्रीर पूर्ण इस से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रनूपणहर में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 20-9-1978

को पूर्वीकत सम्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वीक्त सम्यत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत सिंधक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाता क्या प्रतिकल, निम्नतिक्षित उद्ध्य से अन्त भन्तरण लिक्कित में बाल्बिक इस से काया नहीं किया वस है:---

- (क) प्रस्तरण में हुई किथी पाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; भीर/या
- (ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अस्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रवित्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम, या प्रमक्तर प्रवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं ग्रहारिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रातः श्रव उक्त मः धिनियम की घारा 269-ग के श्रक्षारण में, मैं, उक्त पधिनियम की घारा 269-थ की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियों, ग्रयांत् :---

- 1. श्री गोपी सिंह पुत्र मुल्लन सिंह नि० ग्राम महाराज-पुर उर्फ करकीरा पं० डिवाई, जिला बुलन्दगहर। (ग्रन्तरफ)
- 2. श्री मदनिमह व रामपाल मिह, दीवान सिह व हरपाल सिह व जैपाल सिह पुत्र छिद्दा सिह, ग्राम महाराजपुर उर्फ करकौरा, पं० डिवाई, जिला बुलन्दशहर। (ग्रन्तरिती)।

को यह तूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की धनिध या तत्मम्बन्धी स्पक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की धनिध, को भी धनिध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवज्ञ
 किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टाहस्ताकारी के पास
 शिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दो और पदों का, जो उपत प्रक्षि-नियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिधाषित है, बही सर्वे होगा, को उस सध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

कृषि भूमि रक्तवा 1311/1+15 स्थित ग्राम महाराजपुर उर्फ करकौरा में 36000/- रुपये में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 81525/- रुपए ग्रांका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, कानपुर

तारीख: 2**7-**3-1979

प्रकार आई० टो॰ एा॰ एा॰----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निर्देश सं० 289-ए--श्रतः, मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 रपए से अधिक है भौर जिसकी स० है तथा जो में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुस्ची मे भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीफर्ला श्रधिकारी के वार्यालय, गाजिपाबाद में, रजिन्द्रीकरण भिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-9-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य उसके पृथ्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का

पन्द्रह प्रतिगत श्रधिक है और यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकां) भीर मन्तरिती (भन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए वय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त प्रन्तरण

लिखित में नास्तविक रूप है जियत नही किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भविनियम के भ्रधोन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धनया अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

मत : मब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उयत प्रधिनियम की धारा 269-व की उनधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात :---

- 1 श्री प्यारे पाल टन्डन पूल श्री के० सी० टउटन, निवासी वेस्ट बाल्डग गाधी रोल, पोल्ट वाक्य त० 113 का भूग द्वारा श्री एतः के भगीत पुत्र श्री एम० भगीत, नित्रासी 42, माङ्ग टाउन।
- 2. श्री भूषण प्रकाण व श्री सुदर्शन कुमार मुख्तयार खास व श्री श्रस्वनी कुमार पुत्रगण श्री जगदीण लाल निवासी जगदीश नगर, हापुड़, रोड़,गाजियाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके एवाँका नम्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उस्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तिन--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ष्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीख मे 45 दिन के भीतर उत्ता स्थावर सम्प्रति में हिनबद्ध किसी भ्रन्त धर्मित द्वारा, भ्रधोर्स्लाक्षरो के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पध्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दो प्रौर पत्तों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिशा गया है।

अनुपूची

प्लाट नम्बर ए/6 स्थित श्रावासिक कालोनी, कविनगर गाजियात्राद 9700 वर्गगज 63000/- रुपए में बेचा गया जिसका उचित बाजारी मुल्य 82,800/- रुपया आंका गया है।

> भरत चन्द्र चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-3-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

26 9म (1) 🛪 अवीर सूचना

धारत संस्कार

कार्यालय गहायक प्रायक्त श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 127 मार्च 1979

निदेश सं० 304-ए---एत मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर शिविषयन, 1961 (1:61 का 43) (िसे इनमें इसके पश्चान् 'उमा अधि नेरम' कहा गया है), की घारा 269-खा र अधान सत्तम शिधि तरी को यह विशाप करने का कारण है कि स्थावर प्रमत्ति, जिसका उ त बाजार मृत्य 25,000/- २० से अधिक है

श्रीर जिसकी स० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उनाबद अनुस्वी में ग्रीर पूर्ग का से बिणत है), रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्याक्य, बुक्दणहर में, रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, नारीख 21~9~1978

को पूर्वान्त सम्यति के उवित्यातार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के तिए प्रशारित का गई है पोर मुने यह विश्वाम करने का कारण है जि स्थानूर्योक्त सम्यति का उवित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफत के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभत से श्रीधि है श्रीर शन्तरक (श्रन्तरको) श्रीर श्रन्तरियों (श्रन्तरियों) के रोच ऐने श्रन्तरण के तिए तथ पाया स्थाप प्रतिफत निमानि के उद्देश्य से उद्दर्श के उत्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रनरण से हुई किपी श्राय की बाबन, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन व ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए:

भ्रतः भ्रत, उका भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रतुमरण में, में, उकत भ्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत :--- श्रीमती भगवती विधवा शशीप्रमाद ग्राम खकुन्डा पा० शिकारपुर तह० व जिला बुलन्दशहर। (श्रन्तरक)

. श्री प्यारे लाल पुन्न श्री धीतर मल व प्रेम चन्द्र पुन्न क्याम लाल नि० ग्राम खुकुन्डा पा० शिकारपुर तह० व जिला: बुलन्दशहर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हूं।

जक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सरबन्ध में बॉई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन के प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रवाशन की तार्रख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ निसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इनमे प्रयुक्त शब्दो ग्रौर पदो ना, जो उक्त ग्रधि-नियम, के शब्दाग 20न में परिभाषित है, वहां ग्रब हागा जा उस श्रध्याय में दिया गया है

अनुसुची

कृषि भूमि ग्राम खकुन्ता में 20,000/- रपए की बेची गई जिसका उचित बाजारी मृत्य 58,000/- रूपए श्रांकी गई है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजंन रेज, कानपुर

तारीख: 27-3-1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निदेश सं० 361/-ए०/पी० एन०--श्रतः मुझं, भरत चन्द्र चतुर्वेदी

भागकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्षणात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के प्रधीन सक्सम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका चित्र वाकार मूस्य 25,000/- कपण से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुस्त्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 17-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत साआर मूल्य से कम के दृश्यमान श्रित संभ के निये मन्त्रित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, अबके दृश्यमान अिक ने से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्द्रह प्रतिक्रण से अधिक है और अन्तरक (गन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गवा विक्रम, निम्निविष्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्त में वास्त्रीक एस से किंप त नहीं किया गया है:---

- (स) अभ्यरण से हुई किसी बाब की बाबत, उन्त अक्रिनियम के धन्नीन कर दैने के अन्तरक के दायिश्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किमी झन या धन्य धास्तियों की जिन्हें भारतीय आपकर ब्रिझिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रिझिनियम या धन-कर प्रिझितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्च धन्सरिती द्वारा प्रकट नहां किया गया था या किया बाना चाहिए था या छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रवः श्रम, उनत ग्रमिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में भें, उन्त ग्रमिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन निम्नासिकत व्यक्तियों, ग्रम्बोत्:—

- श्री एस० एन० गुन्ड्राव पुत्र स्व० एस० एन० कृष्टन राव निवासी 4/278 वी "छाया" विष्तुपुरी कानपुर। (श्रन्तरक)।
- . श्री कैलाश नाथ टण्डन पुत्र स्व० वाई० एन० टण्डन निवासी 45/55 गया प्रमाद स्ट्रीट, कानपुर। (श्रन्तरिती)।

को यह प्यता बारो करके पूर्वोक्त प्राप्ति के धर्मेंग के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्यति हे अर्जन के संबंध में कोई भी धान्नेगः--

- (क) इस स्च न के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन की भ्रविध या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजरत में प्रकाणन की तारीश्व से 45 शिन के मीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहरूताक्षरों के पास विश्वित में किए जा सकीं।

स्पक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पत्रों का, जो उक्त प्रधिनियम, के पश्याय 20-के में परिभाषित है, यहों अध होता, त्रों उस प्रशान में विवासका है।

अनुसूची

मकान स्थित 4/278 'बी॰ छाया'' विशनुपुरी कानपुर के प्रथम खण्ड का आधा भाग 70,000/- रुगए में बेचा गमा जिनका उजिन बाजारो मूल्य 1,11,000/- रुपए स्रोका गया है।

> भरत चन्द्र चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-3-1979

मोहर्ः

प्रकप भाई• टी•एन॰ एस•---

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-व (1) के श्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निदेश सं० 36—-ए०/पी० एन०—-ग्रतः मुझ, भरत जन्द्र चतुर्वेदी बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ब्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 25,000/-वप्य से ब्रिधिक है

भीर जिसकी सं० है तथा जो स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 17-10-1978 को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के ब्रध्यमान

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के सिए प्रन्तिरंत की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रम्तरक (अन्तरकों) प्रौरः प्रन्तरिती (प्रम्तरितियों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मिश्वित उद्देश्य से उक्त प्रम्तरण शिक्ति में बाक्तिक कप से स्वित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त भ्रक्षिणियम के अधीन कर देने के भ्रष्टारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसा कियो प्राय या किसी धन या घन्य आस्तियों को जिन्हें पारतीय ग्राय-कर ग्रिशिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिशिनियम, या धन-कर ग्रिशिनियम, या धन-कर ग्रिशिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय धन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्राया था या किया जाना चाहिए था, छिमानें में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, जै, उक्त ग्रिधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1)-के अधीम, निम्मीवित व्यक्तियों, अर्थीत्:— 5--86GI/79

- 1. श्री एस० एन० गुन्डूराय पुत्र स्व० एस० एन० कु॰न राव निवासी 4/278 वी "छाया" विशनुपुरी, कानपुर। (श्रन्तरक)
- 2. श्री विनेश चन्द्र टन्डन पुत्र स्व० वाई० एन० टन्डन निवासी 45/55 गया प्रसाद स्ट्रीट, कानपुर। (श्रन्तरिती)।
- को यह भूजना जारी करके पूर्वाका सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचमा की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 क्यक्तियों में से किसी क्यकित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य क्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, जो उक्त अधिक नियम, के श्रद्धयाय 20-क में परिभावित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस ध्रद्ध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

गृह सम्पत्ति स्थित 4/278 वी "छाया" विश्वनुपुरी कानपुर के ग्राउण्ड फ्लोर का ग्राधा भाग 75,000/- रूपए में बंचा गया जिसका उचित बाजारी मूल्य 2,22,000/- रूपए श्रांका गया है।

भग्त चन्द्र चनुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

नारी**ख**: 27-3-1979

मोहरः

से श्रधिक है

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

· भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज कानपुर कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याल्य, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 17-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्राधि-नियम, के प्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) एसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपन ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उनन प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:—

- 1. श्री एम० एन० गुन्धुराव पुत्र स्व० एम० एन० कृsन राव निवासी 4/278 बी "छाया" विषानूपुरी, कानपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रमेशचन्द्र टन्डन पुत्र स्व० वाई० एन० टन्डन निवासी 45/55 गया प्रसाद स्ट्रीट, कानपुर। (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की प्रतिध या तत्मं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की प्रतिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीर पूर्वीत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सर्केंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त अधितियम, के श्रद्धाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रयें होगा, जो उस श्रद्धाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थिन 4/278 'वी' "छाया" विशानूपुरी, कानपुर के ग्राउण्ड फ्लोर का श्राधा भाग 75,000/- रुपए में बंचा गया जिसका उचित बाजारी मृल्य 2,22,000/- रुपए श्रांका गया है।

> भरत चन्द्र चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-3-1979

प्रकृप ग्राई० टी० एन० एस०-----

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निवेश सं० 364-ए/पी० एन०--ग्रत. मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर ग्रधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है। और जिसकीसं० हैतथा जो स्थित है (भ्रौर इससे उपावत भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर मे, रजिस्ट्रोकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 17-10-1978 को पुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भ्रीर ग्रन्त(रती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के शिए तय पाया गया प्रतिकम, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत प्रस्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रीध-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/बा
- (ब) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घण्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम, या घण कर अधिनियम, या घण कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं घण्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाणे में सुविधा के लिए;

गतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-म के भन्-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के भ्रधीम, निरुत्तिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री एस० एन० गुन्ड्र्राय पुत्न स्व० एस० एन० कृष्त राव निवासी 4/278 वी "छाया" विशन्पुरी, कानपुर। (ग्रन्तरक)।

2 श्री सुरेश चन्द्र टण्डन पुक्ष स्व० वाई० एन० टण्डन निवासी 45/55 गया प्रसाद स्ट्रीट, कानपुर। (श्रन्तरिती)

को यह सुकनाभारीकरके पूर्वो∓त संपत्ति के भर्जन के लिएकार्यवाहियां करना हूं।

उन्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्ब के किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त सन्दों स्रौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के सन्याय 20-क में परिभाषित हैं वड़ी अर्ब होगा, जो उस प्रध्याय में दिमा गया है।

अनुसूची

मकान स्थित 4/278 वी "छाया" विशन्पुरी, का कानपुर के प्रथम खण्ड का आधा भाग 70,000/- रुपए मे बेचा गया जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,11,000/- रुपए म्रांका गया है।

> भरत चन्द्र चतूर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-3-1979

प्ररूप माई॰ टी॰ एत॰ एस॰---

अ(यक्तर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा

269-ष(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

निदेश सं० 786-ए०-- ग्रतः मुझ भरत चन्त्र चतुर्वेदी आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उपत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृहय 25,000/-स्पए से प्रधिक है। भ्रौर जिसकी सं० है तथा जो स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के घाटमपुर, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 16-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के जिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यो, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और प्रस्तरिको (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए ता पावा गया प्रतिकृत निम्तलिखित उद्देश्य से उस्त धासरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (त्त) प्रश्तरण से हुई किसी भाग की बावत उक्त प्रक्रिनियम के भ्रधीन कर देने के ध्रश्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर पश्चिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्सरिती कारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के लिए;

ग्रत: ग्रव, उनत प्रधिनियम की धारा 269—ग के भनुसर्थ में, में, उन्त ग्रीधिनियम की घारा 269—य की चपशारा (1) ध्रश्रीम निम्नजिसित व्यक्तियों, ग्रयांत्:——

- श्री धरमपाल सिंह पुत्र भोरेलाल सिंह ग्राम कुबार-वेडा पत्रालय ग्राम कैथा पर० धाटमपुर, जिला कानपुर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बाबूराम व राम ग्रामरे व पुत्न लीला और दुली-चन्त्र व दनकई पुत्न बसीटे व मोतीलाल ग्रारमज बनवारी व कैलाण व कमलेश ग्रीर बंगगोपाल ग्राम कैंग परः घाटमपुर जिला: कानपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्रीप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी भ्रष्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्वक्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्धों भीर पर्दों का, जो उक्त भवितियम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा जो उस भव्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

कृषि भूमि मौजा श्रनोद्दया परगना घाटमपुर कानपुर स्थित में 44,800/- रुपए की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 76,620/- रुपए श्राकी गई है।

भरत चन्द्र **चतुर्वे**दी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-3-1979

भाग ।।।--खेण्डं 1]

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 मार्च 1979

भौर जिस्की सं० है तथा जो में स्थित है (भौर इससे उपाबद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय, मेरठ में. रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 5-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृक्यमान प्रति-फल के क्षिये मन्तरित की गई है भीर मुझे वह विक्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्म, उनके दृक्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृक्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से स्विक है भीर मन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरक के सिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निजित उद्देश्य से खब्स भन्तरण सिक्षित में बास्तविक कप से कवित नहीं कया गया है:---

- (क) सन्तरक से हुई किसी यात की बाबत कका यकि-नियम, के मधीन कर देने के शन्तरक के वाधित्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व मन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहियेथा, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः पर, उनत निधितिनन की धारा 269-ग के बनुसरण में मैं, उन्त प्रधितियम की घारा 269-थ मी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्चात् :—

- 1. श्रीमती बीना घोषाल पत्नी श्री एस० एम० घोषाल निवासी 9/1 एकडलिया प्लेम कलकत्ता 19। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मनरीश कुमार गुप्ता पुत्र श्री सुरेश चन्द्र गुप्ता निवासी डालम पाडा गहर, मेरठ। (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में हे किसी व्यक्ति दारा;
- (का) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य स्थक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिकिट में किये जा सकेंगे।

रणब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शन्तों भीर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में येचा परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस भ्रष्टमाय में विका गया है।

प्रमुखी

एक कोठी नं० 71 तिलक रोड़ बेगम बाग शहर मेरठ में 1,20,000/- रुपए की बेची गई जिसका उम्बंत बाजारी मूह्य 1,72,500/- रुपए प्रांका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-3-1979

रु० से अधिक है।

प्रक्रम ग्राई • टी॰ एत • एस • - - - - - - - अग्यक र अग्निमिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 29 मार्च 1979

निदेश मं० 550/प्रर्जं०/ इगलास /78-79-- प्रत. मुझे भ० च० चतुर्वेदी भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इममें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-

म्नोर जिसकी सं० हैं तथा जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा म्रधिकारी के कार्यालय इगलाम में, रजिट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पश्द्रष्ट पतिशत से प्रधिक है घोर प्रन्तरक (प्रग्तरकों) धोर अन्तरिती (प्रश्तरितियों) के बीच ऐसे प्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त धन्तरण जिखित में बास्तविक इप से किया नहीं किया गया है :--

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी पाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (स) ऐसी किसो धाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रेष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत ग्रेष्ठिनियम, या धन-कर ग्रेष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया / जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त समिनियम की धारा 269-ग के समुसरण में, में, उक्त समिनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवीत्:---

- श्री गोपाली पुत्र खरगिमह निवासी व डा० टमोटिया तह० इगलाम जिला श्रलीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. श्री हरीसिंह, राजेन्द्र सिंह, गोवर्धन सिंह, बलवीर सिंह पुत्राण बाबू सिंह निवासी धौम डा० हरौधा परगना गोरई तह० इंगलास जि० ग्रलीगढ़। (ग्रन्तरिती)

 को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-"तियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्ष होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

कृषि सम्पत्ति खाता नं० 34, 228 स्थित मौजा टमोटिया परगना गोरई तह० इगलास जिला खलीगढ़ 40000/-मे बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 77500/- है।

> भ० च० चतुर्वेदी मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 29-3-1979

प्रारूप आई० टी० एन० एस♦--

ब्रायकर प्रधितियम, 1961 (१961 के 43) की धारा 269-घ (1) के ब्रिधन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 मई 1979

निदेश सं० 847-ए०--- ग्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'अक्त ग्रिधिनियमं कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 द० से ग्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं०.... है तथा जो... में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, मंसूरी में, रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्राधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारती । आयकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी झारा प्रकट नहीं किया गया था, या वियाजाना चाहिएथा, छिपाने में मुविधा के न्लए;

अतः अब उक्त अधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की घारा 269म की उपघारा (1) के अग्रोत, निम्निविश व्यक्तिगों, अर्थात् : ~ श्री सरदार हरवीर मिह पुत्र सरदार जगजीत सिन्न निवासी मेक्किकल कालेज, एस० श्रार० ई०।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती रमा डान्डा पत्नी जैंदर डान्डा 1108 टैगोर नगर, लुधियाना। (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रज</mark>ैन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत पें प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

हरावदीकरण:--- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त श्रिष्ठि-नियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं श्रथं होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

प्रनुमुची

ग्रह सम्पत्ति 8 सेस्टन हाउस दि माल मंसूरी में 41,500/- रूपण की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 60,000/- रूपण ग्रांका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपूर

नारीख: 1-5-1979

मोहरः

प्रकप धाई∙ टी∙ एन∙ एस∙---

मायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन धूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 2 सई 1979 निदेश सं० 521/ब्रर्जन/मादाबाद/78-79---ब्रतः मुझे,

भ० ष० चतुर्वेदी भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सम्भा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाशार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

मौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सादाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीख 6-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रविक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिजिन खहें ज्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण **से पूर्व किसी बाव की बाबत उक्त** प्रधिनियम, के प्रधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुनिधा के लिए; जोर/या
- (अ) ऐसी किसी माय या किसी बन ना प्रस्य प्रास्तियों का, जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, प्रव उन्ह प्रक्षिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, के, उन्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित क्विन्तमों, अर्थात् —:

- श्री रमेश चन्द्र पुत्र सूरजबली गांव निवासी कम्बा सादाबाद जिला मथुरा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कमना देवी विधवा मधुसूदन लाल निवासी सोस्ता तहसील मादाबाद जिला मथुरा। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए . कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवित्र या तस्संबंधी क्यन्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध
 जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के
 भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
 शारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हिसबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

श्यव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिनियम के भध्याम 20-क में पारभाषित हैं, वहीं भ्रयं होगा जी उस भ्रध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

अवल सम्बक्ति कृषि भूमि 14 किता क्षेत्रफल 5.46½ डि॰ स्थित मौजा सोस्ता तह० सादाबाद जिला: मथुरा का ½ भाग 55000/- में बेची गयी है जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 87944/- है।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, कानपूर

तारीख : 2-5-79

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एन॰----

णायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 2 मई 1979

निदेश सं० 525/म्रर्जन/हाथरस/ 78-79---मृतः, मुझे, भ० च० चतुर्वेदी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस ग्रिधीन- सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है किंस्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000∤- र• से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं है तथा जो.... , में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय हाथरस में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीधीन, तारीख 13-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक हा से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण से हुई किमी धाय की बाबत, उक्त ग्राधिनियम के ग्राधीन कर देने के अन्तरक के वायिन्व में कमी करने या उससे बबने में सुविधा के लिए, ग्रोर/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या ग्रन्य ग्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भ्रब, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)के खधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्रोमतो चित्रनो पुत्र गोपीराम स्त्री कैलाश चंद, निवासी ग्राम दतौरा परगना व तह० हाथरसपोस्ट ऐहान, जिला ग्रलीगढ़। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री जगदीश प्रसाद पुत्र नौरंगी लाल व शांती देवी स्त्री जगदीश प्रसाद निवासी ग्राम महौ पो० खास, परगना व तह० हाथरस, जि० ग्रलीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूवना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हं।

उन्त मन्यति के प्रर्जन के मन्त्रन्य में कोई मी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवढ़ किमी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पडशिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिशासित है, वहीं ग्रयं होना जो उस ग्रध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 10 बीघा 12 बिस्वा 15 बिस्वासी स्थित ग्राम दतौरा, तहसील हाथरम जिला ग्रलीगढ़ 20,000/- में बेबी गई जिनका कि ग्रनुमानित बाजारी मूल्य 95,640/- है।

भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 2-5-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

कानपुर, दिनांक 2 मई, 1979

निदेश सं० 549/ग्रर्जन/इगलास/ 78-79---यतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी मायकर म्रिमिनयम, 1961 (1931 का 43) (जिसे इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कड्डा गया है), की घारा 269-ख के भाषीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रपए से प्रधिक है भ्रौर जिसकी मं० है तथा जो स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय इंगलाम में, रिक्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 7-9-1978 की पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रातेफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर ग्रन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिप्टिनयम के ग्रिप्टीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ध) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या अन्य म्रास्तियों को जिन्हें भारतीय म्राय-कर म्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त म्रधिनियम, या धन-कर म्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, भैं उन्त भिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अभीन निम्तितिखन व्यक्तियों पर्यान्:---

- श्री चन्द्रशेखर ध्वज प्रसाद सिंह पुत्र रौहणी रमण ध्वज प्रसाद निवासी नाला वेमवां परगना गोरई तह० इगलाभ जिला म्रलीगढ़। (श्रन्तरक)
- 2. श्री राम प्रताप सिंह, रामवीर सिंह पुत्रगण करन सिंह निवासी मौजा बैसवां परगना गोरई तह० इगलाम जिला श्रलीगढ़। (श्रन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजँन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कन्दों भीर पदों का, जो उन्त प्रधि-नियम, के भ्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि 12 बीघा 7 बिस्वा 10 बिस्वांसी स्थित मौजा बैसवां परगन गोरई तहसील इगलास जिला म्रलीगढ़ 22500/-में बेबी गई जिसका कि म्रतुमानित उचित बाजारी मूल्य 60,000/- हैं।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 2-5-1979

प्रक्य माई० टी० एन• एस०---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-भ (1) के ममीन सुभना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 मई 1979

निदेश सं० 46/म्रजंन/छिमऊ/78-79--म्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी सायकर मिन्निम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त सिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधोन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय छिबरामऊ में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-9-1978 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित साजार मूल्य ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के जिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुसे यह विक्वास करने

पूराक्त नम्यास के उपकेत बाजार मूल्य न कम के दूरमान
प्रतिफल के निए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिश्वत से प्रधिक है, भीर भन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती
(भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देय से उक्त अन्तरण किखित में वास्तिविक् इस से कथित नहीं किया गया है '---

- (क) ग्रम्परण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त ग्रिशिनयम के ग्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आउ या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रीयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर पिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, श्रियाने में सुविधा के लिए;

भत्तः ग्रव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की डपडारा (1) के डाबीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्चातः ---

- 1. मु॰ मतीन पुत्र डा॰ अख्तर निवासी सौरिख डा॰ व पर॰ सौरिख तह॰ তিশ্বरामऊ जिला फर्रखाबाद । (भ्रन्तरक)
- 2. मैं ० सौरिख गोल्ड स्टोरेज प्रा० लि० प्रमोटर निनोव कुमार श्रग्रवाल पुत्र मदन मोहन निवासी 19 टैगोर रोड़, कानपुर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्त सम्मिकि सर्मन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षीप:∸-

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किमी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदा का, जो उक्त श्रिष्ठितियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया प्रया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 2.26 एकड़ स्थित मौजा सौरिख परगना खास तहसील छिबरामऊ जिला फर्रखाबाद 45000/- में बेची गई जिसका कि अनुमानित उचित बाजारी मूल्य 57500/- है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-5-1979

मोहरः

प्रारूप भाई • टी • एन • एस •---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 3 मई, 1979

निदेश सं० 202-ए०--ग्रतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कर्ण से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिक्षिकारी के कार्यालय देहरादून में, रजिस्ट्रीकरण श्रिक्षित्तमम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख 29-9-1978 को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित श्राजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर मन्तरक (अन्तरकों) भीर मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अक्षि-नियम के मधीन कर देने के अन्तरक के दागित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; मौर/धा
- (ख) ऐसी विसी आय या किसी घन या प्रश्य ग्रास्तियों को, जिन्हें चारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर भिर्मित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बत: धब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-न के अनुसरण में मै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के धधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोत:—

- 1. श्रीमती सत्या देवी शर्मा निवासी 104 वाई का बाग, इलाहाबाद (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती कुसुम लता देवी पत्नी श्री ग्रोध किशोर् लाल निवासी 7 गृह रोड़, देहरादून (ग्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बद्धी क्यक्तियों पर मूजना की तामील से 30 दिन की श्रविध, ओ भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---४५में प्रयुक्त शब्दा ओर पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस भध्याय में विया गया है।

धनुसूची

भूमि खसरा नं० 829 स्थित पार्क रोड़ लक्षमन चौष देहरादून में 40,000/- रुपए की बेची गई जिसका उचिर बाजारी मृल्य 51,000/- रुपए श्रांका गया है।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-5-1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भायूक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-IV, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 मई, 1979

निवेश सं० 618/ग्रर्जन/इटाना/78-79--ग्रतः मुझे, भ० च० चतुर्वेदी आगकर मिंदिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिंदिनयम' कहा गया है), की धारा 269 ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से मिंक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्राधिकारी के कार्यालय, इटावा में रजिस्ट्रीकरण श्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 19-9-1978

को पूर्वोतन संपति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल का पन्नह प्रतिकत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उन्त अन्तरण लिख्ति में बाह्तविक कप से कायत तही किया गया है:--

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भक्ति-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कमी अपने या उससे बचने में मुविभा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐपी किनी प्राप्त या किनी प्रत्या प्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्यम, या धन-कर ग्रिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रस्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुशिक्षा के लिए;

भतः सब, उनत मधिनियम की धारा 269 थ के समृ सरण में, में, उन्त मधिनियम की धारा 269 व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित प्यक्तियों भवींल्।——

- श्री मिश्रीलाल गुप्ता पुत्र लालमन गुप्ता निवासी व पो० मरा जिला कानपुर (ग्रन्तरक)
- 2. श्री हजारी लाल गुप्ता व प्रेम कुमार गुप्ता पुत्र लखपतराय निवासी व पो० इकदिल परगना व जिला इटावा (श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संगत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी प्राक्षेत्र :----

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख मे 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त गब्दो और पदो का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वृही भर्य होगा, जो सस अध्याय में दिया गया है।

अनु सृष्टी

कृषि भूमि 8.85 जि॰ स्थित मरना इकदिल तहसील व जिला इटावा 9000/- में बेची गई जिसका कि श्रनुमानित उचित बाजारी मूल्य 122040/- है।

> भ० घ० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-5-1979

प्रकप बाई० टी॰ एत॰ एस॰--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, लखनक

लखनऊ, दिनांक 27 मार्च 1979

निदेश स० पी० 70/एविव०—-श्रतः मुझी, श्रमर सिंह बिसेन,

धायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त घिषिनियम' कहा गया है), की घारा 269-व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-७० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं मन बी०-38/1-ए है तथा जो मो० महमूदमंज वाराणसी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में श्रीर पूर्व हप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-8-1978 की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वश्वह श्रतिशन से मधिक है भीर मन्तरकों । भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित छहेश्य से उक्त मन्तरण लिखित में नाना के हम से स्थापता कर हम से स्थापता है:---

- (क) प्रस्तरण ये हुई कियो अाय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में क्यी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (ख) एसी िन्सी ग्राय या िन्सी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विषया जाना साहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उरत ग्रिधिनियम को धारा 269-व के अनु-सरण में में, उरत ग्रिधिनियम की घारा 269-व की उपज्ञारा (1) के प्रवीत निम्नसिखित व्यक्तियों, ग्रवीतः——

- 1. श्रीमती सत्यवती भरोड़ा (भन्तरक)
- 2. श्रीमती परवेश रानी (भ्रन्तरिती)
- 3. श्रीमती सत्यवती ग्रारोड़ा (वह व्यक्ति, जिसके ग्राधि-भोग में संपत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्यन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इंस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविष्ठ, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबब किसी भन्य क्यक्ति द्वारा, मधोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अन<u>ुसू</u>ची

मिनजुमला मकान नं० बी० 38/1-ए स्थित मि० महमूरगंज नाराणसी तीन मंजिला क्षेत्रफल मय पूरी जमीन 2507 वर्गफीट असेसमेंट सालाना नगर महापालिका 3000/-यि किराए पर दिया जाए तो 250 रु० मासिक हो सफती है। पूर्ण स्थामित्व तथा सम्पत्ति का वह विवरण जो फार्म 37-जी सं० 7092 दिनांक 11-8-78 फार्म 37-एच० में लिखी रजिस्ट्रेशन सारीख 19-9-78 तथा सेलडीड में वॉणत है जो कि सब रजिस्ट्रार नाराणसी के कार्यालय में दिनांक 11-8-78/19-9-78 को दर्ज है।

धमर सिंह बिसेन सक्षम मधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारी**ख**: 27-3-1979

प्ररूप प्राई० टी० एत० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा

269 प(1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्योत्तय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भाजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 मार्च, 1979 निदेश सं० के०-85/एक्वि०--यतः मुझे ध्रमर सिंह बिसेन

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के शधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बागार मूह्य 25,000/- ४० से ग्रधिक है ग्रौर जिसको सं० बी०--38/1--ए है तथा जो मो० महमुरगंजन्ज वाराणसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 11-8-78/19-9-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके बुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल को पन्द्रह प्रतिशत से मिषक है और मन्तरक (मन्तरकों) और भन्तरिती (मन्तरि-तियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न 🗅 किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बावत उक्त भिक्षितयम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व मे नमी वरने या उससे बजने में सुविधा के िए; और/या
- !(ज) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः धन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित अपिकत्यों, अधीत:---

- 1. श्री हरबंस लाल भाटा (श्रन्तरक)
- 2. श्री कृष्ण लाल ग्ररोड़ा (ग्रन्तरिती)
 उपरोक्त बिकैता (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में
 संपत्ति है)

की यह पुत्रा नारों कर का पुत्रीका संगति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ सुरू करता हूं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा मुझोहस्साक्षरी के पास लिकिश में किए जा सकेंगे।

स्वस्टीकरण :--इसनं अयुक्त शब्दों श्रीर पदीं सा, ओ उन्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही शर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मिन जुमेला मकान नं० बी॰ 38/1-ए स्थित मोहल्ला महमूरगंज वाराणसी तजन मंजिला क्षेत्रफल 2507 वर्गफीट असेममेंट नगर महापालिका सालाना 3000/- यदि किराए पर दिया जाए तो मासिक अन्य 250 रुपया हो सकती है पूर्ण स्वामित्व तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37-ज सं० 1 7091 दिनांक 1-8-78 फार्म 37-एच० जिसमें रिजस्ट्रेशन की तारीख 19-9-78 लिखी है तथा मेल डीड जो तीन सब रिजस्ट्रारों वाराणसी के कार्यालय में दिनांक 11-8-78/19-9-78 को दर्ज है।

ग्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 28-3-1979

प्ररूप भाई० टी • एन • एस • -

आयकर प्रमिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के भन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लखपऊ

लखनऊ, विनांक 30 मार्च 1979

निदेश सं० 75-ए/प्रार्जन---प्रतः मुझ ग्रमर सिंह बिसेन आयकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह 'विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- स्पए से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० नाम "मानक" (स्रिधकारीनाज) 60 नेहरू रोड़ रानी टरेस कैन्ट अल्मोड़ा है तथा जो में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय रानीखेत में रिजस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 29-9-1978

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए सम्तरित की गई है भीर मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यचापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिला बाजार मृश्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और सम्तरक (मन्तरकों) भीर सम्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जबन प्रनरण निश्चित में त्रास्तिक च्या में कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) प्रस्तरण संहुई किसी प्राय को बाबल, उक्क अधि-नियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में मुलिखा के लिए; ग्रोर/पा
- (बा) ऐसी किसी आर या किसी धन या प्रस्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायक्तर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ष भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्निवित व्यक्तियों, ग्रथींत्:——

- 1. श्री सीताराम मेहरा (श्रन्तरक)।
- . भ्रादित्य मिल्स लि० (भ्रन्तरिती)
- 3. श्रादित्य मिल्म लि० (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग भाग में संपत्ति है)।

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उन्त सम्यत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा; मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रश्नितियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभावित है, वही प्रयोहीगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

प्रमुखी

श्रमल सम्पत्ति नामक "मानक" (श्रिधिकारी लाज) बंगला नं० 60 नेहरू रोड़, रानीखेत कैन्ट जिला श्रल्मोड़ा व संपत्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37-जी० सं० 768 व य सेलडीड में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार रानी खेन के कार्यालय में दिनांक 29-9-1978 को पंजीकृत है।

> श्रमर सिंहप बिसेन मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 30-3-1979

प्ररूप आई• टी• एन• एस•---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

ला 🗝 महायक आयकर आयुक्त 🔭 सीक्ष्य)

ग्रर्जन रेज, अहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 2 फरवरी 1979

नं० ए०सी०क्यू० 23-क-1804 (776)/16-1/78-79--- प्रत मुझे, एस० सी० पारीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गण है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारा का पण रिण्वाम करने ता कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित नाजार मृह्म 25,000/- के से पश्चिक है

ग्रौर जिसकी स० सर्वे न० 241 तथा 248 है तथा जो पावर हाउस के पीछ, धोराजी, जिला राजकोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, धोराजी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 21-9-1978 को

प्रवेदित सम्पत्ति ने उपिता प्रतिष्ठ नाय राजा के तृत्यवान प्रतिष्ठल के लिए अस्तरित की गई है और मक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य. उसके दृश्यमान प्रतिष्ठल से, ऐसे दृश्यमा प्रतिष्ठत का चन्द्रह प्रतिशत से भिवत है और अन्तरिक (बनारकों) प्रीत अन्तरिती (अन्तरितिकों) के चीत्र ऐसे अन्तरण के लिए तय प्रधा गया प्रतिष्ठत परिनित्वित उद्देश्य से उक्त धन्तरण के लिए तय प्रधा गया प्रतिष्ठत कर से क्यित न

- (क) धन्तरण पे दुई हिसी प्राया को बाबन जरून असि ं भीर यह हैने के क्रान्सरन हे सापन्स - - र - रा । उससे बचने के पंविधा के स्ट्रप्ट; और क्रा
- (ख) ऐसी किसी लाग मा तिसी उन पा अन्य मास्तियों को, जिल्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) मा उका श्रीकितयम, य वनकर अधिकित्यम, य वनकर अधिकित्यम, (1957 का 17) के अयोजनार्थ अन्तरित , रा अवट नहीं किया गया था या किया जाना काणि शा कियाने में स्विध के लिए ;

ः ८व, एकत भ्राधिनियम की धारा 269ग के भ्रम्सरण में. में, उक्त भ्रिष्टियम की धारा 269ण की उपधारा (1)के भ्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थातः— 7—86GI/79

- 1 स्रो० के० इण्डस्ट्रीज, श्री प्रविणभाई शाह बम्बई, मैंनेजिय पार्टनर के मारफत कुल मुख्खत्यार श्री जयन्ती भाई जे० प्लाट भाकुभाजी परा, धोराजी, जिला राजकोट। (प्रन्तरक)
- 2 मेसर्स नाभीराज कंपनी, भागीदार श्री भूपेन्द्र दीनकर-राय प्लाट शाह के मारफत 30, कर्माशयल चेम्बरर्स, स्टेशन रोड, गेलेक्सी मिनेमा के पीछे धोराजी, जिला राजकोट। (श्रन्तिरिती)

ो क उन्ता जारी करके , जेन्त सम्पन्ति । अर्नेत हे लिए नार्यदर्शिया कार्रा हं

उका सम्पत्ति । प्रजी क सम्बन्ध में काड भा श्राक्षप :---

- (क) इस सुचना क राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में जमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति दारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हिन्द किसी अन्य अपित द्वारा अधीतस्वाक्षरी के पास कि । किया जा सके।

हवड्टीकरण:---उलमे प्रमुक्त शक्का यौर पदा का, जो उक्ता प्राक्ष-ि न के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहा यथं हागा, जो उस संध्याय में दिया गया है।

अनस्चा

खुली जमीन का प्लाट जिसका सर्वे न० 241/2 तथा 248 है जिसका क्षेत्रफल 23,23, वर्ग गज है जो पावर हाउस के पीछे धोराजी में स्थित है जिसका पूर्ण वर्नन, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी धोराजी द्वारा रजिस्ट्रीकृत बिकी दस्तावेज नं० 1094 सितम्बर 1978 में दिया गया है।

एस० सी० पारीख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज I, ग्रहमदाबाद

तारीख · 2-2-1979 मोहर: प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०-

आयक (श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2**69-प**(1) क अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 9 फरवरी, 1979

ए०सी ० क्यू ० 23-श्राई०-1812(781)/11-4/ 78---79---- अतः मुझे, एम० सी० पारीख, **भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 13) (जि**रो इस**में** इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीत सक्षाय पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाजार **मुख्य** 25,000/- क० से यधिक है ग्रीर जिसकी सं० वार्ड नं० 10 है तथा जो वाछेम्बरी प्लाट, पोरबंदर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाधद धनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजन्द्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पोरबंदर में रजिस्ट्रीकरण श्रधितियम. 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 26-9-1978 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उतित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित्र थाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत भश्चिक है और भ्रान्तरक (मन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण जिल्लिमें वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिक्यिंग के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और'या
- (ख) ऐती किसी याप या किसी धन या व्या आस्त्रियों को, जिन्हें नारतीय आयकर श्रिधिनियम 1922 (1922 को 11) या क्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया नाम चाडिए या, छिपाने में सविधा के लिए,

मतः प्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के पत्रमरण में, में; उक्त पविनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

- 1. (1) श्री मोहन लाल बीर जी
 - (2) श्री दामजी वीरजी
 - (3) श्री भ्रमुतलाल बीरजी
 - (4) श्री लक्ष्मीकांत उर्फ छोटालाल वीरजी सभी पोर-बंदर के। (श्रन्तरक)
- श्री शांतीलाल मूलचंद मालवेया, नागरवाडा, राममंदिर के पास पोरवंदर (श्रन्तरित)

को यह सूतना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यबाहियां करना ह।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत ग्रें प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की क्षारीख से 45 दिन के भौतर उवत स्वावर सम्पन्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरत।क्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे

स्पन्दीकरण:--इसमे प्रयुक्त गड्यों और पदों का. जो उक्त प्रधित्तियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही प्रयं होगा जो उस ग्रध्याण में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका वार्ड नं० 10 (पोरबंदर म्युनि-सीपालिटी) है, जिसका क्षेत्रफल 488-6-4 वर्ग गज है जो बाछ श्वरी प्लाट, पोरबंदर, जिला जूनागढ़ में स्थित र तथा रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी, पोरबंदर द्वारा बिकी दस्तावेज नं० 2095 सितम्बर, 1978 से रिजस्टर्ड किया गया है दाने मिलिकत का पूर्ण वर्णन जिसमें दिया गया है।

> एस० सी० पारिख मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेजा, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 9-2-1977

प्रकप बाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रभीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 14 फरवरी 1979 सं० पी० श्रार० 651/ए०सीक्यू० 23-164/7---4/ 78---79---श्रत: मुझे, एस० सी० पारिख,

भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त श्रीष्ठितियम कहा गया है), की भारा 269-ख के भिष्ठीत स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- इ॰ से भिष्ठक है

ग्रीर जिमकी सं० वार्ड नं० 8 क्यू० नं० 364 है तथा जो टीका नं० 14/1 मर्जे नं० 89 बाजवाड, नवसारी में थित है (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुमुची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती ग्रीधकारी के कार्यालय, नवसारी में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन मित-म्बर, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृयशमान प्रतिफल से, ऐसे दृयश्मान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में भिक्त है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण निखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) प्रश्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रष्टिक नियम के भ्रषीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भ्रीर/या
- (ख) ऐसा किसा माय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर मिश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के किए;

ग्रतः ग्रंब, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-व के भनुसरण में, में, उक्त ग्रिथिनियम, की घारा 269-व की उपवारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत् :--- 1. (1) रुस्तम एस० बामजी

(भ्रन्तरक)

- (2) महरुख के ० जोशी
- (3) फारुख एस० बामजी
- (4) एन० एम० बामजी
- (5) नरगिसर एन० मोनी चार बामाजी
- (६) एम० एम० बामाजी
- (7) दोगड़ो स्रार० मेहता तथा दो स्रन्य658, फरदोशी, रोड़ दादर, बम्बई (म्रन्सरक)
- 2. (1) अमृतलाल चुनीलाल मोदी
 - (2) मोनह लाल चुनीलाल गांधी
 - (3) कान्तीलान चुनीलान गांधी
 - (4) जयन नान चुनी नान गांधी
 - (5) नटवरलाल चुनीलाल गांधी बाजवाड, नवमारी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रजिन के सर्वध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति बारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लात में किए जा सकेंग्रे।

स्पष्टीकरण: -- इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त भ्राविनियम के भ्रष्ट्याय 20-क, में परिकाणित हैं, वही भ्रष्ट होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विशा गया है।

श्रनुसूची

जमीन व मकान जो वार्ड नं० 8 म्यू० नं० 364 टीका नं० 14/1 सर्वे० न० 89, बाजवाड, नवसारी में स्थित है जिसका कुल माप 212-37-70 वर्ग मीटर है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, नवसारी द्वारा 30-9-1978 को दर्ज किये गये रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 2721 में प्रदर्शित है।

> एस० सी० पारि**ख** मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुग्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रहमदाबाद

दिनांक: 14-2-1979

पक्ष भाई०टी० एन० एस०---

भ्रामकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 म (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेज, ग्रह्मदाबाद ग्रह्मदाबाद, दिनाक 24 मार्च 1979

म० ए॰ गं०नयू० 23-माई-1875 (795)/16-F/78-79-मातः मुझे, एस० सी० पारिख, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उनत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-मा के मधीन सक्षम मधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ह्य 25,000/- ६० से मधिक है

स्रौर जिसकी सं० प्लाट न० 18, जागनाश रोड की दक्षिण साईड में है तथा जो रामहाष्ण ग्रेरी नं० 1, राजकोट में स्थित है (स्रांग इससे उपायद्ध प्रनुसूनी में श्रीण पूर्ण प्रप में विणत है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधिदारी के कार्याल राजकोट में रिजस्ट्रीगरण श्रीधियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन 12-9-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान पित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय का बाबत, उस्त श्रिष्ठानियम के श्रधीन कर देन क श्रन्तरक के दायित्व में इसी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; श्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी धार या किया यन या नरूर हास्तिया को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनाम अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए,

ग्रतः, ध्रब, उन्त ग्राम्चिनियम की धारा 269-म कि मनुगरण में, में, उन्न ग्राम्चित्यम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथाँतः---

- 1. श्री जितेन्द्रकुमार मणीलालभाई शेठ ज्युपीटर एपार्टमेन्टस, 14वी० मसला लक रोड कोलाबा, बम्बई-400 005। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमित मधुबेन रमणीकलाल चोटाई लक्ष्मीबाडी मेईनरोड लक्ष्मीनारायण निवास राजकोट (श्रन्तरिती)

हा यह भुवना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्र**र्जन के** भित्र **एतद्द्वारा** सर्पवाहियां **सुरू** करत*्*

उन्त मनात्ति के प्रजीत के पम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की जवधि, जो भी अवधि बाद स समाल होनी हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इप भूबना ह राजान में प्रकाशन को नारीख से 45 दिन के भीतर अन्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाप निखन में किए जासकोंगे।

स्वढदो हरण :--इसम प्रयुक्त शक्दों ग्रीर पदा का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रये होगा, जो उस चध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

सुनी निर्मात का प्याट जिसका क्षेत्रफण 350 वर्गगज है तथा प्याट नं 18 है जो जागनाथरोड की दक्षिण साईड में रामकृष्ण शेरी नं 1 राजकोट में स्थित है तथा तारीख 12-9-78 में रिजस्टर्ड किये गये बिकी दस्तावेज नं 3787 में जिनका पूर्ण वर्णन दिया गया है।

गम० मी० पारित्र सक्षम पाधिकारी महायक श्रायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंच-1, श्रह्मबाबाद

दिनाक: 24-3-1979

प्ररूप आई । टी । एन । एस । ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार। 269-च (1) के प्रधान सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-I ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाक 24 मार्च 1979

सं० ए०सी०क्य० (796)/16-6/ 23-1-1875 78-79--- ग्रत. मुझे एम० सी० पारिख, अष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इस्में इनके उश्वात् 'उन्त अधिनयम' कहा गया ह), का आरा 2 0 9-ख के भ्रधान सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने क कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 25,000/- रूपये से श्रधि है बाजार मृत्य ग्रौर जिसकी स० प्लाट नं० 18, जागनाथ रोड की दक्षिण साईड में है तथा जो रामग्रण शेरी ,न० 1, राजनोट में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूर्वा में ग्रार पूर्ण रूप से विणत है), र स्ट्री-र्वा प्रोधनारी के नर्यालय, राजकोट में रजिस्ट्रीयरण आर्यानयम, 1908 के (1905 रा 16) के ग्रधीन 12-9-1978 को प्वांक्त सम्पत्ति के अचित बाहार मूल्य है उहा व दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिंग की गई है श्रार ग्रामह विभ्वाम करने का कारण है कि यथम्पूर्वोस्त सम्पत्ति का उन्नित्र बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल स एस दृश्यमान प्र'नफल का पन्द्रह प्रात्शित से आया 🤝 🍇 🗥 अन्तरक (श्रन्तरका) पार जन्तरिनी (अरिन्तिनिया) क बाच ऐसे अन्तरण के लिए तय पण्या यया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अन्तरण लिखित हे बल्स्तवित रूप से पदित

>) गाम स हुई किसी काय कर माजा कर कार यम, र स्कीत कर ने के अस्तर्धिय बास्ट मे कना रने पान के बचने में स्विधा के लिए 'या

नही यागः --

(ख) इसा किया घर मा प्रसा भन या अन्य आस्तियो ा मा भारत मा प्रसा प्रशासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) पा उक्त अधिनियम, या धनवा अधिनियम, 1957 (1977 का 27) के प्रमाजनाथ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं निया गर्म थ पा निया प्रमा बांगि य जिल्लों में सावशा 'गर;

प्रतः, श्रव, उक्त प्रधिनियम को बारा 269ना के स्रनु-सन्य में, मैं, उक्त सिक्षिम को परा 200 घरो उपधारा (1) के अधीन निस्त क्षित प्रतिगरें, अर्थ। 1---

- (1) श्री जितेन्द्रकुमार मणीलाल भाई शेठ, ज्युपीटर गार्टमेन्टग, 14वी मझला कोलावा, बम्बई-400005 (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमित भानुबेन विभोवनदास, डॉ० बामनी शेरी, सगनया चोक, राजकोट (ग्रन्तरक)

का यह मूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

- ात सम्पति ए अजन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---
- इस सुचना क राजपत्र म पकाशन की नारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सवद्यां व्यक्तियो पर सूचना की तामील म 30 दिन की श्रविध, जा भा पविध बाद में समाप्त होता हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यां के द्यां के व्यक्ति द्यां के स्वार्क्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्यां के द्यां के व्यक्ति व्यक्ति द्यां क्रिक्ति व्यक्ति व
- क्ष्म भूतना त राजपन्न में प्रकाशन की तारीख स 45
 न न भातर उवस स्थापर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी
 न व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षन के अन निष्दित
 किए ५ को।

स्ववटोकरण -- इनमे अनुका कार्याओर पदा का, जो उका श्रीध-विकास अध्याय 20-क मे परिभाषत है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास - दिया गया है

ग्रनुसूची

ुत्रा जमान का प्लाट जिनका क्षेत्रफल 350 वर्ग गज है तथा प्लाट न० 18 हे जो जागनाथ रोड की दक्षिण साईड में रामकृष्ण शेरी न० 1 राजकोट में स्थित है तथा ता० 12-9-78 को राजस्टर्ड बिकी दस्तावेज न० 3786 में पूर्णन वर्णन दिया गया है।

> एस० सी० पारि**ख** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-I, स्रहमदाबाद

दिनाक: 24-3-1979

प्रका आई वरी व एन व ्स० -----

म्रायकर मधिनियम, 1931 (1+31 का 43) ता धारा 769 व (1) य यतीप अभन

भारत सरकार

कार्यालय, महानक मायकर मायुक्त (निरोक्षम)

भ्रजन रेंज-1, श्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनाक 30 मार्च 1979

ष्मौर जिसकी सं० सर्वे० नं० 3206-वार्ड नं० II सीटी सर्वे नं० 3 है तथा जो पीरबंदर राणाबाब की तरफ (एम० जी० रोड), पीरबंदर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय पीरबंदर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 26-9-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति स उवित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसक दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गयाप्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में वास्त्विक अप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण से दुई किशा पाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमा करन या उसमें बचने में बुविद्या के लिए; और/मा
- (ख) ऐमा किया पाय या किसी अन या अन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय प्रायकर ग्राधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनयम, या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः भव, उक्त प्रोधितियम का धारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपज्ञारा (1) के अधीन निम्तिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् —

- 1. पी० च०ए वाडीया एंड सन्स, ट्रांसपोर्ट महात्मा गांबी रोड, पोरबंदर (अन्तरक)
- 2. श्री भानुशंकर लीलाधर जोकी पोरबंदर का छाया रोड, पी० एच० बाडीया एंड सन्स के मारफत महात्मा गांधी रोड, पोरबंदर (श्रन्तरिती)

को यहँ सूत्रता जारो कर शप्तांका सम्पत्ति के प्रजी क लिए कार्यवाहिया करताहा

उस्त गम्पाल ह प्रजैत ह सबध में कोई मा आक्षेप:---

- ह) इस सूचार के राजपल में प्रकाणन की तारीख में 45 रिवन की समित्रिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीच ए 30 दिन की पत्रिक्ति भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचता क राजपत में प्रकाशन का नारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तोकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्तो सौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, कश्रध्याय 20-व में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 302~00 वर्ग गज है जिसका वार्ड नं० 11, सीटी सर्वे० नं० 3, सर्वे नं० 3206 जो पोरबंदर राणाबाब रोड (एम० जी० रोड) पोरबंदर में स्थित है ।तथा रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी पोरबंदर द्वारा दिनांक 26-9-1978 को रिजस्टर्ड किये गये बिक्री दस्तावेज नं० 2182/19-5-1978 (जिसकी सूचना दिमम्बर 1978 के प्रथम पखवाड़े में प्राप्त हुई थी) में जिमका पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-४, ग्रहमदाबाद

दिनांक: 30-3-1979

प्रकप भाई० टी• एन० एस•-

भायकर भिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के भिर्मीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-, ग्रहमटाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 30 मार्च 1979

सं० ए० सी० क्यु० 23-श्राई०-1985 (799) 11-4/78-79--श्रतः मझे एस० सी० पारिख, भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे० नं० 3206 वार्ड नं० 11 सिटी सर्वे नं० 3 है। तथा जो पोरबंदर राणावाव की तरफ (एम० जी० रोड) पोरबंदर में स्थित (स्रौर इससे उपाबद श्रनुसूबी में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पोरबंदर भे रिजस्ट्रीकरण श्रिकितम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 26-9-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्म्नांकियत सहेश्य से सकत अन्तरण लिखित म वास्तविक कप से माबित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भाषिनियम के भाषीन कर देने के भन्तरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में शुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आप या किसी धन या प्रन्य आस्तिय।
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
 गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रव, उक्त भ्रविनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीन्:—

- 1. श्री पी० एच० वडीया एण्ड सन्स, ट्रांसपोर्ट महान्सा गांधी रोड, पोरबंदर। (ग्रन्तरक)
- 2 श्री दयाशाम लीलाधर जोषी, छाया प्लाट, पोरबंदर के पी० एच० वडीया ऐंड सन्स के भारफत एम० जी० रोड, पोरबंदर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना गरी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस मूचना के राचपत में प्रकाणन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी अविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास विक्षित में किए जा मर्केंगे।

स्यब्दोकरग:--इपर्मे प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुमूची

खली जमीन जिसका क्षेत्रफल 344.45 वर्ग गज है जा वार्ड तं० 11. सिटी सर्वे वार्ड तं० 3, सर्वे तं० 3026, पोरबंदर राणाबाव रोड (एम० जी० रोड) पोरबंदर में स्थान है तथा रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी पोरबंदर हारा ता० 26-9-78 को रजिस्ट्रीकृत बिक्की दस्तावेज नं० 2181/19-5-1978, जिसी सूचना दिसम्बर, 1978 वे प्रथम पखवाड़े में प्राप्त हुई, में मिल्कत का पूर्ण वर्णन दिया गया है '

> एम० सी० पारिस मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज I ग्रहमदाबाद

दिनांव 30-3-1979 मोहर • प्रकृप ग्राई० टी० तन० प्रमः --- --

ग्रायकर प्रश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की ारा 269 म (1) के प्रश्नीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, नािक 27 मार्च 1979

शायकर श्रिष्ठितियम, 1961 (1961 हा 43) (जिंग्ये इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका त्रित बाजार मृन्य 25,000/- ६० में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० नील मकान का बीसवा हिस्सा जिस का क्षेत्रफल 1727-7-0 वर्ग गज है। तथा जो राजश्री टोकीस नामसे प्राच्यात है तथा भुवनेश्वर राजकोट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय राजकोट में रिज-स्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 15-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतित बाजार मृत्य से कप के दृष्यपान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्र उसके दृष्यमान प्रतिफल में ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए नय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बान्तविक इप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण में हुई किमी घाय की बाउत, उक्त शिव्य-नियम, वे धर्धीन कर देने के जनरक व दायिन्द में कभी करने राजनस बचने से सुविधा के लिए बौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या अन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनिय- 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रिधनियम, 1957 (1957 का .// के प्रयोजनाणं अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं दिय बया था या किया जाना चाहिए था फ़ियाने में लिए;

श्वतः, भव उक्त श्रिशियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अश्वित्यम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन निम्निविक्त व्यक्तियों, अर्थात :--

- 1 श्रीहेमकुवर नरीत्तमद मारान० डी० मणीयार के मारफत धर्मेंद्ररोड, राजकोट (ग्रान्तरक)
- 2 श्री वकुल प्रान्नीलाल के० डी० मोनी के मारफत 48, प्रहला प्लाट, राजकोट (भ्रन्तिरती)

को या, सूचना गा। करके पूर्वोक्त सम्पान स्त्रा । ति नए कार्यवाहिया करन

उक्त प्रमानि के पर्नत के प्रम्बन्ध में को का प्राक्षेप :--

- () इस स्वता + राजपत्र में बहाशत की तारोख पे क त्रिका श्वितिया तत्मम्बन्धी व्यक्तियो पर व्यक्ता का तामीत से ३० दिन का प्रविधि, जो देश प्रकृष्टि तार में समाप्त होता हो के भीतर पूर्वोक्त वाक्तया म न रिसा व्यक्ति हारा
 - (ख) इस स्चना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख़ से ३5 दिन के जिन्हर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जिनबद्ध विकास का का का नारिये।

स्पब्टीकरण:—-इसम प्रयुक्त शब्दों स्रोरपदों का, जो उक्त "चिनियम क श्रध्याय 20क में पृत्रिभाषित ' र्यं गांजी ने प्रशय मां रार्य

ग्रनुसूची

1727-7-0 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले मकान का बीसवा हिस्सा जो मेसर्स राजश्री टोकीय नाम से प्रख्यात है तथा जो भुवित्रोड राजकोट में स्थान है जिसा पूर्ण वर्णन दिसार 159-1978 को रिजस्ट्री विकी दस्तावेच न० 3877 है तिरा पप है से रिजस्ती प्रधितारी राजकोट हारा रिज दर्ज पर पा है।

एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज I स्रहमदाबाद

दिनाक 30-3-1978 मोहर

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 3 मार्च 1979 सं० पी० श्रार० नं० (801) ए०मी०क्यु० 23-श्राई०-1873/16-6-78-79--श्रतः मुझे एस० मी० परिख श्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपसे से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० निल्ला 1727-7-0 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले मकान का बीसवां हिस्सा है जो राजश्री टोकीस नाम से प्रख्यात है तथा भूषे इरोड, राजकोट में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में धीर पूर्ण व्य से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजिस्ट्रीकरण श्रिक्षितमा, 1908 (1908 हा 16) के श्रधीन 15-9-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के टिचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिषक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त अधिनियम के भधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ते प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269—ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269—घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—— 8—86GI/79

- (1) श्री हेमकुंबर नरोत्तमहास एन० डी० मणीयार के० मारफत धर्में हरोड़ राजकोट (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मनमोहन जयंतिलाल, जयंतिलाल डी॰ मोनी के मारफत, 48. प्रहलाद फ्लोर, राजकोट (श्रन्तरिनी)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाय लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उकत ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा, जो उम श्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मेर्सस राजश्री टोकीस नाम से प्रख्यात मनान का बीसवां हिस्सा जो 1727-7-0 वर्ग गज जमीन पर खड़ा है तथा भूपेन्द्ररोड राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन ता० 15-9-1978 को, रिजस्ट्री हर्ना ग्रिधिकारी राजकोट द्वारा रिजस्ट्रीकृत विक्री दस्तावेज नं० 3878 में दिया गया है।

एस० सी० परिख मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायवर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनांक: 30-3-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एम०---

श्रावकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-I, श्रहमदाबाट श्रह्मदाबाद दिनांक 4 गई 1979

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इनके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० मर्वे० नं० 54, फायनल प्लाट नं० 165, सब प्लाट नं० 24, टी० पी० एस० 4 का है। तथा जो खोखरा मरेमदाबाद, मणीनगर, श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजन्द्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजन्द्रीफरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 27-9-78 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझं यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिशत से श्रिक है भौर अन्तरिक (अन्तरकों) धौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिध-नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भता भवा, जनत श्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुमरण में, में, जनत श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित ण्यक्तियों श्रश्नी :---

- श्रीमती गवीताबेन, ठकोरलाल चुनीलाल की विधवा, बंगला नं० 24, दलाल कोलोनी मणीनगर, श्रहमदावाद-4 (ग्रन्तरक)
 - 2. (1) श्री पटेल घनण्याम पुरुषोत्तमदास,
 - (2) श्री पटेल चंद्रकान्त पुरुषोत्तमदास
 - (3) श्री पटेल जगदीशभाई पुरुषोत्तमदास,

14. पंचवटी कोलोनी जर्याहद हाईस्क्ल के सामने मणीनगर श्रहभदावाद-8 (श्रन्तिरती)

की यह सूनना कारी हरके पूर्वीका सम्पन्ति के **अर्जन** के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्वन के सम्बन्ध ये कोई भी ग्राक्षंप:--

- (क) इस सूचता के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखिल में किए जा मकेंगे।

स्पद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्दों ग्रीर पदों का, जो उनत पश्चित्तयम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन पर खड़ा मकान जिसका क्षेत्रफल 766-0 वर्ग गज है जिसका सर्वे० नं० 54, फायनल प्लाट नं० 165 सब प्लाट नं० 24, टी० पी० एस० 4 में है, जो खीखरा मरेमदाबाद स्णीनगर, ग्रहमदाबाद में स्थित है। तथा जिस का पूर्ण वर्णन रिजम्ट्रेशन नं० 8630 से ता० 27-9-78 को रिजम्ट्रीइन बिकी दस्तावेज में दिया गया है।

> एस० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी पहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-I स्रहहमदाबाद

दिनांक 4-5-1979 मोहर : प्ररूप श्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 क 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन नूबना

भारत सरकाः

कार्यां नय, महायक ब्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज II ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनाक 5 मई, 1979

सं० पी० म्रार० 675/ए० सी० क्यू० 23-1147/19—7/78—79—म्रत मुझे एस० सी० पारिख मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 रा 13) (जिल उसमे इतक प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गा ह), क धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 25,000/— इपये में प्रधिक हैं,

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 116/4 पैकी पूर्व तथा पश्चिम दिशा है। तथा जो गाव फुलपाडा ता० चोरासी, जिया सूरज में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सितम्बर 1978

को पूर्लोक्त सम्पत्ति के उचित काजार न्ता से कर के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित मा गई है आरे मृझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्जोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) आर अन्तरिती (अन्तरितियों) क बीच ऐसे अन्तरण क लिए तय पाया गया अति । का निक्रनिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक इप से किवत नहीं किया गया है. —

- (क) प्रन्तरण से हुइ किसी याय की बाबन उन्ह अधि-नियम के प्रधीन कर उने के धन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर'या

प्रतः प्र. उनतं प्रधिनियमं का धारा 269-गं के प्रनुसरण में मै, उपा श्राधानयम को धारा 269-व का उपधारा (1) के अधीन, निम्तािबत व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. श्री दयारामभाई जीवनभाई पटेल गांव : बुटवेडा, पेटा महल, वालोड (ग्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रश्वनी को० ग्रा० हाउसिंग सोप्तायटी मि० विभाग-2, 7/45, गोटालावाडी, क्तारगाम (ग्रन्तरिती)

को यह सूबना कारा कर । (बक्ति सम्मात क **मर्जन** के लिए कार्यवाहियां करत' ह

उना समारित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजान म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील म 39 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र म प्रकागन को तारीख से 45 दिन के भावर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी पन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी क पास लिखित म किए जा सकते।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों झौर पदो का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्खें होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 3000 वर्ग गज है (दो दस्ता-वेजों मे) तथा जो गाव फुलपाडा सर्वे नं० 116/4 पैकी पूर्व तथा पश्चिम भाग जो० ता० चोरासी जिला सूरत मे स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी सूरत द्वारा सित-म्बर, 1978 में दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख में प्रदर्शित है।

> एम० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज II ग्रहमदाबाद

दिनाक 5-5-1979 मोहर:

प्रकृष भाई•टी•एन•एस•----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, पिांक 5 मई 1979

सं० पी० श्रार० 676/ए० सी० क्यु० 23-1147/19-7/78-79--श्रतः मुझे एस० सी० परिख आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ह्य 25,000/- द० से प्रधिक है श्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 116/2 पैकी पण्चिम श्रोर जमीत है। तथा जो गांव फुलवाड़ा ता० चोरामी, जिला सूरत में स्थित है (श्रीर इपने उपावद्ध प्रतुस्त्री में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 श्रा 16) के श्रधीन मितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उतिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (भन्तरका) थोर अन्तरिती (भन्तरितिया) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त धन्तरण निख्ड में वास्तविक रूप से कायल नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से दुई किसो आप की बाबत, उक्त राधां गयम के प्रधीन कर देने क अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी प्राप्त या किया जा या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रिधा के लिए;

शत: श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्राधिनयम की धारा 269-घ की उपबारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत्:—-

- 1. श्री कान्तीलाल बापुभाई गांव भ्रत्थाना ता० चोरासी (भ्रन्तरक)
- 2. श्रश्यनी को० श्रा० हाउमिग सोमायटी लि० विभाग :2 6/45, गोटालावाडी, सूरत (श्रन्त्रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञंन के सबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की घ्रविध या तस्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घ्रविध, जो भी घविध बाद में समाब्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की नारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भत्ति के हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सम्रोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे:

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो तक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस ग्रह्मायमें दिया गया है।

अनुसूची

जमीन, जिसका कुल माप 1500 वर्ग गज है तथा जो वें सनं 116/2 पैकी पश्चिम तरफ गांव फुलपाड़ा ता० चोराभी जिला सूरज में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधारी सूरत द्वारा सिनम्बर, 1978 में दर्ज किये गये र्जिस्ट्रीकृत विलेख मे प्रदर्शित है।

एस० सी० परिख मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, श्रहमदीबाद

दिनाम : 5 भई 1979

मोहरः

प्ररूप आई ● टी० एन० एस०----

ग्राय हर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक म्रायकर प्रायुक्त (नि्रीक्षण)
म्रर्जन रेंज II, श्रहमदाबाद

- प्रह्मदाबाद, दिनांक 5 मई 1979 *

नं० पी० ग्रार० 677/ए०सी०क्यू० 23-1147/19-7/78-79-ग्रतः मुझे एस० सी० पारीख ग्रायकर स्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधान सक्षन पाधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से ग्रिप्रिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 116/3 पैकी पूर्वी ओर जमीन हैं नथा जो गांव फुलपाडा, ना० चोरासी, जिला सूरत में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणन हैं), रिजस्ट्रीकर्ना श्रीधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908(1908 का 16) के श्रीधन सितम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्मति के उत्तित बाजार मूल्य से हम के दृश्यमान प्रतिकत के निए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मून्य उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पन्द्रह अतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भोर अन्तरिती (अन्तरितिभों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधितियम के श्रश्रीन कर देने के ग्रन्तरक के दाधित्व में कभी करा या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किमी आय या किभी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

धतः भव, उक्त भ्रधिनियम की भारा 269-ग के स्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिट व्यक्तियों, धर्णास्ः---

- 1. श्री नरसीमाई पुरसीतमीबाई गांव देसड, ता० कासरेज र्जना, सूरत (श्रन्तरक)
- 2. प्रश्वीन को० धा० हाउसीग सोमायटी लि० विभाग 2.7/45, गोटालावाडी, सूरत (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के सम्बन्ध में कोई भा ग्राक्षप-

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की प्रविध या तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर
 मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किया बन्द व्यक्ति द्वारा, प्रत्योहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्बब्दोकरण -- - इपने प्रयुक्त शब्दों और पद्मां का जनत प्रश्नित्यम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अम्सूर्या

जमीन जिमका क्षेत्रफल 3000 वर्ग गज है (दो दस्तावेज) है जो सर्वे नं 0116/3 पैकी पूर्वी पश्चिम भाग में गांव फुलपाड़ा जमीन जो ता 0 चोरासी जिला सूरत में स्थित है जैसा कि राजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी सूरत द्वारा सितम्बर, 1978 में दर्ज किये गये राजस्ट्रीकर्ता विलेख में प्रदिशत है।

एस० मी० पारीख मक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज II, स्रहमदाबाद

दिनाक 5-5-1979 मोहर: प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०----

भायकर ग्रिषानियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269घ (1) के प्रधीत सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज- श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाक 5 मई 1979

नं० पी० श्रार्० 678/ए०मी०न्यू० 23-1147/19-7/78-79--श्रत मुझ एम० सी० पारीख, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस प्रवात 'उन्त श्रिधिनियम' जहां गया है), की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पन्ति, जिपका उचिन बाजार मूल्य 25,000/रुपए से श्रिक है

ग्रीर जिसकी स० सर्वे न० 116/1 गाव फुलपाडा है। तथा जो चोरासी, जिला सूरत में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सितम्बर 1978 को

(1908 का 16) के प्रधान मितम्बर 1978 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान पितफन में, ऐसे दृश्यमान पितफन का पन्तह प्रतिगत से प्रधिक है और अन्तरक (धन्तरकों) और प्रस्तरिती (पन्तरितियां) के बीज ऐ। प्रस्तरक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में बाह्यकि हस्त ने कथि। नहीं हिया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से तुई किसी भाय की बाबत, उक्त भवि-नियम के अधीन कर वेने के श्रम्तरक के दायिस्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) एसी किसी श्राय या हिमा धन या ग्रन्य आस्तिना का जिन्हें भारतीय श्राय-चर रुश्चितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधितियम, या धन-कर श्रीधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या था किया जाना चाहिए या, द्वियाने में सुविधा के लिए ,

श्रत: श्रा, तका प्रविनियम को घारा 269-ग के स्नृत्तरण में, में, तका अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निमन्तिखित व्यक्तियों, अर्थात:~~

- 1 श्री छिताभाई देवीभाई पटेल गाव पिसाड ता० नव-सारी, जिला थलसाऊ (श्रन्तरक)
- 2 श्री श्रप्तवती को० ग्रा० हाउमीग मोमायटी लि० विभाग-2 7/45 गोटालावाडी, मुस्त (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बग्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूबता क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की श्रवधि या तत्मस्वस्थी क्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की भवित्र, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधाद्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पड्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दो श्रीर पदो का, जो उक्त श्रिष्टि तियम, के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्र**मुस्**ची

जमीन जिसका क्षेत्रफल 3000 वर्गगज है (दो दस्तावेज) तथा जो सर्वे नं० 116/1 की पूर्व तथा पश्चिम दिशा गात्र फुलपाडा ता० चोरासी जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी सूरत द्वारा सितम्बर, 1978 की दर्ज किये गये रजिस्ट्रीकृत विलेख में प्रदर्शित है।

> एस० मी० पारिख सक्षम प्राधिकारी गहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 11, श्रहमदाबाद

दिनाक 5-5-1979 मोहर: प्ररूप पाई० टी० एत० [स०---

भ्रायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) र ध्योन सूत्रनः

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज II, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 5 मई 1979

नं० पी० ध्रार० 679/ए० सी० क्यू० 23-1147/19-7/78-79—अतः मुझ एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, १७६६ (1961 का 43) (जिसे इयमें इसके पण्यान् उस्त कि नियम, कहा स्था है), की धारा 264-ख के प्रयोग सक्षत गाधिकारी की, यह विश्वास करने का भरण है कि साजर प्राति, जिपका उचित बालार मूल्य 25,000/-

६० से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 116/2 पैकी पूर्वी दिशा में जमीन है। नथा जो गांव फुलपाड़ा ता० चोरासी जिला सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपाबध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण कप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सूरत में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1808 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर 1976

को पूर्वोक्ता सम्पत्ति के उति वाजार मृत्य सं २ . फे दृश्यमान अतिफल के लिए अस्तरित वाजार मृत्य सं २ . फे दृश्यमान अतिफल के लिए अस्तरित वाजार है चीर भुदो या विश्वास करने का कारण है कि स्वाप्योक्त सम्यत्ति का उतिल बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत का प्रस्त दृश्यमान प्रतिफत का प्रस्त प्रतिफत अधिक है भीर अस्तरक (यहारही) और अस्तरिती (अस्तरितियों) का बाच ऐसे अस्तरण का लिए तय पाया गथा प्रतिकत्त, विश्वलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखित में सस्तवित कर पर से कांचित नहीं किया गया है: ——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उमसे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- ण) ऐपो ात सार र किया तत या अन्य प्रास्तियों
 ते, किया सरकार प्राथ-कर प्रधिनियमें, 1922
 ते किया है। या उन्त प्रधिनियम, या
 किया प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 किया त किया जाना चाहिए या किया में
 सुविधा ते नियम

अतः अव, उक्त भ्रधिनियम की बारा 269-ग के ब्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की बारा 269-च की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अर्थौत:——

- 1. श्री काली लाल बापुभाई गांव श्रन्लाना ता० चोरासी (श्रन्तरक)
- ं. श्री ग्रम्बनी को० श्रा० हार्जासंग सोसायटी लि० विभाग-2—7/45, गोटालावाडी, सूरत (श्रन्तरिती)

को यह पूजनः जारी करके पूर्वीका स्पिति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उका सम्पत्ति के अप्रजैत के सन्दर्भ में होई भी स्राक्षीप 🛶

- (क) इ.प. गुजार ह राजगद ने ए हाशन की नारीख में 45 दिन की अवधि या नन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर पुत्रना की नामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एशिक्त ल्यक्तियों में से किसी श्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा श्रष्ठीहस्ताक्षरी के पास निश्वित में किए जा सकेंगे ।

स्पब्टीकरण: → -3 समें प्रयुक्त गर्वों ग्रीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', ले श्रध्याय 20-क में परिभाणित तै. बही पर्ध होगा, जो उस प्रध्याय में दिया ग्या है।

अन्सुची

जमीन जिसका कुल माप 1500 वर्ग गज है जो सर्वे मं० 116/2 पैकी पूर्वी दिशा में गांव फुलपाड़ा ना० चोरासी जिला सूरत में स्थित है जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी सूरत द्वारा सितम्बर, 1978 में दर्ज किये गये रिजस्ट्रीकृत विलेख में प्रदर्शित है।

> एस० सी० परी**ख** सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज-II, श्रहमदाबाद

दिनांक 5-5-1979 मोहर: प्रकृप भाई० डी० एन० एम०----

भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज II श्रहमवाबाद अहमदाबाद, दिनांक 2 मई 1979

मं० पी० श्रार० 680/ए०सी०क्यू० 23-1251/19-7/ 78-79---- प्रतः मुझ एस० सी० पारिख **प्रा**यकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसर्में क्ष्मके पण्चात् 'उपन श्रिधिनियम' कहा गया 🕻), को खारा 269-ख के भ्रभीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारफ है कि स्थावर नम्पनि, जिसका उप्लित वाजारमूल्य 25,000/-ध्पये ये अधिक है श्रौर जिसकी सं० श्रठवां नोध नं० 1931 एम० पी० नं० 4.2.1 (पैकी) टी०पीं, एम०नं० 5 है । तथा जो न्नारोग्र नगर सोसायटी, ब्रठवां सूरत में स्थिन है (न्नौर उपाबल भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सितम्बर 1978 को पूर्वोकत सम्पक्तिके उचित बाजार मूल्य से कभ के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने हा**कारण** है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार **मृत्य** उसके दुश्यमान प्रतिकल संप्रेमे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रव प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अम्तरितियो) कंबीव ऐमे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तक्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण ने हुई किसा प्राय की बाबन, उक्त प्रधितियण के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उसने अन्ते में सुविधा के 'लए! भौराया
- (ख) एर तो पाय या हिना धन या अन्य आस्तियों को जन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपासे में सुविधा ज लिए;

श्रक्षः श्रम्भ, उन्नतः प्रधिनियम, की धारा 26%-ग के धनुसरण में, मैं, उन्नतः प्रधिनियम, की धारा 26%-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :——

- 1. श्री भास्करभाई जीनाभाई देसाई 9/752, ग्रमलीरान, सूरत (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित जसीकाबेन गिरीण चन्द्र चूड़ीवाला कुंजलता बन दिलीप कुमार चूड़ीवाला नवा पुरा, तरकम मोहलो, सूरत (श्रन्तरिती)

को पड् पूर्वा बारा कर हार्बीका सम्बक्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियाँ करता हैं।

उक्त पंक्ति के को के विषये हैं कोई भी प्राक्षय :--

- (क) इप सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या नन्सम्बन्धी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त हानी हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी काकित तारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास किखन में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रीर पदों का जो उक्त प्रवितियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, गहीं श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गणा

अनुसूची

खुली जमीन का प्लाट जो टी० पी० एस० नं० 5 नोंध नं० 1931 (पैकी) एफ० पी० नं० 5 श्रारोग्य नगर, श्रयवा, सूरत में स्थित है जिका कुल माप 520 वर्ग गज है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत द्वारा सितम्बर, 1978 में दर्ज किय गये रजिस्ट्रीकृत विलेख में प्रदर्शित है ।

> एस० मी० परीख मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ग्रहमदाबाद

दिनांक 5-5-1979 मोहर:

प्ररूप ग्राई० टी० एत० एस०---

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज जालन्धर जालन्धर दिनांक , 1979

निदेश सं० ए० बी० नं० 1902-- प्रतः मुझे बी० एस० वहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूरुय 25,000/- रुपए से भ्रधिक है श्रौर जिसकी मं०जैमा कि श्रन्सूची में है तथा जो बमन्ती परिदादरकन में स्थित है (ग्रौर इससे उपाब ग्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, सितम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) ग्रीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्क ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के स्रनुसरण में, मै, उक्त मधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों सर्पात्:--- 9---86GI/79

- वुर्गा श्राईल मिल्ज जालन्बर राधे प्रेम भगत बमन्ती बावाखेल जालन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री मुरिन्द्र कुमार पुत्र भीमसैन महगल (विजय नगर जालन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसकें ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रवीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वी के सर्जन के विज्ञान के विज्ञान के विज्ञान के लिए कार्यवाहियां करना है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रविध या तत्म बन्दी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भोतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रयं होना, जो उस ग्रध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 4326 सितम्बर 1978 को रजिस्ट्री कर्ना श्रीधकारी जालन्धर में लिखा है ।

> बी० एस० दहिया सक्षम घाधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक 5-79 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के पाधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर प्राय्वत, (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 5 मई 1979

आयकर शिवितियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो बसती पीर दाद खान जलन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रोर पूर्ण कप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 61) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रिष्ठीत कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में हती करते या उससे बचने में सुविधा के लिए: जीर/या
- (या) एसी किसी आय या कियी धन या अन्य धास्तियों की, जिन्ह भारतीय आयकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धनकर धिधनियम, या धनकर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के

अतः प्रज, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग की उपघारा (1) के अधीन निम्निनिखन व्यक्तियों, अर्थात :--

- 1. दुर्गा भाईल मिल्ज जलन्धर (राटी) प्रेम भगत बसती बाकख जनन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री मोहन लाल पुत्र भीम सैन सहगल विजय नगर जलन्धर (श्रन्तरिती)
 - 3. जैमा कि उत्पर नें नं० 2 में है (यह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :~

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या नःसम्बन्तों व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, शो भी प्रविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हित- बादा किसी असा व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास निखिन में किए जा सकरो।

स्थडतैकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों ग्रीर पत्रों का, जो उस्त अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रयं होगा जो उस अध्याय में विया गया है। -

अनुसूची

जैमा कि विलेख नं० 4608 सितम्बर 1978 को रजिस्ट्री-कर्ता प्रधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

दिनांक : 5-5-197-9

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर मिविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर घायका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, विनांक 5 मई, 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 904---- ग्रत मुझे बी० एस० दहिया,

धायकर ग्रिप्तिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रीधित सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- खपए से ग्रीधिक है

श्रीर जिसकी सं० जसा कि अनुसूची में है तथा जो 7-.2 माडल टाऊन जलस्थर में स्थित है (और इसस उपाबद अनुसूचि में और पूर्ण रूप में बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक सितम्बर, 1978 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का त्याइ प्रतिग्रत सं ग्रीम है और श्रव्यक्त का प्रतिक्र का प्रतिक्र सं ग्रीम है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गाम प्रतिक्र का तिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त श्रिष्ठित्यम के श्रिष्ठीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों: को, जिन्हें भारतीय धायकर भिवित्यम 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

धत: अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- अो सतनाम सिंह पुत्र हरदियाल सिंह, गांव जामाई
 निधर (भ्रम्तरक)
- 2. श्री मोहिन्द्रपाल सिंह पुत्र प्रीतम सिह 7-एल०-माङल टाऊन जलन्यर (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभो। में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रूचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रावेंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकींगे।

हरश्डोतरग --इमम प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उपल श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 4525 सितम्बर, 1978 को रिजट्री-कर्ता भिधकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया सक्षम घ्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्द्रर

दिनांक 5-5-1979 मोहर प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के ग्रंघीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांकः 8 मई 1979

िदेश संठ एे० पी० नं० 1905—म्ब्रतः मुझे बी० एस० दहिया

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० जैमा कि श्रनुसूची में है तथा जो मृहला काजी जलन्धर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रुप में विणित है), राजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जलन्धर में राजिस्ट्रीकरण स्राधिनियम, 1908 (1908

का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण सं हुई किसी भाय की बायत, उक्त मधिनियम के मधीन कर दैने के भन्तरक ने दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; भीर/मा
- (बा) एसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर ग्रीधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रीधिनियम, या धन-कर ग्रीधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उन्त भिष्ठितियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, तक्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भक्षीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यात् :——

- 2. श्रीमती धनकेवी देवी विश्ववा शिवराम 67 श्राफीसर कालोनी, जलन्धर (श्रन्तरक)
- 2. 1. जसवंत कौर पत्नी प्यारा सिंह 2. मुरिन्द्र सिंह पुत्र प्यारा सिंह 14-ई० सी० पंजिरीर जलन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है।
 - 4. जो व्यक्ति सम्बत्ति में कृषि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोह्स्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूबना जारो करके पूर्वी≆त सम्यत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जी भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति, द्वारा, ब्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रार्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

जैमा कि विलेख नं० 4709 सितम्बर, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी जलन्धर में लिखा है।

बी० एस० दहिया, सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

दिनांक 5-5-1979 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जलन्ध*र*

निदेश सं० ए० पी० नं० 1906----- ग्रतः मुझे बी० एस०

जालन्धर, दिनांक 5 मई 1979

वहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मृस्य 25,000/- ▼● से ग्रधिक है

श्रौर जिमकी सं० जैमा कि श्रनुसूची है तथा जो न्यू जवाहर नगर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन तारीख सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार प्रय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पश्द्रह प्रतिशत्त से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) क बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अस्तरण लिखिन में वास्नविक कप से कथित नहीं किया गया है '——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रत्यरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; धौर/ वा
- (क) ऐसी किसी माय या किसी धन या प्रस्य भ्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं भ्रक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के सिए;

अतः अब, उन्त प्रधिमयम, की धारा 269-म क मनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के स्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री गुरमीत सिंह पुत्र मेहरबान सिंह द्वारा दिनसन इंजीनियरिंग वर्क्स करपूथला रोड, जलन्धर (श्रन्तरक)
- 2. श्री विजय कुमार महगल पुत्र डी॰ डी॰ सहगल

 99/3 सैंटरल टाऊन, जलन्धर
 (म्रन्तरिती)
 - 3 जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्यत्ति है)।
 - 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह पूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए। एतद्वारा कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त मंत्रति क प्रजंन क मंत्रंध में कोई मी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की ग्रविध या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी वाक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबा किसी भन्य व्यक्ति ारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्वध्दीसरण: -- मनें प्रयुक्त शब्दा भीर पदो का, जा उक्त भीध-नियम, के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष हागा जो उस भ्रष्टिया में दिया गया है।

प्रनुसूची

जैसा कि विलेख न० 4447 सितम्बर 1978 को रजि-स्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी जलन्धर में लिखा है ।

> बी० एस० दहिया, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जासन्धर

दिनाक 5-5-19**7**9 मोहर प्ररूप माई• टी ६न• एस•——— भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ण (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेंज, कार्यालय

जलन्धर, दिनांक 5 मई 1979

निदेश सं० पी० ए० 1907---अत[.] मुझे बी० एस० दक्षिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- २० से भिधिक है,

भौर जिसकी सं० जैसाकि प्रमुसूची में है तथा जो बसती मो० जलन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्या-लय जलन्धर में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिज्ञीन, दिनांक सितम्बर, 1978

का 16) के अञ्जीन, दिनाँक सितम्बर, 1978
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्दह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बाब ऐसे अन्तरण के लिए तय गाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त आधिक नियम के बधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या अन्य मास्तियों को, जिन्हे भारतीय भायकर प्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुक्या के लिए;

धतः अब, उन्त भिधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन निक्निलिखित व्यक्तियों मर्थात् :--

- श्री राजिन्त्र सुमार पुक्त (बिशान दास 2 देवराज पुत्र रोशन लाल 954 गोबिन्दगढ़ जलस्थर (अन्तरक)
- 2. श्री के० जी० संपोरटस बसती रोड, जलन्धर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर ने 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके ध्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में इचि रखता है (बह व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधोहग्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबदा है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के सर्जन के संबंध में कोई भी साक्षीप :---

- (त) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की भविष्य या तश्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भविष्य, जो भी भविष्य
 बाद में ममाप्स होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो
 में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मझोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त श्रिधिनयम के ग्रध्याय 20-कः में पिन-भाषित्र हैं, वही श्रयं होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

पमुस्वी

जैसा कि विलेख नं० 4402 सितम्बर, 1978 को रजिस्ट्री-कर्ता प्रिधिकारी जलन्धर में लिखा है ।

> बी० एस० दहिया, सक्षम भ्रधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जलन्धर

विनांक 5-5-1979 मोहरः प्रकप आई० टी० एन० एस०---

थायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की छारा 209-म (1) के ग्रशीम मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ं ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 8 मई 1979

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 1908— श्रतः मुझे बी० एस० दहिया

शायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-खं के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में हैं तथा जो माडल टाऊन जलन्धर में स्थित है (श्रौर इससे उपायद अनुसूची में भौर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक सितम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है भौर प्रस्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती
(धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में
वास्तविष्ठ रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी झाय की बाबत उक्त अधिनियम के झधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व म कभी करने या उसमे बनने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी माय या किसी घन या अध्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना वाहिए था, दिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उबत मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन, निम्बलिखित व्यक्तियों, सर्वात् !---

- ा श्री ध्यान चन्द पुत्र मंद्र सिंह गाव नूसी। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गुरचरण सिंह पुत्र सुखदेष सिंह 305 ग्रार मा**इ**ल टाऊन जलन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह रूपकिन, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- जो व्यक्ति सम्मित्त में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रुधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है) ।

को मह सूचना वारी करक प्रवीका सम्मति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रेप:----

- (क) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 20 दिन की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यिवतयों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इय सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आसकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसम प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त प्रधितियम के श्रव्याय 20के में परिभाषित हैं, बही श्रयं होगा, जो उस मध्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 4852 सितम्बर 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जलन्धर में लिखा है ।

> बी० एस० दहिया, है सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

विनांक 8-5-1979 भोहर प्रारूप श्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक प्रायकर प्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 8 मई 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1909—-भ्रत मुझे बी० एस० दहिया

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- इ० से मधिक है

स्रोर जिसकी सं० जैसा कि स्रनुसूची में है तथा जो माइल टाऊन जलन्धर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन श्रक्ट्बर, 1978

को पूर्वोक्त सभ्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प्रति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्वय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रीधिनियम के भ्रधीन कर देन के भ्रस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धनकर श्रिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रंब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त ग्रंधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रंथीत्:—

- া. श्री ध्यान चन्द पुत्र मंद सिह गाँव नूसी (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमित प्रेम कौर पत्नी सुखदेव सिंह 305-आर माइल टाऊन जलन्धर (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा कि ऊपर न० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिक्षिणेण में सम्पत्ति है)।
 - 4. जो व्यक्ति संपत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबख है)।

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के निए गार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उपत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इप मूचता के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी अन्य व्य कित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्डीकरण --इसमें प्रयुक्त सन्दों भौर पर्वी का, जो उक्त ग्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही प्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 4869 श्रक्त्बर, 1978को रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एम दहिया, सक्षम श्रधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोंज, जलन्धर

दिनाक: 8-5-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०--

भायकर भिर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के भन्नीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 8 मई 1979

निदेशक सं०ए० पी० नं० 1910——ग्रतः मुझे बी० एस० दहिया

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिष्टिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिश्चीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर मध्यति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

इ० में अधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो श्रादर्श नगर जलन्धर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध स्नन्मुची में ग्रौर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-लय जलन्धर में रजिस्दीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक सितम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रतिफल के लिए भन्तरित यह विश्वास करने काकारण मुझे ययापूर्वीक्न सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक मौर मन्तरक (भन्तरकों) प्रीर (मन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के भ्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त भ्रष्ठिनियम, या धनकर भ्रष्ठिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उन्त श्रविनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त श्रविनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के नियान निम्नलिखित व्यक्तियों श्रयीत् :--

- 1. श्रीमती हरबंस कौर बेवा कृपाल मिन्न गांव बेगोवाल तहसील जिला कपूरथला (श्रन्तरक)
 - 2. श्री प्रोम प्रकाण 168 ग्रादर्ण नगर जलन्धर (ग्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग रंगिस्पत्ति है)
- 4. जो ब्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है ि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की भविद्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविद्य, जो भं भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिनबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्यच्छीकरण:—इसर्में प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठितियम के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रष्ट होगा, जो उन भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि िलेख नं० 4512 सितम्बर, 1978को राजिस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी जलन्धर में लिखा है।

> बीः एम० दहिया, मझम अधिकारी, महायक ग्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक 8-5-1979 मोहर:

10-86GI/79

प्ररूप भाई • टी • एन • एक •---

भायकर भिष्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भ्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्खामक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, जलन्धर जलन्धर, दिनांक 8 मई 1979 निदेण सं० ऐ० पी० नं० 1911—अतः मुझे बी० एस० दहिया

ध्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके परचात् 'उनत भ्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैंगा कि भ्रनुसूची में है तथा जो भ्रादर्श नगर जलन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यान्य जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक सितम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की वाबत उक्त भ्रिष्टिनयम के भ्रश्नीन कर देने के भ्रम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी ग्राय या किसी श्रन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिश्वनियम, या धन-कर ग्रिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः सब, उनत समितियम की भारा 26 केना के भनुसरण में; में, उनत श्रमितियम की भारा 269-व की उपवारा (1) सभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रमीत :---

- 1. श्रीमती हरबंस कौर बेवा कृपाल सिंह गांव बेगे वाल तहसील जिला कपूरथला । (श्रन्तरक)
- 2. श्री ग्राजा रामी पत्नी ओम प्रकाश 168 श्रावर्श नगर, जलन्धर। (श्रन्तरिती)
- 3. जैसा ऊपर नं० 2 में है (वह ध्यक्ति, जिसके ग्रिध-भोग में सम्पत्ति है)।
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में ६चि रखता है (वह ध्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवब है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रजेंग के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवित, या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की श्रवित, जो भी श्रवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्राब्दोक्तरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त ग्रिविनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रायं होगा जो उस ग्रष्टयाय में विया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 4513 सितम्बर, 1978 को रिज-स्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर में लिखा है।

> बी० एम० दहिया, सक्षम ग्रिधकारी, सहायक ध्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

दिनांक 8-5-1979 मोहर:

प्ररूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

अश्वासकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269व (1) के ग्राधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 8 मई 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1912—प्रतः मुझे, बी० एस० दहिया

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संत्रति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रनुसूची में है तथा जो आदर्श नगर जालन्धर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप में विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मितम्बर 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और मन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित इदेश्य मे बक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक स्मा से कथित नहीं किया गया है—

- (क) सन्तरण से हुई किमी प्राय की बाबत उक्त धिक्षित्रमा, के धिधीन कर देने के घन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसो भाग या किमी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

शतः शव, उन्त प्रधिनियम की धारा 269 ग के धंनुसरण में, में, उन्त प्रमिनियम की भारा 269 व की उपधारा (1) के घडीनः निम्निस्तित ज्यक्तियों, धर्वात् !---

- 1. श्रीमती हरबंस कौर बेवा कृपाल सिंह गांव बेगोनाल तहसील जिला कपूरथला (श्रन्तरक)
- 2. श्री नवल किशोर पुत्र श्रोम प्रकाश 168 श्रादर्श नगर, जालन्धर (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में हैं (वह व्यक्ति, जिसके प्रक्षिभोग में सम्पत्ति हैं)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में कृचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ख में 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य क्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेगे।

स्पाद्धीकरण: --- इसमें प्रमुक्त शन्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेखनं० 4518 सितम्बर 1978 रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एस० दहिया, मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, जलन्धर

दिनांक 8-5-1979 मोहरः प्रकप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 369-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, नहामक आयकर ग्रामुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, जलन्धर

जलन्धर, दिनाक 8 मई 1979

निदेश स० ए० पी० नं० 1913— प्रत मुझे बी० एस० दहिया,

द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका जिबत बाजार मृत्य 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी स० जैसा कि श्रनुसूची में हैं तथा जो जलन्धर में रिथत है ('शौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय जलन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) श्रिधीन दिनाक सितम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए, मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह्य प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (धन्तरितियो) के बीच ऐसे मन्तरण के किये त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नितिबत उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त ग्राहिनयम के ग्राघीन कर देने के ग्रन्तरक के बाह्यत्व में कमी करने या उससे बजने म सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी घान या किसी धन या पृथ्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घर्षि । 1922 (1922 का 11) या उक्त शिविनयम, या धन कर घर्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, छिपाने में खुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उन्त भिविनियम की धारा 269-म के अनुसरम में, में उन्त भिविनियम की धारा 269-म की उपबारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थिनत्वो, भर्वात:—

- 1. श्री जे० पी० शर्मा श्रौर भ्रदर्ज जलन्धर। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित जीत कौर पत्नी बलबीर मिह गांव जडियाला जलन्धर (श्रन्तरिती)
 - 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित । द्वा किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण :- इसमें अयुक्त गाव्यों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षित्यम, के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं वही भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय म दिया गया है।

अनुसूची

जैना कि विलेखन० 2में 4539 सितम्बर 1978 को रजिस्ट्री-कर्ना ग्रधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एम दहिया, सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंक, जलन्धर

दिनांक 8-5-1979 मोहर: प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 8 मई 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1914——श्रतः मुझे, बी० एस० दहिया

भायकर मििनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मििनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिर्मीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० जैमा कि अनुसूची में है तथा जो जलन्धर में स्थित है (श्रौर इमसे उपाबक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जलन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक सितम्बर, 1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के तृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीधक है भौर धन्तरक (धन्तरकों) भौर धन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिश्विनयम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भन, उन्त भिधिनियम की धारा, 269 ग के धनुसरण में मैं, उन्त भिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1), भिभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् --

- 1. श्री जं० पी० शर्मा और प्रदर्ज जलन्धर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमति जीत कौर पत्नी बलबीर सिंह गांव जंडियाला जलन्धर। (श्रन्तरिती)
 - 3. जैमा ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति,जिसके श्रिधि-भोग में सम्पत्ति है) ।
 - 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (वह न्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्पत्ति के श्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हाष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित ह, वही श्रमं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमसुची

जैसा कि विलेख नं०4599, सितम्बर, 1978 को रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एम० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जलन्धर

दिनांक 8-5-1979 मोहर:

प्रकप आई०टी० एन० एस०---

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के प्रश्रीत सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जलन्धर

जलन्धर, दिनांक 10 मई 1979

निदेश सं० ए० पी० नं० 1915---- ग्रतः मुझे, बी० एस० दहिया

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उमत ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से ग्रधिक है

भ्रौर जिसकी सं० जैमा कि भ्रनुमूची में है तथा जो जलन्धर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण इप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय जलन्धर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक श्रक्टूबर, 1978

अक्षान, विनास अस्टूबर, 1970
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ने कम के बृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका सम्पत्ति का उवित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (पन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलि बत वहें। से उना अन्तरम निश्चा में अस्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त ग्रिवियम, के प्रधीन कर देने के शन्तरक के दायित्म में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐनी हिली आय या किसी घन या प्रस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, हिपासे में सुविधा के लिए;

ग्रस: ग्रम, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उप-भारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रमीत्!---

- 1. श्रीमती गुरदियाल कौर पुत्र मालूक सिंह 21 मजीत नगर, जलन्धर । (श्रन्तरक)
- 2. श्री चन्द्रशेखर पुत्र मत्यपाल ईन्जी० 794 नेहरु गारङन रोड जलन्धर (श्रन्तिती)
 - 3. जैसा कि ऊरार नं० 2 में है (वड़ व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।
- 4 जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है (यह व्यक्ति, जिस्ते बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मत्ति में हितबद्ध है)।

को यह पूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षीय:--

- (क) इ.प सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तिये पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपद में प्रकाणन की तारी द से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मघोहस्ना-करो के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पथ्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शम्यों मीर पदों का, जो उन्त अधि-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उन मध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि विलेख नं० 5366 ग्रक्तूबर, 1978 को रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी जलन्धर में लिखा है।

> बी० एम० दहिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज, जलन्धर

दिनांक 10-5-1979 मोहर: प्ररूप आई० टी• एन० एस०—— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ(1) के अधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक आयकर **प्रा**युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

> > हैदराबाद, दिनांक 8 मई, 1979

मं० 33/79-80—यतः मुझे के० एम० वेंकटरामन, भायकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269—ख के भिनित सभम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इसए ने अधिक है

श्रौर जिसकी मं० खुली जमीन तं० 27/बी है और जो 28 गनडला पली राऊं में स्थित है (श्रांर इसि उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्री न्ती श्रधिकारी के कार्यालय धीतुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 सितम्बर, 78 को

पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकन के लिए अन्तरित की गई है और महो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके पृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्षित म वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रम, उनन अधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीन निम्तनिवा व्यक्तियों, भ्रथीत्:---

- (1) श्री पी० सुबय्या चेटी पिता बैनफटसुबय्या सेटी धनि 4/85 मुक्तवापुरम नेलूर-2
- (2) श्री बी० सीरामुलुचेटी पिता बी० रनगप्पाचेटी 2-1-13 श्राफीसमं लैन धीतूर

को यह मूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्माति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

हरवडी करण:--इनमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

खुल जमीन वार्ड नं० 2 सर्वे नं० 27/1-बी, घौर 28 रानडलापल्ली गाअ धीतुर म्यूनिसिपैलिटी रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 4996/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय धीतुर में

> के० एम० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

ना**रीख**: 8-5-79

प्रकप माई० टी० एन० एस०------

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ(1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1979

निदेश सं० 34/79-80—यत, मुझे के० एम० वकट रामन धायकर धिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त धिधिनियम' कहा गया है), की बारा 269—ख के धिथान संशम अधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- रुपयें से धिधक है

और जिसकी सं० मलगी 38 है, जो एम० जी० रास्ता सिकन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन असतूबर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफन के निए मन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा द्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान अतिफल से, ऐसे दृश्यमान अतिफल का पन्तह अतिशत अधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्निवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई फिसी प्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रक्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या भन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उन्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ को उपधारा (1) धीन निम्त्रलिखित व्यक्तियों अर्थात :-- (1) मै॰ यूनाईटेड बिल्डर्स 139/-एम॰ पी॰ रास्ता भिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री दिनेश घार० खुला घर नं० 1-8-264/6 एम० पी० रास्ता मिकन्दराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उका सम्मति के भ्रजीत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इप मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब िन्नो प्रत्य व्यक्ति बारा, मुझोहस्ताझरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण .--इनर्ने प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अक्षितियम के श्रव्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

बनुसूची

मलगी नं० 38 यूनाईटेंड बिल्डर्स घर नं० 139-एम० जी० रास्ता सिकन्दराबाद दस्तावेज नं० 2655/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> के० एम० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1979

प्रकप माई• टी॰ एन• एस०----

आयफर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल ।, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 म**ई** 1979

निदेश सं० 35/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्वायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्व 25,000/-र॰ से प्रधिक है

भौर जिसकी सं 317 तार 319 है, जो चन्द्रालोक काम्पर्लंक्स, मिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण भिधिनियम 1908 (1908 का 15) के अधीन सितम्बर 1978

1908 (1908 का 15) के अधान सितम्बर 1978 को पूर्वांनत सम्पत्ति के उनित नाजार मूस्य से कम के पृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोंनत सम्पत्ति का उचित नाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पन्तह प्रतिश्वत श्रीषक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितवों) के वीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया नवा प्रतिकास, निश्निविधित उद्देश्य से उन्तरक मन्तरण निविद्य में वास्तविक क्य से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उवत अधिनियम, के श्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसन बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रिश्वनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त ग्रिश्वनियम, या धन-कर भिर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रव, उन्त अविनियम, की धारा 269-त के अनुसरण में, में, उन्त प्रविनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निस्तलियत क्यक्तियों, अर्थात :---

11--86 GI/79

(1) मै॰ स्वास्तिक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 111-एस॰ डी॰ रास्ता सिकन्दराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० रामावती 1-10-1/15 श्रणोक नगर हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके प्वीका मन्ति के ग्रर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उन्त तन्पति के घर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकासन की तारीज से 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की सर्वाध, जो की सर्वाध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियी क्यंक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीका से 45 किन के मीतर उक्त स्वाथर सम्पत्ति में दितकड़ किसी प्रस्थ व्यक्ति द्वारा भवोहस्ताक्षरी के पान विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तीकरणः —-इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त श्रिकित्यम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही धर्व होगा जो उस घटमाय में दिय गवां है।

अनुसूची

कार्यालय 317, 318, 319 तीसरा मनजलपर चन्द्रालोक कम्प्लेक्स 111-सरोजनी देवी रास्ता मिकन्दराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3831/78-उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

> के०एम०वेंकटा रामन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-79

प्ररूप भाई • डी • एन • एस • ----

नायकर ऋशिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मझीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सङ्गायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाव, दिनांक 8 मई, 1979

निदेश नं० 36/79-80— यतः मुझे के० एम० वेंकटरामन, आयकर ग्रामिनमम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत ग्रामिनियम' कहा गया है) की भारा 269-मा के ग्रामिन सवाम प्रामिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्य 25,000/- ४० से मधिक है

और जिसकी सं० 304 और 305 हैं, जो चन्द्रालोक कार्यालय में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णक्प से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद मे रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (प्रन्तरकों) भौर अन्तरितो (प्रस्तरितों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण कि खित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) श्रम्तरण से हुई किसी आय की बाबन उकत अधिनियम के अधीन कर देने के घन्सरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घोर/या
- (ख) ऐसी निसी श्राय या किसी छन या ग्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयफर ग्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिश्चित्यम, या धन-कर ग्रिश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरायाया किया जाना चाहिए बा, खिपाने में सुविधा के मिए;

भतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269ग के प्रमुसरण में, में, उक्त प्रक्रिनियम की धारा 269य की उपधारा (1) के श्रधीन; निम्नलिखित स्पक्तियों, सर्वातः --- (1) मैं० स्वास्तिक फन्स्ट्रक्शन कम्पनी 111-एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद

(अन्तरक)

(2) श्री के० हरित राधु (मैनर) के०एस० थेन राजुके द्वारा श्रासरम रास्ता पटामटालनका वीजयावाडा

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के लर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी न से 30 दिन की प्रविध, को भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीज सें 45 विन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में शिवजब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा भजोइस्ताशरी के पास मिजित में किए जा सकोंगे।

क्यव्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त कव्यों भीर पर्यों का, जो उपत मधिनियम के बद्याय 20-क में परिशायित हैं, यही धर्च होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में विया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 304, 305, तीमरी मंजिल पर चन्द्रालोक कम्प्लैक्स 111-सरोजनीदेवी रास्ता सिकन्वराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3832/78 जैमा रजिस्ट्रार हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस •--

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

मारत संस्कार भार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1979

निदेश नं० 37/79-80---यतः मुझे कें० एस० वेंकट रामन भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जित्त बाजार मूल्य 25,000/- उपए से मिक है

और जिसकी सं० 306 और 307 है, जो चन्द्रालोक कम्प्लैक्स सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर, 1978 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नखिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण खिखित में वास्तिक छन से किया नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय .की बाबत उक्त भ्रष्टिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्त, अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम, की **बारा** 269-भ की अपधारा (1) के अधीन निम्नलिखत व्यक्तियों अर्थात — (1) मै० स्वास्तिक कन्स्ट्रक्शन कस्पनी 111-एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती के० ग्राणा रानी के० एस० थेनराजु ग्रामरम रास्ता पटामटालनका बीजया-वाडा-6

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांका सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी
 धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो जक्त भिधिनियम के श्रष्टवाय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा जो उस शब्दाव में विया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 306 और 307 तीसरी मर्जिल पर चन्द्र-लोक काम्पलैक्स-111-एस० डी० रास्ता सीकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3833/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1979

प्ररूप माई० टी॰ एन० एस०--

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई, 1979

निवेश नं० 38/79-80---यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है और जिमकी सं० 320 और 321 है जो चन्द्रालोक काम्पलैक्म में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सितम्बर, 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास किए का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बावत उक्त, भ्रष्टि-नियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अग्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः, श्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-म के अनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयात्:—— (1) मैं ० स्वास्तिक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 111-एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० बी० विष्णुराजु के० के० रामापत्ती 1-10-1/15 ग्रामोकनगर हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधिनियम, के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अये होगा, जो उम श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 320 और 321 तीसरी मंजिल पर चन्द्रालोक कम्प्लेक्स 111 एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद राजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3834/78 उप-राजिस्ट्री कार्यालय हैंदराबाद में

> के० एस० वेकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1979

त्ररूप भाई० टी० एन० एस०---भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के श्रिधीन सूचना भारत सरकार

> कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

> > हैदराबाद, दिनांक 8 मई, 1979

निदेश नं० 39/79-80—यतः मुझे कें० एस० वेंकटरामन, आमकर प्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिष्ठितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है।

और जिसकी सं० 315 और 316 है, जो चन्द्रलोक काम्पलैक्स में स्थित है और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत ग्रधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्राधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भ्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रचीत्:——

- (1) मैं० स्वास्तिक कन्स्ट्रक्णन कम्पनी 111-एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद
- (2) श्रीमती कें ० वनीता केंग्रर ग्राफ कें ० एस० एन० राजु 1-10-1/15 ग्रशोकनगर हैदराबाद

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पवों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 315, और 316 तीयरा मंजिला पर चन्द्रालोक काम्पर्लकम 111-एम० डी० रास्ता सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3835/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> कें० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी, स**ह**ायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-79

भारत सरकार

कार्यालय सहायक म्नायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रींज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई, 1979

निदेश नं० 40/79-80—यतः मुझं के० एस० वेकटरामन प्रायकर प्रधिनयम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गमा है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 25,000/- ध्पये से प्रक्रिक है

श्रौर जिसकी स० मलगी न० 70 है, जो चन्द्रालोक काम्प्लैंक्स में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन सितम्बर 1978

को पूर्णेक्त सम्पन्ति के उनित बाजार मूस्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए धन्तिरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत धन्निक है भीर धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरितो (धन्तरितियों) के बाज ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नलिक्षा नहेंग्य स उक्त धन्तरण लिखित में बास्तिक रूप ने हियान गड़ी किया गया है:——

- (क) अन्तरग से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिक्षित्यम के भिन्ने कर देते के भन्तरक के बायिस्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (श्व) ऐसा हिमो पाण रा हिन्य चर पा अन्य पास्तियों को, जिल्हें भारतीय भाय-कर प्रिव्नियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिव्नियम, या धन-कर भिव्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्वातः सब, उक्त धिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त धिवितयम, की धारा 269-ग को उपवारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मैं ० स्वास्तिक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 111-एस० डीं ० रास्ता सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें ० नरसीमयम घर नं ० 21-एक/डी बल्लागटा रामगोपालमेट सिकन्दराबाद

(भ्रन्तिरती)

को पड् भूचता जारी करक पूर्वोक्त सम्बक्ति के प्रजेत के लिए कार्गवाश्यिकं करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी पाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भातर पूर्वीवत -यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा.
- (का) इस मूचना के राजपक्ष में प्रकाशन को तारीका से 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, बन्नोहस्ताक्षरी के पास निकात में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर गर्दों का, जा तकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बढ़ी मर्थ होगा, जो उस भव्याय में विया एया है।

अनुसूची

मलगी नं० 70 चन्द्रालोक काम्प्रलैक्स 111-सरोजिनी देवी रास्ना सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज न० 3836/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद मे

> के० एस० वेकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैवराबाद

तारीख: 8-5-79

प्रकष भाई • टी • एन ॰ एस •----

भायकः प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना पारत संस्कार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1979

निदेश नं० 41/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन, प्रायकर मिस्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिये तमिने इसमें पश्चात् 'उन्त मिसियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर मुम्पत्त, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द्रुए से मधिक है

भ्रोर जिसकी सं० श्राफिम 308 भ्रोर 309 है, जो चन्द्रालोक काम्पलैक्स में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीक्ता श्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मितम्बर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाधार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए सम्पत्ति की गई है सौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमा-प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्म प्रतिशत से प्रव्रिक है और अन्तरक (सन्तरकों) सौर सन्तरिती (सन्तरितियो) रे के च ऐसे सन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिषक्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक इस से कथित नहीं कि स गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय को नावत, उक्त ऋषिति गम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में क्सी करन या जससे नकने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य घास्तियों की जिम्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भधिनियम, या धन-कर ग्रीधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अन्तर्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भार छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त ग्रंधिनियम की बारा 269-ग के अबुसरण में, में, उक्त ग्रंधिनियम की बारा 269-व की उपवारा (1) के अधीत निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रंथींत :- (1) मै० स्वास्तिक कन्स्ट्रवशन कम्पनी 111-एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० बालाविष्णु राधु (मैनर) के० एम० एन० राजु ग्रिधिकारी श्राणरम रास्ता पटामट लनका विजयवाडा-6

(ग्रन्तरिती)

को यह **सूचना जारी करके पू**र्वोक्त सम्पत्ति के भर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मांत के अर्जन के संबंध में की शिक्षाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी वासे 45 दिश की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी ल से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- खा। इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा गर्केंगे।

स्पष्टीकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं मुखं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

यमुसूधी

कार्यालय नं० 308 डौर 309 तीमरी मंजिल पर चन्द्रा-लोक काम्पलैक्स 111-एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद मे रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2322/78-उप-रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

> कें० एस० बेंकटरा**म**न मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1979

प्रक्षमाई • टी • एम • एस०-

भायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ (1) के सधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1979

निदेश नं० 43/79-80—यतः मुझे कें० एस० वेंकटरामन जायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कड़ा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- क० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० 114 पहलीमता है, जो सागरबुमकान में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिन है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिवारी) कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सितम्बर 1978

को बूबॉक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पस्ट्रह प्रतिशत से प्रविक है और भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरित (बन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया स्या प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देश्य से स्वत भन्तरण विखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (ह) त्रश्तरण पे हुई किसो घाष की वाबन 'उका धिर्मियम' के अधीन कर वेमे के अश्तरक के दायित्व में कमी करने या उग्नसे वचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ-निरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

धता भव, , जनत प्रधिनियम, की वारा 269-व के अनुसर्व में, में, उक्त अविनियम की भारा 269-व की क्रिया (1) के प्रकीन निम्मलिकित स्पवितयों, अवित् !---

(1) मैं० स्वास्तिक बिल्डसं घर न० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद

्(ग्रन्तरक)

- (2) श्रीमती पुलुमटीमनुकाल शर्मी पती स्वर्गीय पी० श्री हरी
 - (2) पी० वी० ग्रार० राउ
 - (3) पी०वी० एल० राउघरनं० 15-7-82 कीलसाबाडी, हैदराबाद

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शानोप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, मधोहस्तावारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पवधीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उनत ग्रिधिनियम के ग्रष्टवाय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

बभुसूची

कार्यालय नं० 114 पहली मनजिल पर मागर व्यू मकान मं० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3489/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-79

प्ररूप प्राईं० टी∙ एन∙ एस०----

भायकर अविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व(1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1979

निवेश नं० 44/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपमें से प्रधिक है

और जिसकी सं० नं० 113 पहली मत पर है, जो सागर व्यू बीलडीवरा में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप में वॉणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवाह प्रतिकृत स्वधिक है सौर मन्तरक (अन्तरकों) सौर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्राधिनियम के अधीन कर देने के ग्रन्सरक के दाजिस्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी हिमी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अत्र, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:— 12—8601/79

- (1) मैं० स्वास्तिक बिल्डर्स घर नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद
- (2) श्रीमती पी० कनुकालणयी पती स्वर्गीय स्त्री हरी
 - (2) श्रौर पी०वी० एल० राऊ
 - (3) राउ घर नं० 15-7-82 बेगमबाजार हैदराबाद-12

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के झीनर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थम्बीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होंगा जो उस पध्याय में दिया गया है।

अनुसू चो

कार्यालय नं० 113 पहली मंजिल पर मागर व्यू घर नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा हैदराबाद र्गजस्ट्री दस्तावेज नं० 3490/78 उप र्गजस्ट्री कार्यालय हेदराबाद में।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, हैंदराबाद

ता**रीख** : 8-5-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई, 1979

निदेश नं० 45/79-80----यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन, मागकर श्रिष्ठिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिष्ठिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से श्रिष्ठिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 10 है, जो सागर ब्यू बिल्डिंग हैदरा-बाद में स्थित है और इस उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से विणित है,) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन सितम्बर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिशन से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भ्रष्टिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आध या किसी धन या अग्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुखिधा के लिए;

भतः भव, उदन यांघनियम की धारा 269-ग के भनसरण में, उन्त श्रिधनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- (1) मैं ० स्वास्तिक बिल्डर्स घर नं ० 1-8-584/3 दोमलगुडा हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सतीम कुमार महाजन घरनं० 40 रामगोपालपेट सिकन्दराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति जारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पर्वो का, जो उक्त ग्रधि-नियम', के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा, जा उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्वास्तिक बिल्डर्स घर नं० 1-2-524/3 दीमलगुडा मलगी का नं० 10-मागर व मकान हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज 3868/78 जुग-रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई, 1979

निदेण नं० 46/79-80—यतः मुझे के० एस० वेंकटराभन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- तपए से अधिक है

और जिसकी सं० 309 तीमरी मजिल है, जो सागर न्यू मकान में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण इप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मितम्बर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रीक्षक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिला में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिविनियम के ग्रिवीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ध्रधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर ध्रधिनियम या धन-कर ध्रधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकष्ट नही किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः ध्रव उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों अर्थात :— (1) मै० स्वास्तिक बिल्डसं घरनं० 1-2-524/3 दोमल गुडा हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

श्री के० कृषी० रामप्रसाद घर नं० 1-2-412/2 गगनमहल, हैदराबाद

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---्समें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षित्यमं के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनु सूची

कार्यालय नं० 309 तीसरे मंजिल पर सागर न्यू मकान दोमलगुडा हैवराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 3869/78 उप-रिजस्ट्री कार्यालय हैवराबाद मे

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1979

प्रकप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर प्रशिमियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ध (1) के प्रश्रीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक द्यायकर द्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई, 1979

निदेश नं० 47/79-80----यतः मुझे के० एस० वेकटरामन भायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिविनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-इ० से अधिक है

और जिसकी सं० घर नं० 308 तीमरी मंजिल है, जो सागर व्यू बिल्डिंग में स्थित है (और इसमें सपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सितम्बर 78 को

16) के प्रधान सितम्बर 78 का पूर्वोनत सम्पत्ति के उचित्र बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाखार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिष्ठक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नांकि खित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिख्य में बास्तविक कप से क्षित नही किया गया है 1——

- (क) प्रस्तरण में हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि÷ नियम के घंधीन कर देने के घंग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (आ) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत भिष्ठिनयम, या धन कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

ग्रतः भव उक्त मिनियम की घारा 269-ग के मनुसरक में; मैं उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) •े अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्वात्ः— (1) मैं ० स्वास्तिक बिल्डर्स मकान न० 1-2-524/3 दो गुड़ा हैवराबाद

(ध्रतरक)

(2) श्री के० वी० सरनकुमार घर नं० 1-2-412/2 गगनमहल, हैदराबाद

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की घवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखात में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त ग्रिश्चिम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रंथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय न० 308 तीमरी मिजिल पर सागर वयू बिल्डिंग दोमलगुडा हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 3870/78 उप-रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद मे

ृंकं०एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, **हैदराबाद**

तारीख: 8-5-79

प्ररूप भाई० टी० एन• एस०----

भ्रायकर म्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई, 1979

निदेश नं० 48/79-80--यतः मुझे के० एम० वेंकटरामन भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें **प्र**धिनियम' कहा गया इसके पश्चात 'उक्त की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उधित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है, भ्रोर जिसकी सं० 307 तीसरी मंजिल है, जो सागर व्यूमकान हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण मे वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिष्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 सितम्बर 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए धन्तरित की गई है घीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भौर ग्रन्तरक (मन्तरकों) भौर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे **प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित** उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रधिनियम, के भ्रधीन कर देने के अग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, धीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या घन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिये;

ग्रतः भव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269 ग के धनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के अधीन निम्निकाखित व्यक्तियों, अपित् :-- (1) मैं ० स्वास्तिक बिल्डर्स 1-2-524/3 दोमलगुडा, हैवराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्राणा रमन पति के० बी० रामन घर नं० 1-2-412/2 गगनमहल, हैदराबाद

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी ध्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त धिवियम के घ्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही घ्रथं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 307 नीमरी मिन्जल पर गागर व्यू मकान दोमलगुडा हैदराबाद में दस्तावेज न० 3871/78 है रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के०एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जनरेज, हैदराबाद

तारीख: 8-5-1979

प्राक्षप भाई० टी• एन• एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के ग्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 8 मई, 1979

निदेश नं० 49/79-80—यतः मुझे के० एम० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द॰ से सक्षक है

और जिसकी सं० धार० सी० नं० 12 है, जो मागर न्यू बिल्डिंग हैंदराबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में ध्रौर पूर्ण-रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी के कार्यालय हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ध्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16)के ध्रधीन सितम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखत में बास्तिक क पसे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कबी करने या उससे वचने में सुविधा के शिष्; और/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी घन या अन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

श्रतः सन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रशीम निम्निक्षित स्पक्तियों, अर्थात्:— (1) मै० स्वास्तिक बिल्डर्स 1-2-524/3 दोमलगुडा हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जे०एल० महाजन घर नं० 40 रामगोपाल पेट सिकन्दराबाद

(भ्रन्त(रती)

को यह पूत्रना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदा का, जो उक्त भश्चितियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

धनुसूची

रेर-सेलर नं० 12 जमीन के मतापर सागर न्यू मकान नं० 1-2-524/3 दोमलगुडा हैदराबाद में रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 3872/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज ^I, है दराबाद

तारीख: 8-5-1979

प्ररूप भाई• टी॰ एन॰ एस॰~~--

धायकर मिश्रितियम 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

म्रर्जन रेज, हैक्राबाद

हैदराबाव,दिनांक 8 मई, 1979

निदेश न० 50/79-80—यतः मुझे के० एस० वेकटर। मन भागकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन समाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

और जिसकी स० मलगी न० 10 है, जो मागर न्यू मकान हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणा है), रिजिन्द्री कर्ना के श्रिकारी कार्यालय, हैदराबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन सितम्बर, 78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तविक से रूप से किश्वत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भिध-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन व प्रन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, था धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

श्रतः श्रव, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के धनसरण में, मै, उक्त श्रिष्ठिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :--- (1) मैं स्वास्तिक बिल्डर्स 1-2-524 दोमलगुडा हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) मैंसर्स सतीण महाजन जी ार्ल महाजन नं 40 रामगोपालपेट मिकन्दराबाद ।

(भ्रन्त(रती)

को यह सुजना जारी करके पूर्वी का सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के प्रध्याय 20क मे परिभाषित है, वही अध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी नं० 10 सामने का विभाग सागर न्यू 1 मकान नं० 1-2-524/3 दोमलगुडा हैदराबाद में रिजस्ट्री दस्तावेज न० 3873) 78 डप-रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में

> के० एस० वेकटरामन सक्षम प्राधिकारी, स**हायक श्रा**यकर **श्रायुक्त (निरीक्षण**), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-5-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के भ्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1979

निदेश न० 51/79-80—यतः मुझे के० एम० वेंकरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

म्रोर जिसकी सं ० मलगी न० 30 है, जो मकान न० 22-7-268/30 दीवानदेवडी हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्राजमपुरा में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन सितम्बर 78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से नम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है :—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्रायकी बाबत, उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के पायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुनिधा के लिए;

ग्रतः ग्रय, उक्त ग्राधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त ग्राधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के ग्राधीन निम्निवित्तत व्यक्तियों, ग्रर्थात् :--- (1) मैसर्म शाहा बिल्डर्स नं० 22-7~269/3 दीवान देवडी, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्म प्रीतम कौर पति महेन्दरसीन्ग 1-1-230/25 चीकडपली हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवड़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शन्दों भीर पर्वोका, जो उक्त भिन्न नियम, के झन्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रर्य होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगी न० 30 घर न० 22-7-269/30 सालार जन्म मारिकट दीवान देवडी हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज न० 2509/78 उपरिजस्ट्री कार्यालय श्राजमपुरा में।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरेंज-ग्रा,हैदराबाद

तारीखः 8-5-1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ---

भायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-वा (1) ने भ्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, महायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 मई, 1979

निदेश न० 52/79-80-- यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन भायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है किस्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ह० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट न० 1 घर नं० है, जो 15-8-417/1 पीलकाना हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसची में और पूर्णरूप से वाणन है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितस्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह किश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किंवत नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त भ्रिष्ठित्यम के भ्रधीन, कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्परिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने के सुविधा के लिए;

भतः सब, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, जक्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निखित व्यक्तियों प्रपति:—
13—86GI79

(1) श्रांमती लशमीबाडी पति जगबीश परशाद घर न० 21-1-293 रिकाबगज प्रदीदती स्त्री० जगदीश परशाद है।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्रोमतो पो० ह णा वेना पति लगमोनारायणन घर न० 15-8-317/1 पोलकाना हैदराबाद
 - (2) श्रामती पो० नरसम्मा हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह यूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की श्रविध या तस्मम्बन्धी व्यक्तियों पर प्चना की नामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर श्रविस्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इम सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

राश्तीहरग :--इसमें अयुक्त शब्दों स्रीर पदों का, जो उक्त स्रिष्कि तियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अयं होगा जो उप अध्याय में वियागया है।

प्रनुसूची '

प्लाट नं० 1 दूसरा मनजिल पर घर नं० 5-8-525 बोरागली लेन म्राबाद रास्ता रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3619/78 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेकटरामन मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्गन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-5-79

प्रकृप धाई० टी • एन • एस • ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, शिलांग शि<mark>लांग, दिनां</mark>क, 10 मई, 1979

निदेश नं०ए०-127/गो०/78-79—अतः मुझे राजेन्द्र नाथ बरा प्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्ण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-७० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० दाग सं० 27 के० पी० पट्टा है तथा जो गांव हॅगराबारी मौजा बेल तोला, गौहाटी जिला कामरूप असम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 25-9-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य ने कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, खसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पम्ब्रह प्रतिशत स्रविक है और भन्तरका (अन्तरकों) और भन्तरितों (भन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फन, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से निम्नलिकत विश्वस्त भया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उच्छ अधि-नियम, के घंधीन कर देने के घंग्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (च) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनामं भन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपान में सुविधा के लिए;

धतः। धवः, उक्तः अधिनियमः की घारा 269-ग के धनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपद्यारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः —

- 1. 1. श्री जी० सी० कागना
 - 2. श्रोमनी नीलिमा कागती स्व० गोपाल चन्द्र कागती की पत्नी
 - श्री लिखन चन्द्र कागती, 4. श्री जितामरीत कागती श्रीर 5. मत्यामरीत कागती, उजान बाजार गौहाटी । (श्रन्तरक)
- 2. श्री मतीलाल जानदी, नवजान, शिवसागर। (ग्रन्तरिती)

को यह यूजना जारो करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त मंपन्ति 🦸 ग्राजैन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख में 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर संपक्ति में दिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी न पास सिखित में किए जा सकेंगे।

हराड्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जा उन।
अधिनियम के धाष्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, जा उस भड़्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप । (एक) बिगहा जो दिसपुर, गौहाटी, जनता भवन के विपरीत, कामरूप जिला ग्रमम में स्थित है।

> राजेन्द्र नाथ बरा मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, णिलांग

तारीख: 10-5-79

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 हा 43) को धारा 269म(1) के भ्रमीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर शिलांग, दिनांक 15 मई 1979

निदेश सं० ए०-219/गी०/78-79—ग्रतः मुझे राजेन्द्र नाथ बरा श्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६०

से श्रिधिक है

ऋौर जिसकी सं० दाग सं० 129, 130 व 131 के० पी० पट्टा सं० 30 है तथा जो दिसपुर गाँव वेलतील मीजा कामरूप जिल्लोहाटी म स्थित है (आंर इससे उपाबद अनुसूची में आंर पूर्ण रूप स वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 12-9-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह कारण है कि यथापुर्वोक्त विश्वास करने का सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, भ्रव, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत्ः— श्री राजेन्द्र कुमार राय चौधरी, एस० के० भूंगा रोड, गौहाटी। (भ्रन्तरक)

1. श्री के॰ पी॰ विद्यावात का चेरीटेबुल ट्रस्ट, गीहाटी (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत म प्रकाशन की से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दोकरण:--इतमें प्रयुक्त णब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 4 (चार) कट्टा जो जी० **एम० रोड,** गौहाटी में स्थित है।

> राजेन्द्र नाथ बरा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 15-5-1979

प्रकृष भाई • दी • एन • एस • ---

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की ध≀रा 269-घ (1) के अधीम गुजना

भारत गरकाः

कार्यालय, सहायक अ।यकर ब्रायुश्त (निराजण)

ध्रजन रेंज II, शिल**ाँग**

शिलांग, दिनांक 15 मई 1979

निदेश सं० ए०-220/गी०/170-71--अतः मुझे, राजेन्द्र नाथ बरा भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के अर्धान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दाग सं० 131 श्रीर 128 के० पी० पट्टा
सं० 30 है तथा जो गांव दिसपुर मौजा बेलतोला जिला
कामरूप श्रमम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में
श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के
कार्यालय, गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-9-1978
को पूर्वेक्त सम्पति के उचित बाजार मून्य से कम के व्ययमान
प्रतिकत के लिए अन्तरिष्ठ की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यमापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गून्य
उसके दृश्यमान श्रांतकन से, एंस वृश्यमान श्रतिकल का प्रत्मह
प्रतिकत अधिक है भीर अन्तरिक (अन्तरिकां) भीर अन्तरिकां(अन्तरितिमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नकिखित उद्देश्य से अन्त अन्तरण विश्वास में
वास्त्यिक रूप में कथित नहीं किए। गया है:---

- (क) प्रन्तरण से हुँ किमां आप का कावत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देन के भन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या धन्ध प्रास्तियों को चिन्हीं भारतीय प्रायकर ग्रीधिनयम, 13% (1922का 11) या उन्त ग्रीधिनयम, या छत-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) अप्रयोखनाणं प्रस्तिती द्वारा प्रमूट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपान में मुनिधा के लिये;

ग्रतः ग्रव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग कं समुसरण में, में, उक्त यिवियम की धारा 269-म की उपवारा () े के ब्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथति:---

- श्री बाबूलाल चौघरी, श्रालिस बाब्ल राय चौघरी, , गौहाटी। (श्रन्तरक)
 - 2 श्री शिव भगवान गुप्ता, गौहाटी-5 (मन्तिरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वीका सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी अधिकताों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भ्रमधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपता में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितवड़ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पाछ निश्चिन में किए जा सकेंगें।

स्पर्काकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उन्त अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाधित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

जमीन का माप 4 (चार) कट्टा 4 (चार) लसा एक ग्रसमे टाइप मकान के साथ जो 750 (सात सौ पचास) स्क्यायर फीट में जी० एस० रोड गौहाटी में स्थित है।

> राजेन्द्र नाथ बरा सक्षम प्राधिकारी. सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भिलांग

तारीख: 15-5-1979

प्रकृष आई डी व एवं व एवं व -------

प्रत्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारः 269व (1) के संधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज I शिलांग

णिलांग, दिनांक 15 मई 1979 निर्देश मं० ए० 221/गी०/78-79—स्तः मुझे, राजेन्द्र नाथ बरा

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-र० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दाग सं० 27 के० पी० पट्टा सं० 146 है तथा जो गांव हंगावारी मौजा बेलतोला गौहाटी जिला कामक्प श्रमम में स्थित है (श्रौर इसमें उपावड अनूसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रिधकारी के कार्यालय गौहाटी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-9-1978 को पूर्वोंकत संपत्ति के उचित बाजार मून्य में कम के दृश्यमान विकल के लिए श्रन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मून्य, कार है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मून्य, कार है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मून्य, कार है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मून्य, कार है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मून्य, कार है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मून्य, कार है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति (शन्तरकों) भीर भन्तरिती (शन्तरितियों) के बीच ऐसे शन्तरण के लिए तथ पाया गया श्रीकल, निमालिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण विधित में बास्त- विकल स्था से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में युविद्या के लिए; ग्रौर/या
- (च) एसी किसी आथ या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधां के लिए;

धतः अब, उक्त घिषितयम की धारा 269-म के अनुसरण बैं, मैं, उक्त ग्रिधितियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अवित्:--

- 1. श्री जी० सी० कागती, 2. श्रीमती नीलिमा कागती स्व० गोपाल चन्द्र कागती की पत्नी, 3. श्री लिखन चन्द्र कागती, 4. श्री जिनामारीत कागती ग्रीर श्री मत्यामरीत कागती, उजान बाजार गौहाटी। (ग्रन्तरक)
 - 2. श्री मोती लाल नन्दी, बोलियारा, जिला दरंग। (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त संपत्ति के ग्रजैन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की घविष्ठ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, जो भी धविष्ठ बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सिक्सी व्यक्ति द्वारा;
- (श्र) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 दित्तबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

श्वक्योकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों श्रीर पशीं का, को उक्त धिधिनयम के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्य होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूघी

जमीन का माप 1 (एक) बीगहा जो दीसपुर, गौहाटी जनता भवत के विपरीत, कामरूप जिला ग्रसम में स्थित है।

> राजेन्द्र नाथ बरा सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग

तारीख: 15-5-1979

प्र**रू**प आई० डी• एत० एस०---

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ਬ (1) ये श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना पटना, दिनांक 12 श्रप्रैल, 1979

निदेश सं० 111-315/अर्जन/79-80--अतः मुझे, ज्योतीन्द्र नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पप्रवात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण दें कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- क

श्रीर जिसकी सं० होल्डिंग नम्बर 148 (पुराना) 251 (नया) है तथा जो बाई नम्बर 1 गिरीडीह म्य्निमिण्य कारणेरेणन के श्रन्तर्गत मखतपुर, गिरीडीह वेगावाद रोड, गिरीडीह गहर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप सं विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गिरीडीह म रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीन तारीख 29-9-1978

को पूर्वोक्त सम्पति के उवित वाजार मूल्य में क्य के दृश्यमान वितिष्ठल के लिए अन्तिरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान अतिष्ठल से ऐसे दृण्यमान अतिष्ठल का 15 अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिष्ठल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तायक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरप रे ३३ किंव। प्राय की बाबत, उक्त चांधितियम
 ७ वधीत कर देने के शस्तरक के दायिरय में कमी करने या उससे बचते में युश्चिम के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी बाद वा कि । बन वा अन्य ब्रास्तियों का बिण्हें भारतीय अन्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269य की उपचारा (1) के मधीन, निरुत्तिखित व्यक्तियों, मर्थात् :---

- श्रीमती जीवन देवी विधवा स्वर्गीय संग्दार बुद्ध मिंह गिरी छीह थाना गिरीडीह जिला भिरीडीह (श्रन्तरक)
- श्रीमती जसवन्त कौर पत्नी सरदार संतोख सिंह स्टेशन रोड, गिरीडीह, जिला गिरीडीह। (श्रन्तरिती)।
- 3. मेसर्स मोटर कारपोरेशन लिमिटेंड गिरीडीह। (वह व्यक्ति जिसके अधियोग में सभ्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवादियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस मूतना के राजधन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 ित ो भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पक्षों का, जो उक्त ग्रिश्तियम के शब्दाय 20क में तथा परिभा-यित है, वहीं प्रयंहोगा जो उस शब्दाय में दिया गण है।

ग्रनुसूची

जमीन जिसहा रकवा 1 विघा 2 कट्टा 11 छटीक जिसमें पक्का बना मकान जो पक्का का बना जारदीवीरी के साथ है जो गिरीडीह के गिरीडीह वेगावाद रोड पर स्थित है। जिसका होल्डिंग नम्बर 148 (पुराना) 251 (नया) वार्ड नम्बर 1, मौजा मकतपुर थाना नम्बर 95 गदी करहर-वाडी तौजी नम्बर 15/11 थाना तथा जिला गिरीडीह है। जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या 9976 दिनांक 29-9-78 में विणित है और जो जिला अवर निबन्धन पदाधिकारी गिरीडीह के द्वारा पंजीकृत है।

> ज्योतीन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 12-4-1979

मोहर

प्ररूप माई० ी० एन० एस०-

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज पटना

पटना, दिनांक 11 ग्रप्रैल, 1979

निदेश सं० 111-316/म्रर्जन/79-80--म्रतः ज्योतिन्द्र नाथ आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- इ० से भ्रधिक है,

श्रौर जिसकी सं० होल्डिंग नम्बर 400 जो वार्ड नम्बर 1 (पुराना) वार्ड नं० 11 (नया) है, तथा जो मौजा मकतपुर जिला गिरीडीह में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध म्रनूसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रध-कारी के कार्यालय गिरीडीह में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908ं का 16) के ग्रधीन, तारीख पूर्वोङ्ग सम्पत्ति के उज्जित बाजार मृह्य से कम के दृश्यान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है, भीर अन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उस्त अधिनियम के **अधीन कर देने के ध्र**क्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- ंब) ऐसी किसी प्राय या **किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों** को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रश्विनियम, या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) र प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

मत: यब, उन्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मन्-सरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !--

- 1. श्री सन्येन्द्र नाथ मित्रा पुत्र स्व० डा० द्विजेन्द्र नाथ मित्रा 4, एस० एन० पंडीत गली, कलकत्ता-700020। (म्रन्तरक)
- 2. मेसर्स रतन मायका ऐक्सपोर्ट (प्रा०) लिमिटेड द्वारा ,निदेशक श्री राजन वेगरिया पुत्र श्री गोवरधन दास वेगरिया मुख्यालय 90, मूताराम बाबू गली, कलकत्ता । (भ्रन्तरिती)।

को यह यूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्यक्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्मति हे प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इर मूबन र राजपत में प्रकाशन को नारीख से 45 दिन जी अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में ये किमी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन ह भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति हारा, मधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा नकेंगे ।

स्पक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रीर पदो का, जा उक्त ्राधिनियम, 🖹 प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं यदी अर्थ डोधा जो उस अब्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

जमीन जिसका रकवा 3 विघा 6 छटाक जो रूबी लौज से जाना जाता है तथा जिसमें एक मजिलम मकान म्राउट हाउस जो चाहरदीवारी से घिरा है ग्रौर एक कुग्रां जो मौजा मकतपुर थाना एवं जिला गिरीडीह में स्थित है जिसका होर्ल्डिंग नम्बर 400, वार्ड नम्बर 1 (पुराना) ग्रौर वार्ड नं० 11 (नया) है। जो पूर्ण रूप से दस्तावेज सं I-4697 दिनांक 25-9-1978 में विणित है ग्रीर जो प्रवर निबंधन ऐश्योरेंस कलकत्ता के द्वारा पंजीकृत है।

> ज्योतिन्द्र नाथ सक्षम प्राधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, पटना

तारीख: 11-4-1979

संघ लोक सैवा धासोग

नोटिस

सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा-- नवस्थर, 1979 नई दिल्ली, दिनांक 2 जुन 1979

भ क क 8/3/79 प० I (ख) — संघ लोक सेवा भायोग क्षारा निम्नोकित पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु 6 नवम्बर, 1979 से एक सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा भायोजित की जाएगी :—

पाठ्यकम का नाम

रिक्तियों की संभावित सं०

भारतीय सेना श्रकादमी, देहरादून (जुलाई, 1980 में प्रारम्म होने वाला 69का पाठ्यक्रम) 120 [एन० सी० सी० 'ग' प्रमाण-पत्न (सेना स्कंध) प्राप्त उम्मीद-वारों के लिये भारक्षित 32 रिक्तियां सम्मिलित हैं]

भो सेना प्रकादमी, कोचीन (जुलाई, 1980 में पारम्भ होने बाला पाट्यकम) प्रधिकारी प्रशिक्षणणाला, मद्रास (प्रक्तूबर, 1980 में प्रारम्भ होने बाला 32वां पाट्यकम)

160

80

भोद र् --- एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पक्ष (सेना हकंछ) प्रमाण-पक्ष प्राप्त उम्मीदवार नौसेना प्रकारिमी तथा प्रत्यकालिक सेवा कमीशन (गैर तकनीकी) पाठ्यक्रमों की रिक्तियों के लिये भी प्रतियोगिता में बैठ सकते हैं। खूंकि प्रमी तक उनके लिये इन पाठ्यक्रमों में कोई धारक्षण नहीं है, प्रतः इन पाठ्यक्रमों में रिक्तियों को भरने के लिये उन्हें सामान्य उम्मीदवारों की तरह समझा जाएगा। जिन उम्मीदवारों को प्रभी भी एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पक्ष (सेना स्कंघ) परीक्षा प्रभी उसीणं करनी है, किन्तु प्रत्यथा वे प्रारक्षिण निक्तयों के लिये प्रतियोगिता में बैठने के पान्न हों, सो वे भी धावेदन कर सकते हैं, किन्तु उन्हें एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पन्न (सेना स्कंघ) परीक्षा उत्तीण करने का प्रमाण प्रस्तुत करना होगा, जो कि प्रायोग के कार्यालय में 30 जून, 1980 तक पहुंच जाए।

धारिक्षत रिक्तियों के लिये प्रतियोगिता की पावता के लिये उम्मीदवार को राष्ट्रीय गैंडेट कोर के सेना स्कंध के वरिष्ठ डिवीजन में सेवा का कम से कम 2 वर्ष का अनुभव होना चाहिये और धायोग के कार्यालय में धावेदन-पक्ष स्वीकार करने की अन्तिम तारीख को उम्मीववार को राष्ट्रीय कैंडेट कोर से मक्त हुए 12 महीने से अधिक न हुए हों।

नोढ 11--भारतीय सेना प्रकादमी पाठ्यक्रमों में ग्रारक्षित रिक्तियों को भरने के लिये परीक्षा परिणाम के ग्राधार पर ग्राह्ता प्राप्त एन सी० सी० 'मी०' प्रमाण-पत्न प्राप्त उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या में न मिलने के कारण न भरी गई ग्रारक्षित रिक्तियों को ग्रानारक्षित समक्षा जाएगा भीर उन्हें सामास्य उम्मीदवारों से भरा जाएगा।

भागोग द्वारा श्रामोजित होने वाली लिखित परीक्षा तथा उसके बाद सेवा चयन बोर्ड द्वारा लिखित परीक्षा में योग्यता प्राप्त उम्मीदवारों के लिये श्रामोजित भौदिक श्रौर व्यक्तित्व परीक्षण के परिणाम के धाधार पर उपर्युक्त पाठ्यकर्मों में प्रवेण दिया जाएगा। (क) परीक्षा की योजना, स्तर ग्रौर पाठ्यकर्मों में प्रवेण दिया जाएगा। (क) परीक्षा की योजना, स्तर ग्रौर पाठ्यकर्मा (ख) श्रकादमी/णाला में प्रवेण हेतु णारीरिक क्षमता-स्तर तथा (ग) भारतीय सेना श्रकादमी, नौ सेना श्रकादमी ग्रौर श्रधिकत्तर तथा (ग) भारतीय सेना श्रकादमी, नौ सेना श्रकादमी ग्रौर श्रिकत्तर तथा (ग) भारतीय सेना श्रकादमी, नौ सेना श्रकादमी ग्रौर श्रिकत्तर तथा में प्रवेण पाने वाले उम्मीदवारों की सेवा ग्रादि की संक्षिप्त सूचना के संबंध में क्रमशः परिणिष्ट I, II भौर III में विस्तार से समझाया गया है।

नोढ: परीक्षा के समस्त विषयों के प्रश्न पत्नों में केवल वस्तुपूरक प्रश्न पूछे जाएंगे। नमूने के प्रश्नों सिंहत विस्तृत विवरण कृपया परिशिष्ट V पर "उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका" में देखिए।

2. परीक्षा के केन्द्र : श्रहमदाबाद, इलाहबाद, बंगलीर, भोपाल, बंबई, कलकत्ता, चंडीगढ़, कोसीन, कटक, दिल्ली, दिसपुर, (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, लखनऊ, जम्मू, मद्राग, नामपुर, पणजी (गोधा), पटियाला, पटना,पोर्ट ब्लेझर, शिलांग, शिमला, श्रीनगर धौर विवेददम।

3. पास्तला की मलें:

(क) गष्ट्रिकताः

उम्मीदबार या तो

- (i) भारत का नागरिक हो, था
- (ii) मुटान की प्रजा हो, या
- (iii) नेपाल की प्रजा हो, या
- (iv) निक्वती शरणार्थी जो स्थाई रूप से भारत में रहते के इरादे से 1 जनवरी, 1962 में पहले था गया हो, या
- (v) भारतीय मृत्र का व्यक्ति हो जो भारत में स्थाई रूप से रहने के उद्देश्य से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीसंका, ग्रौर पूर्वी ध्रप्तिकी देश जैसे कीन्या, उगांडा तथा तंजानिया का संयुक्त गणराज्य या जास्त्रिया, मलाबी, जेरे तथा इथियोपिया ग्रौर वियननाम से प्रवजन कर श्राया हो।

परन्तु उपर्युक्त वर्ग (iii), (iv) ग्रौर (v) के ग्रंतर्गत ग्राने वाला उम्मीदवार ऐसा व्यक्ति हो जिसको भारत संस्कार ने पालना प्रमाण-पन्न प्रदान किया हो।

पर नेपाल के भीरखा उम्मीदवारों के लिये यह पाझता प्रमाण-पक्त भाषश्यक नहीं होगा।

जिस उम्मीदवार के लिये यह पावता-प्रमाण-पत धावश्यक होगा, उसको इस गर्स पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है और धकावमी या गाला में भी, जैसी भी स्थिति हो, प्रवेश दिया जा सकता है कि भाद में भारत सरकार द्वारा वह उक्त प्रमाण-पत्र प्राप्त करे।

- (सा) श्रायु-सीमाएं, स्त्री या पुरुष या वैवाहिक स्थिति:---
 - (i) भा० से० धकादमी भीर नी सेना धकादमी के लिये:

 केवल ध्रविवाहित पुरुष उम्मीदवार पान हैं जिनका जग्म
 2 जुलाई, 1958 से पहले भीर 1 जुलाई, 1961 के
 बाद न हुआ हो।
- (ii) ध्रधिकारी प्रशिक्षण गाला के लिये : केवल वही पुरुष उम्मीदवार (विवाहित या श्रविवाहित) पाल हैं जिनका जन्म 2 जुलाई, 1957 से पहले भौर 1 जुलाई, 1961 के बाद न हुमा हो।

नोट: जन्म की सारीख केवल वही मान्य होगी जो मैट्रिकुलेशन/हायर सेकेंडरी या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्न में लिखी गई हो।

- (ग) प्रैक्षिक योग्यताएं :— किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की डिग्री या समकक्ष । जो उम्मीदवार मभी डिग्री परीक्षा में उल्लीर्ण होने वाले हैं, वे भी भावेदन कर सकते हैं परन्तु, उनको डिग्री परीक्षा में उल्लीर्ण होने का प्रमाण नीचे की तारीख तक श्रायोग के कार्यालय म पहुंचाना होगा भ्रत्यथा उनकी उम्मीदवारी रह मानी जाएगी।
 - (i) भा० से० प्रकादमी भीर नी गंना ग्राकादमी में प्रवेश के लिये -- 30 जून, 1980 को या उससे पहले।
 - (ii) अधिकारी प्रणिक्षण माला में प्रवेश के लिये—-15 सितम्बर,1980 को या उससे पहले।

जिन उम्मीदवारों के पास ज्यावसायिक भौर तकनीकी योग्यताएं हों, जो सरकार द्वारा व्यावसायिक भौर तकनीकी विश्वी के समकक्ष मान्यता प्राप्त हों वे भी परीक्षा में प्रवश के लिये पास होगें। अपवाद की परिस्थितियों में, भायोग किसी ऐसे उभ्मीदवार की इस नियम में निर्धारित योग्यताओं में से किसी से युवत न होने पर भी, शैक्षिक रूप से योग्य मान सकता है जिसके पास ऐसी योग्यताएं हों जिनका स्तर, भायोग के विचार से, धस परीक्षा में प्रवेश पाने योग्य हो।

- नोट Ηऐसे उम्मीदवार, जिन्हें कियी परीक्षा में श्रभी श्रम्हेता प्राप्त करनी है भौर जिनको संघ लोक सेवा भ्रायोग की परीक्षा में बैठने की भ्रनुमति दे दी है, उन्हें नोट कर लेना चाहिए कि उनको सी गई यह विशेष छूट है। उन्हें कियी परीक्षा उत्तीण करने का प्रमाण निर्धारित तारीख तक प्रस्तुत करना है भौर धृनियादी श्रहेंक विश्वविद्यालय परीक्षा के देर से भ्रायोजित किये जाने, परिणाम की घोषणा में विलम्भ या भन्य किसी कारण से इस तारीख को भौर भ्रायो धक्षाने से संबद्ध किसी भी भनुरोध को स्वीकार महीं किया जाएगा।
- नोड II जो उम्मीदवार रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा सेवाओं में किसी प्रकार के कमीणन से प्रपर्वाजत हैं, वे इस परीक्षा में प्रवेश के पाल नहीं होंगे। धगर प्रवेश दिया गया तो उनकी उम्मीदवारी रह की आयेगी।
- कोठ III विशेष सेवा भ्रनाझप्तों को छोड़कर बाकी भ्रनाझप्त नाविक (जिनमें किशोर भीर कारीगर, प्रशिक्षु सम्मिलित हैं), जिनको भ्रपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, इस परीक्षा में बैठने के पाल नहीं होंगे। जिल विशेष सेवा भ्रनाझप्तों को भ्रपने नियत कार्य पूरे करने में छह महीने से कम समय बाकी है, उनके भावेदन पल्ल सभी लिये जाएंगे जब वे उनके कमंजिंग भ्रफसरों के द्वारा विधिवत् भनुशासित हों।
- 4. मावेदन के साथ देस शुरुक: ६० 28.00 (म्रनसूचित जानियों/ भ्रनुसूचित जन जातियों के लिये ६० 7.00)। जिन मावेदन पक्षों के साथ यह निर्धारित शुरुक नहीं भेजा जाएगा, उनको एकदम श्रस्थीकार कर दिया आएगा।
- 5. सुस्क से छूट: मायोग, यदि चाहे तो, निर्धारित सुस्क से छूट दे सकता है जब उनको इस बात का धाश्वासन हो कि मादेदक भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (श्रव बंगला देण) से वस्तुत: विस्थापित व्यक्ति है जो 1-1-1964 भीर 25-3-1971 के ग्रीच की भ्रवधि में भारत में प्रमुजन कर भाया है या वह बर्मा से वस्तुत: प्रत्यावितित भारतीय मूल का व्यक्ति है जो 1-6-1963 को या उसके बाद भारत में प्रमुजन कर भाया है या वह अनिका से वस्तुत: प्रत्यावितित भारतीय मूलत: व्यक्ति है जो भनतुवर अनिका से वस्तुत: प्रत्यावितित भारतीय मूलत: व्यक्ति है जो मनतुवर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के भंतर्गत 1 भवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत श्रीलंका समझौते के भंतर्गत 1 भवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत श्राया है या माने वाला है भीर निर्धारित सुक्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।
- 6. आवेदन कैसे किया जाए: केवल सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा नवस्वर, 1979 के लिये निर्दारित पन्न में छपे हुए आवेदन-पन्न ही लिये जाएंगे जो इस परीक्षा के नोटिस के साथ लगे हुए हैं। आवेदन पन्न भर कर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, घौलपुर हाउस, नई विल्ली-110011 को मेजे जाने चाहिएं। आवेदन प्रपन्न और परीक्षा के पूरे विवरण निम्नोकित स्थानों से प्राप्त किये जा सकते हैं:—
 - (i) दो ६५ये का मनीआईर था संघ लोक सेवा आयोग के सचिव को नई दिल्ली प्रधान बाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आईर भेजकर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, घौल-पुर हाउस, नई दिल्ली-110011 के यहां से बाक द्वारा।
 - (ii) दो क्यमे नकद देकर आयोग के कार्यालय के काउंटर पर।
 - (iii) निकटतम भर्ती कार्यालय, मिलिटरी एरिया/सब-एरिया मुख्या-लय, एन० सी० सी० एकक तथा नौ सेना प्रतिष्ठानों के यहां से निःशुस्क।

सभी उम्मीदवारों को, बाहे वे पहले से ही सरकारी नौकरी में हों, या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उपक्रमों या इसी प्रकार के संगठनों में काम कर रहे हों या गैर सरकारी संस्थाओं में निपृक्त हों, आयोग को सीधं आबेदन-पन्न भेजने चाहिएं। अगर किसी उम्मीदयार ने अपना आबेदन पक्ष अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंच जाए तो उस आवेदन-पन्न पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो ब्यक्ति पहले से ही सरकारी नौकरी में प्राक्षस्मिक या वैनिक दर कर्में जारी से इतर स्थायी या ग्रस्थायी हैसियत से या कार्यभारित कर्में जारियों की हैसियत से काम कर रहे हैं उन्हें यह गरियचन (भंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने सिखित रूप से प्रगने भायांलय विभाग के प्रध्यक्ष को सूचित कर विधा है कि उन्होंने इस गरीका के लिये ग्रावेदन किया है।

सशस्त्र सेना में काम कर रहे उम्मीदवार अपने आवेदन पत्न अपने कर्मार्डिंग अफसर के माध्यम से प्रस्तुत करें जो पृष्ठांकन (देखिये आवेदन प्रपत्न के भाग "ख") को भर करके आयोग को भेजेंगे।

- आयोग के कार्यालय में आवेदन की प्राप्ति की अंतिम तारीख----
 - (i) भारत में रहने वाले उम्मीदवारों से 30 जूलाई. 1979
- (ii) विदेश में या अंडमान निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों से 13 श्रगस्त, 1979
- 8. प्रलेख जो आवेदन के साथ भेजे जाएं।

(क) सभी उम्मीववारों द्वाराः

(i) द० 28.00 (अनुसूचित जातियों/जन जातियों के उम्मीदवारों के जिए द० 7.00) का शुरूक जो सिख , संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर के रूप में हो या सिख , संघ लोक सेवा आयोग के नाम भारतीय स्टेट बैंक, मुख्य शाखा, नई दिल्ली पर देय भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से जारी किये गये रेखांकित बैंक ड्राप्ट के रूप में हो।

निवेश में रहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे अपने यहां के भारत के उच्चन्नामुक्त या राजवूत या विदेशी प्रति-निधि के कार्यालय में निर्धारित गुल्क जमा करें जिससे वह "051 लोक सेवा आयोग-परीक्षा गुल्क" के खाते में जमा हो जाए और उसकी रसीव आवेदन-पद्ग के साथ भेज वें।

- (ii) उपस्थिति पद्मक (ध्रावेदन-प्रपन्न के साथ संलग्न) विधिवत् भरा हुआ।
- (iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 र्सें० मी०×7 र्सें० मी०) के फोटो की एक जैंसी दो प्रतियां जिनके ऊपरी हिस्से पर उम्मीदवार के हस्ताक्षर विधिवत् अंकित हों।

फोटो की एक प्रति प्रावेदन प्रपत्न के पहले पृष्ठ पर और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्नक में दिए गए निर्धारित स्थान पर विषका देनी चाहिए।

- (ख) अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों के उम्मीवशारो हारा--अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के होने के दावे के समर्थन में,
 जहां उम्मीवशार या उसके माता-पिता (पा जीवित माना या पिता)
 आम तौर पर रहने हों, उस जिने के (किसी प्रमाण-पत्न के नीचे उल्लिखित) सक्षम प्राधिकारी मे परिणिष्ट IV में दिये गये प्रपत्न में लिये
 गये प्रमाण पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिनिपि।
 - (ग) गुरुक में छूट चाहने बाले उम्मीदवारों के द्वारा:--
 - (i) किसी जिला अधिकारी या राजपन्नित अधिकारी या संग या राज्य विधान मंत्रल के सदस्य से लिये गये प्रमाण पक्त की

- जिमप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि जिसमें यह प्रमाणित किया गया हो कि उम्मीदवार निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।
- (ii) वस्तुतः विस्थापित/प्रत्यावर्तित व्यक्ति होने के वावे के समर्थं क में निम्नलिखित प्राधिकारियों से लिये गये प्रमाण-पत्न की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।
- (क) मतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित ध्यक्ति
 - (i) दंडकरण्य परियोजना के ट्रैजिट्रेजिट केन्द्रों या विभिन्न राज्यों के राहत शिविरों का शिविर संचालक।
 - (ii) उस इलाके का जिला मजिस्ट्रेट जहां पर वह, फिलहाल, रह रहा हो।

अधवा

(iii) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वांस का प्रमारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।

मधवा

(iv) सब-क्रिकीजनल अफ़सर अपने अधीनस्य सब-क्रिकीजनल की सीमा तक।

अथवा

- (v) शरणार्थी पुनर्वास उपायुक्त, पश्चिमी धंगाल/निवेकक (पुन-र्वासन) कलकत्ता।
- (च) श्रीलंका से प्रत्यावर्तित—: श्रीलंका में भारत का उच्चायुक्त।
- (ग) धर्मा से प्रत्यावर्तित

भारतीय दूतावास, रंगून या जहाँ का वह रहने वाला हो, उस सेव का जिला मजिस्ट्रेट।

(ष) भा० से० अ० पाठ्यकम में आरक्षित रिक्तियों के लिखे प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एन० सी० सी० (सी०) प्रमाण-पन्न (सेना स्कंख) प्राप्त उम्मीववारों द्वारा:---

यह दिखाने के लिये कि उनके पास एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पक्ष (सेमा स्कंघ) है अथवा वह एन० सी० सी० 'सी०' प्रमाण-पक्ष (सेना स्कंघ) परीक्षा में प्रवेश ने रहा है/प्रवेश से चुका है, इस आशय के प्रमाण-पक्ष की अभिप्रमाणित प्रतिसिषि।

- 9. शुरूक की वापसी:—आवेदन के साथ आयोग को अदा किया गया शुरूक बाचम करने के किसी अनुरोध पर नीचे की परिस्थितियों को छोड़कर विचार नहीं किया जा सकता और न वह किसी दूसरी परीक्षा या चयन के लिये सुरक्षित रखा जा सकता है:——
- (i) जिस उम्मीदवार में निर्धारित मुख्य दे विया है, पर जिसको आयोग में परीक्षा में बैठने नहीं दिया, उसको द० 15.00 (अनुसूचित जातियां/अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के मामले में द० 4.00) बापम कर दिया जाएगा। परन्तु यदि कोई आवेदन यह सूचना प्राप्त होने पर अस्वीकार कर विया गया हो कि उम्मीदवार कियी परीक्षा में अनुनीण हुआ है या कियी परीक्षा में उत्तीण होने का प्रमाण निर्धारित तारीक तक प्रस्तुत नहीं कर पाएगा तो उसके लिये मुख्य की वापसी मंजूर महीं की जाएगी।
- (ii) जो उम्मीदवार मई, 1979 को सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा में बैठा हो और उस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी पाठ्यक्षम के लिये उसका नाम अनुशंसित हुआ हो तो उनके मामले में ६० 28.00 (अनुभूचित जातियों)अनुसूचित जातियों के मामले में ६० ६० ७.00) का शृल्क वापम किया जा मकता है, पर यह जरूरी है कि नवस्वर, 1979 की मिम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा के लिये अपनी उम्भीदवारी रह कराने और शृल्क वापस पाने के लिये उस उम्मीदवार का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 31 मार्च, 1980 को या उससे पहले वहुंच जाए ।

- 10. आवेषन प्राप्त की सूचना: --- इस परीक्षा के लिये निर्धारित फार्म में मिले सभी आवेदनों के पहुंचने की सूचना भेजी जाएगी। अगर किसी उम्मीदवार को अपने आवेदन पहुंचने की सूचना इस परीक्षा के आवेदन पहुंचने की अंतिम तारीख से एक महीने के अन्दर न मिले ती उसको प्राप्त सूचना पाने के लिये तत्काल आयोग से संपर्क करना चाहिए।
- 11 शाबेदन का परिणाम:—अगर किसी उम्मीदबार को अपने आबेदन के परिणाम की सूचना परीक्षा शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक आयोग से प्राप्त म हुई तो उसे परिणाम की जानकारी के लिये आयोग से तत्काल संपर्क करना चाहिए। अगर इस बात का पालम नहीं हुआ तो, उम्मीदबार अपने मामले में विचार किये जाने के अधिकार से बंधित हो जाएगा।
- 12. परीका में प्रवेश: किसी उम्मीदबार की पालता या अपालता के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग का निर्णय अंतिम होगा। आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पद्म के बिना किसी भी उम्मीदबार को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
- 13. कवाचार के बोषी उम्मीदनारों के खिलाफ कार्रवाई: उम्मीवबारों को चेतावनी वी जाती है कि वे आवेदन-पन्न भरते समय कोई गलत विवरण न वें और न किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं। उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी वी जाती है कि उनके द्वारा प्रस्तुत किसी प्रलेख या उसकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रति में किसी भी हालत में वे किसी तरह का संशोधन या परिवर्तन या कोई फेर-बदल न करें और न ही फेर बदल किये गये/गड़े हुए प्रलेख को वे प्रस्तुत करें। अगर इस प्रकाव के वो अधिक प्रलेखों में या उनकी अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतियों में कीई अभुखि या असंगति हो तो इस असंगति के बारे में स्पण्टोकरण प्रस्तुत करना चाहिए।

यो उम्मीदवार मायोग हारा निभ्नौकित कदाचार का दोवी थोवित होता है या हो चुका है---

- (i) किसी प्रकार से भपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; गा
- (ii) किसी व्यक्ति के स्वान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) भ्रपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत कराना; या
- (iv) जाली प्रलेख या फोर-बदल किये गये प्रलेख प्रस्तुत करना; या
 - (v) भेगुड या असस्य वस्तन्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपा कर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिये प्रपत्ती उम्मीववारी के संबंधों में किसी प्रतियत या प्रनुचित लाभ उटाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीका के समय प्रनुचित तरीके धपनाए हों; या
- (viii) उत्तर पुस्तिका(भों) पर मसंगत सातें लिखी हों जो भश्लील भाषा या मभद्र माशय की हों; या
- (ix) परीक्षा भवन में भीर किसी प्रकारकादुब्यवहार किया हो;या
- (x) परीक्षा चलाने के लिये ग्रायोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या ग्रन्य प्रकार की शारीरिक सित पहुं-चाई हो, या
- (xi) ऊपर के खंडों में जिल्लिखित सभी या किसी कथाचार की भोर प्रवृत्त होना या झायोग को उत्तेजित कराना। बहु भपने को दंड-मभियोजन का शिकार बनाने के झतिरिक्त:——
- (क) वह जिम परीक्षा का उम्मीववार है, उसके लिये धायोग द्वारा भयोग्य ठहराया जा सकता है; धथवा
- (का) (i) आरोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए।
 - (ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके घ्रधीन किसी नियुक्ति के लिये स्थायी रूप से या कुछ निर्विष्ट भविष्कि के लिये मप-वर्जित किया जा सकता है; मीर

- (ग) प्रगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमा-वसी के प्रमुसार प्रमुशासनिक कार्रवाई का पान्न होगा।
- 14. मूल प्रमाण-पल--प्रस्तुतीकरण :--जो उस्मीवकार लिखित परीक्षा के परिणाम के प्राधार पर साक्षात्कार के लिये योग्यता प्राप्त करते हैं, उनको, लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होते ही प्रपनी प्रायु, धौकिक योग्यता प्रावि के समर्थन में मूल प्रमाण-पल प्रायोग को प्रस्तुत करने को कहा जाएगा। लिखित परीक्षा के परिणाम संभवतः जनवरी, 1980 में घोषित किया जा सकता है।
- 15. मावेदन के संबंध में पत्र व्यवहार: मावेदन के संबंध में सभी पत्र व्यवहार, सचिव, संघ लोक सेवा मायोग, धौलपुर हाउस, नई विल्ली110011 के पते पर करना चाहिए धौर उसमें निम्नीकित विवरण भवस्य होना चाहिए:---
 - (1) परीक्षा का नाम।
 - (2) परीक्षा का वर्ष भीर महीना।
 - (3) रोल नम्बर, या जन्म की तारीखा (ग्रगर रोल मम्बर नहीं मिला हो)।
 - (4) अम्मीदगार का नाम (पूरा धीर साफ लिखा हुमा)।
 - (5) पत्न ध्यवहार का पता, जैसा धावेदन-पत्न में दिया है।
- हमान दें:--जिन पक्षों के साथ ऊपर का स्थोरा नहीं होगा, हो सकता है, उन पर कोई कार्रवाई न हो।

16. पते में परिवर्तनः उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर मेनी चाहिए कि उन्नके मार्थिवन पत्न में थिये पते पर भेजे जाने वाले पत्न मार्थिव मार्थिय होने पर उनके मए पते पर भिजवा दिये जार्थ। पते में जो भी परिवर्तन हो उसे ऊपर के पैरा 15 में उस्लिखित विवरण के साथ आयोग को सथाशीध्र सुचित कर देना चाहिए।

सेवा घयन बोर्ड के साधारकार के लिये भायोग द्वारा भनुशंसित उम्मीदवारों ने भगर परीक्षा के लिये भावेदन करने के बाद भपना पता बदल लिया हो तो उन्हें परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम बोधित हो जाते ही भपना नया पता तत्काल सेना मुख्यालय, ए० जी० बाच रिक्ट्रॉट्ग, 6 (एस० पी०) (ध्री) (ii) बेस्ट म्लाक 3, विंग 1, राम-कृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022 को सूचित कर देना चाहिए। जो समीदवार इन भादेशों का पालन नहीं करेगा वह सेवा चयन बोर्ड के साक्षात्कार के लिये सम्मन पन्न न मिलने पर भपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बंधित हो जायेगा।

यश्चिप प्राधिकारी इस प्रकार के परिवर्तनों पर पूरा पूज क्यान देते हैं फिर भी इस संबंध में बहु अपने ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं ने सकते।

17. लिखित परीक्षा में योग्य उम्मीववारों के साक्षास्कार के संबंध में पूछताछ: जिन उम्मीववारों के नाम सेवा चयन बोर्ड के साक्षास्कार के लिये अनुशंसित हैं, उनको अपने साक्षास्कार के संबंध में सभी पूछताछ धौर अनुरोध सीधे सेना मुख्याक्षय, ए० जी० क्षांच रिकृटिंग, 6 (एस० पी०) (ई)(ii) वेस्ट ब्लाक 3, विग 1, रामकृष्णपुरम, नई विस्ली-110022 के पते पर लिखने चाहिए।

उम्मीववारों को साझास्कार के लिये भेजे गये सम्मन-पश्च द्वारा सूचित की गई तारीख को सेवा चयन बोर्ड के समक्ष साझास्कार हेतु रिपोर्ट करनी है। साझास्कार को स्थिगत करने से सम्बद्ध धनुरोध पर केवल यवार्ड परिस्थितियों में धीर प्रशासनिक सुविधा को ध्यान में रखकर ही विचार किया आएगा जिसके लिये निर्णायक प्राधिकरण सेना मुख्यालय होगा।

विभिन्न सेवा चयन केन्द्रों पर सेवा जयन बोर्ड के समक्ष साक्षात्कार हेतु बुलाए गए उम्मीदवार प्रपने साथ निम्नलिखित वस्तुएं लाएंगे:---

- (क) सफेर कमीज में पासपोर्ट भाकार के फोटो की 6 प्रतिया।
- (स्त) बिस्तर भीर कम्बल (मौसम के भनुसार)
- (ग) सफोद कभीजों भीर हाफ पैटों के वो जोड़े।

- (घ) एक जोही, पी० टा० के सफद जूते कीर दी जोड़ी सफेद मीजं।
- (क) पैटों भीर कमीजो के दो जोड़े।
- (च) फाउटेन पेन, स्याही घौर पेंसिल।
- (इ) बूद पालिश भीर सफोद अलैको ।
- (ज) एक मच्छरदानी।

18. लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा, योग्यता प्राप्त उम्मीव-बारों का साक्षास्कार, अंतिम परिणाम की घोषणा और अंतिम रूप से योग्य पाए गए उम्मीदबारों का, प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में, प्रवेण:—

संघ लोक सेवा मायोग, लिखिन परीक्षा में प्रायोग के निर्णय पर निर्मारित न्यूनतम महुँक मंक प्राप्त करने वाले उम्मीववारों की एक सूची तैयार करेगा। ये उम्मीववार उन सभी प्रविष्टियों के लिये जिन् के लिये उन्होंने महुँता प्राप्त की है बौद्धिक तथा व्यक्तिस्व परीक्षामों के लिये सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होंगे।

जो उम्मीवबार भाई० एम० ए० (बी० ई०) कोर्स/प्रौर या नेबी (एस० ई०) कोर्स की लिखित परीक्षा में प्रह्नंता प्राप्त करते हैं, चाहे वे एस० एस० सी० (एन० टी०) कोर्स के लिये प्रहेता प्राप्त करें या नहीं, उनको मार्ज/प्रप्रेल, 1980 में सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये मेजा जाएगा धौर जो उम्मीदवार केवल एस० एस० सी० (एल० टी०) कोर्स के लिये प्रहेता प्राप्त करते हैं, उनको जून/जूलाई, 1980 सेवा चयन बोर्ड के परीक्षणों के लिये मेजा जाएगा।

उम्मीववार सेवा चयन बोर्ड के सामने हाजिर होकर धपनी ही जोखिम पर वहां के परीक्षणों में शामिल होंगे धीर सेवा चयन बोर्ड में उनका जो परीक्षण होता है उसके वीरान या उसके फलस्वरूप धगर उनको कोई बोट पहुंचती है तो उसके लिये सरकार की धीर से कोई क्षितिपूर्ति या सहायता पाने के वे हकदार नहीं होंगे, चाहे वह किसी ध्यक्ति की लापरवाही से हो या दूसरे किसी कारण से हो। उम्मीव-वारों को आवेदन-पन्न के साथ संलग्न प्रपन्न में इस धाशय के एक प्रमाण-पन्न पर हस्ताक्षर करने होंगे।

स्वीकृति हेतु उम्मीदवारों को (i) लिखित परीक्षा तथा (ii) सेवा चयन बीखें के परीक्षणों में भ्रलग-अलग न्यूनतम झहंक मंक प्राप्त करने होंगे जो कि भायोग द्वारा, उनके निर्णय के भ्रनुसार, निश्चित किये जाएंगे। लिखित परीक्षा तथा से० च० बीखें के परीक्षणों में प्राप्त कुल मंको के भाषार पर उम्मीदवारों को योग्यता-क्रम में रखा जाएगा। मलग, भ्रलग उम्मीदवारों को परीक्षा के परिणाम किस रूप में भीर किस प्रकार सुचित किये जाएं, इस बात का निर्णय आयोग भ्रपने भ्राप करेगा भीर परिणाम के संबंध में उम्मीदवारों से कीई पत्र व्यवहार नही करेगा।

परीक्षा में सफल होने मान से भारतीय सेना प्रकादमी, गौसेना प्रकादमी या प्रधिकारी प्रशिक्षणशाला में, जैसी स्थिति हो, प्रवेश का कोई प्रधिकार नहीं मिलेगा। प्रंतिम चयन शारीरिक क्षमता धीर प्रस्य सभी बातों में उपयुक्तता के प्रतिरिक्त उपलब्ध रिक्तियों की संख्या की बृद्धि में रखते हुए योग्यता के कम से किया जाएगा।

19. प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिये प्रनहुंनाए: जो उम्मीववार राष्ट्रीय रक्षा प्रकादमी, भारतीय सेना प्रकादमी, वायुसेना उड्डुयन महा-विश्वालय, नीसेना प्रकादमी, कोचीन धौर प्रधिकारी प्रशिक्षणशाला, मद्रास में पहले प्रवेश पा चुके हैं, पर प्रनुशासनिक आधार पर वहां से निकाल विये गये हैं, उनको भारतीय सेना प्रकादमी, नौसेना प्रकावमी या यलसेना में प्रल्पकालिक सेवा कमीशन में प्रवेश देने की बात पर विजार महीं किया जाएगा।

जिन उम्मीवनारों को एक मधिकारी में धपेक्षित लझाणों के धभाव के कारण पहले भारतीय सेना मकावमी में बापस लिया गया हो उनकी भारतीय सेना सकावमी में प्रवेश नहीं विया जाएगा।

जित उम्मीदवारों को स्पेशल एण्ट्री नेवल कैडेट्स के रूप में पहले चुन लिया गया हो, पर बाद में एक प्रधिकारों में धपेक्षित लक्षणों के प्रभाव के कारण राष्ट्रीय रक्षा अकादमी या नौसेना प्रशिक्षण प्रतिष्कानों से बापस जिया गया हो, वे भारतीय नौसेना में प्रवेश के पाख नहीं होंगे। जिन उम्मीदवारों को एक प्रधिकारी में अपेक्षित लक्षणों के अभाव के कारण भारतीय सेना अकादमी, अधिकारी प्रशिक्षणशाला, एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यकम से जापस लिया गया हो, उनके बारे में थल सेना में अस्पकालिक सेवा कमीशन देने की जात पर विचार नहीं किया जाएगा ।

जिन उम्मीदवारों, को एक प्रधिकारी में धपेक्षित लक्षणों के प्रभाव के कारण, एन० सी० सी० तथा स्नातक पाठ्यकम से पहले वापस लिया गया हो, उनको भारतीय सेना प्रकावमी में प्रवेश महीं दिया जाएगा।

- 20. भारतीय सेना घ्रकावमी या नी सेना घ्रकावमी में प्रशिक्षण के समय विवाह पर प्रतिबन्ध: भारतीय सेना घ्रकावमी घौर नी सेना घ्रकावमी के पाठ्यक्रमों के उम्मीदवारों की इस बात का वचन देना है कि जब तक उनका सारा प्रशिक्षण पूरा नहीं होगा, तब तक ने शादी नहीं करेंगे। जो उम्मीवनार घ्रपने ध्रावेदन की तारीख के बाद शादी कर जेता है, उसको प्रशिक्षण के लिये चुना नहीं आएगा, पाहे वह इस परीक्षा में या घ्रगली किसी परीक्षा म मने ही सफल हो। जो उम्मीदवार प्रशिक्षणकाल में शादी कर लेगा, उसे वापस भेजा जाएगा धौर उस पर सरकार ने जो पैसा खर्च किया है, वह सब उससे बसूल किया जाएगा। घल्यकालक सेवा कमीशन (एन० टी०) के पाठ्यक्रम का कोई भी उम्मीदवार:
 - (क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति के साम बादी की हो या शादी के लिये संविदा कर ली हो जिसकी पहले से कोई जीवित पति ---है या था
- (क) जिसने, पहले से जीवित पति-पत्नी होते हुए भी, किसी 'ब्यक्ति से शावी की हो या शावी के लिये संविदा कर ली हो । अधिकारी प्रशिक्षणशाला में प्रवेश/अल्पकालिक सेवा कमीशन की प्रवृत्ति का पास नहीं होगा।

परम्तु, यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस तरह की शादी ऐसे व्यक्तियों के लिये घौर गादी की दूसरी तरफ के व्यक्तियों के लिये लागू व्यक्तिगत कानून के धनुसार घनुगोवनीय है घौर ऐसा करने के घन्यठीस कारण हैं तो किसी व्यक्ति को वह इस नियम के धनुगलन से छट दे सकती है।

- 21. भारतीय सेना भकादमी या नौ सेना भकादमी में प्रशिक्षण के समय भ्रन्य प्रतिबन्ध : भारतीय सेना भकादमी या नौ सेना भकादमी में प्रवेश प्राप्त करने के बाद उम्मीदवार किसी दूसरे कमीशन के लिये विचार योग्य महीं होंगे। भारतीय सेना भकादमी या नौ सेना भकादमी में प्रशिक्षण के लिये भंतिम रूप से उनका चयन हो जाने के बाद उनको भौर किसी भी साझान्कार या परीक्षा में उपस्थित होने की भनुमति नहीं दी आएगी।
- 22. बौद्धिक परीक्षण संबंधी सूचना, रक्षा मंत्राख्य (मनोबैशानिक मनुसंघान निवेशालय) ने "सेवा चयन बोर्डो में उम्मीदवारों की बौद्धिक परीक्षण उपलब्धियों का मध्ययन" (ए स्टबी भाफ इंटेलिजेन्स टेस्ट कोर्स भाफ कंडीडेट्स एट सर्विसेज सेलेक्शन बोर्डस) शीर्षक पुस्तक प्रकाशित की है। इस पुस्तक की प्रकाशित करने का उद्देश्य यह है कि उम्मीदवार सेवा चयन बोर्ड के बौद्धिक परीक्षणों के स्वरूप मौर स्वमाव से परिचित हो जाएं।

यह समूख्य पुस्तक प्रकाशन है भौर बिकी के लिये प्रकाशन नियंत्रक, सिबिल लाइन्स, दिल्ली 110054 के यहां मिल सकती है। बाक द्वारा भादेश देकर या नकद भूगतान के द्वारा उनसे यह सीधे प्राप्त की जा मकती है। केवल नकद भूगतान के द्वारा यह (i) किताब महल, रिवोली सिनेमा के सामने, एम्पोरियम बिल्बिंग, सी० ब्लाक, बाबा खड़ग मिह मार्ग, नई दिल्ली-110001 (ii) उद्योग भवन की प्रकाशन शाखा, उद्योग भवम, नई दिल्ली-110001 के बिकी केन्द्र पर तथा (iii) भारत सरकार पुस्तकालय 8 के० एस० राय रोइ, कलकता-700001 पर भी मिल सकती है।

23. जिन पुस्तकाओं में नियमावली तथा पिछली परीकाओं के प्रशन पक्षों का क्यौरा सम्मिलित होता है उसके बारे में सूचना। सिम्मलित रक्षा सेवा परीक्षा, मई, 1978 से इस परीका की योजना में सिम्मलित सभी प्रथम-पन्नों के लिये वस्तुपरक प्रथम के लागू किये जाने पर इस परीक्षा के लिये नियमावली और प्रथम-पन्नों सिहत पुस्तिका का मुद्रण बन्द कर विया गया है। किन्तु जिन पुस्तिकाओं में नियमावली तथा नवस्थर, 1977 में हुई सिम्मलित रक्षा सेवा परीक्षा तक पिछली परीकामों के प्रथम-पन्नों का स्थौरा सिम्मलित है, उनकी विश्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाईस, विल्ली-110054 के द्वारा की जाती है और उन्हें यहां से मेल भाईर प्रथवा मकद मुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिजोली सिनेमा के सामने एम्पोरियम विल्लिंग 'सी' ब्लाक, बावा खड़गसिह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का विश्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001, और (iii) गवर्नमेंट प्राप्त इण्डिया कृक बियो, 8-के० एस० रोड, कलकल्या-700001 से भी नकद पैसा देकर खरीवा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्तस्सिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से प्राप्त की जा सकती है।

भार॰ एत॰ भहलुवालिया, उप-सचिव

परिशिष्ट I

(परीका की योजना, स्तर धौर पाठ्य-विवरण)

क. परीका की योजना

- 1. प्रतियोगिता परीक्षा में निम्नलिखित सम्मिलित होगा--
- (क) नीचे के पैरा 2 में निर्दिष्ट रीति से लिखित परीका,
- (आ) उन उम्मीदवारों का अुद्धि भीर व्यक्तित्व परीक्षण (इस परिशिष्ट के भाग आ के भ्रमुसार) के लिये साक्षात्कार जिन्हें किसी भी एक सर्विक्षेत्र सेलेक्शन सेंटर में साक्षात्कार के सिथे ब्लाया जाये।
- लिखित परीक्षा के विषय, उनके लिये दिया जाने वाला समय
 भीर प्रत्येक विषय के लिये नियत प्रधिकतम भंक निम्नलिखित होंगे:---
 - (क)-- भारतीय सेना सकावमी में प्रवेश के लिये

विषय	घणि	मधिकतम संक
भनिवार्यः		
1. प्रंग्रेजी	2 षंटे	100
2. सामान्य ज्ञान	2 घटे	100
3. प्रारंभिक गणिस	2 पंटे	100

वैकल्पिक — निम्नलिखित में से कोई एक विधय

विषय	कोड संख्या	नियत समय	प्रधिकतम ग्रंक
भौतिकी	01	2 षटे	150
रसायन विज्ञान	02	2 पंडे	150
गणित	03	2 बंटे	150
बनस्पति विज्ञान	04	2 षंटे	150
प्राणि विभाग	0.5	2 चंटे`	150
मृबिज्ञाम	06	2 घंटे	150
भूगोल	07	2 बंटे	150
मंप्रेजी साहित्य	08	2 पंटे	150
भारत का इतिहास	09	2 वंटे	150
सामान्य प्रयंशास्त्र	10	2 षंडे	150
राजनीति विज्ञान	11	2 पंटे	150
समाज शास्त्र	12	2 वंटे	150
मनोविज्ञान	13	2 घंटे	150

(ख) नौसैना अकादमी में प्रवेश के लिये

		 अधिकतम अंक
! 		<u> </u>
वनिवार्यः		
1. अंग्रेजी	2 पंटे	100
* 2. सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
वकस्पिक		
*3. प्रारम्भिक गणित या प्रारम्भिक भौति	की 2 घंटे	100
* 4. गणित या भौतिकी	2 घं टे	150

*जो उम्मीदवार प्रारम्भिक गणित लेंगे उन्हें जीये प्रश्न पक्ष में भौतिकी विषय लेना होगा तथाजो उम्मीदयार प्रारम्भिक भौतिकी लेंगे उन्हें जीये प्रश्न-पद्म में गणित विषय क्षेना होगा।

(ग) अधिकारी प्रशिक्षण शालामें प्रवेश के लिये

· · · · विषय	नियत समय	अधिकतम अंक
1. अंग्रेजी	2 पं ट	100
2. सामान्य गा न	2 घंटे	100

लिखित परीक्षा और साक्षात्मकार के लिये जो अधिकतम अंक नियत किये गये हैं वे प्रत्येक विषय के लिये समान होंगे अर्थात भारतीय सेना अकादमी, मौ सेमा अकादमी और अफसर द्रेनिंग स्कूल में भर्ती के लिए लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के लिये नियत अधिकतम अंक क्रमशः 450, 450 और 200 होंगे।

- 3. समस्त विषयों के प्रश्न-पत्नों में केवल अस्तुपरक प्रश्न पूछे जायेंगे। नमुने के प्रश्नों सहित विस्तुल विषयण कृपया परिशिष्ट-V पर उम्मीदवारों को सुचनार्थ विवरणिका में देखिये।
- 4. प्रश्न-पत्नों में जहां भी आवश्यक होगा केवल तोल और माप को भीटरी पद्धति से संबंधित प्रश्नों की ही पूछा जाएगा।
- 5. उम्मीदशारों को प्रश्न पत्नों के उक्तर अपने हाथ से लिखने चाहियें किसी भी दशामें उन्हें प्रश्नों के उक्तर लिखने के लिये लिखने वाले की सहायता सुलभ नहीं की जायेगी।
- परिक्षा के एक या सभी विषयों के महंक मंकों का निरधीण मायोग की विवक्षा पर है।

खा. परीक्षा कास्तर भ्रीर पाट्य विवरण

स्तर

प्रारम्भिक गणित के प्रथम पक्षों का स्तर मैट्रिकुलेशन परीक्षा का होगा, प्रारम्भिक भौतिकी के प्रथम-पक्ष का स्तर उच्चतर माध्यभिक परीक्षा जैसा होगा।

भ्रन्य विषयों में प्रश्न-पत्नों का स्तर लगभग वही क्षोगः जिसकी किसी भारतीय विश्वविद्यालय के स्तातक से भ्रपेक्षा की जासकती है।

इनमें से किसी भी विषय में प्रायोगिक परीक्षा नहीं होगी।

पाद्य विवरण

पंग्रेजी

प्रश्न-पक्ष इस प्रकार होगा जिससे उम्मीदवार की संग्रेजी सौर संग्रेजी के शक्यों के बोध की परीक्षा ली जासके।

सामान्य शान

सामान्य ज्ञान तथा साथ में समसामयिक घटनाओं भौर दिन प्रतिदिन देखे भीर भनुभव किये जाने वाले इसी तरह के मामलों के वैज्ञानिक पका भी जानफारी, जितका किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से भ्रपेला की जा सकती है, जिसने किसी वैकानिक बिषय का विशेष प्रध्ययन न किया हो प्रश्न-पल्ल में भारत के इतिहास भीर भूगील से संबंधित ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदयारों को, उन विषयों का विशेष प्रध्ययन किये बिना, देना चाहिये ।

प्रारम्भिक गणित

मंक गणित

संख्या पद्धतियां—मनपूर्ण संख्यायें, पूर्णांक, परिसेय भीर वास्तविक संख्यायें, मूल संक्रियायें—जोड़, षटाना, गुणन भीर विभाजन, वर्ण मूल, वशमलन भिन्न ।

ऐकिक विधि--समय तथा दूरी, समय तथा कार्य प्रतिशतता-साधारण तथा चश्रवृद्धि स्थाज में अनुप्रयोग, लाभ तथा हानि, धनुपात और समा-नुपात विचरण।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धान्त—विभाजन की कलन विधि, धमाज्य भौर भाज्य, संख्याय, 2, 3, 4, 5, 9 और 11 द्वारा विभाज्यता के परीक्षण भाज्यदर्थ भीर गुणन खण्ड / गुणन खंडन प्रमेय / महतम समापवर्तक तथा लयुक्तम समापवर्तक, गुक्तिक की कलन विधि।

भाषार 10 तक लघुगणक, लघुगणक के नियम, लघुगणकीय सारणियों का प्रयोग ।

बीज गणित

प्राधारभूत संक्रियाएं: साधारण गुण म खण्ड । शेय फल प्रमेय, बहुपदों का महतम समापवर्तक भीर लमुत्तम समापवर्य । क्रियत समीकरणों का हल, इसके मूलों धौर गुणाकों के बीच समबन्ध । (केवल वास्तविक भूल पर विचार किया आए)। दो प्रक्रात राशियों में युगपत रैखिक समीकरण—विष्रलेषण भीर ग्राफ सम्बन्धी हल। वो घरों में युगपत रैखिक मसिमकाएं भीर उनके हल प्रयोगिक प्रथम जिनसे दो चरों में वो युगपत् रैखिक समीकरण या असिमकाएं बनती हैं या एक चर में बिचात, समीकरण तथा उनके हल, समुच्चय भाषा तथा समुच्चय भंकन पद्धति, परिमेय व्यंजक तथा सप्रतिबन्ध तत्समक घातोक नियम।

व्रिकोणमितिः

ज्वा X, कोटिज्या X, स्पर्श रेखा X जब 0° \leqslant X \leqslant 90°।

ज्या X, कोटिज्या, X, स्पर्ण रेखा X का मान क्योंकि X—0°, 30°, 45°, 60°, ग्रौर 90° सरल जिकोणमितिय तत्समका।

विकोणमित्तीय सारणियों का प्रयोग।

कं बाइयों भीर दूरियों के सरल कोश।

कालीमाना ।

रेखा और कोण, समतल भीर समसल भाकृति: निम्नलिखित पर प्रमेय:—(i) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण धर्म, (ii) सतांतर रेखाए, (iii) किसी बिन्दु पर कोणों के गुण धर्म, (ii) सतांतर रेखाए, (iii) किसी त्रिभुज की भुजाएं, भीर कोण, (iv) त्रिभुजों की समवागसमता (v) समस्प विभुज, (vi) माध्यकाओं भीर शीर्ष लम्बों का संगमन (vii) समांतर चतुर्मुजों, भायत भीर वर्ग के कोणों, भुजाओं के विकर्णों के गुण धर्म, (viii) बृत भीर उसके गुण धर्म जिसमें, स्पर्श रेखा, तथा भिम्न सम्ब भी शामिल हैं (ix) स्थानिक संभक।

विस्तार कलनः

वर्गी आयतों, समान्तर चतुर्घुजों, त्रिभुजों और वृतों क्षेश्नफल । उन आकृतियों के केल्रफल जो इन आकृतियों में विमाजित की जा सकती हैं। (क्षेत्रवही) धनामों का पृष्ठीय क्षेत्र फल तथा आयतन/लम्ब वृक्षीय श्रेष्ठुकीं और बैलनों का पार्थ्य-पृष्ठ तथा आयतन/गोलकों का पृष्ठीय क्षेत्रफल तथा आयतन ।

सांख्यिकी:

स्रोडियकीय तथ्यों का संग्रहण तथा सारणीयन । आलेखी निरूपण-बारम्बारता श्रृक्षुणुज आयस पिन्न गलाका चार्ट पाई चार्ट आदि केन्द्रीय प्रवृत्ति के माप रेखाम्रों के बीच कोण ।

प्रारम्भिक भौतिकी

- (क) विस्तार कलन :--मापन के मान्नक, मी० जी० एस० और एम० के० एस० मान्नक। आदेण और संदिश। बल और वेग का संयोजन तथा नियोजन। एक समानत्वरण। एक समानत्वरण के अधीन ऋणु-रेखीय गति। त्युटन के गति नियम। बल की संकल्पना। बल के मान्नक। माना और भार।
- (स) पिंड का बल विज्ञान :—गुक्स के अधीन/समानास्तरण अल । गृहस्य केन्द्र साम्यवस्था/साधारण मशीन/वेग अनुपात आनत समतल/पेंच भीर गियर सहित विभिन्न साधारण मशीनें/घर्षण, घर्षणकोण, घर्षण गुणांक कार्य, शक्ति, भीर ऊर्जा/स्थितिज और गतिज ऊर्जा।
- (ग) तरल गुणक्रमं: स्वाय भीर प्रणोद/पास्कल का नियम । भार्क-मिसीज का नियम । घनत्व भीर विशिष्ट गुरुत्व पिंडों भीर प्रण्यों के विशिष्ट गुरुत्वों को निर्धारित करने के लिये भाक्तिमिडीज के नियम का भनुपयोग । प्लायन का नियम के गैस द्वारा प्रयोग में लाये गये दाव का मापन । भायल नियम/वायु पम्प ।
- (म) ताप--पिंडों का रेखिक विस्तार भीर द्रव्यों का घनाकार विस्तार द्रव्यों का वास्तविक तथा स्नाभासी विस्तार । द्रचार्ल्स, नियम परमणून्य वायल भीर चार्ल्स नियम, पिंडों भीर द्रव्यों का विशिष्ट ताप, कैनो-रीमिति/ताप का संचरण, धातुम्रों की ताप सवाहकता । स्थिति परिवर्तन । संलयन भीर वाष्मा की गुन्त ऊष्मा । एस० बी० पी० नमी (म्राईता म्रोसांक भीर म्रापेक्षिक मार्देता ।
- (क) प्रकाश :--- ऋजरेखीय संचरण । परावर्तन के नियम । गोलीय वर्षण , भ्रापवर्तन, भ्रापवर्तन के नियम, लैन्स, प्रकाणिक यंत्र कैमरा, प्रक्षेपित, पारापार चित्रदर्शी दूरवीन, सुक्ष्मदर्शी, वाइनीक्यूलर तथा परिदर्शी । पिज्म , भ्रक्षीण के साध्यम से अपवर्तन ।
- (च) व्यति:— ध्वति संचरण, ध्वति परावर्तन, ग्रनुनाद। ध्वति ग्रामीं-फोन का प्रभिलेखन।
- (छ) चुम्बकत्व तथा विद्युत —चुम्बकत्व के नियम, चुम्बकीय, क्षेत्र ।
 चुम्बकीय बल रेखायं, पाधिक चुम्बकत्व । चालक ग्रीर रोधी । ग्रोमनियम,
 पी० डी० प्रतिरोधक विद्युत् चुम्बकीय बल, श्रेणी पाप्त्वं में प्रतिरोधक ।
 विश्वसापी विद्युत् चुम्बकीय बल की तुलना । विद्युत धारा का चुम्बकीय
 प्रभाव चुम्बकीय क्षेत्र में संवाहकता । फलेमिंग का बाम हस्तिनयम । मापक
 गंध—धारामापी ऐमीटर, बोल्ट मीटर, वाटमीटर, विद्युत धारा का
 रासायिक प्रभाव, विद्युत, लेपन, विद्युत चुम्बकीय प्रेरण, फेराडे नियम,
 बेसिक ए० सी० तथा डी० सी० जनित्त ।

भौतिकी (कोड 01)

1. पदार्थं के सामान्य गुण श्रौर यानिकी

यूनिटं ग्रीर विभाएं, स्केलर भीर वैक्टर, मात्रायं, जड़स्थ, भाषूणं, कार्यं कर्जा भीर संवेग । यक्तिकी के मूल नियम, पूर्णी गति;गुदत्वाकर्षण । सरल भावतं गति, सरल भीर ग्रसलर लोलक, प्रत्यास्थता; प्रष्ठ तनाव, क्षव की श्यामता, रोटरी पस्प।

2 ध्वनि

सबसंबित, प्रणोदित भीर मुक्त कम्पन, तरंग-गति, साप्तर प्रभाव, स्वतंन तरंग बेग, किसी गैम में ध्विन के बेग पर दाव, तापमान भीर आदेता का प्रभाव, सोरियों, किल्लियों और गैस स्तम्भों का कम्पन, अनुवाद, विस्पंद, स्थिर तरंगें । ध्विन का भावृत्ति वेग तथा तीवता । पराश्रय्य के मुल बरवा शामोफीन, टाकीज और भाउड स्पीकरों के प्रारम्भिक विस्तित ।

3. ऊष्मा भीर ऊष्मा गति विज्ञान

तापमान और उसका मापन; तापीय प्रसार, गैसों में समतापी तचा बड़ोष्म परिवर्तन । विशिष्ट ऊष्मा श्रीर ऊष्मा चालकता; द्रव्य के सनुपति सिक्कांत के तत्व; बोल्टसमन के वितरण नियम का भौतिक बोध, बांकरवाल का भवस्था समीकरण, जूल थाम्पसन प्रभाव, गैसों का अवण; ऊष्मा इंजन; कार्नोट-प्रमेय, ऊष्मागति-विज्ञान के नियम श्रीर उनका सरल अनुप्रयोग। कृष्णिका विकिरण।

4. प्रकाश

अयामितीय प्रकाशिकी । प्रकाश का बेग, सतमल भीर गोलीय पृथ्ठों पर प्रकाश का परावर्तन और भपवर्तन। प्रकाशीय प्रतिबिम्सों में गोलीय भीर विश्वक क्षेष भीर उनका निवारण। निवासीर भन्य प्रकाशिक यंत्र। प्रकाश का तरंग सिद्धान्स, व्यतिकरण।

विश्वत् ग्रौर चुम्बकत्व

विधुत-क्षेत्र के कारण अर्जा, प्रथ्य के बैधुत धौर चुन्बकीय गुण धर्म, हिस्टेरिसिस चुन्बकशीलता धौर चुन्बकीय प्रवृत्ति; विधुत धारा से उत्पन्न चुन्बकीय क्षेत्र ; मूर्विंग मन्तेट एण्ड मूर्जिंग क्वायस गैलवेनोसीटर; धारा धौर प्रतिरोध का मापन; रिएक्टिव सकिट एलिमेंट्स के गुण धर्म धौर उनका निर्धारण; ताप-विधुत प्रभाव, विधुत चुन्बकीय प्रेरण, प्रत्यावतीं धाराधों का उत्पावन । द्रांसफार्मर धौर मोटर; इलैक्ट्रानिक बाल्व धौर उनके सरस धनुमयोग।

6 प्राधुनिक भौतिकी

बोर के परमाणु मिद्धान्त के तस्य, इलैक्ट्रोस, गैसों द्वारा विद्युत् का विसर्जन, कथोडरे । रेडियोएक्टियता, कृत्निम रेडियो ऐक्टियता, क्राइ-सोरोप, विद्यंडण झौर संलयन की प्रारम्भिक धारणा।

रसायन विज्ञान (कोड 02)

1. प्रकार्वनिक रसायन विज्ञान:

सत्वों का इलैक्ट्रानिक, विन्यास, धाक्तवाऊ सिद्धान्त, सत्यों का धावर्सी वर्गीकरण । परमाणु क्रमांक । संक्रमण तत्व और उनके लक्षण ।

परमाणु ग्रौर भागिमक विज्याएं, ग्रायनन विभव । इलैक्ट्रान अंधुता ग्रीर विश्वत ऋणारमकता ।

प्रकृतिक ग्रौर कृत्निम विषटनामिकता । नाभिकीय विखण्डन ग्रौर संलयन ।

संयोजकता का इलैक्ट्रानिक सिद्धांत, सिग्म श्रीर पाई बन्ध के बारे में प्रारम्भिक विचार, सहसन्रोजी श्राबन्ध की संकरण श्रीर दिशिक प्रकृति।

षारनेर का समन्वय मिश्रण सिद्धान्त । उभेयनिष्ठ धातुकर्मीय तथा विष्लेषीय प्रचालनों में निहित सम्मिश्रों का इलैक्ट्रानिक विस्यास।

ग्राक्सीकरण स्थितियां ग्रीर ग्राक्सीकरण संख्या । सामान्य उपचायक सथा ग्रपचायक ग्रास्कीकारक । ग्राथनिक समीकरण ।

ह्यइस भौर श्रन्सटेव के भ्रम्ल कार सिद्धात।

सामान्य तत्वों का रसायन विज्ञान धौर उनके श्रामिश्र जिनकी विशेष रूप से धावर्ती वर्गीकरण की वृष्टि से धींभिक्रिया की गई हो । निष्कर्षण के सिद्धान्त । महत्वपूर्ण तत्वों का नियोजन (धौर धातुको) ।

हाइड्रोजन परम्रावसाईड की संरचना, डाईवीरेन, ऐलूमिनियम क्लो-राइड सथा नाइट्रोजन, फास्फोरस क्लोरीन ग्रीर गन्छक के महत्वपूर्ण ग्रावसी-ऐसिड ।

भक्तिय गैस: वियोजन तथा रसायम।

श्रकार्वनिक रसायन विश्लेषण के सिकान्त ।

सोडियम कार्योनेट सोडियम हाईड्रोक्साइड, ग्रमोनिया, नाइट्रिक ग्रम्स, गन्धकीय ग्रम्स, सीमेंट, ग्लास और क्षत्रिम उर्वेरकों के निर्माण की अब रेखा।

2. कार्बनिक एसायन विज्ञान

सहसंयोजी पार्येधन, की प्राधुनिक सकल्पनाएं। इलैक्ट्रान विस्थापन प्रेरणिक, मेसोनरी भौर धनि संयुग्मन प्रभाव । धनुवाद धौर कार्वेनिक) रसायन में उनका धनुप्रयोग । नियोजन स्थिगक । (डिसो सिएपान क्रांस्टेट पर संरचना का प्रभाव।

ऐस्केत, ऐस्कीन और ऐस्काइन । कार्बेनिक मिश्रण के स्रोत के स्प् में पेट्रोलियम । एलिफेटिक मिश्रणों के सरल ब्युरपन्न । ऐस्कोहल ऐस्डी हाइड्स कीटोन, सम्ल, हैलाइड, एस्टर्स, ईचर, अम्ल ऐनीब्राइड, क्लोरोइड भीर श्रमिछ । एक्कारकी हाईब्राक्सीकीटेनी भीर ऐमीनो सम्ल । कार्बेधास्विक मिश्रण भीर एसीटोएसिटिक एस्टेर । टाटरिक सिद्रिक मैलेइक और फूमैरिक सम्ल । कार्बोहाइड्रेड वर्गीकरण और सामान्य प्रभिक्तिया । म्लुकोस, फल शर्करा और इसु शर्फरा ।

विविम रसायनः प्रकाशकीय भीर ज्यामित्तीय समान्यवता । संकपण की संकल्पना।

धैन्त्रीन भौर इसके साधारण व्युत्पन, टालूईन, जाइलीन, फीनाल, हैलाइड, नाइट्रो भौर एमीनो मिश्रण। बेन्जाइक सैलिसिक, सिनेमिक, मडेलिक धौर सिरफोनिक भ्रम्ल, एरोमेटिक ऐल्डिहाइड भौर कीटोन। डाइजो, एजो भौर हाइब्रोजो मिश्रण, ऐरामेटिक, प्रतिस्थापन। भेपथलीन, पिरिडीन भौर क्यूनोजिन

3 भौतिक रत्नायन

ग्रैसों भीर गैस नियमों का गतिक सिद्धान्त । मैक्सबैल का क्षेग विसरण नियम । बानडेरवाल का समीकरण । संगत अवस्थाओं का नियम । गैसों का ब्रावण । गैसों की विशेष ऊष्मा । सी० पी०/सी० वी० का श्रमुपात ।

ऊष्भागतिकी :

कष्मागितकी का पहला नियम । समतापी भीर रहोष्म प्रसार/पूर्ण कष्मा । कष्मा धारिता । कष्मरसायन धभिकिया । कष्मा; विरचन, विलयन भीर वहन । धाबन्ध कर्जा की गणना । किरखोफ समीकरण ।

स्थतः प्रवर्तित परिवर्तन का भानदण्ड । ऊष्भागतिकी का दूसरा नियम एन्ट्रापी । भुक्त ऊर्जा । रासायनिक सन्तुलन का भानदण्ड ।

<u>षोल</u> —पारासरण दाव, बाष्प दाव का कम करना, वाष्पहिमांक धवनयन, क्वथनांक बढ़ाना । योल में धनभार निश्चित करना । विलयों का संगणन ग्रीर वियोजन ।

रासायनिक सम्तुलन । ब्रष्यमान ध्रनुपाती श्रीभिक्रिया श्रीर समागी तथा विषमांगी सन्तुलन । ला-शातेलिए नियम । रासायनिक सन्तुलन पर साप का प्रभाव।

विद्युत रसायन : फेराके विद्याल ध्रापघटन नियम; विद्युत् प्रपघटन की बालकता; तुल्याकी जालकता और सनुता में उसका परिवर्तन, अल्प विलय शवणों की विलयता; विद्युत् प्रपघटनी वियोजन । मोस्टबाल्ड तसुता नियम, प्रधल, विद्युत् भ्रापघटकी की मसंगति, विलयता, गुणनफल, भ्रम्लों भीर सारकों की प्रवस्ता, लवणों का जल भ्रापघटन; हाधकोजन भायन की शाहता, उसय प्रतिरोध किया (बस्तरिकया) सुवक सिद्धात।

उरक्रमणीय सेल । मानक हाइड्रोजन भीर कलोमेल इलक्ट्रोड भीर रेडाक्स विभव । सान्द्रता सेल । पी० एच० का निर्धारण । श्रक्षियमनांक पानी का भायनी गुणनफल । विश्वय मुक्क धनमापन ।

रासायनिक बलगितिकान । अणुसंख्यता और अभिक्रिया की कोटि। प्रथम कोटि की अभिक्रिया भीर दूसरी कोटि की अभिक्रिया । तापमाम अभिक्रिया की कोटि का निर्धारण, अपकान्तिकता सापांक और मिक्रयण कर्जा। अभिक्रिया दरों पर संघट्ट सिद्धांत । सिक्रयित संकुल सिद्धान्त।

प्रावस्था नियम: इसकी शब्दावलियों की व्याख्या। एक श्रीर दो धटक तस्त्र का अनप्रयोग। वितरण नियम।

कोलाइड : कोलाइडी विलयन का सामान्य स्वरूप और जनका वर्गी-करण, कालाइड के विरचन और गुंणों की सामान्य रीति । स्कन्दनरक्षक किया और स्वर्णाक । अधिशोषणु। उत्प्रेरण : समांग श्रीर विषयांग उत्प्रेरण । विषाकतन वर्धक । प्रकाश रसायन : प्रकाश रसायन के नियम । सरुत संख्यात्मक ।

गणित : (कोड : 03)

1 बीजगणित :

समुच्चयों का वीजगणित, संबंध श्रीर फलन, फलन का प्रतिलोभ, संयुक्त फलन, तुल्यता गंबंध; परिमेयमूचकांक के लिये द-मौयवर का प्रमेय श्रीर उसका सरल श्रमुप्रयोग ।

2 मैद्रि<u>सेस :</u> मैद्रिनेस की बीजिशिया, सारणिक सारणिकों के सरल गुण, सारणिकों के गुणतफल, सहखंडज-आर्यूह; मैद्रिनेसों का प्रतिलोधन मैद्रिक्स की जाति । रैखिक समीकरण के हल निकालने के लिये मैद्रिनेसों का अनुप्रयोग (तीन प्रजात संख्याओं में) ।

3 विक्लेपिक ज्यामितिः

ब्रिविम की विश्लेषिक ज्यामिति : सरल रेखाएं, सरल रेखाओं की जोड़ी, वृप्त निकास, परिक्लस दीर्घवृत प्रतिपरिकल्स (मुख्य प्रंशी के संदर्भ में) । द्वितीय श्रंण समीकरण का मानक रूप में लघुकरण । स्पर्णरेखाएं और ग्रमिशंण ।

स्निविम की विक्लेषिक ज्यामिति:

समतल, सीधी रेखाएं भ्रौर गोलक (केवल कार्तीय निर्देशांक)।

4 कलून (केलकुलस) भौर विभिन्न समीकरण:

श्रवकल गणित : सीमान्त की संकल्पना, बास्तविक चर फ़लन का सांतरव श्रोर श्रवकलिनयता, मानक फ़लन का श्रवकलन, उत्तरोत्तर श्रवकलन । रोल का प्रमेय । मध्मामान प्रमेय: मैंक्लारिन श्रीर टेलर सीरिज (प्रमाण) शावश्यक नहीं हैं) श्रीर उनका अनुप्रयोग; परिमेय सूचकांकों के लिए दिपवप्रमरण चर्चातांकी प्रमरण, लबुगणकीय विकोण-वित्तीय श्रीर श्रित-परकलियक फ़लन । श्रीनधीरित रूप । एकल चर फ़लन का उच्चिट श्रीर श्रात्पट्ट, स्पर्णरेखा श्राभ्वसम्ब, श्रध, स्पर्णी, श्रधौलम्ब, श्रनन्तस्पर्शी, वक्तत (केवन कार्तीय निर्देशांक) श्रेने ज्यामितीय श्रनुप्रयोग । एनक्लेप श्रांशिक अवकलन । समीगी फलनों से संबंधित वायलर प्रमेय ।

ममाकलन गणित—समाकलन की मानक प्रणाली । मतन कलन के निश्चित समाकलन की रीमान—परिकाषा । समाकलन गणित के मूल सिद्धान्त । परिणोधन, क्षेद्रकलम, श्रायतन श्रीर परिक्रमण बनाकृति का पृष्टीय क्षेत्रकला। संख्यात्मक समाकलन के बारे में सिम्प्यमन का नियम ।

प्रवकल समीकरण : प्रथम कोटि के मानक श्रयकल समीकरण का हल निकालना । नियम गुणक के माथ द्वितीय और उच्चतर कोटि के रैक्किक ग्रमीकरण का हल निकालना । वृद्धि और क्षय की ममस्याओं का सरल श्रमुप्रयोग, सरल हारमोनिक स्थान्तरण । साधारण वेन्दुलम और समदिण । 5 योतिक (वेक्टर पद्धति का उपयोग किया जा सकता है) ।

स्थिति विकान — समतलीय तथा संगामी बलों की सम्यावस्था की स्थिति । साधारण तस्त्रों के गुरुत्व केन्द्र । स्थितिक घर्षण, साम्यावर्षण धौर नीमान्त घर्षण । वर्षण कोण । इक्ष ग्रानत समतल पर के कण की साम्यावस्था । कल्पित कार्य (वी ग्रायामों में) ।

गति विज्ञानः — ग्**ड** गति विज्ञान — कण का त्वरण, वेग, चाल भौर जिम्यापन, प्रापेधित, वेग। निरन्तर स्वरण की भ्रवस्था में सीधी रेखा की गति। न्युटन गति संबंधी सिडाला। सकेक कक्षा। सरेल असंवदा गित। (निर्धाता स) गुम्बास्था मेगित। श्रावेग कार्य और ऊर्जा रैखिक सवेग श्रीर ऊर्जा के संरक्षण। समान बनुल गति।

6 सांक्यिकी—प्रायिकता—प्रायिकता की शास्त्रीय भीर सांक्यकीय परिभाषा, संच्यात्मक प्रणाली की प्रायिकता का परिकलन, योग एवं गणन प्रण्यम, नप्रतिसंध प्रायिकता । याद्विष्ठक चर (विविक्त और क्रविरत), धनत्व पक्षन, गणितीय प्रत्याशा । मानक वितरण : द्विपद वितरण, परिभाषा, माध्य और प्रमरण, वैषम्य सीमान्त रूप मरल अनुप्रयोग । प्यामी वितरण परिभाषा मध्य और प्रमरण, योज्यता, उपलब्ध श्रांकडों में प्यामी बटन का मधंजन । सामान्य वितरण, सरल समानुपान और मरल श्रनुप्रयोग, उपलब्ध श्रांकडों में सामान्य में प्रमामान्य बंटन का ममंजन ।

हिचर वितरण :—सह संबंध, दो चरों का रैखिक समा श्रयण, सीधा रेखा का समंजन, परवलयिक और चलशानांकी, यक, सह संबंधित गुणांक के गुण।

सरल प्रतिदर्श वितरण ग्रीर परिकल्पनाओं का सरल परीक्षण यादृ-िछक प्रतिदर्श/सांब्यिकी, प्रतिदर्शी बंटन श्रीर मानक स्नृटि। सध्य मदीं के ग्रन्दर की श्रधंवत्ता के परीक्षण में प्रसामान्य टी०, मी० एच० ग्राई० (CHi12) ग्रीर एफ० का सरल विनरण।

टिप्पणी: उम्मीदिवारों को दो विषयों न्नसं० 5 यांत्रिकी श्रौर मं० 6 मांबियकी —में मे किमी एक विषय पर प्रश्नों के उत्तर निखने का विकल्प होगा।

वनस्पति विज्ञान (कोड 04)

- यनस्पति जगत का सर्वेक्षण—प्राणियों और पौधों में अन्तर :— जीवित जीव की विशेषताएं : एक कोशिक और बहु कोशिक जीव : बाइरम धनस्पति जगत के विभाजन का ग्राधार।
- 2 <u>प्राकृति विका</u>नः—(i) एक कोशिका पौधे—कोशिका, इसकी संरचना ग्रीर ग्रन्तर्वेस्तु कोशिकाओं का विभाजन ग्रीर संबर्धन।
- (ii) बहुकोणिक पौधे—प्यसंबहनी और संबहनी पौधों के कार्य में भेद: संबहनी पौधों का बाह्य और आंतरिक आकृति विकान।
- 3 जीवन यृद्धः इन पादप वर्गों के प्रत्येक वर्ष के कम से कम एक पौधे का जीवनवृद्धः—वक्टीरिया, नील रहित भेवाल वर्ग (साइनोफाइसी) क्लोरोफाइसी: भ्या णेवाल वर्ग. कियाफालाल णवाल वर्ग (रोडोफाइसी), पाइकम्पासाइगिटीज, एस्कोमाइसिटीज, बेसिडियमी, कवक, लिवरवर्ट. मासेस; टेरिडोफाइटीज, जिम्नोस्पर्म धीर ऐन्जियोस्पर्म।

निम्नलिखित कृलों के विभिष्ट लक्षण और आधिक महस्थः --ग्रामिन सिटामिन, पामेसी, लिलिएही, आर्किडमी, मोरेसी, लोरेन्येसी;
मनोलिएसी, लारेसी; कृसिकेरी; लगयमिनोसी, क्टेंसी; मीलिएसी; यफोनियासी; एनाकाधिएसी, साववेसी; एसोमाइनेसी; एककलीपिएक्सी; डिप्टोकारमसी; मर्टेसी, श्राग्बेलीफेरी; तुलसीकल (लेबिएटी), सीलेनेसी;
एबिएसी कुकरबिटेरिएसी; बनकिसी और कम्पोजिटी।

- 5 पादप णरीर त्रियानिकान—स्वरोषण, परपोषन, जल ग्रीर पोषक तत्वों का अन्तग्रहण, वाष्पोत्मजैन, प्रकाश संश्लेषण; खिनज पोषण; श्वरान, वृद्धि, जनन, पादप प्राणि संबंध, सहजीयन, परजीविन, इन्जाइम; आक्रियम हारमोन दीप्तिकालिता।
- 6 पारम रोग विज्ञान पौधों की बीमारियों के कारण श्रौर उनके विज्ञार; रोग जांच, वाष्टरस, हीनत, जन्म रोग; प्रतिरोध।
- न पादप परिस्थिति विज्ञान—विशेष रूप से भारतीय पेड़-पौधों श्रौर भारत के बनस्पति क्षेत्रों के संदर्भ में परिस्थिति विज्ञात श्रीर पादप भृगोल से संबंधित श्राधार भृत तत्व।
- 8 <u>मामान्य जीव विक्रान</u>—कोणिका—विज्ञान, श्रान्वणिक विज्ञान पादप प्रजनन मर्ग्नलवाब, संकरध्रीज, उत्परिवर्तन, विकास।
- 9 ग्राधिक वनस्पति विज्ञान—पौधों का विशेषतः ग्रनाओं, दालों, फलों चीनी, स्टार्चे, तिलहनों, ममालों पेय पदार्थों, रेशों लकड़ियों, रबर, ग्रौधिप्रयों ग्रौर वष्पशील तेलों ग्रावि वनस्पति जत्पादों से संबंधित पुष्प पादपों का मानव कल्याण के लिए लाभकारी उपयोग।

10 बनस्पिम विकास का प्रतिहास—वनस्पति विकास संबंधी विज्ञान के विकास की सामान्य जानकारी।

प्राणि विज्ञान : (कोड 05)

प्राणि जगत का प्रमुख समृहों में वर्गीकरण विभिन्न वर्गो में विशिष्ट लक्षण रज्जू रहित (नान कार्डेट) किस्म के गिणियों की बनावट, श्रादतें श्रीर जीवन बना:

भ्रमीया, मलेरिया—-परजीबी।स्पंज, हाड्डा, लिवरफ्तू, फीता, क्रुमि; गोल क्रिमि; केंबुब्रा; जोंक तिलखट्टा।; गृह मक्खी; बिक्टु; ताजे पानीका मस्ल, ताल घोंघा श्रीर स्टार-फिश (केवल बाह्य लक्षण)।

कीटों का आर्थिक महत्त्व । निम्नलिणित कीटों की परिस्थिति और जीवन वृक्ष :---

दीगक; टिड्डी; णहद की मक्खी श्रीर रेशम का की हा। रजजुकी--कम वर्गीकरण।

निम्निशिक्षित प्रकार के रज्जुमान प्राणियों की बनावट ग्रौर तुलनात्मक गरीर :--

बैन्किक्रोस्टोमा; स्कोलिक्रोडान; मेढक; यरोगस्टिक्स या कोई श्रन्म छिपकली (बेरनस का ग्रस्थिपिजर); कब्तर (कृत्र्युट का ग्रस्थिपजर); ग्रौर खरगोश, चृहा या गिलहरी।

मेडक श्रौर खरगोश के संदर्भ में जन्तु कार्य के विभिन्न श्रंगों के ऊतकविज्ञान श्रौर शरीर किया विज्ञान की प्रारम्भिक जानकारी; श्रन्त:--- स्काबी ग्रंथियां श्रौर उनका कार्य।

में बक्त और चूजे के विकास की ६ परेखा, स्पनी जन्तुओं की बनावट और कार्य।

विकास के सामान्य नियम; विविधता; भ्रानुयंणिकता; प्रानुक्लन; प्रनरावर्तन परिकल्पना; मेंडेलीय म्रानुयंणिकता; म्रलियक जनन मौर सैंगिक जनन की विधियां; म्रनिषेक जनन (पार्थनोजेनिमस); कायानरण, पीढी एकान्तरण।

विणेष रूप से भाग्तीय जन्तु समूह के संदर्भ से जन्तुओं का परिस्थितिक भौर भूवैज्ञानिक वितरण।

भारत के बन्य प्राणी जिनमें विषैले और विवहीन सांप भी शामिल हैं। णिकार पक्षी।

भृयिज्ञान_:_(को्ड_06)

सामान्य भृविज्ञानः

पृथवी, की उत्पत्ति, काल और आंतरिक भाग, विभिन्न भृतैज्ञानिक एकें-सियां और स्थलाकृति, अपभय भीर भगरदत्त (इरोजन) पर उनका प्रभाव भृवा के प्रकार, उनका वर्गीकरण भीर भारत के मृवा समृह, भारत के भू श्राकृति उप-भार, वनस्पति और स्थलाकृति, ज्वालामृश्वी, भूकस्प, पर्वत पटलविरपण हैं(डयास्क्रो-फिजम)।

2 सरचनात्मक भृविज्ञान:

आग्नेय, अवसाबी और कायांतरित जर्दानें, निप्त, नितलम्ब और कलान बलन, श्रंग और विषम विन्यास और दग्यांगों पर उनका प्रभाव, भ्वैकातिक सर्वेकण और मानचित्रण की विधियों के सम्बन्ध में प्रारम्भिक जानकारी।

3 क्रिस्टल विज्ञान श्रौर खनिज विज्ञानः

किस्टल समिमिति के बारे में प्रारम्भिक जानकारी। किस्टल विज्ञान के नियम, किस्टल की प्रकृति धीर यभलन (द्रिवनिंग)।

मृज्यय खनिजों, महध्यपूर्ण शैल-रचना, रसायनिक संधिठन, भौतिक गूज, प्रकाशिक गुज, धर्म, परिवर्तन प्राप्ति और वाणिज्यिक उपयोग संबंधी भ्रष्टययन ।

4. आर्थिक मृविज्ञान:

भारत के महस्वपूर्ण खनिजो और उनकी उपस्थिति की अवस्था का अध्ययन । अयस्क निक्षेपों का उद्दशक्ष और वर्गीकरण।

5. शैल विज्ञान:

आग्नेय, अबसादी और का गांतरित चट्टानो तथा उनके उद्भव और वर्गीकरण का प्रारम्भिक अध्ययन । चट्टानों के सामान्य प्रकारों का अध्ययन ।

6. स्तर अम विज्ञानः

स्तर कम विज्ञान नियम : बैज्ञानिक अभिलेखों का अध्य बैज्ञानिक और कालानुकम उप-विभाजन : भारतीय स्तर कम विज्ञान की महत्वपूर्ण विशेष-ताएँ ।

7. जीवाश्म विज्ञान[ः]

जीवारम विज्ञान सम्बन्धी आधार सामग्री का विकास से संबंध, जीवारम (फासिल्म) उनका स्वरुप और परिक्षण की विधि। प्राणी-जीवारमों और पादप-जीवारमों की निरुप आकृत्यों के आकृति विज्ञान और विभाजन की प्रारम्भिक जानकारी।

भूगोल (कोड 07)

- (i) प्रारम्भिक भू-आकृति विज्ञान: सौर मंडल और पृथ्वी का उद्भव, भू-आकृति, भू-लक्षण, प्रारम्भिक, भू-विज्ञान, चट्टानों और सिट्टी का बनाना।
- (ii) जलवायु विकानः जलवायु और इसके तत्व, तापमान वाष आक्रेता पवन पद्धति, चत्रवात और प्रतिचक्षवात का प्रारम्भिक क्रान, दृष्टि पात के प्रकार ।
- (iii) समुद्र विज्ञान: भूमि और जल का वितरण, समुद्र जल का संचालन ज्वार धाराये, लवणता, समुद्रता निक्षेप ।
- (iv) पादप भ्गोल: बनस्पतियों के प्रकार, भौगोलिक पर्यावरण से उनका सम्बन्ध, बन, घाम केमैदान, रेगिस्तान, प्रधान प्राकृतिक क्षेत्र ।
- (v) मानव भूगोल: पर्यंवरण में मानव, मनुष्यं की प्रजातियां, मनुष्य के कार्यंकलाप और जनसंख्या का विभाजन ।
- (vi) आधिक भूगोलः मुख्य वनस्पतियां, पश्, खनिज उत्पादन, उनके वितरण और भौगोलिक पृष्ठ भूमि, उद्योग और उनका स्था-नीकर, कच्चे माल, खाद्याश्र और विनिर्मित माल का अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार।
- (vii) क्षेत्रीय भूगोल :--भारत का विस्तार से और संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन, रुस, चीन, जापान, दक्षिण पूर्वी एशिया, मध्य पृत्रं श्रीलंका वर्मा और पाकिस्तान का सामान्य रुप से ज्ञान ।

अंग्रेजी साहित्य (की 08)

उम्मीदवार को स्पेंसर काल से लेकर महारानी विषटोरिया का मासन समाप्त होने तक के अंग्रेजी साहित्य के इतिहास का सामान्य और निम्न-लिखित लेखकों की फुतियों का विशेष ज्ञान होना चाहिए:—

क्षेक्सपीयर, मिल्टन, जानसन, विकन्स, वर्डमवर्थ, कीट्स, कालर्जिल, टेनिसन और हार्डी ।

भारत का इतिहास (कोड 09)

1600 ई० में लेकर भारतीय गणराज्य की स्थापना तक का भारत तथा इस अवधि में घटित सौविधिक प्रगति ।

टिप्पणी—-इस विषय में उम्मीदवारों को भूगोल के उस पक्ष का भी ज्ञान होना चाहिए जिसका सर्वध शितहाम से होता है। किसी अवधि के प्रारम्म होने की यदि कोई निश्चित तारीख दी आए तो उम्मीदवारों को सामान्य रूप से यह भी जानना चाहिए कि हम प्रारम्भिक स्थिति तक किस प्रकार पहुंची हैं।

भामान्य अर्थशास्त्र (कोड 10)

उम्मीदवारों को अर्थणास्त्र के सिद्धांत का ज्ञान होना चाहिए और उनकी तथ्यों की महायता से सिद्धांत का निरुपण करना और सिद्धांत के आक्षार पर तथ्यों का विश्लेषण करना दोनों आना चाहिए। भारत और इंग्लैंड के आर्थिक इतिहास और उन देशों की आर्थिक स्थिति का कुछ ज्ञान भी होना चाहिए।

राजनीति विज्ञान (कोड 11)

उम्मीदवारों को राजनीति विकास और उसके इतिहास का ज्ञान होना चाहिए । राजनीति विज्ञान का ज्ञान केवल विधि-निर्माण के सिद्धांत के रुप में नहीं, बरेन राज्य के सामास्य सिद्धांत के रुप में भी होना चाहिए। सांविधिक शासक के प्रकारों (प्रतिनिधि सरकार संघवाद आदि) और लोक प्रशासनकेन्द्रीय और स्थानीय—पर भी प्रशन पूछे आएंगे उम्मीदवारों को वर्तमान संस्थाओं के उद्भव और विकास का भी ज्ञान होना चाहिए ।

समाज विज्ञान (कोड 12)

समाज विज्ञान की प्रकृति और क्षेत्र: समाज का अध्ययन, समाज विज्ञान और अन्य सामाजिक विज्ञानों से उनका संबंध।

मूल घारणाएं: महत्व एवं कार्य, प्राथमिक एवं गौण वर्ग, सामाजिक गंस्थाएं सामाजिक संरचना, सामाजिक नियन्त्रण एवं अपवर्ती, मामाजिक इन्द्र, मामाजिक परिवर्तन:---

मूल सामाजिक सरचनाए एवं संस्थाएं, विवाह, परिवार एवं रिफ्तेदारी राजनीति संस्थाएं; धार्मिक संस्थाएं; सामाजिक स्तरण-जाति वर्ग एवं वंग । ﴿

वासीवरण, समाज एवं संस्कृति: भारतीय समाज विकास, जाति एवं जाति वाद; परिकार एवं रिक्नेदारी, ग्राम समाज आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन ।

मनोविज्ञान (कोड 13)

मामास्य मनोवि**हा**म

भनोबिज्ञान की परिभाषा और विषय-वस्तु, मनोबिज्ञान की पद्धतियाँ, अनुकूलन एवं आचरण क्रियाविधि की भवधारण; भाचरण का शरीर शास्त्रीय आधार।

- (क) अभिग्राहक, चाक्षुष, एवं श्रवन संबंधी, (का) नाडी तन्त्र की सामान्य रूप रेखा
- (ग) कारक—मांसपेशियां एवं ग्रंथियां :—

मानव विकास के सरवे—-आनुवंशिकता एवं पर्यावरण, परिपक्वता एवं शिक्षा प्राप्ति ।

अभिन्नेरणा एवं मनोवेग---उनकी प्रकृति, किस्म और विकास । प्रत्यक्ष काम एवं उनकी प्रकृति---रूप रंग और स्थान ।

प्रक्षियम—उसकी प्रकृति, अनुकलन, अन्तदृष्टि और प्रयस्त बूटि । अधिगम तथा स्मरण शक्ति और विस्मरण प्रक्रियाओं को प्रमावित करने वाले तत्व, स्मरणें करने की सफल विधियां ।

चिन्तम और तर्के।

प्रज्ञा और योग्यताएं—- उनकी प्रकृति और मापन । व्यक्तिस्थ--प्रकृति निर्धारक भौर मापन ।

असामान्य मनोविज्ञान

असामान्य, आचरण--अवधारणा और कारण। कुंठा और इन्द्र, रक्षात्मक गुक्ति।

मनोबैज्ञानिक विकार—भनस्ताप एवं भनोविकिति, व्यक्तित्व एवं ननो-शारीरिक विकार।

मानसिक विकार के उपचार का सामान्य शाम-मनोरोग चिकित्सा ।

15-86GI/79

सामाजिक भनोविज्ञान

समृह प्रतिकियाएं—व्यक्ति ग्रौर समूह, नेतृत्व, मनौबल एवं भीड़ का व्यवहार

प्रचार भौर मनोविज्ञानिक युद्ध।

बुद्धि तथा व्यक्तित्व परीक्षण

उम्मीववारों की बुनियादी बुद्धि की जांच करने के लिए साक्षारकार के भ्रतिरिक्ट मौखिक तथा लिखित बुद्धि परीक्षा ली जाएगी। उनके ग्रुप परीक्षण भी किए जाएगें जैसे ग्रुप परिचर्चा, ग्रुप योजना, बहिरंग ग्रुप कार्यकलाप तथा उन्हें तिर्दिष्ट विषयों पर संक्षिप्त व्याख्यान देने के लिए कहा जाएगा। ये सभी परीक्षा उम्मीदवारों की मेघाणिकन की जांच के लिए हैं। मौटे तौर पर ये परीक्षण वास्तव में न केवल उसके बौदिक ग्रुणों की जांच के लिए हैं भ्रपितु इससे उनकी सामाजिक विशेषनाभ्यों तथा सामयिक घटनाभ्यों के प्रति दिलचस्पी का भी पता चलेगा।

परिशिष्ट II

(म्रकादमी स्कूल में प्रवेश के लिए स्वास्थ्य का मानक)

टिप्पणी—उम्मीदवारों को निर्धारित स्वास्थ्यना मानक के श्रनुसार शारीरिक रूप से स्वस्य होना चाहिए। स्वस्थ्ना संबंधी मानक नीचें बताए गए हैं।

बहुत से आहेताप्राप्त उम्भीवकार बाद में अस्वस्थता के आधार पर अस्वीकृत कर दिए जाते हैं। अतः उम्भीवकारों के अपने हिन के लिए सलाह दी जाती है कि अन्त में निराशा से बचने के लिए उन्हें अपना आवेदन पव भेजने से पहले अपने स्वास्थ्य की जांच करा लेनी चाहिए।

सेवा चयम बोर्ड द्वारा अनुशासित बहुत से उपयक्त उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा सेना के डाक्टरों के बोर्ड द्वारा की आएगा। जो उम्मीदवार सेडिकल बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित नहीं किया आएगा। उसकी प्रकादमी या स्कूल में प्रवेश नहीं दिया आएगा। सेना के बाक्टरों के बोर्ड द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा कर लिए जाने का अर्थ यह नहीं द्वारा कि या नहीं निकाला आएगा कि उम्मीदवार अंतिम स्थ से चुन लिया गया है। मेडिकल बोर्ड की कार्यवाही गुप्त होती है जिसको किसी को नहीं बताया जा सकता। अनुप्युक्त या अस्थायी रूप से अनुप्युक्त बोर्षित उम्मीदवारों का परिणाम उम्हें स्वस्थता प्रमाण-पत्न तथा अपील प्रस्तुत करने की कार्यविधि के साथ स्वित कर दिया जाता है। मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा मेडिकल बोर्ड के परिणाम से सम्बद्ध कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को भ्रपने हिंत में परामर्ग है कि यदि उनकी दृष्टि श्रपेक्षित स्तर की न हो तो सेना चयन बोर्ड हारा साक्षात्कार स्वास्थ्य-परीक्षा हेतु बुलाए जाने पर उन्हें भ्रपने माथ संगोधक ऐनक लानी चाहिए।

- 1 श्रकावमी/स्कूल में प्रवेश के लिए उस उम्मीववार को ही योग्य समझा जाएगा जिसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक होगा और जिसमें कोई ऐसी ध्रशक्तता नहीं होगी जिससे कुशलतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।
 - 2 किन्तु निम्निखित बातों के विषय में तसल्ली कर ली जाएगी:
 - (क) कमजोर गरीर गटन, भ्रपूर्ण विकास, गम्भीर कुरचना या स्यूलसा तो नहीं है।
 - (ख) हिंधे अयों भीर सन्धियों का कुविकास तो नही हुआ है भीर उन में किसी प्रकार की कीणता तो नही हो गई है।
- टिप्पणी— _आल्पर्याधत ग्रंब पशुका वाल उम्माववारों को भी स्वस्थ माना जा सकता है यदि उसमें उक्त रोग के लक्षण न हों। तथापि चिकित्सो बोर्ड की कार्यवाही में ^{इस} दोष का उस्लेख छोटी-मोटी अशक्तता के रूप में कर दिया जाएगा।
 - (ग) बोलने में तो बाधा नहीं पड़ती ^{है}।
 - (ष) सिर की सरचना में तो दोष नही हैया खोपड़ी की छड़ी टूटने से या दबने से विरुपता तो नहीं आ गई है।

- (क्र) कम सुनाई तो नहीं पड़ता है। कोई कान वह तो नहीं रहा है या रोगप्रस्त तो नहीं है । टिम्पिनिक मेम्क्रेन में कच्चा जबम तो नहीं है या उग्न या पुराना मध्य कर्ण शोध के चिन्ह तो नहीं है या श्रामूल या संशोधित श्रामूल कर्ण तो नहीं हुआ है।
- टिप्पणी: यवि काल के पर्दे का छेद पूरी तरह से भरा गया हो, इसको भौर क्षति न पहुंची हो तथा सुनाई ठीक पड़ना हो तो इस श्रवस्था को थल सेना के लिए उम्मीदशार की स्वीकार करने में बाधक नहीं समझना चाहिए।
 - (च) नाक की हड़ी या उपास्थि का कोई रोग तो नहीं है या नोज पालिपस तो नहीं है प्रथंका नासाप्रसनी या सहायक कोटरी का कोई रोग तो नहीं है।
- टिप्पणी ---नासा पट के छोटे भ्रलकाण ऊबधातज छेद के कारण उम्मीद-बार को एक दम श्रस्त्रीकृत नहीं किया आएगा घरन् ऐसे मामलों की जांच भौर मत के लिए कर्ण विक्रान मलाहकार के पास भेजा जाएगा।
 - (छ) गर्दैन या शरीर के अन्य भागों की ग्रंथिया बढ़ी हुई तो नहीं हैं और साक्षराक्षक ग्रंथि सामान्य है।
- टिप्पणी पेदिक की ग्रथियों को हटाने के लिए किए गए आपरेशन के निशान उम्मीदवार की अस्वीकृत का कारण नहीं बन सकते हैं बंशर्ते कि गत 5 वर्षों में सकिय रोग न हुआ हो हो छाती लाक्षणिक जांच तथा एक्सरे करने पर रोग मुक्त पाई जाए।
 - (ज) गले तालू, टोंनिल या मसूड़ों का को रोग नहीं है तथा किसी भी चिम्बकी संधियों की सामान्य किया पर प्रभाव डालने वाली कोई बीमारी या चोट तो नहीं है।
- टिप्पणी ⊶-यदि बार-बार टोंसिल शोध होने का कोई वस न हो तो टोंसिलों की मतिबृद्धि मस्वीकृति का कारण नहीं होती।
 - (स) हृदय नथा रक्त बाहकाधों का किया सम्बन्धी या ग्रग रोग के लक्षण तो नहीं है।
 - (ण) फोफड़ों की तपेदिक या इस बीमारी का पृषंदृत्र या पेपड़ों की कोई जीणें बीमारी का प्रमाण तो नहीं है।
 - (ट) जिगर स्पीर तिल्ली की किसी विलक्षणता सिंहत पाचक तन्त्र के किसी रोग का चिन्ह तो नहीं हैं।
 - (ठ) बक्षण हर्निया तो नहीं है या उसके होने की प्रवृत्तियां तो नहीं हैं।
- टिप्पणी ——(i) वक्षण हरिया (जिसकी शस्य चिकित्सा न की गर्ड हो), ग्रस्वीक्षत का कारण होगा।
 - (ii) जिनका हर्निया का भाषरेशन हो चुका है उन्हें शारीरिक इन्य से स्थस्य माना जाएगा वशर्ते कि:
 - (i) भ्रापरेशन द्वेष एक वर्ष व्यतीत हो गया हो। इसके सिए उम्मीववार को लिखित भ्रमाण प्रस्तुत करना होगा।
 - (ii) पेट की पेशी समूह सामाध्यता ठीक है।
 - (iii) हर्निया की पुतरावृत्ति महीं हुई है, या इसकी शस्य चिकित्सा से संबंधित कोई जलझन पैदा नहीं हुई।
 - (i) हाइड्रोसिल या निश्चित बरिकोसील या जननेद्रियों का श्रन्य कोई रोग या खराबी तो नहीं है।
- ह्यान दें --- (ii) यदि हाइड्रोसील के झापरेशन के बाद कोई रण्जू झौर द्याण्ड ग्रंथियों की विलक्षणताएं न हों झौर फाइलेरिया सिस का प्रमाण न हो तो उम्मीदवार को स्वीकार कर लिया जाएगा।

- (ii) यदि एक घोर की धन्ततः उक्रीय ग्रन्ड ग्रन्थि घारोडी हो तो इस घाधार पर उम्मीवनार को ग्रस्थीकार नहीं किया जाता बगर्ते कि दूसरी ग्रन्डग्रंथि धसामान्य हो तथा इस ग्रारोही ग्रन्डग्रंथि के कारण गारीरिक या मनो वैज्ञानिक कुप्रभाव न हो। बदि ग्रारोही ग्रन्डग्रंथि वंक्षण निलका में भवना उक्रीय विकय में रकी हो ग्रीर ग्रापरेशन से ठीक न हो सकती तो इस स्थिति से उम्मीववार की स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- (क) फिस्टुला भीर या गुदाका विदर या बवासीर के मस्से तो नहीं है।
- (ण) गुदौं को कोई बीमारी तो नहीं है। श्लुकोजमेह या एलभ्यु-मिन मेह के सभी रोगी अस्बीकृत कर दिए जाएँगे।
- (त) प्रस्थायी प्रथवा मामूली क्षत चिह्नों को छोड़कर कोई ऐसा चर्म रोग तो नहीं है जिसके प्रचार अथवा स्थिति के कारण उम्मीदवार में प्रशक्तता या बहुत प्रधिक कुकपता था गई हो या भाने की संभावना हो। उसी उम्मीदवार को इसी भ्राधार पर प्रस्कीकार किया जाएगा।
- (थ) कोई सिकिय गुप्त या जन्मजात रित्तज रोग तो नहीं है।
- (व) उम्मीदवार या उसके परिवार में मानसिक रोग का कोई पूर्व वृत या प्रमाण तो नहीं है। जिन उम्मीदवारों को मिनीं ग्राती हो, जिनका पेशाब वैसे ही या नींद में निकल जाता हो उन्हें स्वीकार नहीं किया जाएगा।
- (ध) भगापन या भ्रांत्व या पलकों की ऐसी त्रिकृति तो नहीं जिसकें बढ़ने या दुबारा होने का खतरा हो सकता है।
- (न) सिक्रिय रोहे (द्रैकोमा) या इसकी जटिलताए तथा श्रनुप्रभाव तो नहीं है ।

टिव्पणी-- ब्रुलाज के लिए प्रापरेशन प्रवेश से पूर्व करवाए जाएं। प्रान्तिम ह्रुप में स्वीकार किए जाने की गारन्टी नहीं टी जाती है तथा उम्मीदवारों को यह स्पष्टलया समझ लेना चाहिए कि भया प्रापरेशन वांछनीय है या भावस्थक है इस बात का निर्णय उनके निजी चिकिरसा सलाहाकर को ही करना है। आपरेशन के परिणाम भयवा किसी और खर्च का वायिस्व परकार सपने ऊपर नहीं लेंगी।

कद, बजन तथा छाती के मापों के लिए मानक:

(क) कव:

- (i) उम्मीदवार के कद का नाप उसे मापवण्ड के सामने दोनों पर मिलाकर खड़ा करके ली जाएगी । उस समय बजन एड़ियों पर होना चाहिए जे पर या पांच के बाहरी पाश्वीं पर नहीं । वह बिना प्रकड़े इस प्रकार सीधा खड़ा होगा कि उसकी एड़ियां, पिडलियां नितम्ब ग्रीर कन्धे मापवण्ड के साथ लगे होंगे उसकी ठोड़ी नीचे की ग्रीर रखी जाएगी नाकि सिर का स्तर ग्राड़ी छड़ के नीचे ग्रा जाए। कद सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा । 0 · 5 सेंटीमीटर से कम वणमलन भिन्न की प्रपेक्ष की जाएगी 0 . 5 सेंटीमीटर का इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0 . 6 सेंटी मीटर या उससे ग्राधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा
- (ii) उम्मीववार के लिए न्यूननम स्वीकार्य 157.5 सेंटीमीटर (नौमेना के लिए 157 सेंटीमीटर) है किन्तु गोरखा, निपाली, प्रसमिया, गढ़वाली उम्मीववारों के लिए नी के (ख) (i) में वी गई उससे संबंधित सारुणी में दिए गए कद से 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है। मणिपुर, नेफा, मेघालय और क्रिपुरा के नौसेना के उम्मीदवारों के मामने में न्यूननम कद 5 मेंटीमीटर क्रीर लक्षद्वीप के उम्मीववारों के मामले में कद 2 मेंटीमीटर कम कर विया जाएगा।

(আঃ) অবেদ:

(i) उम्मीववार का कजन पूरी सरह से कपड़े उसरता कर या केवल जांचिया के साथ लिया जाएगा । वजन करते समय 1/2 किलोग्राम का रिकार्ज नहीं किया जाएगा । माय, कव तथा झौसत वजन विषय पर परस्पर संबंधी सारी मार्गवर्शन के लिए दी जा रही हैं:

ापछक्ष जन्म विवस को :::	बिना जूतों के ऊंचाई	वजन	
ूमाय •		भौ सत	
		न्यूनतम	म धि कतम
11	2	3	4
वर्ष	संटीमीटर	 किलोग्राम	किलोग्राम
17 से 18	157,5 तथा 165.0 से कम	43.5	55.0
तक	165.0 तथा 172.0 से कम	48.0	59. 5
	172,5 सथा 183.0 से कम	52.5	64,0
	183.0 तथा इससे भक्षिक	57.0	
19	160.0 तथा 165.0 से कम	44.5	56.0
	165.0 तथा 172.5 से कम	49.0	60.5
	172.0 तया 178.0 से कम	53.5	65.0
	178,0 तथा 183.0 से फ म	58.0	69.5
	183.0 तथा इससे भ्रधिक	62.5	-
20 सथा	160.0 तथा 165.0 से कम	45,5	56.5
स्रधिक	165,0 तथा 172,5 से कम	50.0	61.0
	172. 5 तथा 178. 0 से कम	54,5	66.0
	178,0 तया 183,0 से कम	59.0	50.5
_	183.0 तथा इससे श्रधिक	63,5	

केवल नौसेना के लिए

कद भीर बजन

भाय

सटीमीटरो में ऊंचाई		18 वर्ष	20 वर्ष	22 वर्ष			
				कि० ग्रा० में घजन ंुं∯			
157				47	49	50	
160	•			48	50	51	
162		•		50	52	53	
165				52	53	5.5	
168				53	55	57	
170		-		55	57	58	
173			-	57	59	60	
175				59	61	62	
178		-		61	62	63	
180				63	64	65	
183		-		65	67	67	
185				67	69	70	
188	,			70	71	72	
190	•			72	73	74	
193				74	76	77	
195				77	78	78	

(ii) कद तथा घाय के संबंध में वजन का ठीक-टीक मानक निश्चित करना संभव नहीं है। श्रतः परस्पर संबंधी सारणों केवल निर्देशिका मान्न है तथा सभी मामलों में क्षागू नहीं की जा सकती है। सारणी में दिये गये औसत वजन से 10 प्रतिशत (नीसेना के मामले में 6 कि० प्राम कम-ज्यावा) होने पर उसे वजन की सामान्य सीमा के प्रन्तर्गन माना जाना है। ऐसा भी को सकता है कि कुछ व्यक्तियों का वजन उपर्धुक्त मानक से माधिक हो किन्तु शरीर के सामान्य गठन की वृष्टि से वे सभी प्रकार से योग्य हो सकते हैं। ऐसे व्यक्तियों के प्रक्षिक अजन का कारण भारी हिंहुयों और पेशीय विकास हो सकता है न कि मोटापा। इसी प्रकार जिसका बजन मानक से कम हो उसके बारे में भी उपर्युक्त सारणी मानकों के पूरी तरह पालन की अपेक्षा उनका सामान्य शरीर गठन भीर धानुपातिक विकास की कसौटी होना चाहिए।

(ग) छाती:—छाती भली प्रकार विकतित होनी चाहिए प्रीर फैलाने पर न्यूनतम फैलाक 5.0 सेंटीमीटर होना चाहिए । उम्मीदवार की छाती का नाप लेते समय उसे इस प्रकार सीधा खड़ा किया जाए कि उसके पांव जुड़े हों भीर उसकी बाहें लिर के ऊपर उठी हों । फीते को छाती के गिर्व इस प्रकार से लाया जायेगा कि पीछे की घोर उसका ऊपरी किनारा प्रफसलकों (शोल्डर क्लेड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर ऐंगिल्स) के साथ लगा रहे घौर इसका निचला किनारा सामने चूचकों के ऊपरी घाग से लगा रहे । फिर बाहों को नीचा किया जाएगा धौर उन्हें शरीर के साथ लटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कंधे उठे या पीछे की घोर सुके न हों जिमसे कि फीता हट आए, जब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जाएगा और छाती का प्रधिकतम तथा न्यूनतम फैलाव सावधानी से लिख लिया जाएगा। धिक्रकम तथा न्यूनतम फैलाव सांटीमीटर में रिकार्ड किया जाएगा जैसे 84/89, 86/91 इस्यादि।

नाप को रिकार्ड करते समय 0.5 सेंटीमीटर से कम दशमलव भिन्न की उपेक्षा की जाएगी तथा 0.5 सेंटीमीटर को इसी रूप में रिकार्ड किया जाएगा तथा 0.6 सेंटीमीटर या इससे प्रधिक को एक सेंटीमीटर के रूप में रिकार्ड किया जाएगा।

नौसेना के लिए---छाती का एक्सरे प्रनिवार्य है।

4. दातों की हालन

इस बात को सुनिश्चित कर देना जाहिए कि प्रवाने का काम प्रच्छी तरह करने के लिए प्राकृतिक तथा मजबूत दौत काफी संख्या में हो।

- (क) स्वीकृत होने के लिए यह भाषण्यक है कि उसने दांतों के लिए कम से कम 14 ज्याइंट प्राप्त किये हों। किसी भी व्यक्ति के दांतों की हालत का पता लगाने के लिए परस्पर धच्छी तरह सटे और दूसरे जबड़े के धनुरूप दांतों को निम्न प्रकार ज्याइंट दिये जाएंगे:--
 - (i) बीच के काटने वाले दांत, बगल के काटने वाले दांत, रवनक प्रथम तथा द्वितीय छोटी दाढ़ तथा कम विकसित तृतीय बड़ी दाढ प्रत्येक के लिए एक-एक वाइंट।
 - (ii) प्रथम तथा द्वितीय बड़ी दाक तथा पूर्णतया विकसित तृतीय बड़ी वाढ़ के लिए दो-दो प्लाइंट।

पूरे 32 दांत होने पर कुल 22 प्लाइट दिए जाएंगे।

- (ख) प्रत्येक जबड़े के निम्नलिखित दांत एक दूसरे से इस प्रकार सटे हुए हों कि उनसे अच्छी तरह काम लिया जा सके :---
 - (i) आगे के 6 में से कोई 4 दान।
 - (ii) पीछो के 10 में से कोई 6 दांत।

टिप्पणी:--जित उम्मीदवारों के नकली दांत अच्छी तरह लगे हों उन्हें कमीशन के लिए स्वीकार कर लिया जाएगा।

(ग) सीन्न पायरिया वाले उम्मीववार को स्वीकार नहीं किया जाएगा। जिस उम्मीववार का पायरिया दंत श्रीवकारी की रात्र में विना वांत निकाले भ रेडा किया जा सकता है उसे स्वीकार किया जा सकता है।

(5) बुष्टिमानक (थलसेना)

·						
				भ्रच	তী মাৰ	खराब भ्रोख
	— की	— – नजर — –	(चण्मा लगाकर)		6/6	6/18
	_					

निकट दृष्टि (मायोपिया) जिसमें व्यक्त ग्राबिन्दुकता (एस्टिंगमेंटिजम मैनीफस्ट) सम्मिलित — 3.5 ढी० से घषिक नहीं । दीर्घ दृष्टि (हाइपर-मेट्रोपिया) जिसमें ग्रबिन्दुकता (एस्टिंगमेंटिजम) सम्मिलित है + 3.5 की० से ग्रधिक नहीं।

<u>टिप्पणीः 1. फेरब्स अथा मीडिया स्वस्य तथा सामान्य सीमा में होता</u> चाहिए।

- वर्षीन निकट दृष्टि के मूचक विटियमम या कोरियोरेटिना के म्रानावम्यक न्यपगनन चिल्ल न हों।
- दोनों भांखों में द्विनेत्री (वाक्ष्तोकुलर) दृष्टि संयमित भावित भौर पूर्ण दृष्टि क्षेत्र होना चाहिए।
- 4. कोई ऐसा ध्रांगिक रोग नहीं होना चाहिए जिसके प्रकोपन भ्रथवा खराब होने की संभावना हो।

निकट वृष्टि (मायोपीया)

किसी भी एक मैरेडियम में 0.5 डायोप्ट्रेस मधिक नहीं होना चाहिए।

बिनेन्नी पृष्टि—उम्मीदवार की बिनेन्नी दृष्टि ठीक होनी चाहिए। (दोनों प्रांखों में प्यूजन फैकस्टी और पूर्ण दृष्टि क्षेत्र होना चाहिए)। रंग का प्रत्यक्ष शान।

जिन उम्मीयवारों को प्रश्नोपितान्यूनतम वर्ण प्रवगम मानक सी० पी० 3 (सदीप सुरक्षा) न होता हो उन्हें प्रयोग्य माना जाएगा:--

सी० पी०-3 (सदो सुरक्षा)—जम्मीदवार इस योग्य न हों कि बे 1.5 मीटर की दूरी से सफेद, संकेत लाल भौर संकेत हरे रंगों को ठीक प्रकार से पहचान सकों जैसा कि मार्टिन लैंटर्न में दिखाया गया है या इशिहारा बुक/टोकियो मैंडिकल कालिज बुक की भ्रपेक्षिन प्लेटों को पह सकें।

दृष्टि मानक (नौसेना)

(क) दृष्टि तीक्षणना	मानक ।	
दूर की नगर	ग्राच्छी मांख बी 6/6	खराब भाख वी० 6/9
	चंग्मा — — — —	स हित 6/6

(i) नौसेना वृष्टिमानक 1:

कार्य-पालक शाखा के उम्मीदवार वश्मा नहीं लगायेंगे लेकिन नौसेना मुख्यालय की अनमति से इस मानक में बील दी जा सकती है। इंजीनियरी, इलेक्ट्रिकल सप्लाई और सिंबवालय शाखा के सब प्रकार उपयुक्त उम्मीदवारों के मामले में 6/18, 6/36 तक बील दी जाए बणर्से कि वश्मा चढ़ाने पर दृष्टि 6/6 हो।

(ii) विशेष श्रपेक्षाएं:

सामान्यतः नौमेना की सभी शाखाओं के कैंडेटों/डाइरेक्ट ऐट्टी अफसरों को राजि बृष्टि तीक्ष्णता के बास्ते डेलाकासा की जांच नहीं की जाएगी और स्वास्थ्य परीक्षा के समय उनमें निम्नलिखित प्रमाण पन्न देने के लिए कहा जाएगा जो मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के माथ नत्थी कर दिया जाएगा:

"मैं प्रमाणित करता हूं कि मुझे रतीं घी नहीं है और जहां तक मेरी जानकारी है मेरे परिवार के किसी मदस्य को भी जन्म से रतीं घी नहीं है।"

विकित्सा श्रिधकारी के प्रति हस्ताक्षर जम्मीदवार

'ग का प्रत्यक्ष ज्ञान

नेस विचलन प्रवित मेडोक्स राज/विगटेस्ट के माथ (बशर्ते कि ग्राभ-सरण दोष तथा ग्रन्य रोग लक्षण न हो) निम्नलिखित से प्रधिक नहीं होनी चाहिए:---

(क) 6 मीटर की दूरी से		
एक्सोफोरिया .	৪ গ্লিজ্য	डायोप्टर
इंसोफोरिया	८ प्रिज्म	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	हायोप्टर
(ख) 30 सें० मी० की दूरी से		
इसोफोरिया	6 प्रिज्म	डायोप्टर
एक्सोफोरिया	1 6 प्रि ज्य	डायोप्टर
हाइपरफोरिया	1 प्रिज्म	डायोप्टर
	कार्यान् <mark>वित</mark> स	तर
•	(होमाद्रोपिना	के धन्तर्गत)
		सही श्रास
र दृष्टिता की सीमा		

दूर	বু	ष्टता	का	सा	मा

	यामसम्बद्धारस
•	(होभाद्रोपिना के भन्तर्गत)
	सही श्रीख
टता की सीमा	`
दू रदृष्टिता	1 , 5 डायोप्टर
साधारण दीर्घ वृष्टिता वैषम्य	0.75
-	दीर्घं दूरिष्टला मर्रिडयन का
	वोष
संयुक्त दीर्घ दृष्टिता वैधम्य	1.5 डायोप्टर से प्रधिक
	नहीं होना चाहिए इसमें से
	0.75 डायोप्टर स भ्रधिक
	दृष्टि वैषम्य के कारण नहीं
	होना चाहिए।
दूरदृष्टिता	सबर्सखराव मांख 2.5
,	डा योप्ट्रेस
साधारण दूरदृष्टिता वैथम्य	1.5 डायोप्ट्रेस
संयक्त दूर दृष्टिता वैषम्म	दूरदृष्टिसा वैषम्य बोष
	2.5 बायोप्ट्रेस से अधिक
	नहीं होना चाहिए,
	इसमें से 1.00 डायोप्ट्रेस
	सं ग्राधिक वृष्टि वैषम्यके
	कारण नहीं होना चाहिए

6. श्रवण मानक

श्रवण परीक्षानाक परीक्षण द्वारा की जाएगी। अही भावश्यक होगा श्रात्यता मापी (भ्राडंयोमैदिक) रिकार्ड भी ले लिए जाएंगे।

- (क) बाक् परीक्षा:-- उम्मीदबार को जो कि एक उचित ढंग से शान्त कमरे में परीक्षण की मोर पीठ करके 609.5 सेंटीमीटर की दूरी पर खड़ा हो प्रत्येक कान से फुसफुसाहट की ब्रायाज सुनाई पड़नी चाहिए। परीक्षक को प्रविशाण्ट नायु से फुसफुसाना चाहिए प्रयात् यह साधारण निःश्वास धन्त में क्षेगा।
- (ख) अव्यता मितिक रिकार्ड:—-उम्मीदवार को प्रत्येक कान से 128 से 4096 साइकल वृति सैकिन्ड की ग्रावृत्ति पर सुनना चाहिए। (श्रत्यता-मितिक पाठ्यांक + 10 तथा--10 के बीच होना चाहिए) (नी सेमा के लिए लागू नहीं है)।

परिकाष्ट 111

सेवा श्रादि के संक्षिप्त श्रिवरण नीचे दिए गए हैं-मारतीय सेना अकादमी देहरादून में प्रवंश लेने वाले उम्मीवारी के लिए:--

- 1. भारतीय सेना धकावमी में भर्ती करने से पूर्व :---
 - (क) उसे भाशय का प्रमाण पत्न देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप यदि उसे कोई, बोट, लग जाए या ऊपर मिदिष्ट किसी कारण से या

- धन्यथा आवश्यक किसी सर्जिकल आपरेशन या संबेदनाहरण दावा के परिणामस्वरूप जसमें कोई शारीरिक श्रणकाता था जाने या उसकी मृत्युहो जाने पर वह या उसके वैध उत्तराधिकारी को भरकार के विरुद्ध किसी मुख्रावजे या प्रन्य प्रकार की राहत का दावा करने का हक न होगा।
- (ख) उसके माता-पिता या संरक्षक को इस भाषाय के बन्ध-पन्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि यदि किसी ऐसे कारण से जो उसके नियंत्रण में समझे जाते हैं, उम्मीदवार पाठ्यक्रम पूरा श्रोने से पहले वापस आना चाहता है या कमीशन भ्रस्वीकार कर देता है तो उस पर शिक्षा शुल्क, भोजन, वस्त्र पर किए गए क्यम तथा दिए गए बेतन भौर भत्ते की कुल राशि या उतनी राशि जो सरकार निश्चित करे उसे वापस करनी होगी।
- 2. श्रीतम रूप से भूने गए उम्मीदवारों को लगभग 18 महीनों का प्रशिक्षण विया जाएगा। इन उम्मीदवारों के नाम सेना अधिनियम के अधीन "जेन्टलमैन कैंडेट' के रूप में दर्ज किए जाएंगे । जैन्टलमैन कैंडेट पर साधारण अनुशासनारमक प्रयोजनों के लिए भारतीय सेना प्रकादमी के नियम श्रीर विनियम लागू होंगे।
- यद्यपि , ग्रावास, पुस्तकें, वर्दी, बोडिंग भौर चिकित्सा महित, प्रशिक्षण के खर्च का भार सरकार वहन करेगी लेकिन यह धाशा की जाती है कि उम्मीदबार अपना खर्च खुद बर्दास्त करेंगे। भारतीय सेना श्रकादमी में (उम्मीदवार का न्युनतम मासिक व्यय 55.00 रु० से अधिक होने की संभावना नही है) । यदि किसी कैंडेट के माता-पिता या संरक्षक इस खर्च को भी पूरा या मांशिक रूप में बर्बास्त करने में ग्रसमर्थ हों तो सरकार द्वारा उन्हें वित्तीय महायता दी जा सकती है। लेकिन जिन जम्मीदवारों के माता-पिता या संरक्षक की मासिक माय 450.00 रुव्या इससे अधिक हो, वे इस वित्तीय सहायता के पाद नहीं होंगे विसीय सहायता की पावता निर्धारित करने के लिए प्रचल सम्पत्तियों और सभी साधनों से होने वाली भ्राय का भी ध्यान रखा जाएगा।

यदि जम्मीदयार के माता-पिता/संरक्षक किसी प्रकार की वित्तीय महायता प्राप्त करने के इच्छक हों तो उन्हें भ्रपने पुन्न/संरक्षित के भारतीय सेना प्रकादमी में प्रशिक्षण के लिए श्रन्तिम रूप से चुने जाने के पुरस्त बाद अपने जिले के जिला मिजिस्ट्रेट के माध्यम से एक यावेवन-पन्न देना चाहिए जिसे जिला मिजिस्ट्रेट अपनी भ्रनुभन्सा सहित भारसीय सेना भ्रकादमी, देहरादून के कमाण्डेट को श्रयेषित कर वेगा।

 भारतीय सेना अकादमी में प्रशिक्षण के लिए अन्तिम रूप से चुने गए जम्मीदवारों को भ्राने पर, कमाण्डेंट के पास निम्नलिखित राशि जभा करानी होगी:--

(क) प्रतिमास 55.00 के हि्साब से पांच महीने का ओब खर्च	275.00
(ख) वस्न तथा उपस्कर की मदों के क्षिए	800.00
योग	1075.00

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे लिखी राशि वापिस कर दी जाएगी:--

55.00 प्रतिमाष्ट्रके हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च 275.00

- 5 भातीय रोना अकावमी में निन्नलिखित छाल्रवृत्तियां उपलब्ध हैं :--
 - परगुराम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति:—यह छाववात्त महाराहर तथा कर्नाटक के नैडेटों को दी जाती है। इस छात्रथृत्ति की राशि प्रधिक से प्रधिक 500.00 ह० प्रति वर्ष है जो कि कैंडेटों को भारतीय सेना श्रकादमी में रहने की श्रविध के दौरान दी जाती है बशर्सें कि उसकी प्रगति संतोषजनक हो। जिन उम्मीदवारों को यह छासर्यात मिलती है वे किसी भन्य सरकारी विसीय सहायता के हकदार न होंगे।

(2) कर्नल कैंडल फैंक मेमोशियल छ। लब्दि ---:

इस छाजवृति की राशि 360/- रुपया प्रति वर्ष है और यह किसी ऐस पात्र मराठा कैंडेट को दी जाती है जो किसी भूतपूर्व सैनिक का प्रव्रहा। यह छात्रवृत्ति सरकार से प्राप्त होने वाले किसी वित्तीय सहायता के अतिरिक्त होती है।

- 6. भारतीय रोना अकादमी के प्रत्यक कैंडेट के लिए सामान्य शती के अन्तर्गत समय-समय पर लागू होनेवाली दरों के अनुसार परिधान भत्ता अकादमी के कर्माइट को सौप दिया जाएगा। इस भत्ते की जो रकम खार्च होगी वह
 - (क) कैडेट को कमीणन विए जाने पर दे दी जाएगी।
 - (ख) यदि के हिट को कभीशन नहीं दिया गया तो भन्ने की यह रकम राज्य को यापस कर दी जाएगी।

कमीशन प्रदान किए जाने पर इस भने से खरीवे गए वस्त्र सवा अन्य आवश्यक चीजें कैंग्रेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन आएगी। किन्सु यदि प्रशिक्षणाधीन कैंडेट त्याग पन्न देदे या कमीशन से पूर्व उसे निकाल दिया जाए या वापस बुला लिया जाए तो उपर्युक्त वस्तुर्यों को उससे वापस से लिया जाएगा । इन वस्तुओ का सरकार के सर्वोत्तम हित का दध्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

- सामान्यतः किसी उम्मीववार को प्रशिक्षण के वौराम स्थागपन्न देने की अनुमति नहीं दी जाएगी । लेकिन प्रशिक्षण के दौरान स्थागपन्न देने वाले जेंटलमैन कैंडेटों को थल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्यागपत्न स्वीकार होने तक घर जाने की आज्ञा दें दी जानी चाहिए। उनके प्रस्थान से पूर्व उनके प्रशिक्षण, भाजन सथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खार्च उनसे वसूल किया जाएगा । भारतीय सेना अकादमी में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पुर्व उनके माता-पिता अभिभावकों को इस आगय के एक बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे। जिस जैंटलमैंन कैंडेट को प्रशिक्षण का सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पूरा करने के योग्य नही समझा आएगा उसे सेना मुख्यालयेकी अनुमति से प्रशिक्षण से हटाथा जा सकता है। इन परि-स्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को अपनी रेजिमेंट या कोर में वापस भेज दिया जाएगा।
- 8. यह कर्माणन प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूरा करने पर ही विया जाएगा । कमीणन देने की तारीख प्रशिक्षण की सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख अगले दिन से गुरू होगी । यह कमीशन स्थायी होगा।
- 9. कमीणन देने के बाद उन्हें सेना के नियमित अफसरों के समान वेतन और भत्ते पेंशन और छुट्टी दी जाएगी तथा मेता को अन्य गर्ते भो बही होंगी जो सेना के नियमित अफसरों पर समय-समय पर लाग होंगी। प्रशिक्षणः—-
- 10. भारतीय सेना अकावभी में आर्मी कैंडेट को "जेंटलमैन कैंबेट का नाम दिया जाता है तथा उन्हें 18 मास के लिए कड़ा सैनिक प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे इन्फेंट्री के उप यूनिटों का नेतृत्व करने के योग्य बन सकों। प्रशिक्षण को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत जेंटलमैन कीडेटों को सैकिंड लेफ्टिनेंट के रूप में कमीशेन प्रदान किया जाता है बशर्से कि एस० एच० ए० पी० ई० में शारीरिक रूप से स्वस्य हों।

∐ सेवा की शतें :---

(i) बेतनं :--

(1) 444 1	
रैक	व तनमान
सैकिण्ड लेपिटनेंट	750-790
नेपिटर्नेट	830-950
कैंप्टन	1100-1550
मेजर	1450-1800
लेफ्टिनॅट-कर्नल (भयन द्वारा)	1750-1950
क्षेपिटर्नेंट कर्नल (समय द्वेतनमान <i>)</i>	1800 नियत
क र्नेल	1950-2175
प्र गेडियर	2200-2400
मेअर जनरल	2500-125/2-2750
लेपिटर्नेट जनरल	3000 प्रतिमास

(ii) योग्यता वेतन और अनुदान

लेफ्टिनेंट कर्नल और इससे नीचे के रैंक के कुछ निर्धारित योग्यता रखने वाले अधिकारी अपनी योग्यताओं के आधार पर 1600 रु०, 2400 रं०, 4500 रं० अयवा 6000--रं० के एकमुश्त अनुवान के हकवार हैं। उड़ान प्रशिक्षक (वर्णं 'ख') ६० 70 की दर परयोग्यता वेतन के अधिकारी होंगे। Ⅲ मत्ते:---

बेतन के अनिरिक्त अफसरों को इस समय निम्नालखित भक्ते मिलते

(क) सिविलियन राजपश्चित अफमरों पर समय-समय पर लाग्

- वरों और शर्तों के अनुसार ही इन्हें भी नगर प्रतिकर तथा महगाई भले दिए जाते हैं।
- (ख) 50 रु० प्रतिमान की दर से किट अनुरक्षण भत्ता।
- (ग) भारत के बाहर सेवा करने पर ही प्रवास भक्ता मिलेगा। यह विदेश भक्ते की तदनुरूपी एकल दर का 25 प्रतिशत से 40 प्रतिणत तक होगा।
- (ध) नियुक्ति मत्ता जब विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाता है जहा परिवार सहित नहीं रहा जा सकता है। तब वे श्रफसर 70/-- ६० प्रतिमास की दर से नियुक्ति भत्ता प्राप्त करने के हकवार होते हैं।
- (ट) सज्जा भत्ता :--प्रारम्भिक सज्जा भत्ता : ६० 1400 है। प्रथम कमीशन की तारीख से प्रत्येक सात वर्ष के बाद एक नए सज्जे भत्ते का दावा किया जा सकता है।

(iv) तैनाती

थल सेना असफर भारत में या विदेश में कहीं भी तैनात किए जा सकते हैं।

- (v) पदोन्नतिः
- (क) स्थायी पदोन्नसि :

उच्चतर रैंकों पर स्थायी पदोन्नति के लिये निम्मलिखित सेवा सीभाएं

		_			
₹ :		_			
समय वेतनम	ान से				
नेपिटनेंट		•			2 वर्षं कभीशन प्राप्त सेका
कैप्टन					6 वर्षं कभीशन प्राप्त सेवा
मेजर		-			13 वर्षे कभीशन प्राश्त सेवा
मेजर से ले	पिटनें ट	कर्नल या	दे चयन	द्वारा	
पदोक्षति न	ई हो				25 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा
चयन द्वारा					
लेपिटर्नेट कर्ने	त				16 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा
कर्नेल				4	20 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा
ब्रिगे डियर					23 वर्षे कमीशन प्राप्त सेवा
मेजर जनरल					25 वर्षं कमीशन प्राप्त सेवा
लेक्टिनेंट जन	रल				28 वर्ष कमीशन प्राप्त सेवा
जनरल			•		कोई प्रतिवस्त्र महीं
(स्त्र) य	तयंकारी	। प्रकासित			

(ख) कायकारापदाकात

निम्नलिखित न्यूनतम सेवा सीमाएं पूरी करने पर, अफसर उज्जासर रैंकों पर कार्यकारी पदोश्रति के लिए पात होंगे बगतें कि रिक्तियां उपलब्ध

हो:				
कैप्टन				3 वर्ष
मेजर				5 वर्ष
लेपिटनेंट कर्न	न		-	6-1/2 वर्ष
कर्नल		-		8-1/2 वर्ष
बिगे डि यर			-	12 वर्ष
मेजर जनरल				20 वर्ष
सेफ्टिनेंट जन	रल			25 वः

(ख) तौसेना अकादमी कोसीन में भर्त्ती होने वाले उम्मीदवादों के

- 1. (क) जो उम्मीदवार अकादमी में प्रशिक्षण के लिये अंतिम रूप से जुन लिये जार्येंगे, उन्हें नौसेना की कार्यकारी शाखा में कैडेटों के रूप में नियुक्त किया जायेगा । उन उम्मीवनारों को नौसेना अकादमी कोचीन के प्रभारी अफसर के पास निम्नलिखित राशि जमा करानी होगी।
- (1) जिन उम्मीदवारों ने सरकारी वित्तीय महायता के लिये आवेदन-पत्न नहीं विया हो :
 - (i) 45.00 रपए प्रतिमास की दर से पांच मास के लिये जेब खर्च 225,00 €0
 - (ii) कपड़ों और सज्जा-सामग्री के

लिये			 460.00 ₹∘				
		जोड़			685,00 ₹∘		

(2) जिन उम्मीदवारों ने मरकारी विस्तीय सहायता के लिये आवेदन-पक्ष विया हो

न् (

- (i) 4.5.00 रु० प्रति मास की दरसे दो मास के लिये जैब खर्च
 - 90,00
- (ii) कपड़ों और मज्जा-सामग्री के लिये 460.00

ओड़ . 550.00

- (च) (i) चुने हुए उम्मीववारों को कैंडेंटों के रूप में नियुक्त किया जायेगा तथा उन्हें नौसेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में नीचे दिया गया प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा :—
 - (क) कैडेट प्रशिक्षण तया मौकार्य प्रशिक्षण . .

6 मास—— 1 वर्ष

- (खा) मिडल शिपमैन नौकाएं प्रशिक्षण
 - 6 मास
- (ग) कार्यकारी सब-लेपिटर्नेट तकनीकी पाठयकम
- 8 माम
- (ष) सब-लेपिटर्नेट:

पहरा देने का प्रमाण-पक्ष लेने के लिये 6 मास की न्य्नतम समुद्री सेवा आवश्यक है।

(ii) नौ-सेना अकादमी में कैडेटों के शिक्षण, आवास और संबद्ध सेवाओं, पुस्तकों, वर्दी, भोजन तथा डाक्टरी इलाज का खर्च सरकार वहन करेंगे । किस्सु कैडेटों के माता-पिता/अगि-भावकों को उनका जेब खर्च और निजी खर्च वहन करना होगा । यदि कैडेट के माता-पिता अभिभावकों की मासिक आय 450 द० से कम हो और वह कैडेट का जेब खर्च पूर्णतया अथवा अगिक रूप से पूरा न वर सकते हों तो, सरकार कैडेट के लिए 55 ६० प्रतिमास वित्तीय सहायता स्वीकार कर सकती हैं । वित्तीय सहायता जेने का इच्छुक उम्मीववार अपने चूने जाने के बाद शीझ ही अपने जिला मैजिस्ट्रेट के माध्यम मे आवेदन-पत्त दे मकसा है । जिला मैजिस्ट्रेट उस आवेदम पत्न को अपनी अनुशंसा के साथ निवेशक, कामिक सेवा, मौ-सेना मुख्यालय, नई दिस्ती के पास भेज देगा।

यदि किसी माता-पिता/श्रिभभावक के वो अथवा उससे अधिक पुत्र या आश्रित मौसेना जहां जों/प्रतिष्ठानों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अविध के लिए उपर्युक्त विलीय सहायता वी जा सकती है बगर्तों कि माता-पिता-अभिभावक की मासिक आय 500/ रु० से अधिक न हो।

- (iii) बाद का प्रशिक्षण भारतीय नौसेमा के जहाजों और स्थापनाओं में भी उन्हें सरकारी खर्च पर दिया जाता है। अकावमी छोड़ने के बाद उनके पहले छह मास के प्रशिक्षण के दौरान उक्हें उपर्युक्त पैरा (ii) के अनुसार अकावमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों को मिलने वाली विसीय सहायता के समान सहायता वी जाएगी। भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाव जिन कैंडटों की मिडणिपमैन के रैंक में पदी- व्रति कर दी जाएगी और वे बेतन प्राप्त करने लगेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।
- (iv) कैडेटों को सरकार से नि:णुल्क वर्दी मिलेगी किन्तु उन्हें इसके अलावा कुछ और कपड़े भी लेने होंगे। इन कपड़ों के सही नमूने और उनकी एक स्पता को सुनिष्चित करने के लिए, ये कपड़े नौसेना अकावमी में तैयार किए जाएंगे तथा उनका खर्च कैडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को बहन करना होगा। वित्तीय सहायता के लिए आवेदन-पत्न देने बाले कैडेटों को कुछ कपड़े नि:शुल्क या उन्नार दिए जा सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष कपड़े ही खरीवने होंगे।

- (v) प्रशिक्षण के दौरान सिंवस कैंडेटों को अपने मूल रैंक के बही वेतन और वही भन्ने मिर्लेंगे जो ये कैंडेटों के चुने जाने के समय नाविक या सेवक या अप्रेंटिस के पद पर काम करते हुए प्राप्त कर रहे होंगे। यवि उन्हें उस रैंक में बेतन वृद्धि वी जानी हो तो वे उस वेतन वृद्धि को पाने के भी हकदार होंगे यवि उनके मूल रैंक का वेतन और भन्ते, सीधे भर्ती होने वाले कैंडेटों को मिलने वाली वित्तीय महायता से कम हों तथा वे उस महायता को प्राप्त करने के पान हों तो उन्हें उपर्युक्त दोनों राशियों के बन्तर की राशि भी मिलेगी।
- (vi) मामान्यतः किसी कैंडेट को प्रशिक्षण के वौरान त्याग-पत्र देने की अनुमित नहीं दी जाएगी । जिस कैंडेट को भारतीय नौमेना जहाजों और प्रतिष्ठानों में कोर्स पूरा करने के योग्य नहीं समझा जाएगा उसे मरकार के अनुमोदन से प्रशिक्षण मे वापस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से वापस बुलाया जा सकता है तथा उसे प्रशिक्षण से हटाया भी जा सकता है । इन परिस्थितियों में किसी मर्विस कैंडेट को उसकी मूल सर्विम पर वापस भेज विया जाएगा । जिस कैंडेट को इग प्रकार प्रशिक्षण मे हटाया जाएगा या मूल मर्विस पर वापस भेजा जाएगा, यह परवर्ती कोर्स में दुवारा दाखिल होने का पान नहीं रहेगा । किन्तु जिन कैंडेटों को कुछ करुणाजन्य कारणों के आधार पर स्यागपक्ष देने की अनुमति दी जाती है उनके मामलों पर गुणावयगुण के आधार पर विचार किया जाता है।
- किसी उम्मीदनार के भारतीय नौसेना में कैंडेट चुने जाने से पूर्व माता-पिता/अभिभावक को:
 - (क) इस आशय के प्रमाण पन्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि बह भली भीति समझता है कि यदि उसके पुन्न को या आश्रित को प्रणिक्षण के दौरान या उसके कारण कोई बोट लग जाए या शारीरिक दूर्वनिसा हो जाए या उपर्युक्त कारणों या अन्य कारण से चोट लगने पर किए गए आपरेशन से या आपरेशन के दौरान मूछित करने की औषधि के प्रयोग के फलस्वरूप मृत्यु हो जाए तो उसे या उसके पुन्न या आश्रित को सरकार से मुआवजा मांगने के वाबे का या सरकार से अन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।
 - (ख) इस आशय के बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियंत्रण के अधीन हो, यदि उम्मीववार कोसे पूरा होने से पहले वापस जाना चाहे या यदि कमीणन दिए जाने पर स्वीकार न करे तो शिक्षा, णुल्क, भोजन, वस्त्व, वेतन तथा भत्ते, जो कैंडेटों ने प्राप्त किए हैं, उनका मूल्य या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने की जिम्मेदारी यह लेता है।

3. वेतन और मसे (क) वेतन

				वेसन्भान
				सामान्य सेवा
भिडणिप मै न .	•			560.00 र पए
एष्टिंग सब-लेपिटर्नेंट				750.00 ूँ रूपए
सब-लेपिटर्नेट				830-870 रुपए
मैफ्टिनेंट .		_		1100-1450 स्पर्
नैपिटर्नेट-फमोडोर				1450-1800 रुपए
कमाण्डर (चयन मान द्वारा	r)			1750-1950 रु पए
कमांडर (समय वेतन द्वारा				1800.00 रुपए (नियत)
कैप्टन · .				1950-2400 रुपए (कर्मा-
				डोर यह वेतन प्राप्त करता
				है जिसके लिए वह कैंप्टन के
				रूप में वरिष्ठता के आधार
				पर हकदार होता है)।
रियर एडमिरल				2500-125/2-2750
वाइस एडमिरल		•	·	3000 रुपए

(खा) भसे

वेतन के अतिरिक्त अफसरों को निम्नलिखित मसे मिलते हैं:---

- (i) सिविशियन राजपन्नित अफसरों पर समय-समय पर लागूदरों और शतों के अनुसार उन्हें भी नगर प्रतिकर तथा मंहगाई भक्ता मिलता है।
- (ii) 50/- रु० प्रति माम की वर से किट अनुरक्षण भक्ता (कसो-बोर रैंक के तथा उन से नीखें के रैंक के अफसरों को)।
- (iii) जब अफसर भारत के बाहर सेवा कर रहा हो, तब धारित रैक के अनुसार 50/- रुपए से 250/- तक प्रतिमास प्रवास मत्ता।
- (iv) 70/- ६० प्रति मास के हिसाब से इन अफमरों को नियमित भक्ता मिलेगा :---
- (i) जिन विवाहित अफसरों को ऐसे स्थानों पर तैनात किया जाएगा जहां वे परिवार सहित नहीं रह सकते।
- (ii) जिन बिवाहित अफसरों को आई० एन० जहाजों पर तैनात किया जाएगा अथवा जिल्लो अविधि के लिए वे बेस पत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे।

(iii) जितनी ध्रवधि के लिए बेस उत्तनों से दूर जहाजों पर रहेंगे, उतनी अवधि के लिए उन्हें मुक्त राशम मिलेगा।

टिप्पणी I: - उपर्यक्त के असावा संकट के समय काम करने की राणि पनहुब्बी मसा, पनहुब्बी वेसन, सर्वेक्षण आनुताबिक/ अहंता वेतन/ अनुदान तथा गोताखोरी वेतन जैसी कुछ विशेष रियायत भी अफसरों को बी जा सकती है।

टिप्पणी II:—अफसर पनकुम्बी तथा विमानन सेवाओं के लिए अपनी सेवाएं भपित कर सकते हैं। इन सेवाओं में सेवा के लिए चुने गए अफसर बढ़े हुए वेशन तथा भलों को पाने के हकदार होते हैं।

4. पदोन्नति

(क) समय वेतनमान द्वारा

मिडशिपमैन से एक्टिंग सब-लेफ्टिनेंट

तक

एक्टिम सब-लेफ्टिनेंट से सब-लेफ्टिनेंट

तक

सब-लेपिटर्नेट से लेपिटर्नेट तक

एक्टिंग और स्थायी सब-लेपिटनेंट (वरिष्ठता के लाभ/समपहरण के अधीन) रूप में 3 वर्ष

1/2 **वर्षे**

1 वर्ष

ले पिटनेंट

वर्ष की

लेपिटनेंट से लेपिटनेंट कमोडोर तक

लैंपिटर्नेंट कमोडोर से कमोडोर तक (यदि चयन हारा प्लोक्टिस संबर्ध को

(थदि चयन द्वारा पतोन्नति न हुई हो) (ख) चयन द्वारा

लिपिटनेंट कमोडोर से कमोडोर तक

लेफ्टिमेंट कमोडोर के रूप में 2—8 वर्ष की वरिष्ठता।

वर्ष की

कसीशन प्राप्त सेवा।

संगणीय

कमोडोर से कैंप्टन तक

कमोडोर के रूप में 4 वर्ष की वरिष्ठता।

भैप्टन से रियर एडमिरल और उससे ऊपर तक कोई सेवा प्रतिबन्ध नहीं!

ड. तैनाती

अफसर भारत और विवेश में कहीं भी तैनात किए जासकते हैं। टिप्पणी:—यदि किसी और सूचना की आवश्यकता हो तो वह निदेशक कार्मिक सेवा नौसेना मुख्यालय नई दिल्ली-110011 से प्राप्त की जा सकती है।

(ग) अफसर ट्रेनिंग स्कूल मद्रास में कसी होने वाले उम्मीववारों के लिए:

- इससे पूर्व कि उम्मीदवार अफसर ट्रेनिंग स्कृल मास, मद्रास में भर्ती हो:—
 - (क) उने इस आशय से प्रमाण पत्न पर हस्ताक्षर करने होंगे कि वह भली भांति समझना है कि उसे या उनके वैध निरिसों को सरकार में मुशावजे या अन्य किसी सहायता के दावे का कोई हक नहीं होगा, यदि उसे प्रशिक्षण के दौरान कोई चांट या शारीरिक दुवैलता हो आए या मृत्यु हो आए या उपर्युक्त कारणों से चोट लगने पर किए गए आपरेशन या आपरेशन के दौरान मूळित करने की औषधि के प्रयोग के फलवरूप ऐसा हो आए।
 - (ख) उसके माना-पिता या अभिभावक को एक बाण्ड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी कारण से जो उसके नियंत्रण के अधीन मान लिया जाए यदि उम्भीदवार कोसे पूरा करने से पूर्व वाणिस जाना चाहे या यदि दिए जाने पर कमीशन स्वीकार न करे या अफसर ट्रेनिंग स्कूल में प्रशिक्षण, प्राप्त करते हुए शादी कर ले तो उसे शिक्षा, खाना, बस्स और बेतन तथा भन्ने जो उसने प्राप्त किए हैं, उनकी लागत या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने के जिम्मेदार होंगे।

2. जो उम्मीदवार अंतिम रूप से चुने जाएंगे उन्हें अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 महीने का प्रशिक्षण कोसे पूरा करना होगा । इस उम्मीदवारों को "सेना अधिनियम के अन्तर्गत जैन्टलमैन कैडेट" के रूप में नामांकित किया जाएगा । सामान्य अनुणासन की दृष्टि से ये जैन्टलमैन कैडेट अफसर ट्रेनिंग स्कूल के नियमों तथा विनियमों के अंतर्गत रहेंगे।

3. प्रशिक्षण की लागत जिममें आवारा पुस्तकें वर्षी य भीजन तथा चिकित्सा सुविधा शामिल है, सरकार वहन करेगी और उम्मीदवारों को अपना जेब खर्म स्ययं वहन करना होगा । कमीशन पूर्व प्रशिक्षण के बौरान न्यूनतम 55 क० प्रतिमाम से प्रधिक खर्म की संभावना नहीं है । किन्तु यदि उम्मीदवार कोई फोटोग्राफी, शिकार खेलना, सैरसपाटा इत्यादि का शौक रखता हो, तब उसे अतिरिक्त धन की आवयप्रकता होगी यदि कोई कैंडेट यह न्यूनतम व्यय भी पूर्ण या आशिक रूप में बहन नही कर सके तो उसे समय-समय पर परिवर्तनीय दरों पर इस हेतु वित्तीय सहायता वी जा सकती है बगर्ल कि कैंडेट और उसके माता पिता/अभिभावक की आय 450 रुपए प्रति मास से कम हो । वर्तमान आवेशों के अनुसार बित्तीय सहायता की दर 55 रुपए प्रति मास हैं। जो उम्मीदवार वित्तीय सहायता प्राप्त करने का इच्छुक हो, उसे प्रशिक्षण के लिए अंतिम रूप से चूने जाने के बाद निर्धारित प्रपन्न पर एव आवेबन अपने जिले के जिला मैजिस्ट्रेट को भेजना होगा जो अपनी मत्यापन रिपोर्ट के साथ आवेबन-पन्न को कमांडेंट, अफसर ट्रेनिंग स्कूल, महास को भेज वेगा।

4. अफसर ट्रेनिंग स्कूल में अतिम रूप से प्रशिक्षण के लिए चुले गए जम्मीदवारों को वहां पहुंचने पर कमोडट के पास निम्नलिखित धन राशि जमा करती होगी:—

(क) 55.00 द० प्रतिमास की दर से दस महीने के लिए जेस खर्च—550.00 दपए।

(स्त्र) वस्त्रातदाउपकरण के लिए

₹० 500.00

योग ६०

1050.00

यदि कैंग्रेटों को वित्तीय सहायता स्वीकृत हो जाती है तो उपर्युक्त राशि में से (ख) के सामने दी गई राशि वापस कर दी जाएगी।

 समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अन्तर्गत परिधाद भला मिलेगा।

कभीशन मिल जाने पर इस मत्ते से खरीदे गए वस्त, तथा अन्य आवश्यक चीजें कैडेट की व्यक्तिगत सम्पत्ति बन जाएगी । यदि कैडेट प्रशिक्षणाधीन अवधि में स्थाग पत्न दे दे या उसे निकाल दिया जाए या कभीशन से पूर्व वापस बुला लिया जाए तो इन वस्तुओं को उससे बापस से शिया जाएगा । इन वस्तुओं का सरकार के सर्वोत्तम हिल को द्ष्टिगत रखते हुए निपटान कर दिया जाएगा।

6. सामान्यतः किसी उम्मीदवार को प्रशिक्षण के दौरान स्थाप-पक्ष देने की अनुमति नहीं दी जाएगी । लेकिन प्रशिक्षण क्रारंग होने के बाध त्याय-पत्न देने बाले जैन्टलमैन फैडेटों को यल सेना मुख्यालय द्वारा उनका त्याय-पत्न स्वीकृत होने तक पर जाने की आज्ञा दी जा सकती है। प्रस्थान से पूर्व उनसे प्रशिक्षण भीजन तथा सम्बद्ध सेवाओं पर होने वाला खर्च बसूल किया जाएगा। अफसर प्रशिक्षण स्कूल में उम्मीदवारों को भर्ती किए जाने से पूर्व उन्ह तथा उनके माता-पिता/अभिभावकों को इस आण्य का एक बांड भरता होगा।

- 7. जिस जैंडलमैन कडंट को प्रशिक्षण का संपूर्ण कोस करने के बोध्य नहीं समझा आएगा जैंसे मरकार की अनुमित से प्रशिक्षण से हटाया जा सकता है । इन परिस्थितियों में सैनिक उम्मीदवार को उसकी रैजिमेंट कोर में वापस भेज दिया जाएगा।
- कमीशन प्रदानकर विए जाने के बाद बतन तथा भत्ते पेंगन छुट्टी तथा अन्य सेवा शर्ते निम्न प्रकार होंगी।

9. प्रशिक्षण

1. चुने गए उम्मीववारों को सेना अधिनियम के अन्तर्गत जैहलमैन कहेटों के स्प में नामांकित किया जाएगा तथा वे अफसर ट्रेनिंग स्कूल में लगभग 9 मास तक प्रशिक्षण कोर्स पूरा करेंगे । प्रशिक्षण सफलता पूर्वक पूरा करने के उपरांत जैंटलमैन कहेट को प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक पूरा करने की तारीख से सैकेंड वैपिटनेंट के पव पर अल्पकालिक सेवा कमीशन प्रवान किया जाता है।

10. सेषा की गर्ते:---

(क) परिवीक्षा की अवधि

कभीशन प्राप्त करने की तारीख से अफसर 6 माम की अवधि तक परिवीक्षाधीन रहेगा। यदि उसे परिवीक्षा की अवधि के दौरान कमीशन धारण करने के अनुपयुक्त बताया गया तब उसकी परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने से पूर्व या उसके बाद किसी भी समय उसका कमीशन समाप्त किया जा सकता है।

(ख) तैनाती

अल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त करने पर उन्हें भारत या विवेश में कहीं भी नौकरी पर तैनात किया जा सकता है।

(ग) नियुक्ति की अवधि तथा पदोधनि

नियमित थल सेना में भल्पकालिक सेवा कमीशन पांच वर्ष को भविष्ठ के लिए प्रदान किया आएगा जो भक्तर सेना में पांच वर्ष के भ्रष्ट्यकालिक सेवा कमीशन की भविष्ठ के बाद सेना में सेवा करने के भ्रष्ट्यक होंगे वे, यदि हर प्रकार से पास तथा उपयुक्त पाए गए, तो संबंधित नियमों के भ्रमुक्तर उनके भ्रष्ट्यकालिक सेवा कमीशन के भ्रतिम वर्ष में उनको स्थाई कमीशन प्रदान किए जाने पर विचार किया जाएगा । जो पांच वर्ष की भ्रविष्ठ के दौरान स्थायी कमीशन प्रदान किए जाने की भहेंता प्राप्त नहीं कर पाएंगे। उन्हें पांच वर्ष की भ्रविध पूरी होने पर निर्मुक्त कर दिया आयेगा।

(व) वेतन भौर मत्ते

ग्रल्पकालिक सेवा कमीशन प्राप्त ग्रफमर वही वेतन भौर भर्ते प्राप्त करोंने जो सेना के नियमित ग्रफसरों को प्राप्त होता है।

सैकेरण लैपिटनेंट ग्रीर लैपिटनेंट के वेतन की दर इस प्रकार है:--सैकेरण लैपिट०, 750-790 द० प्रति सास ।

सैपिट०, 830-950 रू॰ प्रति मास ।

तथा मन्य मत्त जो नियमित प्रफसरों को मिलते हैं।

(ङ) छट्टी

खुट्टी के संबंध में ये ध्रफसर घरपकालिक सेवा कमीणन ध्रफसरों के लिए, लागू नियमों से णासित होंगे जो सेना ध्रवकाण नियमावली खंड-1 खल सेना, के ध्रध्याय पांच में उल्लिखित हैं। वे ध्रफसर ट्रेनिंग स्कूल के पासिंग ध्राउट करने पर तथा इयूटी ग्रहण करने में पूर्व उक्त नियम 91 में दी गई व्यवस्थाओं के ध्रमुसार भी छुट्टी के हकतार होंगे।

(च) कमीशन की समाप्ति

धस्पकालिक सेवा कमीमन प्राप्त भक्तसर को पांच वर्ष सेवा करनी होगी किन्तु भारत सरकार निम्नलिखित कारणों से किसी भी समय उसका कमीमन समाप्त कर सकती हैं :---

(i) भ्रवचार कण्ने या भ्रसंसोषजनक रूप से या सेवा करने पर,; या 6 —86G1/79

- (li) स्वास्थ्य की द्रिट से क्रयोग्य होते पर;
- (iii) उसकी सेवाओं की श्रौर मधिक मावस्यकता होने पर; या
- (iv) उसके किसी निर्धारित परीक्षण या कोसं में झहुंता प्राप्त करने में प्रसफल रहने पर ।

तीन महीने का नोटिस देने पर किसी भ्रफसर की करूणाजन्य कारणों के भ्राधार पर कमीशन से त्याग-पत्न देने की अनुमति दी जा सकती है किन्तु इसकी पूर्णनः निर्णीयक भारत सरकार ही होगी । करूणाजन्य कारणों के भ्राधार पर कमीशन से त्याग-पन्न देने की भनुमति प्राप्त कर लेने पर कोई भ्रफसर सेवांत उपदान पाने का पान नहीं होगा ।

(छ) पेंशनलाभ

- (i) ये प्रभी विचाराधीन है।
- (ii) म्रस्पकालिक सेवा कमीशन प्रफसर 5 वर्षे की सेवा पूरी करने पर 5000.00 ६० का सेवात उपदान पाने के हकक्षार होंगे।
- (ज) रिजर्व में रहमे का दायित्व

5 वर्ष की भ्रस्पकालिक सेवा कमीशन सेवाया बड़ाई गई कमीकन सेवा पूर्ण करने के बाद वे 5 वर्ष की भवधि के लिए या 40 वर्ष की धायू सक, जो भी पहले हो, रिजर्ब में रहेंगे।

(য়া) বিবিষ

सेवा संबंधी अन्य सभी शर्तों, अब तक उनका उपर्यक्त उपबंधों के साथ भेद नहीं होता है, बही होंगी जो नियमित अफसरों के लिए आमृ हैं।

परिभिष्ट IV

भारत सरकार के प्रधीन पदों पर नियक्ति हेतु धावेदन करने वाले प्रनुसूचित जातियों भीर धनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म।

हैं ' जाति/जन जाति के हैं जिसे निम्त-लिखित के ध्रष्टीन अनुसूचित जाति/धनसूचित जनजाति के रूप में मान्यता वी गई है :--

संविधान (मनसूचित जातियां) धावेश, 1950 संविधान (भनसूचित जन जातियां) मादेश, 1950* संविधान (मनुसूचित जातियां) (संब राज्य क्षेत्र) मावेश, 1951* संविधान (मनुसूचित जन जातियां) (संब राज्य क्षेत्र) मावेश, 1951*

[अनुस्चित जातियां और अनुस्चित जन जातियां स्चियां (आक्रोधन) आवेश, 1956, बन्बई पुनगठेंन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनगठेंन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनगठेंन अधिनियम, 1966, हिमाधन प्रवेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तर-पूर्वी लेख (पुनगठेंन) अधिनियम, 1971, और अनुस्चित जातियां तथा अनुस्चित जन जातियां आवेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित] संविधान (जन्मू और काश्मीर) अनुस्चित जातियां आवेश, 1956 संविधान (अंडमान और निकोबार दीप समह) अनुस्चित जन जातियां आवेश.

संविधान (ग्रंडमान भौर निकोबार द्वीप समृत् भनुसूचित अन जातियां ग्रादेश, 1959 मनुसूचित जातियां तथा भनुसूचित जन जातियां ग्रादेश (संजोधन) ग्रंधिनियम, 1976 द्वारा यथा संजोधित ।

संविधान (वावरा भीर नागर हवेली) भनुसूचित जातियां भावेश, 1962*
संविधान (दावरा भीर नागर हवेली), भनुसूचित जन जातियां भावेश, 1962*
संविधान (पांडिचेरी) भनुसूचित जातियां भावेश, 1964*
संविधान (भनुस्चित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश), भावेश, 1967*।

संविधान (गोधा, दमन भौर दीयू) भनुसूचित जा	तिया भादेश, 1968*
संविधान (गोम्रा, दमन भीर दीयु) भनसूचितः	जनजातियां भावेश, 1968*।
संविधान (नागालैंड) प्रनुसूचित जन जातियां प्रादे	ण, 1970*
2. 剃	
भौर/या* उनका परिवार धाम तौर से गांव/कस्का	*
• • • • • • • • • • • • • • • • • • •	ता∤मण्डल*
राज्य/संघ "राज्य क्षेत्रः '''''	''''मं यह्ता है।
ह स्ताक्ष र	
**वदनाम्	,
	(कार्यालय की मोहर के सा य राज्य/संघ ^क राज्य <i>क्षे</i> न्न
स्यात '''''	
तारीख	ر المراجعة المراجعة المراجعة المراجعة ال

*ओ अन्द लागून हों उन्हें कुपया काट वें।

नोट :---यहां "ग्राम तौर से रहता है" का श्रयं वही होगा जी "रिप्रेंजेटेशन श्राफ दिपीपुन एक्ट, 1950" की धारा 20 में हैं।

- **जाति/जनजाति प्रमाण-पन्न जारी करने के लिए सक्षम भविकारी ।
- (i) जिला मजिस्ट्रेट/भितिरिक्षत जिला मजिस्ट्रेट/कलकटर/क्रिप्टी किमिश्तर/हिप्टी किमिश्तर/हिप्टी कलकटर/भ्रवम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मजिस्ट्रेट/सिटी मजिस्ट्रेट *सस दिवीजनल मजिस्ट्रेट/ताल्लुक मजिस्ट्रेट/एकजीवमूटिक मजिस्ट्रेट/एक्ट्रा भ्रामस्टेट किमिश्तर ।
- *(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेडरी मिशिस्ट्रेट से कम घोहरें का नहीं)।
 - (ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ प्रेसीडेंसी मजिस्ट्रेट/ प्रसिडेंसी मजिस्ट्रेट ।
 - (iii) रेवेन्यु ग्रफसर जिनका घोड्या तहसीलदार से कम न हो ।
 - (iv) उस इलाके का गब-खिबीजनल श्रफसर जहां उम्मीदयार भौर/ या उसका परिवार धामतौर में रहता हो ।
 - (v) एक्डमिनिस्ट्रेटर/एक्डमिनिस्ट्रेटर का सिषव/हेवलगमेंट धफसर (लक्षद्वीप) ।

परिक्षिष्ट V

संघ लोक सेवा धायोग

उम्मीदबारों को सुबनार्थ विवरणिका

क. वस्तु परक परीक्षण

श्राप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं उसकी "वस्तूपरक परीक्षण" कहा जाना है। इस प्रकार के परीक्षण में श्रापको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको श्रापे प्रश्नीण कहा जाएगा) के लिए कई संभाष्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रश्येक के लिए एक उत्तर (जिसको श्रापे प्रत्युक्तर कहा जाएगा) श्रापको चुन लेगा है।

इस विवरणिका का उद्देश्य भाषको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण भाषको कोई हानि न हो ।

खा. परीक्षण का स्वरूप

प्रमन-पन्न "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में कम संक्ष्मा 1, 2, 3 " के कम में प्रकाश होंगे। हर प्रकाश के लीचे 8, b, c कम में संशाबित प्रत्यत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रथन के लिए एक सही या यदि एक से प्रधिक प्रत्युत्तर सही है तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का जुनाव करना होगा। (प्रंत में दिए गए नमूने के प्रकाश देख लें)। किसी भी स्थिन में, प्रत्येक प्रकाश के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का जुनाव करना होगा। यदि आप एक से प्रधिक जुन लेते हैं तो आपका उत्तर गसत माना जाएगा।

ग. उत्तर दने की विधि

उत्तर देने के लिए धापको ध्राक्त से एक उत्तर पत्नकः पश्चिमा भवन में दिया जाएगा । ध्रापको ध्रपने उत्तर इस उत्तर पश्चक में लिखने होंगें परीक्षण पृस्तिका में या उत्तर पत्नक को छोड़कर ध्रन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जीने नहीं जाएगे।

उत्तर पत्रक भे प्रश्नाशों की संख्वाए 1 के 200 तम चार खंडों में छापी गई हैं । प्रत्येक प्रश्नाश के गामने 0, b, c, d, e.. के कस से प्रत्युक्तर छपे होंगे।परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नाश को गढ़ लेने श्रीर यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा सही प्रत्युक्तर या पर्वोक्तम है, धापको उन प्रत्युक्तर के श्रक्षर को दणनि याने श्रायात को पेन्सिल में काला बनाकर उसे ग्रंकित कर देना है, जैमा कि संलग्न उत्तर पत्रक नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के श्रायात को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

'ran don een uch nem
'can don 'can adn men

than don can adn men

श्रापके उत्तर रे प्रवास में दिए गए उत्तरों का मृत्यांकल एक मृत्यांकत मंगीत से किया जाएगा जो गलन उत्तर, एवं बीं विभिन्न के श्रातिरिक्त हमरी पेसिल के प्रयोग भीर विकृत उत्तर पक्षक को पहवानने में बड़ी सुग्राही हैं। इसलिए यह जरूरी है कि प्रश्नाणों के उत्तरों के लिए केवल अण्डी किस्म की एवं बीं पेसिल (पेंसिलों) ही लाएं ग्रीर, उन्हीं का प्रयोग करें। दूसरी पेंसिलों या पेन के द्वारा बनाए गए निणान नंभय है, मंगीन में डीक-टीक न पढ़े आएं।

- 2. अगर आपने गलत निषान लगाया है तो इस पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निषान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रखब भी लाएँ।
- 3. उत्तर पल्लक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असायधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मीड़ व सलबट आदि पक्ष जाएं और वह टेड़ा हो जाए ।

घ. कुछ मस्तवपूर्ण नियम

- आपको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
- परीक्षा गुरू होने के 30 मिनट बाद किसी की परीक्षा में प्रवेश नही दिया आएगा ।
- परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने को अनुमित नहीं मिलेगी ।
- 4. परीक्षा भमान्त होने के बाद गरीक्षण पुस्तिका और उत्तर पलक निरीक्षक पर्यवेक्षक को सींग दें। (आप को परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ने जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उस्लघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।
- 5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, पराक्षण की दारीख और परीक्षण पुस्तिका की कम संख्या स्याही से साफ-साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।
- 6. परीक्षण पुस्तिका में विए गए समा अनुदेश आपको साबधानी से पढ़ने हैं । चूकि मूस्यांकन सभीत के द्वारा होता है इसलिए संभव हैं कि इन अनुवेशों का सवाधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम

हो आएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रिविष्ट संदिग्ध है को उस प्रश्नांण के लिए आपको कोई नंबर नहीं पिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यथेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरंभ या समान्त करने को कह दें को उनके अनुदेशों का सत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेण प्रमाण पत्र माथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पिसल, एक रबड़. एक पेंसिल शाउँनर और नीली या काली स्थाही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कठचा कागज या कागज का टुकड़ा पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया आएगा। आप कच्चा काम शुरु करमें के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण ममान्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को यापम कर दें।

ड. विणेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैंड जात है तब निरीक्षक से आपको उत्तर पद्मक मिलेगा । उत्तर पद्मक पर अपेक्षित सूधना अपनी फलम से भर हैं । यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे । प्रत्येक परीक्षण पुस्तिका में हाणिये में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण मुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए । जैसे ही आपको परीक्षण पुस्तिका मिल जाए पुरंत आप देख ले कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है । अन्यथा उसे यदलया ले । जब यह हो जाए सब आपको उत्तर पद्मक के संबद्ध खाने में अपनी परीक्षण पुस्तिका की क्षम संख्या लिखनी होगी जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की शील लोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

च कुछ उपयोगी सुप्ताव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश आपको गति को आंक्षा गुढ़ता को आंक्षा है फिर भी यह अकरी है कि आप अपने समय का दक्षता से उपयोग करें। संतृत्वन के साथ आप जितनी अरूदी आगे बढ़ सकते हैं बढ़ें पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाने हैं तो जिता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पहुँ उन गर समय अ्थर्ष न करें। दूसरे प्रश्नों की आर बहुँ और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रजनों के अक समान होंगे । सभा प्रणनों के उक्षर दे । आपके द्वारा ग्रंकित सही प्रत्युन्तरों की मध्या के आधार पर आपको अक दिए जाएंगे । गलत उत्तरों के अक नहीं काट जाएंगे।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनमें आपकी स्मर्ग्ण णिक्ष की अपेक्षा जानकारों, गूधब्झ और विश्लेषण-अमला की परीक्षा हो । आपके लिए यह लाभदायक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सर-सरी निगाह से देख लें और इस बात से आध्यस्त हो जाएं कि आप अपने विषय को अन्छी तरह समझते हैं।

छ. परीक्षण का समापन

जसे ही पर्यंक्षेत्रक आपका विश्वना यंग्र करने का कहें आप लिखना भन्द कर दें। जब आप का उत्तर लिखना समान्त हो जाए सब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरोधक आपके यहां आकर आपकी परी-झण पुस्तिका और उत्तर पत्नक न से जाएं और आपको "हाल" छोड़ने की अनुमति न वें । आपको परीक्षण-पुस्तिका ग्रौर उत्तर पत्नक परीक्षा भवन से बाहर से जाने की अभूमति महीं है ।

नमूने के प्रश्न

- मौर्यवंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है ?
 - (a) अमोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
 - (b) अज्ञोक के बाद साम्प्राज्य का विभाजन हुआ।
 - (C) उत्तरी सीमा पर प्रभावणाली मुरक्षाकी व्यवस्था नहीं हुई।
 - (d) अशोकोतरयुगमें आधिक रिक्तना भी।

उत्तर (d)

- 2. संसदीय स्वरूप की सरकार में
 - (a) विद्यायिका त्यायमालिका के प्रति उक्तरवायो है ।
 - (b) विधायिका का यंपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
 - (७) कार्यभालिका विद्यायिका के प्रति उत्तरवायी है।
 - (र्त) स्यायपालिका विद्यासिका के प्रति उत्तरदासी है।
 - (c) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरवासी है।

उत्तर (c)

- पाठणाला के छास्र के लिए पाठ्येतर कार्यक्लाप का मुख्य प्रयोजन
 - (a) विकासकी भुविधा प्रदान करना है।
 - (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकवास है।
 - (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है।
 - (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

उत्तर (a)

- 4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है
 - (a) য়ৢক
 - (b) मंगल
 - (c) बृहस्पति
 - (d) ৰুঘ

जसर (d)

- वन और बाढ़ के पारस्परिक सबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्थष्ट करता है?
 - (a) थेड़ पौधे जितने अधिक होते हें मिट्टी का क्षरण खतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती हैं।
 - (b) पेड़ गौने जितने कम होते हैं नदियां उतनी ही गाद से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
 - (c) पेड़ पौघे जितने प्रधिक होते हैं, नदियाँ उतनी ही कम गाव में मर्रा होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
 - (d) पड़ पौधं जितने कम होते हैं उतनी ही क्षोमी गति से वर्फ पिधल जातो है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

उत्तर (८)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 27th April 1979

No. A.19014/2/79-Adnm.I.—The President is pleased to appoint Smt. Prem V. P. Singh, an officer of the Indian Revenue Service, to the post of Under Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the Forenoon of 16th April, 1979, until further orders.

S. BALACHANDRAN

Under Secretary

New Delhi-110011, the 30th April, 1979

No. A. 32014/1/79-Admn. III—The President is pleased to appoint the following permanent Assistants of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate, an on ad-hoc basis, as Section Officer in the same cadre for the period indicated against each or ntil further orders, whichever is earlier.

S. Name No.			eriod for which pro- oted as Section Officer
1. Sh. B. R. Basra			2-5-79 to 30-6-79
2. Sh. R.K. Jasuja			1-5-79 to 30-6-79
3. Sh. S.N. Sharma			1-5-79 to 30-6-79
4. Sh. Jai Narain		•_	1-5-79 to 30-6-79

S. BALACHANDRAN

Under Secretary,

(Incharge of administration), Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi, the 19th April, 1979

No. A-4/1/78—The following Asstt. Enforcement Officers have been appointed to officiate as Enforcement Officer w.e.f. the date of their assumption of charge and until further orders.

Their places of posting and dates of assumption of charge are indicated against each :-

S. Name No.	Place of posting	Date of assumption of charge
1. Shri A.K. Murmu	Gauhati	4-12-78
2, Shri R. Chakrapani	Madras	8-3-79
3. Shrl A.N. Naik	Goa	16-12-78
4. Shri N.K. Unnithar	ı Calcutta	1-1-79
5. Shri K. Chakrabort	y Gauhati	21-3-79

J. N. ARORA

Deputy Director (Admn)

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 14th May 1979

No. 29 RCT 5,—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Devinder Singh, an officer of Indian Railway Service of Engineers, as Commissioner for Departmental Inquiries in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 4th May, 1979, until further orders.

K. L. MALHOTRA
Under Secretary (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 10th May 1979

No. C.II-1437/79-Estt.—The Director General, CRP Force is pleased to appoint Dr (Miss) Umarani Narzary as Junior Medical Officer in the CRP Force on *aul-hoc*: basis with effect from the forenoon of 19-4-1979 for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 14th May 1979

No. D.I-12/77-Estt.—Consequent on their apointment as Dy.S.P. on deputation with Mizoram Police, the services of the following officers of CRPF are placed at the disposal of Mizoram Police w.e.f. the dates mentioned against their names:—

- Shri S. K. Rath, DYSP of GC Gauhati—28-2-79 (AN).
- Shri Ranvir Singh, DYSP of 29th Bn.—16-3-79
 (AN).

The 16th May 1979

No. O.II-1079/78-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. N. Nagaraja Rao, GDO, Grade-II of Base Hospital-II CRPF Hyderabad with effect from the afternoon of 25th April, 1979.

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 10th May 1979

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Neemuch Shri Raghunath Singh, relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Training Reserve, BHEL Hardwar, w.e.f. the afternoon of 31st March 1979.

No. F-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Hardwar Shri Raghunath Singh assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit GOF Neemuch (M.P.) w.e.f. the afternoon of the 16th April 1979 vice Shri Ishwar Singh, Asstt. Commandant, who, on transfer to Bhilai, relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

A, N. BHALLA
Asstt. Inspector General/Pers

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL,

New Delhi-110011, the 14th May 1979

No. 11 28/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint on promotion Shri R. Y. Revashetti, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on regular basis in a temporary capacity with effect from the afternoon of 17th April, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri R. Y. Revashetti will be at Bangalore.

No. 11/28/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint on promotion Shri J. R. Vashistha, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Registrar General, India, New Delhi on regular basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 24th April, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri J. R. Vashistha will be at New Delhi.

No. 11/28/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint on promotion Shri C. L. Chehra, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Jammu & Kashmir,

Srinagar as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow on regular basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 23rd April, 1979 until further orders.

The headquarters of Shri Chehra will be at Lucknow.

No. 11/28/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint on promotion Shri R. C. Bhargava, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical) on regular basis in a temporary capacity in the same office with effect from the afternoon of 16th April, 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Bhargava will be at Jaipur.

No. 11/28/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. Jayashanker, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Kerala, Trivandrum and at working as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on ad-hoc hasis, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on regular basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 11 April, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Jayashanker will be at Trivan-drum.

No. 11/28/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint on promotion Shri G. S. Pabla, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Punjab. Chadigath as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, on regular basis in a temporary capacity with effect from the afternoon of 11th April, 1979 until further orders.

The headquarters of Shri Pabla will be at Chandigarh.

No. 11/28/78-Ad.I.—The President is pleased to appoint on promotion Shri D. P. Chatterjee, an Investigator of the Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on regular basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 11th April, 1979 until further orders.

The headquarters of Shri Chatterjee will be at Calcutta.

No. 11/1/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Puri, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal, as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations, Gujarat, Ahmedabad on regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of 30th March, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Puri will be at Ahmedabad.

No. 11/1/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Sharma, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Gujarat, Ahmedabad as Deputy Director of Census Operations. in the office of the Director of Census Operations, Madhya Pradesh, Bhopal on regular basis, in temporary capacity, with effect from the forenoon of 9th April, 1979, until further orders,

The headquarters of Shri Sharma will be at Bhopal.

No. 11/1/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. D. Aggarwal, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Rajasthan, Jaipur as Deputy Director of Census Operations, in the office of the Director of Census Operations. Bihar Patna on regular basis, in temporary capacity, with effect from the afternoon of 25th April, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Aggarwal will be at Patna.

No. 11/47/79-Ad.1.—The President is pleased to appoint Shri Ravindra Gupta, an officer belonging to the Uttar Pradesh Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Uttar Pradesh, Lucknow, with effect from the forenoon of 24th April, 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Gupta will be at Lucknow.

No. 11/63/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. N. Ghosh, an officer belonging to the West Bengal Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, West Bengal, Calcutta, with effect from the forenoon of 24th April, 1979 until further orders.

2. The headquarters of Shri Ghosh will be at Calcutta.

No. P/M(24)Ad.f.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee and in consultation with the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Bijaya Prasad Mahapatra as Assistant Registrar General (Language) in a substantive capacity with effect from the forenoon of the 30th April, 1979 until further orders.

The headquarters of Shri Mahapatra will be at Calcutta.

The 15th May 1979

No. 11/28/78-Ad L.—The President is pleased to appoint on promotion Shri M. C. Padalia, an Investigator in the office of the Director of Census Operations, Uttar Ptadesh, I ucknow as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office on regular basis in a temporary capacity with effect from the forenoon of 11th April, 1979, until further orders.

The headquarters of Shri Padalia will be at Lucknow,

The 17th May 1979

No. 11/60/79-Ad.1.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Chaudhury, an officer belonging to the Assam-Meghalaya Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Assam, Gauhati, with effect from the forenoon of 20th April, 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Chaudhury will be at Gauhati.

No. 11/67/79-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri J. Tayeng, an officer belonging to the Assam-Meghalaya Cadre of the Indian Administrative Service, as Director of Census Operations, Meghalaya, Shillong with effect from the forenoon of 23rd April, 1979, until further orders.

2. The headquarters of Shri Tayeng will be at Shillong.

V. P. PANDEY Deputy Registrar General

MINISTRY OF FINANCE (DEPARTMENT OF FCONOMIC AFFAIRS) INSURANCE WING

New Delhi, the 5th May 1979

No. 51(12) Ins I/76.—WHERHAS I, R. K. Mahajan Controller of Insurance, am satisfied that the affairs of the Society known as Pen Friends Provident Insurance Company Limited, have been fully wound up;

NOW, THEREFORF, in pursuance of the provisions of sub-section (5) of section 93 of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938), I hereby declare the said Society dissolved.

R. K. MAHAJAN
Controller of Insurance

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 8th May 1979

No. 219/A.—The undersigned hereby appoints the following Inspectors Control (Class III non-Gazetted), India Security Press Nasik Road as Deputy Control Officers (Class II Gazetted post) in India Security Press, in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on regular basis against the two newly created posts of Dy.C.Os. vids G.IMF, letter No F.5/56/77-Cy, dated 24-1-1979, with effect from 4-5-1979 (FN).

- 1. Shri G, C. Rastogi,
- 2. Shri A. M. Raool.

No. 221/A.—The undersigned hereby appoints Shri S. N. Chakraborty, Inspector Control (Class III non-Gazetted), India Security Press, Nasik Road, to officiate as Deputy Control Officer (Class II Gazetted post) in India Security Press, in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on an ad-hoc basis w.e.f. the forenoon of 4th May, 1979 to 30th September 1979 or till the post is filled on a regular basis whichever is or till filled on a regular basis whichever is earlier.

> D. C. MUKHERJEA General Manager

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-I

Gwalior, the 17th April 1979

No. OE.1/15.-The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers as Accountants Officers in an officiating capacity in the scale of Rs. 840-40-1000-PB-40-1200 with effect from the dates noted against each :-

Sarvashri

- 1. J. R. Padmanabhan (02/0246)-31-3-1979 Forenoon.
- 2. M. Ramamurthy (02/0247)-31-3-1979 Forenoon.

KRISHNA GOPAL

Senior Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES Calcutta-700016, the 5th May 1979

No. 27/79/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri Sukumar Bose Offg. DADG Subst. & Permt. T.S.O. (ctired from service w.e.f. 31st March, 1979 (A.N.).

V. K. MEHTA

Assistant Director General, Ordnance Factories

DGOF HQRS. CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700069, the 9th May 1979

No. 7/79/Λ-E-1(NG).—On attaining the age of superannuation, Shri Satya Brata Nag, substantive and permit. ASO, and S/Shri Krishan Mohan and Sudhir Kumar Dutta, substantive and permanent Assistant, Temporary A.S.O., retired from service with effect from 30-4-79 (A.N.).

> D. P. CHAKRAVARTI ADGOF/ADMIN

for Ordnance Factory Board

DRAFT

NOTICE OF TERMINATION Meerut, the 16th May 1979

No. AN/F/8319288/AMC.—In pursuance of Sub Rule (i) of Rule 5 of Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965 the undersigned hereby gives notice to Shri Balendia Shekar Ty. Auditor A/C No. 8319288 serving in the organisation of C.D.A. (ORs) North, Meerut that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month computed from the date of the Gazette notification.

> P. C. THOMAS Controller of Defence Accounts (ORs) North, Meerut

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE) OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

> New Delhi, the 30th April 1979 IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/585/59-Admn(G)/3256.—On attaining the age of superannuation, Shri D. M. Chowdhury, Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of the poet. Imports and Exports, Calcutta, relinquished charge of the post in that office on the afternoon of the 31st March, 1979.

No. 6/939/71-Admn.(G)/3291.—Shri L. S. officer officiating in the Section Officer's Grade of the CSS, permitted to retire voluntarily from Government service with effect from the forenoon of the 1st April, 1979.

The 14th May 1979

No. 6.7528758- Δ dmn.(G)/3509...The President is pleased to appoint Shri J. S. Sahota, a permanent officer of Section Officer's Grade of CSS to officiate in Grade 1 of the service for the period from 23-2-79 to 30,4-79.

2. The President is also pleased to appoint Shri Sahota, as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this office for the aforesaid period.

RAJINDER SINGH

Dy Chief Controller of Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

DEPARTMENT OF SUPPLY DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 26th April 1979

No. A6/247(476).—The President has been pleased to appoint Shri V. J. M. Rao Asst. Inspecting Officer (Tex.) in the office of Director of Inspection, Madras to officiate as Inspecting Officer (Tex.) (Grade III) of IIS Group A Tex. Branch in the same Inspectorate on ad-hoc basis w.c.f. 21-3-79 (FN) and until further orders.

and assumed charge of the office of IO (Tex.) on the forenoon of 21-3-79. Shri Rao relinquished the charge of the office of AIO (Tex.)

The 9th May 1979

No. 17011/13/71-A6.-The President is pleased to appoint Shri D. R. Chandran, Inspecting Officer (Engg.) in the Engineering Branch of the Indian Inspection Service, Group 'A' who was on foreign service with the National Thermal Power Corporation Ltd., to officiate as Deputy Director of Inspection in Engineering Branch of Indian Inspection Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 18th April 1979 and until further orders.

2. On reversion, from foreign service, Shri D. R. Chandran relinquished charge of the post of Sr. Engineer in the National Thermal Power Corporation Ltd., New Delhi on the afternoon of 16-4-1979 and assumed charge of the post of Deputy Director of Inspection (Fngg.) in the office of Director of Inspection, Bombay on the forenoon of 18-4-1979.

> P. D. SETH Dy. Director (Admn.)

New Delhi the 10th May 1979

No. A-17011/151/79-A6.—The Director General of Supplies & Disposals is pleased to appoint Shri U. C. Datta, Examiner of Stores (Met.) in the Burnpur Inspectorate to officiate as Assistant Inspecting Officer (Met.) in the Jamshedpur Inspectorate under this Directorate General w.e.f. the forenoon of 31st March, 1979 and until further orders,

P D SETH

Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies & Disposals

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 10th May 1979

No. A41/1(262).—The President is pleased to appoint Shri P. Chakravarti, permanent Director (Grade I of the Indian Supply Service) in the Director of Supplies & Disposals, Calcutta, to officiate as Deputy Director General (Supplies & Disposals) in the office of the Director General of Supplies & Disposals. New Delhi, with effect from the forenoon of the 22nd February, 1979 and until further orders.

K, KISHORF

Deputy Director (Admn.) for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINFS DEPARTMENT OF STEEL IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 2nd May 1979

No. EI-2(3)/73(.).—The Iron & Steel Controller hereby appoints Shri Sasanka Sekhar Mukherjee, Superintendent, to the post of Assistant Iron & Steel Controller with effect from 23-4-1979 (F.N.), on an ad hoc basis.

S. N. BISWAS

Jt. Iron & Steel Controller

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 8th May 1979

No. E1-5496/698-Map Curator.—Shri A. B. Sarkar, who was appointed as Map Curator (G.C.S. Group 'B') on transfer on deputation in Eastern Circle Office, Survey of India, Calcutta in the scale of pay of Rs. 550—25—750—FB—30—900 vide Notification No. E1-5063/698-Map Curator dated 2-4-1976 issued under this office No. E1-16798/698-Map Curator dated 2-4-1976 will continue as Map Curator for a further period of one year beyond 10-3-1979.

K. L. KHOSLA
Major-General
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 9th May 1979

No. 2/28/61-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri G. N. Srivastava, Administrative Officer, Doordarshan Kendra, New Delhi to the post of Sr. Administrative Officer. All India Radio, New Delhi with effect from 31-1-79 (AN).

S. V. SFSHADRI Deputy Director of Administration for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 30th April 1979

CORRIGENDUM

No A.20011/3/69-Admn.I.—In partial modification of this Division's Notification No. A.20011/3/69-Admn.I dated 18/19-1-79 the Director, Publications Division is pleased to appoint, on ad-hoc basis, Shri S. M. Chahal, a permanent Technical Assistant as Asstt. Director (Production) in this

Division w.e.f. 6-9-78 Instead of 25-9-78 until further orders. The appointment has been made in the leave vacancy of Shri B. S. Chaudhry, Asstt. Director (Prod.).

INDRAJ SINGH Deputy Director (Admn.)

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 9th May 1979

No. 9/31/49-Est.I.—The Chief Producer, Film Division, has appointed Shri H. G. Bhandarkar, Permanent Superintendent, Film Division Bombay, to officiate as Assistant Administrative Officer on ad hoc basis in the same office with effect from the forenoon of the 19th April, 1979, until further orders.

M. CHANDRAN NAIR
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 8th May 1979

No. A.12026/19/78-Est.—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri D. N. Gandhi, Technical Assistant (Printed Publicity) to officiate as Assistant Production Manager (Printed Publicity) in this Directorate in a temporary capacity on ad-hoc basis with effect from 1st May, 1979, until further orders.

R. DEVASAR
Deputy Director (Admn.)
for Director of Advertising & Visual
Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

STORES I SECTION

New Delhi the 1979

No. A 22012/1/79-SI(Part).—The Director General of Health services is pleased to appoint Shri G. Subramanian Senior scientific Assistant, Govt Medical Store Dept. Madras to the post of Depot Manager. (Group A, Gazetted), Govt. Medical Store Depot, Bombay with effect from the forenoon of 29th March, 1979, on a temporary basis and until further orders.

S. K. KARTHAK, Deputy Director Admn. (Stores)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION HEAD OFFICE

Faridabad, N.H. IV, the 9th May 1979

No. A-19024/2/79-A.III.—Shri N. Kasi Rao, Senior Chemist is appointed to officiate as Chief Chemist at Cochin w.e.f. 21.4.79 (AN) on purely short-term basis for a period not exceeding three months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A.19026/1779-A.III.—Shri C. D. Batra, Superintendent (Ministerial) is appointed to officiate as Administrative Officer under the scheme of 'Setting up of Marketing Planning & Design Centre' at Faridabad w.e.f. 5.5.79 (AN) to 31.7.79 on short-term basis.

The 10th May 1979

No. A-19023/15/78 A.III.—Shri T. Sabnani, Marketing Development Officer, has been relieved of his duties in this Directorate at New Delhi w.e.f. 19-2-1979 (F.N.) to join the post of Senior Design Engineer in the Bharat Heavy Electricals Ltd., New Delhi, on 'Notional' foreign service.

B. L. MANIHAR, Director of Administration for Agricultural Marketing Adviser

BHABIIA ATOMIC RESEARCH CENTRE

Personnel Division

Bombay-400085, the 20th March 1979

No: 5/1/79-Estt. 11/1071—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Asstt, Personnel Officer for the period shown against their names:

Sl. Name & Designation	Appointed	Perio	od
No.	to officiate as	From	To To
1. Shri S.G. Sapaliga Assistant	Asstt. Personnel Officer	26-12-78 (FN)	25-1-79 (AN)
2. Shri V. Narayana Rae Sr. Steno	Asstt. Personnel Officer	15-1-79 (FN)	1-3-79 (AN)
3. Shri S.G. Sapaliga Assistant	Asstt. Personnel Officer	31-1-79 (FN)	13-3-79 (AN)
4. Shri P.V. Krishnamoor Sr. Steno	thy Asstt. Personnel Officer	31-1-79 (FN)	13-3-79 (AN)

The 22nd March 1979

No. 5/1/79-Estt. II/1099—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Accounts Officers/Accounts Officer II for the period shown against their names:

Sl. Name & Designation	Appointed	P	eriod
No.	to officiate as	From	То
1. Smt. M.P. Gidwani Asstt. Accountant .	Asstt, Accounts Officer	15-1-79 (FN)	22-2-79 (AN)
2. Shri T.K. Ramamurthy Asstt. Accountant .	Asstt. Accounts Officer	31-1-79 (FN)	3-3-79 (AN)
3. Shri F. D'Souza Asstt. Accountent .	Asstt. Accounts Officer	4-3-79 (FN)	until further orders
4. Smt. S.P. Meherjee Asstt. Account int	Asstt. Accounts Officer	1-2-79 (FN)	until further orders
5. Kum. N.M. Merchant Asstt. Accounts Officer	Accounts Officer II	15-1-79 (FN)	17-2-79 (AN)
6. Smt. H.H. Kapadia Asstt. Account int	Asstt. Accounts Officer	15-1-79 (FN)	17-2-79 (AN)

The 23rd March 1979

No. C-318/TSD/Estt. II/1112.—On attaining the age of superannuation, Shri Remedios Conceicao Coutinho, a permanent Chargehand and officiating Scientific Officer/Engineer (SB), retired from Government Service on the afternoon of 31-12-1978.

The 26th March 1979

No. 5/1/79-Fstt. II/1148.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri S. N. Sen, ASO, to officiate on an ad-hoc basis as Security Officer in this Research Centre for the period from 27-12-78 (FN) to 23-2-79 (AN).

Kum. H. B. VIJAYAKAR Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 29th March 1979

No. 5/1/79-Estt. II/1203.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri B. M. Naik, S.G.C., to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer, in this Research Centre for the period from 13-2-1979 (FN) to 23-3-1979 (AN).

The 5th April 1979

No. 5/1/79-Estt. II/1329.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri T. C. R. Kutty, ASO, to officiate on an *ad-hoc* basis as Security Officer in this Research Centre for the period from 1-3-79 (FN) to 31-3-79 (AN).

V. M. KHATU Dy. Establishment Officer

Bombay-400 085, the 18th April 1979

No. 5(5)/78-Confirmation/1971.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints Shri K. K. Viswambharan Nair, a temporary Scientific Officer/Engineer SC, Bio-Chemistry & Food Technology Division in a substantive capacity as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre with effect from February 1, 1977.

No. 5(5)/78-Confirmation/1970—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, hereby appoints the undermentioned officers in a substantive capacity as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Bhabha Atomic Research Centre with effect from February 1, 1977.

vision of diological otection	SA C
ealth Physic:	s SAC
echnical ervices	Foreman
5 Project	D'man B
	SA C
	iology & Agriculture V.R. PATO Establishm

Bombay-85, the 9th April 1979

No. P-1462/FRD/Estt. II/1420.—Director, B.A.R.C. has accepted the resignation from service tendered by Shri Parambath Padmanabhan, Officiating Scientific Officer/Engineer grade (SB), BARC with effect from the afternoon of February 19, 1979.

The 18th April 1979

No. B/1701/Esstt. II/1504.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri K. G. Balachandran, permanent U.D.C. in P.P.E.D., officiating SGC in Madras Atomic Power Project, Kalpakkam, to officiate as Assistant Personnel Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, with effect from the forenoon of March 12, 1979.

The 26th April 1979

No. 5/1/79-Estt. II/1616.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri P. Sivam, Assistant Security Officer, to officiate on an ad-hoc basis as Security Officer in this Research Centre for the period from 7-9-1977 (FN) to 30-11-1977 (AN).

The 30th April 1979

No. 5/1/79-Estt. II/1658.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri V. A. V. Menon, Assistant, to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer, in this Research Centre for the period from 15-1-1979 (FN) to 23-2-1979 (AN).

T. T. PISHORI,

Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 27th April 1979

No. PPED/3(283)/76-Adm./7488.—In continuation of this Division's notification's of even number dated March 1, 1979 Shri P. Vasu, a permanent UDC of BARC and officiating Asstt. Accountant in this Division who was appointed as Asstt. Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 26, 1979 to the afternoon of April 18, 1978 has been permitted to continue to hold temporary charge of the same post upto the afternoon of May 5, 1979.

B. V. THATTE Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 9th May 1979

No. DPS/21/1(2)/78-Est./12849.—The Directorate of Purchase and Stores appoints Shri Chinkurli Srikantiah Shivaramu, a temporary Purchase Assistant to officiate as Assistant Purchase Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810— EB—35—880—40—1000— EB—40—1200 in an ad-hoc capacity from the forenoon of April 2, 1979 to the forenoon of May 5, 1979 and in a regular capacity with effect from the forenoon of May 5, 1979 until further orders in the same Directorate.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 2nd May 1979

No. PAR/0704/1473.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri B.H.L.G. Sastry, an industrial temporary Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 29-3-1979 to 18-6-1979.

U. VASUDEVA RAO
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 10th May 1979

No. AMD-1/10/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri D. S. Israni, Assistant Accounts Officer of the Atomic Minerals Division, as Accounts Officer-II in the same Division in a purely temporary capacity with effect from 7-5-1979 to 22-6-1979 vice Shri K. P. Sekharan, Accounts Officer-II, granted leave.

No. AMD-1/10/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri J. K. Sharma, Accountant of the Atomic Minerals Division, as Assistant Accounts Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from 7-5-1979 to 22-6-1979 vice Shri D. S. Israni promoted as Accounts Officer-II.

No. AMD-1/29/78-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Rajgopal Mohanty as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of 5-4-1979 until further orders.

for (M. S. RAO) Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 8th May 1979

No. HWPs/Estt/1/C-16/2088.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Parathamala Phillipose Cherian, an Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Tuticorin) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project, in a temporary capacity, w.e.f. 8-3-1979 to 7-4-1979 (AN) vice Shri C. Padmanabhan, Assistant Personnel Officer, granted leave.

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTORATE GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 19th May 1979

No. A. 38015/1/78-EC.—While proceeding on earned leave for 110 days from 21-9-78 to 8-1-79 combined with half pay leave for 23 days from 9-1-79 to 31-8-79 as L.P.R., Shri K. N. K. Poduval, Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Bombay relinquished charge of the post on the 21-9-78 (FN) and on expiry of leave retired from Government Service on the 31-1-79 (AN) under the provision of F.R. 56(k).

S. D. SHARMA Deputy Director of Administration

New Delhi, the 9th May 1979

No. 12025/16/77-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Sh. D. P. Ghosh, Aircraft Inspector in the Civil Aviation Department in officiating capacity with effect from 24-4-79 and until further orders.

The 10th May 1979

No. A. 44012/1/78-ES.—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri B. R. Borah, Aircraft Inspector, in the office of the Director of Aircraft Inspection, Kanpur, with effect from 21-4-79 (A.N.).

No. A. 44012/1/78-ES.—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri S. P. Singh, Aircraft Inspector, in the office of the Regional Director, Bombay, Bombay Airport Bombay with effect from 18-4-79 (A.N.).

No. A. 44012/1/78-ES.—The President is pleased to accept the resignation from service of Shri Rajcev Kapoor, Aircraft Inspector, in the office of the Regional Director, Delhi Region, Safdarjung Airport, New Delhi with effect from 17-4-79 (A.N.).

S. L. KHANDPUR Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 10th May 1979

No. 1/449/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Vimal Wakhlu, as Assistant Engineer, in a temporary capacity in Switching Complex, Bombay, with effect from the forenoon of the 9th April, 1979 and until further orders.

H. L. MALHOTRA Deputy Director (Admn.) for Director General

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22 the 10th May 1979

No. A-32012/2/70-Adm. V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group-B), the Chairman, Central Water Commission hereby appoints the following Senior Research Assistant/Research Assistant, presently officiating as Assistant Research Officer (Physics) on ad-hoc basis in the Central Water & Power Research Station Pune, on regular basis in the same post in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810— EB —35—880—40—1000— EB 40—1200 w.e.f. 1st January, 1979, until further orders.

S/Shri

- 1. N. M. Mahajan
- 2. M. D. Kamble
- 3. H. S. N. Swamy
- 2. These officers will be on probation to the posts of Assistant Research officer (Physics) for a period of two years with effect from 1st January, 1979.

The 15th May 1979

No. A-19012/686/78-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints on promotion Shri P. K. Chatterjee Supervisor to the grade of EAD/AE in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the afternoon of 28th January, 1978 till the post is filled on regular basis.

J. K. SAHA

Under Secretary

Central Water Commission

INTEGRAL COACH FACTORY GENERAL MANAGER'S OFFICE

PERSONNEL BRANCH

Madras-38, the April 1979

No. PB/GG/9/Misc./II.—On transfer from Central Railway, Shri K B. SANKARAN, Officiating Deputy Chief Mechanical Engineer (I.A.) has reported for duty on 4-1-79 and posted as Officiating Deputy Chief Mechanical Engineer/System Development Group (J.A.).

On transfer from Chittaranjan I ocomotive Works, Sri P. J. ABRAHAM, Officiating Deputy Chief Mechanical Engineer (I.A.), has reported for duty on 4-1-79 and posted as Officiating Deputy Chief Mechanical Engineer/Planning (J.A.).

3. Sri T. S. KRISHNAMURTHY. Officiating Deputy Financial Adviser & Chief Accounts Officer/MTP (J.A.) has been relieved with effect from 4-1-79 on transfer to Central Railway

- Sri T. M. NARASIMHAN, Officiating Senior Accounts Officer/Finance (S.S.), is promoted to officiate as Deputy Financial Adviser & Chief Accounts Officer/MTP (J.A.) with effect from 4-1-79.
- Sri M. N. KRISHNAMURTHY, Assistant Accounts Officer/Fur. (Class II) is promoted to officiate as Senior Accounts Officer/Finance (SS) with effect from 4-1-1979.
- Shri T. R. RAJAMANI, Officiating Chief Draftsman (Class III) is promoted to officiate in Class II service on adhoc basis and posted as officiating Assistant Engineer/C from 8-1-1979.
- Sri K. S. VENKATARAMANI, Senior System Analyst (SS) (ad-hoc) is reverted to Class II service as Officiating Assistant Accounts Officer with effect from the afternoon of 22-1-1979.

The above officer is promoted to officiate in Senior Scale as Senior Accounts Officer/Fur. from 26-2-79 to 11-4-1979.

- Shri R. C. TANDON, Officiating Additional Chief Mechanical Engineer (S.A.—Level II) is relieved on 27-1-79 (AN) on transfer to South Eastern Railway as Chief Workshop Engineer (Level I HOD).
- Sri K. P. KARUNAKARAN, Depot Store Keeper (Class III) is promoted to officiate as Assistant Controller of Stores/C&D (Class II) from 13-2-1979.
- Sri S. SUBBIAH, Officiating Assistant Controller of Stores (C&D) Ad hoc is reverted to Class III service with effect from 13-2-1979.

On transfer from South Central Railway/SC, Sri E. GONSALVES, Assistant Security Officer is posted as Officiating Assistant Security Officer/Fire (Class II) from 5-3-1979.

- Sri K. MAYAN, Officiating Depot Store Keeper/Gr. 1 (Class III) is promoted to Officiate as Assistant Controller of Stores/C&D, (Class II) with effect from 26-3-1979.
- Sri G. SESHAGIRI RAO, Shop Superintendent/PC/Fur. who has been placed on deputation with RITES, is granted proforma promotion as Assistant Mechanical Engineer (Class II) from 6-12-1978.
- Shri V. CARMELUS, Assistant Works Manager/A/F (J. S.), is promoted to officiate in Senior Scale and posted as Officiating Production Engineer/PR/F (SS) with effect from 31-3-1979 A.N.

R. RANGARAJAN

Dy. Chief Personnel Officer

For General Manager

CENTRAL RAILWAY

GENERAL MANAGER'S OFFICE

Bombay, the 7th May 1979

No. HPB/220/G/II/L.—The undermentioned officiating Assistant Electrical Engineer (Class II) is confirmed in that appointment with effect from the date shown against his name.

Name & Date of confirmation in Class II service

Shri G. N. Salvan-5-1-1979.

The 11th May 1979

No. HPB/220/G/II/P.—The following Officers are confirmed in Class II Service as Assistant Personnel Officer with effect from the dates shown against each:

SI. No.		Name		Dat firm	te of con- nation
1.	Shri	O.P. Misra			9-22-72
2.	**	N.C. Sundararaman		•	26-2-73
3.	17	N.U.B.U. Varma			11-7-73
4.	"	E.S. Mahalingam			30-6-74
5,	**	K.S. Ramachandran			31-10-75
6.	**	Balbir Singh .	-	-	1-1-76
7.	**	P.S. Harlharan .		-	1-1-76
8.	**	T.R. Vaidyanathan			1-1-76

<u> </u>			 		
1		4			3
9.	Shii	S.C. Saxena		- ,	 1-1-76
10.	**	K. Jagannathan			7-6-76
11.	**	V.D. Vadhavkar			11-4-77
12.	"	K.B. Pillai		,	11-4-77

KRISHAN CHANDRA General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANIES

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Bhatla Brothers Transport Company Private Limited

New Delhi, the 9th May 1979

No. 2916/7892.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Bhatia Brothers Transport Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the Company will be dissolved.

HAR LAL
Asstt. Registrar of Companies
Delhi & Haryana

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Anandpur Chit Fund Company Private Limited.

Jullundur, the 15th May 1979

No. G./Stat/560/3075/1228.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Anandpur Chit Fund Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Bans Bros. Chit Fund & Financiers Private Limited.

Jullundur, the 15th May 1979

No. B/Stat/560/3283/1230.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Bans Bros. Chit Fund & Financiers Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1955, and of M/s. Eureka Exports Private Limited.

Jullundur, the 15th May 1979

No. G/Stat/560/3671/1232.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Eureka Exports Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Punjab Rubber & Chemical Industries Private Limited.

Jullundur, the 15th May 1979

No. G/Stat/560/2952/1235.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Punjab Rubber & Chemical Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. M. H. Combers Private Limited

Jullundur, the 6th May 1979

No. G/Stat/560/3070/1408.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. M. H. Combers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies
Punjab, H.P. & Chandigarh

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Nylotex Engineering Private Limited.

Ahmedabad, the 16th May 1979

No. 2133/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Nylotex Engineering Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

J. G. GATHA Registrar of Companies, Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. The Blue Mount Hotels Private Limited.

Cuttak, the 9th May 1979

No. S.O./677/546.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Blue Mount Hotels Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

D. K. PAUL Registran of Companies, Orissa.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of M/s. Secthai Mills Limited

(Sec. 445 of the Companies Act 1956)

Madras, the 9th May 1979

No. 2009/C.Liqn/445/74.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras, dated 6-10-77 passed in C.P. No. 96 of 1974 the company M/s. Seethai Mills Limited was wound up,

Sd/- ILLEGIBLE Asst. Registrar of Companies Tamil Nadu

In the matter of Companies Act, 1956, and of M/s. Maero Tools Limited

Madras, the 9th May 1979

No. 5163/Co. Lign./445/77.—Notice is hereby given that by an order of the High Court of Judicature at Madras No. 32/1977 dated 3-11-1977 the company M/s. Maero Tools Limited was wound up.

S. SATYANARAYAN
Asstt. Registarar of Companies, Madras

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

INCOME TAX DEPARTMENT (CENTRAL CHARGE-I)

Bombay-400 020, the May 1979

Following is the list of assessees (i) being Individuals or Hindu Undivided Families, who have been assessed on an income of more than 2 lakhs of Rupees and (ii) being Firms, Companies or Other Association of Persons, who have been assessed on an income of more than 10 lakhs of Rupees, during the financial year 1977-78 wherein the first appeal has either been disposed of or the time for presenting the first appeal has expired without an appeal having been presented, indicating: (i) Status 'I' for Individual, 'C' for Company 'F' for Registered Firm, (ii) Assessment year, (iii) Figures of income returned, (iv) Income assessed, (v) Tax payable by the assessee inclussive of interest charged and (vi) Tax paid by the assessee inclusive of interest charged.

SCHEDULE-I

- Shri Goenka Chiranjilal S., 16, Walkeshwar Road, Bombay. (i) I, (ii) 1963-64, (iii) Rs. 70,530, (iv) Rs. 2,22,380, (v) Rs. 1,46,432, (vi) Rs. 1,46,432.
 - (ii) 1964-65, (iii) Rs. 70,803, (iv) Rs. 2,38,560, (v) Rs. 1,53,031, (vl) Rs. 1,53,031.
 - (ii) 1965-66, (iii) Rs. 70,414, (iv. (v) Rs. 1,57,947, (vi) Rs. 1,57,947, (iv) Rs. 2,80,570,

 - (ii) 1966-67, (iii) Rs. 55,165, (iv) Rs. 2,79,524, (v) Rs. 1,78,967, (vi) Rs. 1,68,080.
- Shri Patel J. V., Mewar, 40-A, Pedder Road, Bombay.
 I, (ii) 1975-76, (iii) Rs. 2,67,760, (iv) Rs. 3,16,915, (v) Rs. 1,62,337, (vi) Rs. 1,62,337.

SCHEDULE-II

- Bralco Metal Industries Pvt. Ltd., Gupta Mills Estate, Reay Road, Bombay. (i) C, (ii) 1975-76, (iii) Rs. 34,07,733, (iv) Rs. 36,54,920, (v) Rs. 21,09,283, (vi) Rs. 21,09,283.
- The Century Spg. & Mfg. Co. Ltd., Century Bhavan, Dr. Annie Bessant Road, Worli, Bombay. (i) C, (ii) 1975-76, (iii) Rs. 20,86,40,400, (iv) Rs. 21,61,62,724, (v) Rs. 12,47,70,305, (vi) Rg. 12,47,70,305.
- M/s. Prakash Cotton Mills Pvt. Ltd., 139, Medows Street, Fort, Bombay. (i) C, (ii) 1966-67, (iii) Nil, (iv) Rs. 12,67,846, (v) Rs. 20,260, (vi) Rs. Nil.
 - (ii) 1967-68, (iii) Nil, (iv) Rs. 30,23,149, (v) Rs. 17,63,890, (vi) Rs. 17,63,890.
 - (ii) 1968-69, (iii) Nil, (iv) Rs. 42,98,409, (v) Rs. 3,93,859, (vi) Rs. 43,259.
 - (ii) 1974-75, (iii) Nil, (iv) Rs. 49,04,482, (v) Rs. 43,52,168, (vi) Rs. 86,876.
- 4. M/s. Shreeniwas Cotton Mills Ltd., Shreeniwas House, Hazarimal Somani Marg, Bombay. (i) C, (ii) 1971-72, (iii) Rs. 15,69,984, (iv) Rs. 17,62,420, (v) Rs. 8,78,801, (vi) Rs. 8,78,801.
 - (ii) 1974-75, (iii) Loss Rs. 22,73,620, (iv) 48,48,130, (v) Rs. 29,01.004, (vi) Rs. 29,01,004. (lv) Rs.

S. S. KAPUR Commissioner of Income Tax (Central-I), Bombay

FORM ITNS-

PORM MINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME.TAX ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHEMBER, SADAR, NAGPUR

Nagpur, the 13th March 1979

Ref. No. IAC/ACQ/89/78-79.—Whereas, I, M. V. R. PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

N.I.T. Plot No. 24-A, in Ward No. 11. Circle No. 2, Divn. No. 1, Great Nag Road, Nagpur situated at Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Nagpur on 12-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpos of the Indian ncome-tax Act, 1922) 11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:----

(1) Shri Vasant Krishnarao Shirpurkar, Badkas Chowk, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Shridhar Moreshwar Vaidya, Proprietor, Snehadeep Industries, Great Nag Road, Nagpur, r/o 'Snehadeep' Rani Laxminagar, Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

N.LT. Plot No. 24-A, in Ward No. 11, Circle No. 2, Division No. 1, (Aren 12,000 sq. ft.) Great Nag-Road, Nagpur.

M. V. R. PRASAD,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur.

Dated: 13-3-1979

Scal:

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 17th May 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/5-79/340.---Whereas, I, D. P. GOYAL

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing

No. A-9/15, situated at Vasant Vihar, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Air Commodore C. K. Singha (Retd) S/o late Shri J. C. Singha and Mrs. Priti Lata Singha W/o Air Commodore C. K. Singha R/o A-9/15, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Om Wadhwa S/o Late Shri Harbhagwan Wadhwa R/o A-7, Gulmohar Park, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Single Storey house on Plot No. 15, Block A, Street No. 9 measuring 600 sq. yds. situated in Vasant Vihar, New Delhi and is bounded as under:—

North: House No. 16 South: House No. 14 East: 15' wide service 10ad West: Street No. A/9

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi.

Date: 17-5-1979

Seal:

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi,the 15th May 1979

No. IAC Acq-I/SR-III/Sept-I(37)/78-79./644.---Wheeras, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. S-503 situated at Greater Kailash, Part II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 15-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for পাত্ৰ পাত্
 - (ii) उम्मीववार के लिए न्यूनतम स्वीकार्य 157.5 सेंटीमीटर (नौमेना के लिए 157 सेंटीमीटर) है किन्तु गोरखा, निपाली, प्रसमिया, गढ़वाली उम्मीववारों के लिए नीचे (ख) (i) में वी गई उससे संबंधित सार्ज्जी में दिए गए कद से 5.0 सेंटीमीटर कम किया जा सकता है। मणिपुर, नेफा, मेघालय और क्षिपुरा के नौसेना के उम्मीदवारों के मामने में न्यूनतम कद 5 मेंटीमीटर कम कर दिया जाएगा।

Smt. Swaraj Bhatia
 W/o Harbans Lal Bhatia
 R/o Flat No. 15, 163, S. P. Mukherjee Road,
 Calcutta-26.

(Transferor)

ಜಹಾಮೀಯು, ಕರಣಚಿ

(2) Shri Thakur Nanak Singh S/o Shri Jai Singh R/o 137, Satya Niketan, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A freehold plot of land bearing No. S-503, measuring 550 sq. yds., situated at Greater Kailash-II, New Delhi and bounded as under:—

North: Road North: Service Lane East: Plot No. S-505 West: Plot No. S-501

180	.`			
183			65 67	67
185			67 69	70
188	,		70 71	72
190			72 73	74
193			74 76	77
195			77 78 7	78
130	•	•	 	

 (ii) कद तथा ग्राय के संबंध में बजन का ठीक-टीक मानक निश्चित करना संभव नहीं है। श्रतः परस्पर संबंधी सारणों केवल निर्देशिका मान्न

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 5th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/25,—Whereas, I, M. L. MAHAJAN, being the competent authority under section 269 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Kothi No. 2 (Pvt), Mall Road, situated at Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar City on 1-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) Shrimati Pushpa Wati W/o Shri Prem Nath Kothin No. 2, Mall Road, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Shri Ajaib Singh, Gulari and Shri Inderpal Singh Kothi No. 2 (Pvt.), The Mall Road, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleafe mentioned and tenants(s), (if any. Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One Kothi bearing No. 2 (Pvt), Mall Road, Amritaar as mentioned in Registered Deed No. 2015 of 1-9-78 of the Registering Authority, Amritaar City.

M. L. MAHAJAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 7-5-79

Seal:

FORM ITNS---

NOTICE NDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/26.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No

Plot No. 31 situated at Amarkot, G. T. Road, Amritsar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City, on 18 Sept. 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

धान्त कनर न परायाण का आर पाठ करका ठ००० प्रार्थ पर खड़ा हो प्रत्येक कान से फूसफुसाहट की ग्रायाज सुनाई पड़नी चाहिए। परीक्षक को घवशिष्ट वायु से फुसफुसाना चाहिए धर्यात् वह साधारण नि:ध्वास ग्रन्त में क्षेगा।

(ख) अध्यता मितिक रिकार्ड:—उम्मीदवार को प्रत्येक कान से 128 से 4096 साइकल वृति सैंकिन्ड की आवृत्ति पर सुनना चाहिए। (अत्यता-मितिक पाठ्यांक + 10 तथा—10 के बीच होना चाहिए) (नौ सेना के लिए लागू नहीं है)।

परिशिष्ट 111

सेवा श्रादि के संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं-भारतीय सेना अकादमी देहरादून में प्रवेश लेने वाले उम्मीवारी के लिए:--

- 1. भारतीय सेना श्रकादमी में भर्ती करने से पूर्व :---
 - (क) उसे भाषाय का प्रमाण पत्न देना होगा कि वह यह समझता है कि किसी प्रशिक्षण के दौरान या उसके परिणामस्वरूप याद उसे कोई, बोट, लग जाए या ऊपर निर्दिष्ट किसी कारण से या

(1) Smt. Kulwant Kaur wd/o Shri Nihal Singh, R/o House No. 1671, Ranjit Pura, Khalsa College Amritsar.

(Transferor)

4305

(2) Sri Surinder Singh s/o Shri Môhal Singh R/o Kohali and Smt. Simarjit Kaur w/o Sh. Amrik Singh R/o Chhidan Teh. Ajnala.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 overleaf mentioned and tenants(s), if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazettee or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता मंजूर हो जाने पर उपर्युक्त राशि में से नीचे सिखी रागि वापिन कर दी जाएगी:--

55.00 प्रतिमाह के हिसाब से पांच महीने का जेब खर्च 275.00

- 5 भातीय रोना अकावमी में निन्नलिखित छाञ्चवृत्तियां उपलब्ध हैं :---
 - (1) परणुराम भाऊ पटवर्धन छात्रवृत्ति:—यह छात्रवृत्ति महाराष्ट्र तथा कर्नाटक के केंद्रेटों को दो जाती है। इस छात्रवृत्ति की राणि अधिक से अधिक 500.00 ६० प्रति वर्ष है जो कि कैंद्रेटों को भारतीय मेना अकादमी में रहने की प्रविध के दौरान दो जाती है बशसें कि उसकी प्रगति संतोषजनक हो। जिन उम्मीदवारों को यह छात्रवृत्ति मिलती है वे किसी अन्य सरकारी विक्तीय सहायता के हकदार न होंगे।

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/27.—Whereas, I. M. L. MAHAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Plot of land situated at Dinanagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gurdaspur on 22-9-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising frmo the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shrimati Bimla Devi w/o Shri Radha Kishan R/o Malowal, Teh. Gurdaspur.
 - (Transferor)
- (2) Shri Gurbachan Singh s/o Shri Rawel Singh, Clerk New Bank of India, Gurdaspur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overlease mentioned and tenants(s), (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 24 K 8 Marlas, situated in V. Dinanagar as mentioned in Regd. Deed No. 4076 dated 22-9-1978 of Registering Authority, Gurdaspur.

M. L. MAHAJAN.
Competent Authority,
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 7-5-79

Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/28.—Whereas, I. M. L. MAHAJAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Plot of land situated at Chardobathwala Teh. Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gurdaspur, on 6 Oct 1978

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

> में जिस्ट्रेट उस आर्थेयन कर को कार्यो अनुबक्क र प्राप्त निवेशक, कार्मिक सेवा, मौ-सेना मुख्यालय, नई दिल्ली के पास भेज देगा।

> यदि किसी माता-पिता/अभिभावक के वो अथवा उससे अधिक पुत्र या आश्रित नौसेना जहाजों/प्रतिष्ठानों में साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हों तो उन सभी को साथ-साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने की अवधि के लिए उपर्युक्त विसीय सहायता दी जा सकती है अगर्ते कि माता-पिता-अभिभावक की मासिक आय 500/ रु० से अधिक न हो।

- (iii) बाद का प्रशिक्षण भारतीय नौसेमा के जहाजों और स्थापनाओं में भी उन्हें सरकारी खर्च पर दिया जाता है। अकावभी छोड़ने के बाद उनके पहले छह मास के प्रशिक्षण के धीरान उन्हें उपर्युक्त पैरा (ii) के अनुसार अकावमी में प्रशिक्षण प्राप्त करने बालों को मिलने वाली विसीय सहायता के समान सहायता वी जाएगी । भारतीय नौसेना के जहाजों और उनके प्रतिष्ठानों में छह मास का प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के बाद जिन कैंडटों की मिडिशिपमैन के रैंक में पदी-क्रति कर दी जाएगी और वे बेतन प्राप्त करने लगेंगे, तब उनके माता-पिता को उनका कोई खर्च नहीं देना होगा।
- (iv) कैंडेटों को सरकार से नि:मुल्क वर्दी मिलेगी किन्त उन्हें इसके अलावा कुछ और कपड़े भी लेने होंगे। इन कपड़ों के सही नमुने और उनकी एकरूपता को सुनिश्चित करने के लिए, ये कपड़े नौसेना अकावमी में तैयार किए जाएंगे तथा उनका खर्च कीडेटों के माता-पिता/अभिभावकों को बहन करना होगा । वित्तीय सहायता के लिए आवेदन-पत्न देने बाले कैडेटों को कुछ कपड़े निःशस्क या उन्नार दिए जा सकते हैं। उन्हें कुछ विशेष कपड़े ही खदीवने होंगे।

- (1) Shri Nirinjan Singh s/o Shri Sant Singh R/o Mohalla Sant Nagar, Gurdaspur.
 - (Transferor)
- (2) Shri Hans Ram s/o Shri Dulo Ram, Brick Kiln owner, Mandi Gurdaspur. (Transferee)
- *(3) As at S. No. 2 overleafe mentioned and tenants(s), (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

> POINT TO BE WELL HE OM AT GREEN ME AT UTIMES को सरकार से मुआवजा मांगने के वाबे का या सरकार से अन्य सहायता मांगने का कोई हक नहीं होगा।

(ख) इस आशय के बांड पर हस्ताक्षर करने होंगे कि किसी ऐसे कारण से जो उनके नियंत्रण के अधीन हो, यदि उम्मीदवार कोर्स पूरा होने से पहले बापस जाना चाहे या यदि कमीणन दिए जानेपर स्वीकार न करे तो शिक्षा, गुल्क, भोजन, बस्त्र, बेतन तथा भत्ते, जो कैंग्रेटों ने प्राप्त किए हैं, उनका मूल्य या उनका वह अंश जो सरकार निर्णय करे, चुकाने की जिम्मेवारी यह लेता है।

3. वेतन और मत्ते (क) वेतन

			वेसनमान		
रींक				सामान्य सेवा	
भिडणिपमैन .	•		•	560.00	5 40
एषिटग सब-लेपिटर्नेंट				750.00	रपए
संब-लेपिटर्नेट				830-870	क्पए
मैफ्टिनेंट .				1100-1450	हपए
नैफ्टिनेंट-फमोधोर				1450-1800	रुपएं
कमाण्डर (जयन मान द्वार	τ)			1750-1950	रु पए
कमांडर (समय वेतन द्वार)				1800.00 रुपए (नियत)
कोप्टन .				1950-2400 रुपए	
				डोर यह वेतन प्राप्त	
				है जिसके लिए वह कैंग्टन के	
				रूप में वरिष्ठता के	आधार
				पर हकदार होता	
रियर एडमिरल		_	_	2500-125/2-27	50
वाइस एउमिरल		•	·	3000 स्पए	

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE

Amritsar, the 7th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/29.—Whereas, I, M. I., MAHAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 or 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot Khasra No. 38-39 situated at Dayanand Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Amritsar City on 25 Sept. 1978

consideration which is sess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Shiv Narain Kapur, Ram Narain Kapur, Anoop Narain Kapur ss/o Shri Hari Ram Kapur and Smt. Sardara Seth and Smt. Shukla Mehra Ds/o Shri Hari Ram R/o Katra Parja Amritsar (P.O.A.) Shri Roshan Lal Mehra s/o Shri Tulsi Ram Mehra, resident of Mall Road, Amritsar.

 (Transferor)
- (2) Shri Tilak Raj Mehra s/o Shri Des Raj Mehra resident of House No. 28/X-1, Beri Gate Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overlease mentioned and tenant(s), if any.

(Person in occupation of the property

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot khasra No. 38-39 situated in Daya Nand Nagar opposite Duni Chand Road, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2345 dated 25-9-78 of Registering Authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 7-5-79

Scal:

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 9th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/30.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax, Act, 1961 (43 of 161), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shops No. 2776/284O measuring 60 Sq. Mts. situated at Partap Bazar, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Amritsar City, on 6 Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to relieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

- (1) Shri Ram Ditta Mal Dharamarth Trust Ameitsar, Partap Bazar through Sh. Krishan Lal Mehra s/o Shri Ram Ditta Mal, 17 Maqbool Road, Amritsar. (Transferor)
- (2) Mes Firm Sunder Singh Joginder Pall, Partap Bazar, Amritsar Shop No. 2776/2840.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 overleaf mentioned and tenants(s), if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the prop

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period or 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops No. 2776/2840, two storcyed measuring 60 sq. mts. situated at Partap Bazar, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2479 dated 6-10-78 of Registering Authority, Amritsar City.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 9-5-79

Seal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th May 1979

Ref. No. ASR/79-80/31.—Whereas, I, M. L. MAHAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

1½ storeyed Building No. 110 situated at lawrance Road, Amritsar

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on 7-9-78.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Bhai Vir Singh Sahitya Sadan Registered Society through Sh. Harbans Singh Honey. Secretary r/o E-6/13, Vasant Vihar, New Delhi c/o S. Sant Singh s/o Bahadur Sardar Hukam Singh r/o 7, Bahadur Hukam Singh Road, Amritsar, Makhtar Khas.
 (Transferor)
- (2) Shri Anant Menon Advocate r/o Bazar Gandha Wala Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 overleaf mentioned and tenants(s), if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14 storeyed building No. 110 covering area of 471.03 sq. mtrs. situated at Lawrance Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2065 dated 7-9-78 of the Registering Authority, Amritsar.

M. L. MAHAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-5-79

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th May 1979

Ref. No. BTL/79-80/32.—Whereas, I, M. K. DHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'sald Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000[- and bearing Land and building of Anand Ice Factory, G. T. Road, Batala. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Batala on 19 Sept. 1978.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Anand Parkash Vermani s/o Late Sh. R. N. Vermani resident of 2-Cavalry Lane, The Mall, Delhi (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Singh s/o Sh. Gurdit Singh, Cinema Road, Batala.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf mentioned and tenants(s), if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

land and Building of Ice Factory situated at G. T. Road, Batala as mentioned in the Regd. Decd No. 3986 dated 19-9-78 of Registering Authority, Batala.

M. K. DHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 15-5-79

Seal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 16th May 1979

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing No.

Land measuring 28 kanals 12 marlas situated at village Vairowal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Taran Taran on 4-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or 'evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Ajit Singh s/o Harbans Singh Village Vairowal, Teh. Taran Taran Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Buta Saigh, Sukhdev Singh, ss/o Shri Kesar Singh, Village Lalpur, Teh. Taran Taran Distt. Amritsar.

(Transferec)

(3) As at S. No. 2 overleaf mentioned and tenants(s), if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 28 kanals 12 marlas situated in village Vairowal, Tchsil Taran Taran, Distt. Amritsar as mentioned in Regd. Deed No. 4024 dated 4-9-1978 of Registering Authority, Taran Taran.

M. K. DHAR,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 16-5-79

Seal:

(1) Smt. Niraj Sud, Km. Pallavi Sud & Others 110 Model Town, Ambala.

(Transferor)

(2) Shri Ganshyam Das Degala, Smt. Bhagwani Devi Degala 87/R/119 Acharyanagar, Kanpur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur the 28th March 1979

Ref. No. TRNo. 554/Acq./Kpr/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Kanpur on 8-9-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
19—86GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 87/296 Acharyanagar, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 90,000/ the fair market value of which has been determined at Rs. 118,200/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 28-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur the 27th March 1979

Ref., No. 275-A/PN/B.Shahar.—Whereas I, B. C. Chaturvedi,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of at Anupshahar on 20-9-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Jalim Singh s/o Mullan Singh r/o Maharajpur Urf Karkaura Pargana Dibai Tah. Anupshahar Distt. Buland Shahar.

(Transferee)

(2) S/Shri Ramvir Singh, Kripal Singh, Rajendra Singh, Sheshpal, Shashipal, Parti Pal sons of Ghot, Rajvir Singh, Mahipal Singh, Adhraj Singh, Manvir, Vijatpal sons of Omvir Singh son of Roshan r/o Maharajpur Urf Karkaura Pargana Dibai Tah. Anupshahar Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Maharajpur Tah. Anupshahar Distt. Bulandshahar sold for an apparent consideration of Rs. 36,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 81,525/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 27-3-1979

 S/Shri Gopi Singh s/o Mullan Singh r/o Vill-Mahrajpur Uri Larkaura Post Dibai Disti, Bulandshahar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur the 27th March 1979

Ref. No. 276-A/PN.—Whereas I, B. C. Chaturvedi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anupshahar on 20-9-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) S/Shri Madan Singh, Rampal Singh, Diwan Singh, Harpal Singh, Jaipal Singh s/o Chidda Singh vill. Maharajpur Urf Karkaura Post Dibai Distt. Buland-shahar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Mahrajpur Urf Karkaura sold an apparent consideration of Rs. 36,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 81,525/-.

> B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax. Acquisition Range Kanpur

Date: 27-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur the 27th March 1979

Ref. No. TR/289-A.—Whereas I, B. C. Chaturvedi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer

at Gaziabad on 13-9-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 S/Shri Pyare I.al Tandon s/o Sri K. C. Tandon r/o West Building Gandhi Road Post Box No. 113, Kanpur through Sri S. K. Bhasin s/o Sri M. Bhasin r/o 42 Model Town Mukhtar-ai-am,

(Transferee)

(2) S/Shri Bhushan Prakash, Sri Sudarshan Kumar, Sri Ashwani Kumar s/o Sri Jagdish Lel r/o Jagdish Nagar, Hapur Road, Gaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are denfied in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A/6 Residential colonies Kavinagar, Gaziabad measuring 1800 sq. yd. sold for an apparent consideration of Rs. 63,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 82,800/-,

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 27-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 304- Λ /PN/Bulandshahar.—Whereas 1. B. C. Chaturvedi,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000, and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 21-9-78,

for an apparent coonderation which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Bhagwati w/o Shashi Prasad village Khakunda Pargana Shikarpur Tah & Distt. Bulandshahar. (Transferor)
- (2) Shri Pyare Lal s/o Chitar Mal, Prm Chand s/o Shyam Lal r/o village Khakunda Pargana Shikarpur Tah. & Distt-Bulandshahar.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Khokunda Pargana Shikarpur Tah. & Distt. Bulandshahar sold for an apparent consideration of Rs. 20,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 58,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kanpur

Date: 27-3-1979

(1) Shri S. N. Gundurao s/o Late S. N. Krishnan Rao r/o 4/278 V "Chaya", Vishnupuri, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kailashnath Tandon s/o Late Y. N. Tandon r/o 45/55 Gaya Pd. Street, Kanpur.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

ACQUISITION RANGE KANPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Kanpur, the 27th March 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 361-A/PN/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to se the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ra. 25,000/and bearing No.

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. as per schedule situated at as per schedule,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur on 17-10-1978 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House property No. 4/278 'B' Chaya' Vishnupuri, Kanpur half portion of first floor sold for an apparent consideration of Rs. 70,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 111,000/-.

> B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 27-3-1979

FORM ITNS

 Shri S. N. Gundurao s/o Late S. N. Krishnarao r/o 4/278 V 'Chaya' Vishnupuri, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Chandra Tandon s/o Late Y. N. Tandon r/o 45/55 Gaya Pd. Street, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 362-A/PN/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per schedule situated at as per schedule (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Kanpur on 17-10-78, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at 4/278 B 'Chaya' Vishnupuri, Kanpur half portion of ground floor sold for an apparent consideration of Rs. 75 000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 222,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Kanpur

Date: 27-3-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri S. N. Gundurao s/o Late S. N. Krishnarao r/o 4/278 B 'Chaya' Vishnupuri, Kanpur.

(Transferor

(2) Shri Ramesh Chandra Tandon s/o Late Y. N. Tandon r/o 45/55 Gaya Pd. Street, Kanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOMF-TAX, ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 363-A/PN/78-79.---Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and hearing number as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-10-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 4/278 'B' Chaya' Vishnupuri, Kanpur half portion of ground floor sold for an apparent consideration of Rs. 75,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 222,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kanpur

Date: 27-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 364-A/PN/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-10-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ Of
- (b) facilitating the concealment of any income or any
- (b) facilifating the concessions his believe not been we which moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

namely:-.8-86GI/79 Shri S. N. Gundurao s/o Late S. N. Krishanrao r/o 4/278 B 'Chaya' Vishnupuri, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Suresh Chand Tandon s/o Late Y. N. Tandon r/o 45/55 Gaya Pd. Street, Kanpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot bearing No. 31 situated at Amarkot, G. T. Road, Amiltar as mentioned in the Read, Deed No. 2098 dated 8-9-78 of Registering Authority, Amritsar City.

> M. L. MAHAJ Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date: 7-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE KANPUR

Kanpur, the 27th March 1979

Ref. No. 786-A/Kanpur/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghatampur on 16-10-78,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitationg the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dharampal Singh s/o Bhoreylal Singh village Kuvankhera Patralaya village Kaitha Parg, Ghatampur Distt, Kanpur.

(Transferor)

(2) S/Shri Babu Ram, Ram Asrey, Putti Lal, Dulichand, Dankai s/o Ghasitay, Moti Lal Atmaj Banwari Kailash, Kamlesh, Bansgopel village Kaitha Pargana Ghatampur Distt. Kanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Anoiya Perguna Ghatampur, Kanpur sold for an apparent consideration of Rs. 44,800/- the fair market value of which has been determined at Rs. 76,720/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Kanpur

Dated: 27-3-79

(1) Smt. Vecna Ghoshal w/o Sri S. N. Ghoshal r/o 9/1 Skadlia Place, Calcutta-19. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amrish Kumar Gupta s/o Sri Suresh Chandra Gupta r/o Dalam Para, Distt. Meerut.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE KANPUR

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Kanpur, the 27th March 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 810-A/Meerut/78-79.—Whereas I, B. C.

CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 5-10-78,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the conaideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 27 Kanals 10 Marlas situated in Village chardabathwala, Tchsil Gurdaspur as mentioned in the Regd. Deed No. 4197 dated 6-10-78 of Registering Authority Condenses rity, Gurdaspur.

> M. L. MAHAJAN. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :--

Date: 7-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE,

Kanpur, the 29th March 1979

Ref. No. 550/Acq./Iglas/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Iglas on 12-9-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

(1) Shri Gopali s/o Kharag Singh r/o Post Tamotia Tah. Iglas Distt. Aligarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Hari Singh, Rajendra Singh, Goverdhan Singh, Balvir Singh s/o Babu Singh r/o Chaidai Post Haraudha Pargana Gomi Tah, Iglas Distt. Aligarh. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land No. 34, 228 situated at Mauja Tamotia Pargana Gorai Tahsil Iglos Distt. Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 77,550/-.

B. C. CHATURVED1
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range

Date: 29-3-1979

Shri S. Harbir Singh, s/o S. Jagjit Singh, r/o Model Cottage, Mussoorie.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rama Dhanda, W/o Shri Jaider Dhandha, 1108, Tagore Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,

Kanpur the 1st May 1979

Ref No. 847-A/Dehradun/78-79.—Whereas I, B. C. Chaturvedi,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mussoorie on 30-9-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other, person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property having covered areas of 1638 sq. ft. situated at 8, Meston House, The Mall, Musoone, sold for an apparent consideration of Rs. 41,500 -, fair market of which is at Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date: 1-5-1979

 Shri Ramesh Chand, s/o Shri Surajbali, r/o Sadabad, Distt. Mathura.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR Kanpur, the 2nd May 1979

Ref. No. TR No. 521/Acq/Sadabad/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sadabad on 6-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objects has, if any, to the acquisition of the said property may be a ride in writing to the undersigned:—

 Smt. kamla Devi, widow of late Shri Madhusudan Lal, r/o Seesta, Teh: Sadabad, Distt. Mathura.

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, situated at Vill. Seesta, Tehsil: Sadabad, Distt. Mathura sold for an apparent consideration of Rs. 55,000/- fair market value of which is at Rs. 87,944/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 2-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd May 1979

Ref. No. TR No. 525/Acq/Hathras/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras on 13.9.78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chandni, w/o Kailash Chand, r/o Vill: Datora, Parg. & Tch: Hathras, Post: Ehan.

(Transferor)

(1) Jagdish Prasad, s/o Shri Naurangilal,
 (2) Smt. Shanti Devi, d/o Shri Jagdish Prasad,
 r/o Vill: Maho, Post: Khas, Teh. Hathras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazeete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill: Datora. Tch. Hathras, Distt. Aligarh, sell for as apparent consideration of Rs. 20.000/-, fair market value of which it is Rs. 95,640.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 2.5.79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 2nd May 1979

Ref. No. TR No. 549/Acq/lglas/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registr

annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Iglas on 7-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/στ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:- **

- 1. Shri Chandra Shekhar Dhwaj Prasad Singh, S/o Shri Rohriraman Dhwaj Prasad Singh, R/o Nala Beswan, Parg. Jorai, Teh: Iglas, Distt. Aligarh. (Transferor)
- (1) Ram Prakash Singh, (2) Ramvir Singh, s/o Shri Karan Singh, r/o Vill: Beswan, Parg. Gorai, Teh: Iglas, Distt. Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land, situated Mauza Beswan, Parg: Gorai, Teh: Iglas, Distt. Aligarh, sold for an apparent consideration of Rs. 22,500/1, fair market value of which is at Rs. 72,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur,

Date . 2.5.79

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd May 1979

Ref. No. 46/Acq/Chbibramau/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No. As per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chhibramau on 6-9-1978, for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

21—86GI/79

 Shri Mohd. Mateen, s/o Dr. Akhtar, r/o Saurikh, Teh. Chhibramau, Distt. Farrukhabad.

(Transferor)

(2) Saurikh Cold Storage Pvt. Limited, through Shri Vinod Kumar Agarwal, s/o Shri Madan Mohan Agarwal, r/o 19, Tagore Road, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Saurikh, Parg. Khas, Teh. Chhibramau, Distt. Farrukhabad, sold for an apparent consideration of Rs. 45.000/-, fair market value of which is at Rs. 67,500/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kunpur.

Date: 3-5-1979

(1) Smt. Satya Devi Sharma, r/o 105, Bai Ka Bagh, Allahabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kusum Lata Devi, w/o Shri Oudh Kishore Lal, r/o 7, Guru Road, Dehradun.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd May 1979

Ref. No. 202-A/DDun/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 29-9-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the folloing persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land, situated at Park Road, Lakshman Chowk, Dehnadun, sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/-, fair market value of which is at Rs. 51,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-5-1979

(1) Shri Mishri Lal, s/o Shri Lalman Gupta, r/o Roora, Post Roora, Distt. Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Hazarilal Gupta, and Shri Prem Kumai Gupta, sons of Shri Lakhpat Rai, r/o Ekdil, Post Ekdil, Parg. and Distt. Etawah.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 3rd May 1979

Ref. No. TR No. 618/Acq/Etawah/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Etawah on 19-9-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction ω evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect ω any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noticed in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovator property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Vill. Sarna, Post Ekdil, Shahertown area, Teh. and Distt. Etawah.

B. C. CHATURVEDI, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 3-5-1979

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usus of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

FORM ITNS ----

(1) Smt. Satyawati Arora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. Parweh Rani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Smt. Satyawati Arora.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE
57. RAMTIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 27th March 1979

Ref. No. P-70/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

House No. B-38/1-A, situated at Mohalla Mahmoorgani, Varanasi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Varanasi on 18-8-1978/19-9-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceedment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed House No. B-38/1-A situate at Mohalla Mahmoorgani, Varanasi including land admeasuring 2507 stt and all that description of the property which is mentioned in Form 370 No. 7092 dated 11-8-78, Form 37H showing date of registration 19-9-79, sale deed, duly registered at the office of the Sub Registrar, Varanasi on 11-8-78/19-9-1978.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 27-3-1979

(1) Shrì Harbansh Lal Mata.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal Arora.

(Transferee)

(3) Above seller.

(Persons in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ΛCQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 28th March 1979

Ref. No. K-85/Acq.—Whereas I, A. S. BISFN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/No. B-38/I-A, Mohalla Mahmurgani, Varanasi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Varanasi on 18-8-1978/19-9-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monesy or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storcyed House No. B-38/1-A including land admeasuring 2507 sft. situated at Mohalla Mahmoorganj, Varanasi and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. I 7091 dated 11-8-1978 Form 37H showing the date of registration on 19-9-1978, sale deed duly registered in the office of the Sub Registrar, Varanasi on 11-8-1978/19-9-1978.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 28-3-1979

FORM ITNS (1) F

(1) Professor Sitaram Mehra,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Aditya Mills Ltd.

(3) M/s. Aditya Mills Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE 57-RAM TIRTH MARG LUCKNOW

OF INCOME-TAX,

Lucknow, the 30th March 1979

Ref. No. A-75/Acquisition.--Whereas I, AMAR SINGH BISEN.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Premises known as 'MANAK' Bunglow No. 60 situated at Nehru Road, Ranikhet, (Adhikari Lodge),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranikhet on 29-9-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(Persons in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises known as 'MANAK' (Adhikari Lodge) bearing Bunglow No. 60 situate at Nehru Road, within limits of Ranikhet Cantt. District Almora and all that description of the property which is mentioned in form 37-G No. 768 and sale-deed duly registered at the Office of the Sub-Registrar Ranikhet on 2-9-1978.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 30-3-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 2nd February 1979

No. Acq.23-I-1804(776)/16-1/78-79.—Whereas, I, S. Caparikh.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 241 & 248 situated at Opp. Power House, Dhoraji, Dist. Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dhoraji on 21-9-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

19—56GI/79

 O.K. Industries—thro' Managing Partner Shri Pravinbhai Shah of Bombay Power of Attorney holder Shri Iayantibhai J. Shah, Bhakunbhaji Para, Dhoraji Dist. Rajkot.

(Transferor)

(2) M/s. Nabhiraj Company, thro' partner Shri Bhupendra Dinkerrai Shah, 30, Commercial Chambers, Station Road, Opp. Galaxy Cinema, Dhoraji, Dist. Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PAPEANATION . - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land bearing S. No. 241/2 and 248 admeasuring 23.232 sq yda. situated opp. Power House, Dhooraji, duly registered by Registering Officer, Dhoraji, vide Saledeed No. 1094/September, 1978 and as fully described in the said deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 2-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 9th February 1979

No. Acq. 23-I-1812(781)/11-4/78-79.—Whereas I, S. C. PARIKH.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 10, Wagheshwari Plot, Porbandar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbandar on 26-9-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) 1. Shri Mohanlal Virii-
 - Shri Damji Virji.
 Shri Amrutlal Virji.
 - 4. Shri Laxmikant alias Chhotalal Virji, all of Porbandar.

(Transferor)

(2) Shri Shantilal Mulchand Malaviya, Nagarwada, Nr. Rammandir, Porbandar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Ward No. 10 (Porbandar Municipality) admeasuring 488-6-4 sq. yds. situated at Wagheshwari Plot, Porbandar, Dist. Junagadh, duly registered by Registering Officer, Porbandar vide Sale-deed No. 2095 of September. 1978 i.e. property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 9-2-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, **AHMEDABAD-380 009**

Ahmedabad-380009, the 14th February 1979

Ref. No. P.R. No. 651 Acq. 23-957/7-4/78-79.—Whereas, 1, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. Ward No. 8, Muni No. 364, standing on land situated at Tika No. 14/1 Sur. No. 89, in Bajavad, Navsari,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari in September 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

22-86GI/79

(1) 1. Shri Rustom S. Bamii:

2. Shri Mahrukh K. Joshi;

3. Shri Farokh S. Bamji;

5. Shri Falokii S. Banji;
4. Shri N. S. Bamji;
5. Shri S. S. Bamji;
6. Nargis N. Monichaher Bamji;
7. Dogdo R. Mehta; and others (two)
All residing: 658, Firdoshi Road, Dadar, Bombay

(Transferor)

(2) 1. Shri Amratlal Chunilal Modi;

Shri Mohanlal Chunilal Gandhi;

3. Shri Kantilal Chunilal Gandhi;

4. Shri Jayantilal Chunilal Gandhi; 5. Shri Natverlal Chunilal Modi;

All residing at : Bajavad, Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expresions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated in Ward No. 8, Muni No. 364 Tika No. 14/1, Sur. No. 89, in Bajavad, Navsari admeasuring 212-37-70 sq. mts. as described in the sale-deed registered in September 1978 by registering Officer, Navsari. (Registration No. 2721/30-9-1978).

S. C. PARIKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Ahmedabad

Date: 14-2-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380009, the 24th March 1979

No. Acq.23-I-1875(795)/16-6/78-79.—Whereas, J S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot No. 18 on Southern side to Jagnath Road, situated at Ramakrishna Street No. 1, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 12-9-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jitendrakumar Manilalbhai Sheth, Jupitor Apartments, 14th Floor, Duf Road, Colaba, Bombay-400005.

(Transferor)

(2) Smt. Madhuben Ramniklal Chotai, Laxmiwadi Main Road, Laxminarayan Niwas, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: The terms and expressions used herein as are degned in Chapter XXA of the 'said Act'. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 350 sq. yds. bearing Plot No. 18 on southern side to Jagnath Road, situated at Ramkrishua Sheri No. 1, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 3787 dt. 12-9-1978.

S. C. PARIKP
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 24-3-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380009, the 24th March 1979

No. Acq. 23-I-1875(796)/16-6/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot No. 18 on southern side to Jagnath Road, situated at Ramkrishna Sheri No. 1, Rajkot,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 12-9-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jitendrakumar Manilalbhai Sheth, Jupitor Apartments, 14th floor, Colaba, Bombay-400005. (Transferor)
- (2) Smt. Bhanuben Tribhovandas, Dr. Bamai Sherl, Sanganawa Chawk, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immivable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 350 sq. yds. bearing plot No. 18, on Southern side to Jagnath Road, situated at Ramkrishna Street No. 1, Rajkot, and as fully described in the sale-deed registered vide R. No. 3786 dt. 12-9-1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Dated: 24-4-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) P. H. Wadia & Sons, Transport, Mahatma Gandhi Road, Porbandar.

(Transferor)

(2) Shri Bhanushanker Leeladhar Joshi, Chhaya Road of Porbandar C/o. P. H. Wadia & Sons, Mahatma Gandhi Road, Porbandar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1

Ahmedabad-380009, the 30th March 1979

Ref. No. P.R. No. (798) Acq. 23-I-1985/11-4/78-79.— Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 3206-Ward No. 11 C.S. No. 3 situated at towards Porbandar Ranavay (M.G. Road), Porbandar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbandar on 26-9-1978

for an apparent consideration which less the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land adm, 302-00 sq. yds. at Ward No. 11, City Survey No. 3, Survey No. 3206 situated at Porbandar—Ranavav Road, (M.G. Road), Porbandar, duly registered by Registering Officer, Porbandar, vide sale-deed No. 2182/19-5-1978—registered on 26-9-1978—intimation received in 1st F.N. of December, 1978—and property fully described there-

> S. C. PARIKH Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-3-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) P. H. Wadia & Sons, Transport, Mahatma Gandhi Road, Porbandar.

(Transferor)

(2) Shri Dayaram Liladhar Joshi, of Chhaya Plot, Porbandar, C/o. P. H. Wadia & Sons, M. G. Road, Porbandar. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Ahmedabad-380009, the 30th March 1979

No. Acq.23-I-1985(799)/11-4/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 3206—Ward No. 11, C.S. No. 3 situated at towards Porbandar Ranavav (M.G. Road, Porbandar),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbandar on 26-9-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afiresaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land adm. 344.45 sq. yds. at Ward No. 11, City Survey Ward No. 3, Survey No. 3206 situated at Porbandar—Ranavav Road, (M.G. Road), Porbandar, duly registered by Registering Officer, Porbandar, Vide Sale-deed No. 2181/19-5-1978—registered on 26-9-1978—intimation received in 1st F.N. of December, 1978 and property as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-3-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I

. Ahmedabad-380009; the 30th March 1979

Ref. No. P.R. No. (800) Acq. 23-1-1872/16-6/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Nil—1/20th share in building adm. 1727-7-0 sq. yds. known as Rajshri Talkies, situated at Bhupendra Road, Rajkot,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 15-9-1978,

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Hemkunver Narottamdas C/o, N. D. Maniar, Dharmendra Road, Rajkot.

 (Transferor)
- (2) Shri Bakul Kantilal, C/o. K. D. Soni, 48, Prahlad Plot, Rajkot. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/20th share in building on land adm. 1727-7-0 sq. yds. known as M/s. Rajshri Talkies, situated at Bhupendra Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide sale-deed No. 3877/15-9-1978 and as fully described therein.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 30-3-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Dharmendra Road, Rajkot. (Transferor)

(1) Hemkunver Narottamdas,

(2) Shri Manmohan Jayantilal, C/o Jayantilal D. Soni, 48, Prahalad Plot, Rajkot.

(Transferee)

C/o N. D. Maniar,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 30th March 1979

Ref. No. P.R. No. (801) Acq. 23-1-1873/16-6/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH,

Income-tax, Acquisition Range, Rohtak.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nil—1/20th share in building adm. 1727-7-0 sq. yds. known as Rajshri Talkies, situated at Bhupendra Road, Rajkot

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Rajkot on 15-9-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire lates.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/20th share in building known as M/s. Rajshri Talkies, standing on land adm. 1727-7-0 sq. yds. situated at Bhupendra Road, Rajkot, duly registered by Registering Officer, Rajkot vide Sale-deed No. 3878/15-9-1978 and as fully described therein.

S. C. PARIKH Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date; 30-3-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 4th May 1979

No. Acq. 23-I-1934(812)/1-1/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Survey No. 54, F.P. No. 165, Sub-plot No. 24 of TPS 4 situated at Khokhra Mehmadabad, Maninagar, Ahmedabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Ahmedabad on 27-9-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Savitaben Wd./o Thakorlal Chunilal; B. No-24, Dalal Colony, Maninagar, Ahmedabad-8.

(Transferor)

Patel Ghanshyam Purshottamdas;
 Patel Chandrakant Purshottamdas;
 Patel Jagdishbhai Purshottamdas;
 Panchvati Colony,
 Opp. Jaihind High School,
 Maninagar, Ahmedabad-8.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land admeasuring 766 sq. yds. bearing S. No. 54 F.P. No. 165, Sub-plot No. 24, T.P.S. 4, situated at Khookhra Ahmedabad Maninagar, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 8630 dated 27-9-78.

S. C. PARIKH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 4-5-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009 Ahmedabad-380009, the 5th May 1979

Ref. No. P.R. No. 675 Acq. 23-1147/19-7/78-79.---Whete-as, I S. C. PARIKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey N. 116/4 paiki Eastern side and Western side situated at Village Fulpada -Tal. Choryasi, Dist. Surat,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Surat, in September 1978,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
23--86GI/79

(1) Shri Dayarambhai Jivanbhai Patel; Village—Butveda, Peta Mahala, Valod.

(Transferor)

(2) Ashwin Co-op Housing Society Ltd. Vibhag 2, 7/45, Gotalavadi, Katangam. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3000 sq. yds. (two transactions) situated at village Fulpada, Tal. Choryasi, Dist. Surat at Sr. No. 116/4 parki East and West side land duly registered at Surat in the month of September 1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-5-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFACE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th May 1979

Ref. No. P.R. No. 676 Λcq. 23-1147/19-7/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Survey No. 116/2 paiki West side land situated at Village Fulpada, Tal. Choryasi, Dist. Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Surat in September 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) faciliting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- (1) Kantilal Bapubhai; village: Althana; Tal. Choryasi.
 (Transferor)
- (2) Ashwin Coop. Housing Society Ltd., Vibhag-2, 7/45, Gotalavadi, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1500 sq. yds. situated at village Fulpada Tal. Choryasi, Dist. Surat at Survey No. 116/2, paiki West side land duly registered at Surat in the month of September 1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-5-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th May 1979

Ref. No. P.R. No. 677 Acq. 23-1147/19-7/78-79.—Whereas, I S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 116/3 paiki Eastern side land situated at village Fulpada Tal, Choryasi, Dist. Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in September 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Narsibhai Pursottambhai; village: Derude—Tal. Kamrej, Dist. Surat.

(Transferor)

(2) Ashwin Coop. Housing Society Ltd., Vibhag 2, 7/45, Getalavadi, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gzzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3000 sq. yds. (two transactions) situated at village Fulpada Tal. Choryasi, Dist. Surat S. No. 116/3 paiki East and West side land duly registered at Surat in the month of September 1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-5-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD. AIIMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th May 1979

Ref. No. P.R. No. 678 Acq. 23-1147/19-7/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Survey No. 116/1 in village Fulpada, Choryasi situated at Dist. Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Jadian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-acction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Chhitabhai Devabhai Patel; Village: Pinsad— Tal. Navsnri, Dist. Valsad.

(Transferor)

(2) Ashwin Coop Housing Society Ltd., Vibhag-2, 7/45, Gotalavadi, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3000 sq. yds. (two transactions) situated at village Fulpada—Choryasi, Surat S. No. 116/1 (Paiki) East and West side lands duly registered at Surat in the month of September 1979.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 5-5-1979.

FORM ITNS----

 Shri Kantilal Bapubhai Village—Althana, Tal. Choryasi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Ashwin Coop. Housing Society I.td., Vibhag-2, 7/45, Gotalavadi, Surat.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th May 1979

Ref. No. P.R. No. 679 Acq. 23-1147/19-7/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Survey No. 116/2 paiki Eastern side land situated at Village—Fulpada, Tal. Choryasi Dist. Surat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in September 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 1500 sq. yds. situated at village Fulpada Tal. Choryasi, Dist. Surat S. No. 116/2 paiki East side land duly registered at Surat in the month of September 1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Date: 5-5 1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE;
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 5th May 1979

Ref. No. P.R. No. 680 Acq. 23-1251/19-7/78-79.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Athwa Nondh No. 1931, viz. Final Plot No. 421 (Paiki) of T.P.S. No. 5 situated at Arogyanagar Society, Athwa, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Surat in September 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bhaskarbhai Zinabhai Desai; 9/752, Amliran, Surat.

(Transferor)

(2) Shri Jasikaben Girischandra Chudiwala; Kunjlataben Dilipkumar Chudiwala; Navapura, Tarkas Mahollo, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of open land in Surat T.P.S. No. 5, admeasuring 520 sq. yds. situated at Arogyanagar Society, Athwa Nondh No. 1931 (Paiki) of TPS No. 5, (Final Plot No. 5) Atawa Surat duly registered in the month of September 1978.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 5-5-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE

Jullundur, the 5th May 1979

Ref. No. A.P.No. 1902 .-- Whereas I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. As per schedule.

situated at Jullundur.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur, on Sept. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the rollowing

persons, namely :--

(1) M/S Durga Oil Mills Jullundur Through G. A. Prem Bhagat Basti Bawa Khel, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Mohan S/o Bhim Sain Sehgal, Vijay Nagar, Julunldur,

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interestcd in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 4326 of September, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

> B, S, DEHIYA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jullundur.

Date: 5-5-1979

Seal:

Seal:

lowing persons, namely :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Jullandur, the 5th May 1979

Ref. No. A.P. No. 1903.—Whereas I, B. S. Dchiya,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule.

situated at Jullundur,

(and more fully described in the Sschedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur on Sept. 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/S Durga Oil Mills Jullundur through G, A, Prem Bhagat Basti Bawa Khel, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal S/o Bhim Sain Schgal, Vijay Nagar, Jullundur,

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration sale deed No. 4608 of September, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax
Acquisition Range
Jullundur.

Date: 5-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

Jullundur, the 5th May 1979

Ref. No. A.P. No. 1904.—Whereas I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. As per schedule. situated Model Town Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
24—86G1/79

(1) Shri Satnam Singh s/o Hardayal Singh Village Jabhai Teh. Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Mohinder Paul Singh S/o Pritam Singh 7-L Model Town, Jullundur.
- (3) As per Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration sale deed No. 4525 of September, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Jullundur.

Date: 5-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE

Jullundur, the 5th May 1979

Ref. No. A.P. No. 1905.—Whereas I. B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. As per schedule.

situated at Qazi Mohalla Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Juliundur on Sept. 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chhankandi Deyi Wd/o Shlv Ram, 67 Officer Colony, Karnal.

(Transferor)

- (2) Smt. Jaswant Kaur W/o Piara Singh 2. Surinder Singh S/o Piara Singh 14-FC Panjpir Jullundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2. (Person in occupation of the property),
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House as mentioned in the Registeration sale Deed No. 4709 of Sept. 1978 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jullundur.

Date: 5-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE

Jullundur, the 5th May 1979

Ref. No. A.P. No. 1906.—Whereas I, B. S. Dehiya, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule.

situated at New Jawahar Nagar Juliundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Jullundur, on Sept. 1978.

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following assumptions of the said Act, to the following assumption assumption assumptions are said act.

Trum, Mulitary in Francisco of Cartina 2690

(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

21—86GI/79

- (1) Shri Gurmit Singh S/o Meharban Singh c/o Himson Engg. Works, Kapurthala Rd., Jullundur.

 (Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar Sehgal S/o D. D. Sehgal 99/3 Central Twon, Juliundur. (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 4447 of September, 1978 of the Registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Competent Authority
L. Democratic Authority L. Democratic Authority L. Democratic Authority L. Democratic Authority L. Democratic L. Democra

Acquisition Range, Kunpur.

Date: 3-5-1979

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Jullundur, the 5th May 1979

Ref. No. A.P. No. 1907.—Whereas I, B. S. Dehiya, Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Basti Nau. Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Sept. 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Rajinder Kumar S/o Bishan Dass 2. Dev. Raj S/o Roshan Lal 954-Govind Garh, Juliundur.
 - (Fransferor)
- (2) M/S K. G. Sports, Basti Road, Jullundur.
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2. (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot as mentioned in the Registeration sale deed No. 4402 of September, 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Jullundur.

Date: 5-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Jullundur, the 5th May 1979

Jullundur, the 5th May 1979

Ref. No. A.P.-1908.—Whereas I. B. S. Dehiya. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

As per schedule

situated at Model Town, Jullundur.

(and more fully described in the Schodulo annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Juliundur on Sept. 1978.

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) Shri Dhian Singh S/o Nand Singh Vill, Nussl,
 (Transferor)
- (2) Shri Gurcharan Singh S/o Sukhdev Singh 305-R, Model Town, Jullundur.

(Transferees)

- (3) As per Sr. No. 2.
 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this πotice in the Official Gaette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 4853 of Sept., 78 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Jullundur.

Date: 8-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Juliundur, the 8th May 1979

Ref. No. A.P.-1909.—Whereas I, B. S. Dehiya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per schedule situated at Model Town, Jullundur,

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1998 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jullundur on Sept. 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties I as not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dhian Singh S/o Nand Singh Vill, Nussi, (Transferor)
- Smt. Prem Kaur W/o Sukhdev Singh 305-R, Model Town, Jullundur.
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2.
 (Person in occupation of the property).
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 4869 of Oct., 78 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Juliundur.

Date: 8-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Jullundur, the 8th May 1979

Ref No. A.P.-1910.—Whereas I, B. S. DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule

situated at Adarsh Nagar, Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Sept., 1978,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. Thereby infusts proceedings for the said Act, to the following section (1) of Section 269D of the said Act, to the following section (2) 122 Section 269D of the said Act, to the following section (2) 122 Section 269D of the said Act, to the following section (2) 122 Section 269D of the said Act, to the following section (2) 122 Section 269D of the said Act, to the following section (2) 122 Section 269D of the said Act, to the following section (2) 122 Section 269D of the said Act, to the following section (2) 122 Section 269D of the said Act, to the following section (2) 122 Section 269D of the said Act, to the following section (2) 122 Section 269D of the said Act, to the following section (2) 122 Section 269D of the said Act, to the following section (2) 122 Section 269D of the said Act, to the following section (2) 122 Section 269D of the said Act, to the following section (2) 122 Section (2) Section

(1) Smt. Harbans Kaur Wd/o Kartar Singh, Vill. Begowel Teh: & Distt. Kapurthola.

(Transferor)

- (2) Shri Om Parkash 168-Adrash Nagar, Jullundur.
 (Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 4512 of Sept., 78 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Jullundur

LANG . 40-3-17/7

Date: 6-5-1979

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th May 1979

Ref. No. AP-1911.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Adarsh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on September 1978

which is less than the fair market value of the aforesaid preperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Harbans Kaur W/o Kartar Singh, Vill. Begowal Teh. & Distt. Kapurthala.

. (Transferor)

(2) Smt. Agya Rani W/o Om Parkash, 168-Adarsh Nagar, Juliundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 4513 of September, 78 of the Registering Authority. Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-5-79.

(1) Smt. Harbans Kaur W/o Kartar Singh, Vill. Begowal Teh. & Distt. Kapurthala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th May 1979

Ref. No. AP-1912.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax, Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

No. As per Schedule situated at Adarsh Nagar, Jullundur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jullundur on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income airising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'sald' Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Sh. Naval Kishore S/o Om Parakash, 168-Adarsh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above,
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in htat Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 4518 of Sept., 78 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-5-79.

Seal:

25-86GI/79

 Sh. J. P. Sharma & Bros. S/236, Indl. Area, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jeet Kaur W/o Balbir Singh, Vill. Jendiala Distt. Jullundur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th May 1979

Ref. No. AP-1913.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per Schedule s'tuated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Jullundur on September 1978

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (3) As per S. No. 2 above.

 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property asmentioned in the Registration Sale Deed No. 4539 of Sept., 78 of the Registering Authority, Juliundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-5-79.

(1) M/s. J. P. Sharma & Bros. S/236, Indl. Area, Jullundur.

(3) As per S. No. 2 above.

(Transferor)

(2) Smt. Ject Kaur W/o Balbir Singh, Vill, Jendiala Distt. Jullundur.

may be made in writing to the undersigned-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 8th May 1979

Ref. No. AP-1914.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule s'tuated at Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 4599 of Sept., 1978 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 8-5-79.

Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Juliundur, the 10th May 1979

Ref. No. A.P. No. 1915.—Whereas, I B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatfer referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. As per Schedule situated at Jullundur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Iuliundur on September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in persuance of Section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shrimati Gurdial Kaur D/o Malook Singh,
 Ranjit Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Chander Sheikhar S/o Satya Pal E.G., 794 N.G. Road, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above, (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registeration Sale Deed No. 5366 of October, 1978 of the Registering Authority Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 10-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1979

Ref. No. RAC. No. 33/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land in situated at S. No. 27/B & 28 Ward, 2 at Gandia, pally, Villg.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chittoor on September-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri P. Subbiahchetty, S/o Sri Venkatesubbiah Chetty, H. No. 4/85 at Mukundapuram, Nellore-2.

(Transferor)

 Sri V. Srceramulu Chetty, S/o V. Rangiah Chetty, H. No. 2-1-13 at Officer's line, Chittoor.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in Ward No. 2 S.No. 27/1-B & 28 situated in Gandlapally Village, Chittoor Municipality, registered vide Document No. 4996/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Chittoor.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-5-1979

1. United Builders, H.No. 139 at M. G. Road, Secunderabad.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2. Sri Dinesh R. Lula, H.No. 1-8-264/6 at S.P. Road, Secunderahad.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May '1979

Ref. No. RAC. No. 34/79-80--Whereas, I K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/bearing No.

Shop No. 38 situated at M-G Road, Secunderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on October 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mulgi No. 38 in the United Builders situated at 139 M.G. Road, Secunderabad, registered vide Document No. 2655/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Insecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-5-1979

Scel:

 Swastik Construction Co., situated at 111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

2. Smt. K. Ramavathy, H. No. 1-10-1/15 at Ashok Nagar Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1979

Ref. No. RAC. No. 35/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMÁN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

317 to 319 situated at Chandralok Building, Secunderaad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad September-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 317, 318, and 319 in IIIrd floor of Chandralok Complex, situated at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 3831/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May '1979

Ref. No. RAC. No. 36/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

304 & 305 situated at Chandralok complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on September-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indlan Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Swastik Construction Co., at 111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)
2. Sri K. Harith Raju, (Minor) C/o K. S. N. Raju
R/o Asram Road, Patamata lanka, Vijayawada.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 304 and 305 in III rd floor of Chandralok Complex, situated at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 3832/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-5-1979

1. Swastik Construction Co., at 111-S.D. Road, Secunderabad.

('Transferor)

2. Smt. K. Usha Rani, C/o K. S. N. Raju, at Asram Road, Patamata lanka, Vijayawada-6. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1979

Ref. No. RAC. No. 37/79-80.—Whereas, f K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

306 & 307 situated at Chandralok Complex, Secd-bad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on September-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

26—86G1/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 306 and 307 in HIrd floor of Chandralok Complex, at 111-S.D. Road, Secunderabad, registored vide Doc. No. 3833/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Hyderabad.

Date: 8-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Swastik Construction Co., at 111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

 Sri K. V. Vishnu Raju, C o K. Ramawathy, 1-10-1/15 at Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1979

Ref. No. RAC. No. 38/77-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961) (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number

320 & 321 situated at Chandralok Complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 320 and 321 in HIrd floor of Chandralok Complex, at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 3834/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VFNKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1979

Ref. No. RAC. No. 39/79-80,-Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 315 & 316 situated at Chandralok Complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Swastik Construction Co., at 111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

 Smt. K. Vanitha, C/o Dr. K. S. N. Raju, 1-10-1/15 at Ashoknagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 315 and 316 in HIrd floor of Chandralok Complex, situated at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide Document No. 3835/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1979

Ref. No. RAC. No. 40/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ship No. 70 situated at Chandralok Complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16, of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September-78

ror an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or exasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sawastik Construction Co., at 111-S.D. Road, Secunderabad.
 - (Transferor)
- Sri K. Narsimham H. No. 21-F/D at Nallagunta, Ramgopalpet, Secundrabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the srvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 70 in Chandrayok omplex, situated at 111-Sarojjini Devi Road, Secundrabad, registered vide Document No. 3836/78 in the Office of the joint Sub-Regitrar Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1979

Ref. No. RAC. No. 41/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

308 & 309 situated at Chandralok Complex, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on September-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Swastik Construction Co., at 111-S.D. Road, Secunderabad.
 - (Transferor)
- K. Bala Vishnu Raju, (Minor) C/o K. S. N. Raju, Asram Road, at Patamota lanka, Vijayawada-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 308 and 309 in HIrd floor of Chandralok Complex, situated at 111-Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 2322/78 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-5-1979

1. Swastic Builders, H. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

Smt. Pulumati Manuka Lakshmi, W/o late P. Srihari,
 Sri P. V. R. Rao, and 3. P. V. L. Rao, residing at H.

No. 15-7-82 at Kolsawadi, Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

,

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1979

Ref. No. RAC. No. 43/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

114 on 1st floor situated at Sagar view Building, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 114 on first floor of Sagarview Building H. No. 1-2-524/3 at Domulguda, Hyderabad, registered vide Document No. 3489/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1979

Ref. No. RΛC, No. 44/79-80,—Whereas, I, K.S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 113 on 1st Hyderabad floor of Sagarview Building situated at (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept.-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or new moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saul Act, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Swastic Builders, II.No. 1-2-524/3 at Domulguda, Hyderabad. (Transferor)
- Smt. Pulumati Kanuka Laxmi, W/o late P. Srihari, S/Sri P. V. L. Rao, 3. P. V. R. Rao, residing at H. No. 15-7-82 at Kolsawadi, Begumbazar, Hyderabad. 12. (Transferee)
 (Person in occupation of the property)
 (Person whom the undersigned knows

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 113 in 1st floor of Sagar view Building at premises M No. 1-2-524/3 at Domulguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3490/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION, RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1979

Ref. No. RAC. No. 45/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 10 situated at Sagar View Building, Hyderabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on September-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Swastik Builders, H. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hydera-

(Transferor)

Sri Satish Kumar Mahajan, H. No. 40 at Ramgopalpet, Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop. No. 10 in Sagar View Building, H. No. 1-2-524/3 at Domalguda Hyderabad, registered vide Document No. 3868/78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 28-5-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1979

Ref. No. RAC. No. 46/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25.000/and bearing

309 in IIInd Hyderabad floor of Sagar view Building situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:—
27—86GI/79

1. Swastik Builders, H. No. 1-2-42/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Sti K. V. Ramprasad, H.No. 1-2-412/2 at Gaganmahal Hyderabad.

(fransleree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explana9ion:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 309 in HIrd floor of Sagar view Building situated at Domalguda, Hydenabad, registered vide Doc. No. 3869/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1979

Ref .No. RAC. No. 37/79-80.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing number

308 in 3rd floor at Sagar view Building, situated at Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Swastic Builders, H.No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri K. V. Saran Kumar, H.No. 1-2-412/2 at Gaganmahal Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 308 in 3rd floor of Sagar view Building situated at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 3870/78 in the Joint Sub-Registrar Hyderabad Office.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-5-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1979

Ref. No. RAC. No. 48/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

307 in 3rd floor at Sagar view Building, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on September-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Swastic Builders, 1-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. Usha Raman, W/o K. V. Raman, H. No. 1-2-412 /2 at Gaganmahal, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 307 on 3rd floor of Sagar view Building situated at Domalguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 3871/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-5-1979

had

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor) 2 Mr. G. I. Mahajan, H.No. 40 Ramagonalnet, Security

1. Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hydera-

Mr. G. L. Mahajan, H.No. 40 Ramagopalpet Secunderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1979

Ref. No. RAC. No. 49/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

RC. No. 12 in situated at Sagar view Building, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Rare cellor No. 12 in ground floor of Sagar View Building No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 3872/78 in the office of the Joint Sub-Registran Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 8-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1979

Ref. No. RAC. No. 50/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 10 situated at Sagarview Building, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hyderabad on September-78

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Swastic Builders, 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad.

(Transferor)

 Mrs. Santosh Mahajan, W/o Sri G. L. Mahajan, H. No. 40- Ramgopalpet, Secunderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publ' cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop. No. 10 front cellar in Sagar view Building, M. No. 1-2-524/3 at Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 3873/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 8th May 1979

Ref. No. RAC. No. 51/79-80.--Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop. No. 30 situated at 22-7-26830 Dewan Devdi, Hyd.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura on September 178

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- 1. M/s Shaw Builders, Office No. 22-7-269/3 at Dewan Deodi, Hyderabad.
 - (Transferor)
- 2. Mrs. Preetam Kaur, W/o Sri Mahender Singh, H.No. 1-1-230/25 at Chikadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop. No. 30 in the premises No. 22-7-269/30 at Jung Market, Dewan Dewdi, Hyderabad, registered Document No. 2509/78 in the Office of the Sub-R Salar Azampura.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax -Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 8-5-79

Hyderabad.

FORM ITNS-

 Smt. Lakshmi Bai, W/o Jagdish Pershad, H. No. 21-1-293 at Rikabgunj, G.P.A. Sri Jagdish Pershad, Hyderabad.

H. No. 15-8-417/1 Feelkana, Hydernhad.
 2. Smt. P. Narasamma, W/o P. Prakash, Feelkhana,

(Transferor)

(Transferce)

Lakshminarayana,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hydearabad, the 14th May 1979

Ref. No. RAC. No. 52/79-80.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein-after referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market yalue exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat. No. 1 in situated at 15-8-417/1 Feelkhana, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on September-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

2. Smt. P. Krishna Veni W/o Sri Lak H. No. 15-8-417/1 Feelkana,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 in the 2nd floor of premises No. 5-8-525 at Chiragali lane, Abid Road, Hyderabad, registered vide Document No. 3619/78 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 14-5-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 10th May 1979

Ref. No. A-127/Gam/78-79/134-139.—Whereas, I, R. N. BARA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

and bearing No. Dag. No. 27, K. P. Patta No. 146, situated at Village Hangrabari, Mauza Beltotal, Gauhati, Distt. Kamrup, Assam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 25-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri G. C. Kagti, 2. Snat. Nilima Kagti D/o L. Gopal Chand Kagti, 3. Shri Likhan Chand Kagti, 4. Shri Jitamrit Kagti and 5. Shri Satyamrit Kagti, Gauhati.

(Transferor)

(2) Shri Satilal Nandy, Nawjan, Sibsagai.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring I (ana) Bigba situated at Dishpur, Gauhati in the opposite side of the Janta Bhavan, in the district of Kamrup, Assam.

R. N. BARA,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tux,
Acquisition Range, Shillong

Date: 10-5-79

Shri Rajendra Kumar Roy Choudhury,
 K. Bhuya Road, Gauhati.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 15th May 1979

Ref. No. A-219/Gan/78-79.—Whereas, I, R. N. BARA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dag No. 129, 120 & 131 of K. P. Patta No. 30 situated at Village Dispur, Mouza Beltola, Gaubati in the District of Kamrup, Gaubati

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 12-9-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—
28—86GI/79

(1) Shri K. P. Bidyawatka Charitable Trust, Gauhati.

(Transferee)

Obejetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 (four) Katha situated at G.S. Road, Gauhati.

R. N. BARA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Shillong.

Date: 15-5-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 15th May 1979

Ref. No. A-220/Gan/78-79/170-71.—Whereas, I, R. N. BARA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-Dag No. 131 and 128 of K.P. Patta No. 30 situated at Village Dispur, Mouza Beltola, Gauhari in the district of Kamrup, Assam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gauhati on 15-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Babulal Chowdhury, alias Bablu Roy Choudhury, Gauhati.
- (2) Shri Shiv Bhawan Gupta Dishpur, Gauhati-5.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the srvice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 Katha 4 Lecha along with a house of Assam type measuring 750 Sq. Ft. situated at G.S. Road, Gauhati.

R. N. BARA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date: 15-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) 1. Shri G. C. Kagti, 2. Smt. Nilima Kagti,

- D/o L. Gopal Ch. Kagti, 3. Shri Kikhan Ch. Kagti,
- 4. Shri Jitamrit Kagti and
- Shri Satyamrit Kagti, Ujan Bazar, Gauhati.

(Transferors)

(2) Shri Motilal Nandy, Balipara, Dist. Darrang.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 15th May 1979

Ref. No. A-221/Gan/78-79/159-64.—Whereas, I, R. N. BARA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-Dag No. 27 K.P. Patta No. 146 situated at Village

Hangrabari, Mouza, Beltola, Gauhati, Dist. Kamrup, Assam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer Gauhati on 25-9-1978

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cost of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfeor to pay tax under the said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be asclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, n pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initite proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of secton 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the seld immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The land measuring 1 (one Bigha) situated at Dishpur, Gauhati, in the opposite side of the Janata Bhavan, in the Dist. of Kamrup, Gauhati.

R. N. BARA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Shillong

Date: 15-5-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patua, the 12th April 1979

Ref. No. III-315/Acq/79-80.—Whereas, I, J. NATH; Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and part of bearing holding

No. 148 (old) and 251 (new) of Ward No. 1 within Giridih Municipality situated at Mouza Makatpur, on Giridih Bengabad Road in Giridih town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Giridih on 29-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely

- (1) Smt. Jiwan Devi, widow of late Sardar Budh Singh, Giridih, P.S. Giridih, Dist. Giridih. (Transferor)
- (2) Smt. Jaswant Kaur, W/o Sardar Santokh Singh, Station Road, Giridih, Dist. Giridih.

(Transferee)

(3) M/s. Motors Corporation Ltd., Girldih.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same mearing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 Bigha 2 Kaths 11 Chhataks together with brick-built pucca constructed hour with its fixtures and fittings and brick-built compound wall situated, in Giridih Bengabad Road in Giridih town bearng holding No. 148 (old) and 251 (new) of ward No. 1, Mouza, Makatpur, Thana No. 95 Gadi Karharbaree, Tozi No. 15/11, PS. & Dist. Giridih morefully described in leed No. 9976 dated 29-9-78 registered at Giridih.

J. NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition lange, Bihar, Patna

Date: 12-4-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA

Patna, the 12th April 1979

Ref. No. III-316/Acq/79-80.—Whereas, I. J. NATH, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing holding

No. 400, Ward No. 1 (old.) & Ward No. II (new) situated at Mouja Makatpur, Dist. Giridih

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19—76GI/79

 Shri Satendra Nath Mitra, S/o Late Dr. Dwijendra Nath Mitra, 4, S. N. Pandit Street, Calcutta-700020.

(Transferor)

(2) M/s. Ratan Mica Export (P.) Ltd. through its Director, Sri Rajan Bagaria, S/o Sri Gobardhan Das Bagaria having its Head office at 90, Mutaram Babu Street, Calcutta. Branch office at Giridih, P.S. Giridih, Dist. Giridih. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Bighas 6 Chhataks known as "Ruby Lodge" together with as one storeyed building, out-houses, compound walls, a well situated in Mauza Makatpur within police Station and Dist. Giridh bearing holding No. 400 of Ward No. 1 (old) & Ward No. II (new) of Giridh municipality morefully described in deed No. I-4697 dated 25-9-78 registered with the Sub Registrar of Assurance, Calcutta.

J. NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bihar, Patna

Date: 12-4-79

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED DEFENCE SERVICES EXAMINATION

NOVEMBER, 1979

New Delhi, the 2nd June 1979

No. F.8/3/79-EI(B).—A Combined Defence Services Examination will be held by the Union Public Service Commission commencing from 6th November, 1979 for admission to the under mentioned courses :-

Name of the Course

Approximate No. of Vacancies

80

Indian Military Academy, Dehra Dun (69th Course commencing in July, 1980

[Includes 32 vacancies reserved for NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders].

Naval Academy, Cochin (Course commencing in July, 1980)

Officers' Training School Madras (32nd course commencing in October 1980) 160

NOTE I: NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders may also compete for the vacancies in the Naval Academy and Short Service Commission (Non-Technical and Short Service Commission (Non-rechnical Courses, but since there is no reservation of vacancies for them in these courses, they will be treated as general candidates for the purpose of filling up vacancies in these Courses. Candidates who have yet to pass NCC 'C' Certificate (Army Wing) examination, but are otherwise eligible to compete for the reserved vacancies, may also apply but they will be required to submit the proof of passing the NCC 'C' Certificate (Army Wing) examination to reach the Commission's office by 30th June, 1980.

"To be eligible to compete for reserved vacancies the candidate should have served for not less than 2 academic years in the Senior Division Army Wing of National Cadet Corps and should not have been discharged from the NCC for more than 12 months on the last date for receipt of amplications in the on the last date for receipt of applications in the Commission's Office."

NOTE II: In the event of sufficient number of qualified NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders not becoming available on the results of the examination to fill a... the vacancies reserved for them in the Indian Military Academy Course, the unfilled reserved vacancies shall be treated as unreserved and filled by general candidates.

Admissions to the above courses will be made on the results of the written examination to be conducted by the Commission followed by intelligence and personality test by a Services Selection Board, of candidates who quality in the written examination. The details regarding the (a) scheme, standard and syllabus of the examination, (b) physical standards for admission to the Academy/School, and (c) brief particularly of service etc. for candidates joining the Indian Military Academy, Naval Academy and Officers' Fraining School, are given in Appendices 1, II and III respectively.

NOTE: THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS OF THE EXAMINATION WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS IN-CLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

2. CENTRES OF EXAMINATION.—Ahmedabad, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Jaipur, Jammu, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patiala, Patna, Port Blair, Shillong, Simla, Srinagar and Trivandrum.

3. CONDITIONS OF ELIGIBILITY

(a) Nationality

A candidate must either be--

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Bhutan, or
- (iii) a subject of Nepal, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African coun-tries of Kenya, Uganda, United Republic of Tan-zania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethlopia and Victnam with the intention of permanently settling in India. in India.

Provided that a candidate belonging to categories (iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Certificate of eligibility will not however, be necessary, in the case of candidates who are Gorkha subjects of Nepal.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also be provisionally admitted to the Academy or School, as the case may be, subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

- (b) Age limits, sex and marital status:-
 - (i) For I.M.A. and Naval Academy: Unmarried male candidates born not earlier than 2nd July, 1958 and not later than 1st July, 1961 are only eligible.
 - (ii) For Officers' Training School—Male candidates (married or un-married) born not earlier than 2nd July, 1957 and not later than 1st July, 1961 are only eligible.
- Note. Date of birth as recorded in Matriculation/Higher Secondary or equivalent examination certificate will only be accepted.
- (c) Educational Qualifications:—Degree of a recognised University or equivalent. Candidates who have yet to pass the degree examination can also apply but they will be required to submit proof of passing the degree examination to reach the Commission's office by the following date failing which their candidature will stand cancelled:
 - (i) For admission to I.M.A. & Naval Academy-on or before the 30th June, 1980.
 - (ii) For admission to Officers' Training School-on or before 15th September, 1980.

Candidates possessing professional and technical qualifica-tions which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

In exceptional cases the Commission may treat a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications, the standard of which, in the opinion of the Commission justifies his admission to the examination.

- NOTE I: Those candidates who have yet to qualify in the Degree Examination and are allowed to appear in the UPSC Examination should note that this is only a special concession given to them. They are required to submit proof of passing the Degree examination by the prescribed date and no request for extending this date will be entertained on the grounds of late conduct of basic qualifying University Examination, delay in declaration of result or any other ground whatsoever.
- Note II: Candidates who are debarred by the Ministry of Defence from holding any type of Commission in the Defence Services shall not be eligible for admission to the examination and if admitted, their candidature will be cancelled.
- Note III: Naval Sailors (including boys and artifleer apprentices) except Special Service Sailors having less than 6 months to complete their engagements are not eligible to take this examination. Applications from Special Service Sailors having less than six months to complete their engagements will be entertained only if these have been duly recommended by their Commanding Officers.
- 4. FEE TO BE PAID WITH THE APPLICATION.—Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates). Applications not accompanied by the prescribed fee will be summarily rejected.
- 5. REMISSION OF FEE.—The Commission may, at their discretion, remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Burma who migrated to India on or after 1st June, 1963 or is a bona fide repatriate of Indian origin from Sri Lanka who migrated to India on or after 1st Nevember, 1964 or is a prospective repatrlate of Indian origin from 1964 or is a prospecti
- 6. HOW TO APPLY—Only printed applications on the form prescribed for the Combined Defence Services Examination November, 1979 appended to the Notice will be entertained. Completed applications should be sent to the Secretary Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011. Application forms and full particulars of the examination can be had from the following sources
 - (i) By post from Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by remitting Rs. 2/- by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to Secretary, U.P.S.C. at New Delhi G.P.O.
 - (ii) On cash payment of Rs. 2/- at the counter in the Commission's office.
 - (iii) Free of charge from nearest Recruiting Office Military Area/Sub-Area Headquarters, N.C.C Directorates and Naval Establishments.

All candidates whether already in Government bervice or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations or in private employment should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application. even if submitted to the employer before the closing date will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

A candidate serving in the Armed Forces must submit his application through his Commanding Officer who will complete the endorsement (vide Section 'B' of the application form) and forward it to the Commission.

- 7. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS IN THE COMMISSION'S OFFICE:—
 - (i) From candidates in India 30th July, 1979.
 - (ii) From candidates abroad or in Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep 13th August, 1979.
- 8 DOCUMENTS TO BE SUBMITTED WITH THE SPRICATION.
- (A) By all candidates:—
 - (i) Fee of Rs. 28/- (Rs. 7/- for Scheduled Castes/ Tribes candidates) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador, or Representative abroad as the case may be for credit to the account Head "051 Public Service Commission—Fxamination fees" and the receipt attached with the application.

- (ii) Attendance Sheet (attached with the application form) duly filled.
- (iii) Two identical copies of recent passport size (5 cm. x 7 cm approx.) photographs of the candidate duly signed on the front side.

One copy of the photograph should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein.

(B) By Scheduled Castes/Scheduled Tribes candidates:-

Attested/certified copy of certificate in the form given in Appendix IV from any of the competent authorities (mentioned under the certificate) of the District in which he or his patents (or surviving parent) ordinarily reside, in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe.

- (C) By candidates claiming remission of fee:--
 - (i) An attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer or a Member of Parliament or State Legislature certifying that he is not in a position to pay the prescribed fee.

- (ii) An animaled/certified copy of a certificate from the following authorities in support of the claim to be a bona fide displaced person/repatriate—
- (a) Displaced person from erstwhile East Pakistan:
- Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranaya Project or of Relief Camps in various States.

OR

(ii) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be a resident.

OR

(iii) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in his district.

OR

(iv) Sub-Divisional Officer within the sub-division in his charge.

OR

- (v) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation) in Calcutta.
- (b) Repatriates from Srl Lanka:

High Commission for India in Srl Lanka.

(c) Repatrlate from Burma:

Embassy of India, Rangoon or District Magistrate of the area in which he may be resident.

(D) By NCC 'C' Certificate (Army Wing) holders competing for the vacancles reserved for them in the I.M.A. Course.

An attested/certified copy of a certificate to show that he is a NCC 'C' Certificate (Army Wing) holder or a certificate to the effect that he is appointed or appeared in the N.C.C. 'C' Certificate (Army Wing) examination.

- 9. REFUND OF FEE.—No refund of fee paid to the Commission with the application will be entertained except in the following cases, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection:—
 - (i) A refund of Rs. 15/- (Rs. 4/- in case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission. If, however, the application is rejected on receipt of information that the candidate has failed in the degree examination or will not be able to submit the proof of passing the degree examination by the prescribed date, he will not be allowed refund of fee.
 - (ii) A refund of Rs. 28/- (Rs. 7/- in the case of candidates belonging to Scheduled Castes/Scheduled Tribes) will be allowed in the case of a candidate who took the Combined Defence Services Examination May. 1979 and is recommended for admission to any of the courses on the results of that Examination provided his request for cancellation of candidature for the Combined Defence Services Examination November, 1979 and refund of fee is received in the office of the Commission on or before 31st March, 1980.
- 10. ACKNOWLEDGEMENT OF APPLICATIONS.—All applications received in the prescribed form for this examination will be acknowledged. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from

the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

- 11. RESULT OF APPLICATION.—If a candidate does not received from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- 12. ADMISSION TO THE EXAMINATION.—The decision of the Union Public Service Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate shall be final. No candidate shall be admitted to the examination unless holds a certificate of admission from the Commission.
- 13. ACTION AGAINST CANDIDATES FOUND GUILTY OF MISCONDUCT.—Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form. Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its attested/certified copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or their attested/certified copies, an explanation regarding the discrepancy should be submitted

A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter. In the script(s): or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable:—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the Examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them.
 - (ii) by the Central Government. from any employment under them; and

- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules.
- 14. Original Certificates—Submission of.—Candidates who qualify for interview on the results of the written examination will be required to submit original certificates in support of their age and educational qualification etc. to the Commission soon after the declaration of the results of the written examination. The results of the written examination are likely to be declared in the month of January, 1980.
- 15. COMMUNICATION REGARDING APPLICATIONS—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION. DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:—
 - (1) NAME OF EXAMINATION
 - (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION
 - (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED
 - (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS)
 - (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.
 - N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.
- 16. CHANGE OF ADDRESS.—A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity giving the particulars mentioned in paragraph 15 above.

CANDIDATES RECOMMENDED BY THE COMMISSION FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SFLECTION BOARD WHO HAVE CHANGED THEIR ADDRESSES SUBSEQUENT TO THE SUBMISSION OF THEIR APPLICATIONS FOR THE EXAMINATION SHOULD IMMEDIATELY AFTER ANNOUNCEMENT OF THE RESULT OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION NOTIFY THE CHANGED ADDRESS ALSO TO ARMY HEADQUARTERS. A.G.'S BRANCH RTG. 6(SP)(e)(ii) WEST BI.OCK, 3 WING 1, RAMAKRISHNAPURAM, NEW DELHI-110022. FAILURE TO COMPLY WITH THIS INSTRUCTION WILL DEPRIVE THE CANDIDATE OF ANY CLAIM TO CONSIDERATION IN THE FVENT OF HIS NOT RECEIVING THE SUMMON LETTERS FOR INTERVIEW BY THE SERVICES SELECTION BOARD.

Although the authorities make every effort to take account of such changes they cannot accept any responsibility in the matter.

17. ENQUIRIES ABOUT INTERVIEW OF CANDIDATES QUALIFYING IN THE WRITTEN EXAMINATION.—Candidates whose names have been recommended for interview by the Services Selection Board, should address enquiries or requests if any relating to their interview direct to the Army Headqurters. AG's Branch RTG, 6(SP)(e)(ii) West Block 3, Wing 1, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022.

Candidates are required to report for SSB interview on the date intimated to them in the call up better for interview. Request for postponing interview will only be considered in very genuine circumstances and that too if it is administratively convenient for which Army HQ will be the sole deciding authority.

The candidates called for SSB interview at different Services Selection Centres will bring with them the following articles:

- (a) Passport size photographs in white shirt-6 Nos
- (b) Bedding and blankets. (according to season)
- (c) Two pairs of white shirts and shorts.
- (d) A pair of white PT shoes and two pairs of white socks
- (e) Two pairs of trousers and shirts
- (f) Fountain Pen, ink and pencils
- (g) Boot Polish and white blanco
- (h) One mosquito net.

18. ANNOUNCEMENT OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION, INTERVIEW OF QUALIFIED CANDIDATES, ANNOUNCEMENT OF FINAL RESULTS AND ADMISSION TO THE TRAINING COURSE OF THE FINALLY QUALIFIED CANDIDATES.—The Union Public Service Commission shall prepare a list of candidates who obtain the minimum qualifying marks in the written examination as fixed by the Commission in their discretion. Such candidates shall appear before a Service Selection Board for Intelligence and Personality Tests simultaneously for all the entries for which they have qualified.

Candidates who qualify in the written examination for IMA (D.E.) Course and/or Navy (S.E.) Course irrespective of whether they have also qualified for SSC (NT) Course or not, will be detailed for S.B. tests in March/April, 1980 and candidates who qualify for SSC (NT) Course only will be detailed for SSB tests in June/July, 1980.

Candidates will appear before the Services Selection Board and undergo the tests thereat at their own risk and will not be entitled to claim any compensation or other relief, from Government in respect of any injury which they may sustain in the course of or as a result of any of the tests given to them at the Services Selection Board whether due to the negligence of any person or otherwise. Candidates will be required to sign a certificate to this effect on the form appended to the application.

To be acceptable, candidates should secure the minimum qualifying marks separately in (i) written examination and (ii) S.S.B. tests as fixed by the Commission in their discretion. The candidates will be placed in the order of merit on the basis of the total marks secured by them in the written examination and in the S.S.B. tests. The form and manner of communication of the results of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

Success at the examination confers no right of admission to the Indian Military Academy, the Naval Academy or the Officers' Training School as the case may be. The final selection will be made in order of merit subject to medical fitness and suitability in all other respects and number of vacancies available.

19. DISQUALIFICATIONS FOR ADMISSION TO THE TRAINING COURSE:—Candidates who were admitted to an earlier course at the National Defence Academy, Indian Military Academy, Air Force Flying College, Naval Academy, Cochin, Officers' Training School, Madras but were removed therefrom on disciplinary grounds will not be considered for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy or for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the Indian Military Academy for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

Candidates who were previously selected as Special Entry Naval Cadets but were withdrawn from the National Defence Academy or from Naval Training Establishments for lack of Officer-like qualities will not be eligible for admission to the Indian Navy.

86GI/79

Candidates who were withdrawn from Indian Military Academy Officers' Training School, N.C.C. and Graduate Course for lack of Officer-like qualities will not be considered for grant of Short Service Commission in the Army.

Candidates who were previously withdrawn from the N.C.C. and Graduates' Course for lack of Officer-like qualities will not be admitted to the Indian Military Academy.

20. RESTRICTIONS ON MARRIAGE DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY:—Candidates for the Indian Military Academy Course or Naval Academy Course must undertake not to marry until they complete their full training. A candidate who marries subsequent to the date of his application, though successful at this or any subsequent examination will not be selected for training. A candidate who marries during training shall be discharged and will be liable to refund all expenditure incurred on him by the Government.

No candidate for the Short Service Commission (N.T.) Course—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for admission to the Officers' Training School/grant of Short Service Commission.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

21. OTHER RESTRICTIONS DURING TRAINING IN THE INDIAN MILITARY ACADEMY OR IN THE NAVAL ACADEMY:—After admission to the Indian Military Academy or the Naval Academy, candidates will not be considered for any other Commission. They will also not be permitted to appear for any interview or examination after they have been finally selected for training in the Indian Military Academy, or the Naval Academy.

22. INTELLIGENCE TEST— INFORMATION ABOUT:—The Ministry of Detence (Directorate of Psychological Research) have published a book with the title "A Study of Intelligence Test Scores of candidates at Services Selection Boards." The purpose of publishing this book is that the candidates should familiarise themselves with the type of Intelligence Tests they are given at the Services Selection Boards.

The book is a priced publication and is on sale with Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by Mail Orders or on cash payment. This can also be obtained only against cash payment from (i) Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publication Branch at Udyog Bhavan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot 8, K. S. Roy Road, Calcutta-700001.

23. PAMPHLETS CONTAINING RULES AND QUESTION PAPERS OF PREVIOUS EXAMINATIONS—INFORMATION ABOUT.

With the introduction of objective type questions for all the papers included in the scheme of this examination with effect from the Combined Defence Services Examination, May 1978, the printing of pamphlets containing rules and question

papers for this examination has been discontinued. However, copies of pamphlets containing rules and question papers of preceeding examinations upto Combined Defence Scrvices Examination held in November, 1977 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110054 and may be obtained from him direct by mall orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale counter of the Publications Branch at Udyog Bhawan, New Delhi-110001, and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-700001. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

R. S. AHLUWALIA Deputy Secretary

÷

APPENDIX I

(The scheme, standard syllabus of the examination)

A. SCHEME OF THE EXAMINATION

- 1. The Competitive examination comprises:-
 - (a) Written examination as shown in para 2 below:
 - (b) Interview for intelligence and personality test (vide Part 'B' of this Appendix) of such candidates as may be called for interview at one of the Services Selection Centres.
- 2. The subjects of the written examination, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject will be as follows:

(a) For admission to Indian Military Academy

Subject	Duration	Maximum Marks
1	2	3
Compulsory		
1. English	. 2 Hours	100
2. General Knowledge .	. 2 Hours	100
3. Elementary Mathematics	. 2 Hours	100

Optional:-Any one of the following

Subject		Code No.	Time allowed	Maximum Marks
1	-	2	3	4
Physics		01	2 Hours	150
Chemistry .		02	2 Hours	150
Mathematics .	,	03	2 Hours	150
Botany .		04	2 Hours	150
Zoology		05	2 Hours	150
Geology		06	2 Hours	150
Geography .		07	2 Hours	150
English Literature		08	2 Hours	150
Indian History .		09	2 Hours	150
General Economics		10	2 Hours	150
Political Science		11	2 Hours	150
Sociology		12	2 Hours	150
Psychology	٠	13	2 Hours	150

(b) For Admission to Naval Academy:

Subject	Time allowed	Maxi- mum marks
1	2	3
Compulsory		
1. English .	2 Hrs.	100
2. General Knowledge	2 Hrs.	100
Optional		
*3. Elementary Mathematics or Elementar Physics	y 2 Hrs.	100
•4. Mathematics or Physics	2 Hrs.	150 *Candidates offer ing Elementar Mathematics will take Physics as their 4st paper and Candidates offer ing Elementary Physics will take Mathematics their 4th paper

(c) For Admission to Officers Training School

Subject	Time allowed	Maximum Marks
1. English	. 2 Hours	100
2. General Knowledge	. 2 Hours	100

The maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be equal for each course i.e. the maximum marks allotted to the written examination and to the Interviews will be 450, 450 and 200 each for admission to the Indian Military Academy, Naval Academy and Officers' Training School.

- 3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.
- 4. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of Weights and Measures only will be set.
- 5. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write answers for them.
- 6. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

B. STANDARD AND SYLLABUS OF THE EXAMINATION

STANDARD

The standard of the paper in Elementary Mathematics will be of Matriculation Examination and that of Elementary Physics will be of Higher Secondary Examination.

The standard of papers in other subjects will approximately be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

There will be no practical examination in any of the subjects.

SYLLABUS ENGLISH

The question paper will be designed to test the candidate's understanding of English and workmanlike use of words.

GENERAL KNOWLEDGE

General Knowledge including knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

ELEMENTARY MATHEMATICS

Arithmetic

Number System—Natural numbers, Integers, Rational and Real numbers. Fundamental operations—addition, subtraction, multiplication, division, Square roots, Decimal fractions

Unitary method—time and distance, time and work. Percentages—applications to simple and compound interest, profit and loss. Ratio and proportion, variation.

Elementary Number Theory—Division algorithm, Prime and composite numbers. Tests of divisibility by 2, 3, 4, 5, 9 and 11 Multiples and factors. Factorisation Theorem. H.C.F. and L.C.M. Eucldean algorithm.

Logarithms to base 10, laws of logarithms, use of logarithmic tables.

Algebra

Basic Operations; simple factors, Remainder Theorem, H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solutions of quadratic equations, relation between its roots and coefficients. (Only real roots to be considered). Simultaneous linear equations in two unknowns—analytical and graphical solutions. Simultaneous linear inequations in two variables and their solutions. Practical problems leading to two simultaneous linear equations or inequations in two variables or quadratic equations in one variable and their solutions. Set language and set notation. Rational expressions and conditional identities. Laws of indices.

Trigonometry

Sine X. Cosine X, Tangent X when $O' \le x \le 90^\circ$.

Values of sin x, cos x and tan x, for $x = 0^{\circ}$, 30°, 45°, 60° and 90".

Simple trigonometric identities.

Use of trigonometrical tables.

Simple cases of heights and distances.

Geometry

Lines and angles, Plane and plane ngures. Theorems on (1) Properties of angles at a point, (ii) Parallel lines, (iii) Sides and angles of a triangle, (iv) Congruency of triangles, (v) Similar triangles, (vi) Concurrence of medians and altitudes, (vii) Properties of angles, sides and diagonals of a parallelogram, rectangle and square, (viii) Circle and its properties including tangents and normals, (ix) Loci.

Mensuration

Areas of squares, rectangles, parallelgrams, triangle and circles. Areas of figures which can be split up into these figures (Field Book) Surface area and volume of cuboids, lateral surface and volume of right circular cones and cylinders. Surface area and volume of spheres.

Manstics

Collection and tabulation of statistical data. Graphical representation—frequency polygons, histograms, bar charts, pie charts etc.

Measures of central tendency.

ELEMENTARY PHYSICS

- (a) Mensuration.—Units of measurement; CGS and MKS unit Scatars and vectors. Composition and resolution of torces and velocities. Unitorm acceleration. Rectilinear motion under unitorm acceleration. Newton's Laws of Motion, concept of Force. Units of Force. Mass and weight.
- (b) Mechanics of Solids.—Motion under gravity. Parallel forces. Centre of Gravity. States of equilibrium. Simple Machines. Velocity Ratio. Various simple machines including inclined plane, Screw and Gears. Friction angle of frictions, coefficient of friction. Work, Power and energy, Potential and kinetic energy.
- (c) Properties of fluids.—Pressure and Thrust. Pascal's Law, Archimedes principle. Density and Specific gravity. Application of the Archimedes principle for the determination of specific gravities of solids and liquids. Laws of floatation. Measurement of pressure exerted by a gas. Boyle's Law. Air pumps.
- (d) Heat.—Linear expansion of solids and cubical expansion of liquids. Real and apparent expansion of liquids. Charles Law. Absolute Zero; Boyles and Charles' Law; specific heat of solids and liquids; calorimetry. Transmission of heat; Conductivity of metals. Change of State. Latent heat of fusion and vaporization. SVP humidity, dew point and relative humidity.
- (e) Light.—Rectilinear propagation. Laws of reflection, spherical mirrors; Refraction, laws of refraction, Lenses, Optical instruments, camera, projector, epidiascope, telescope Microscope, binocular & periscope. Refraction though a prism, dispersion.
- (f) Sound.—Transmission of sound; Reflection of sound. resonance. Recording of sound-gramophone.
- (g) Magnetism & Electricity.—Laws of Magnetism, Magnetic field. Magnetic lines of force, Terrrestrial Magnetism, Conductors and insulators. Ohm's Law. P.D. Resistances EMF (Resistances in series and parallel). Potentiometer, Comparison of EMFs. Magnetic effect of an electric current; A conductor in a magnetic field. Fleming's left hand rule. Measuring instruments—Galvanometer, Ammeter Voltmeter, Wattmeter, chemical effect of an electric current, electroplating; Electromagnetic induction, Faraday's Laws; Basis AC & DC-generator.

PHYSICS (Code-07)

1. General properties of matter and mechanics

Units and dimensions, scalar and vector quantities; Moment of Inertia, Work, energy and momentum. Fundamental laws of mechanics; Rotational motion; Gravitation. Simple harmonic motions, simple and compound pendulum. Elasticity, Surface tension; Viscosity of liquids. Rotary pump.

2. Sound

Damped, forced and free vibrations. Wave motion. Doppler effect, velocity of sound waves; effects of pressure, temperature and humidity on velocity of sound in a gas. Vibration of strings, membranes and gas columns. Resonance, beats: Stationary waves. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Elements of ultra sonics. Elementary principles of gramophone, talkies and loudspeakers.

3. Heat and Thermodynamics

Temperature and its measurement; thermal expansion; Isothermal and adiabatic changes in gases. Specific heat and thermal conductivity; Elements of the kinetic theory of matter; Physical ideas of Boltzmann's distribution law; Van der Wall's equation of state; Joule Thompson effect; liquefaction of gases; Heat engines; Carnot's theorem; Laws of thermodynamics and simple applications. Black body radiation.

4. Light

Geometrical optics. Velocity of light. Reflection and refraction of light at plane and spherical surfaces, Spherical and chromatic defects in optical images and their correction. Eye and other optical instruments. Wave theory of light, interference.

5. Electricity and Magnetism

Energy due to a field; Electrical and magnetic properties of matter; Hysterisis permeability and susceptibility; Magnetic field due to electrical current; Moving magnet and moving coil galvanometers. Measurement of current and resistance; Properties of reactive circuit elements and their determination, thermoelectric effect; Electromagnetic induction; Production of alternating currents. Transformers and motors; Electronic valves and their simple applications.

6. Modern Physics

Elements of Bohr's theory of atom, Electrons, Discharge of Electricity through gases; Cathode Rays and X-rays, Radio-activity, Artificial radioactivity, Isotopes, Elementary ideas of fission and fusion.

CHEMISTRY (Code--02)

1. Inorganic Chemistry

Electronic configuration of elements. Aufbau Principle Periodic classification of elements. Atomic number. Transition elements and their characteristics.

Atomic and ionic radii ionization potential, electron affinity and electronegativity.

Natural and artificial radioactivity. Nuclear fission and fusion.

Electronics Theory of valency. Elementary ideas about sigma and pi-bonds, hybridization and directional nature of covalent bonds.

Warner's theory of coordination compounds. Electronic configuration of complexes involved in the common metal-lurgical and analytical operations.

Oxidation states and oxidation number. Common oxidising and reducing agents. Ionic equations.

Lewis and Bronsted theories of acid and Bases.

Chemistry of the common elements and their compounds treated especially from the point of view of periodic classification. Principles of extraction, isolation (and metallurgy) on important element.

Structures of hydrogen peroxide, diborane, aluminium chloride and the important oxyacids of nitrogen, phosphorus, chlorine and sulphur.

Inert gases; Isolation and chemistry.

Principles of inorganic chemical analysis.

Outlines of the manufacture of Sodium carbonate, sodium hydroxide, ammonia, nitric acid, sulphuric acid, cement, glass and artificial fertilizers.

2. Organic Chemistry:

Modern concepts of covalent bonding. Election displacemonts—Inductive, mesomeric and hyperconjugative effects. Resonance and its application to organic chemistry. Effect of structure on dissociation constants.

Alkanes, alkenes and alkynes. Peroleum as a source of organic compounds. Simple derivatives of aliphatic compounds. Alcohols. Aldehydes, ketons, acids, holides, esters ether, acid anhydrides chlorides and amides. Monobasic hydroxy ketonic and amino acids. Organometallic compounds and acetoacetic esters. Tartaric, citric, maleic and fumaric acids. Carbodydrates classification and general reaction. Glucose, frustose and sucrose.

Stereochmistry: Optical and geometrical isomerism. Concept of conformation.

Benzene and its simple derivatives: Toluene, xylenes, phenols, halides nitro and amino compounds. Benzoic salleylic, cinnamic, mandelic and sulphonio acids. Aromatic aldehydes and ketons. Diazo, azo and hydrazo compounds. Aromatic substitution. Napthalene, pyridine and quinoline.

3. Physical Chemistry:

Kinetic theory of gases and gas laws. Maxwell's law of distribution of velocities. Van der Waal's equation. Law of corresponding states. Liquefaction of gases. Specific heats of gases. Ratio of Cp/Cv.

Thermodynamics. The first law of thermodynamics, Isothermal and adiabatic expansion. Enthalpy. Heat capacities. Thermochemistry—heats of reaction, formation, solution and combusion. Calculation of bond energies, Kirchhoff equation.

Criteria for spontaneous change. Second Law of Thermodynamics. Entropy. Free energy. Criteria of Chemical equilibrium.

Solutions Osmotic pressure. Lowering of vapour pressures, depression of freezing point elevation of boiling point. Determination of molecular weights in solution. Association and dissociation of solutes.

Chemical equilibria. Law of mass action and its application to homogeneous and heterogeneous equilibria. Le Chatelier principle. Influence of temperature on chemical equilibrium.

Hectiochemistry: Faraday's laws of electrolysis conductivity of an electrolyte; equivalent conductivity and its variation with dilution; solubility of sparingly soluble salts; electrolytic dissociation. Ostwald's dilution law; anomaly of strong electrolytes; solubility product; strength of acids and bases; hydrolysis of salts; hydrogen ion concentration; buffer action theory of indicators.

Reversible cells. Standard hydrogen and calomel Electrodes. Electrode and red oxpotentials, Concentration cells. Determination of pH. Transport number. Ionic product of water Potentiometric titrations,

Chemical Kinetics, Molecularity and order of a reaction. First order and second order reactions. Determination of order of a reaction temperature coefficients and energy of activation. Collision theory of reaction rates. Activated complex theory.

Phase rule: Explanation of the terms involved. Application to one and two component systems. Distribution law.

Colloids: General nature of Colloidal solutions and their classification; general methods of preparation and properties of colloids. Coagulation. Protective action and gold number Adsorption.

Catalysis Homogeneous and heterogeneous catalysis Promotors Poisoning.

Photochemistry. Laws of photochemistry. Simple numerical problems.

MATHEMATICS (Code--03)

1. Algebra

Algebra of Sets, relations and functions; inverse of functions; composite function; equivalence relation; De Movire's theorem for retional index and its simple applications.

2. Matrices

Algebra of Matrices, determinants, simple properties of determinants, product of determinants; adjoint of a matrix; inversion of matrices; rank of a matrix. Application of metrices to the solution of linear equations (in three dimensions).

3. Analytical Geometry

Analytical Geometry of two dimensions

Straight lines, pair of straight lines, circles, systems of circles, ellipse, parabola, hyperbola (referred to principal axis). Reduction of a second degree equation to standard form. Tangents and normals.

Analytical Geometry of three dimensions

Planes, straight lines and spheres (Carlesian co-ordinate only).

4. Calculas and Differential Equation

Differential calculus—Concept of limit, continuity and differentiability of a function of one real variable, derivative of standard functions, successive differentiation. Rolle's theorem. Mean value theorem; Maclaurin and Taylor series (proof not needed) and their applications; Binomial expansion for rational index, expansion of exponential, logarithmic trigonemetrical and hyperbolic functions. Indeterminate forms. Maxima and Minima of a function of a single variable, geometrical applications such as tangent. normal subtangent, subnormal asymptotic curvature (cartesian coordinates only). Envelope: Partial differentiation. Euler's theorem for homogeneous functions.

Integral calculus—Standard methods of integration Reimann definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. Rectification, quadrature, volumes and surface area of solids of revolution. Simpson's rule for numerical integration.

Differential equations—Solution of standard first order differential equations. Solution of second and higher order linear differential equations with constant coefficients, Simple application of problems on growth and decay, simple harmonic motion. Simple pendulum and the like.

5. Mechanics (Vector methods may be used)

Statics.—Conditions of equilibrium of coplanar and concurrent forces. Moments. Couples, Centre of gravity of simple bodies. Friction, Static and limiting friction, angle of friction equilibrium of a particle on a rough inclined plane. Virtual work (two dimensions).

Dynamics.—Kinematics Displacement, speed velocity and acceleration of a particle, relative velocity. Motion in a straight line under constant acceleration. Newton's laws of motion. Central Orbits. Simple harmonic motion. Motion under gravity (in vacuum). Impulse work and energy, Conservation of energy and linear momentum. Uniform circular Motion.

6. Statistics.—Probability-Classical and statistical definitions of probability, calculation of probability of combinatorial methods, addition and multiplication theorems, conditional probability. Random variables (discret and continuous), density function. Mathematical expectation.

Standard distributions—Binomial distribution, definition, mean and variance, skewness, limiting form simple application; Poisson distribution,—definition, mean and variance additive property fitting of Poisson distribution to given data. Normal distribution, simple properties and simple applications, fitting a normal distribution to given data.

Rivariate distribution—Correlation, linear regression involving two variables, fitting of straight line, parabolic and exponential curves, properties of correlation coefficient.

Simple sampling distribution and simple tests of hypothesis; Random sample. Statistics, Sampling distribution and standard error. Simple application of the mormal. t. chi' and F distributions to testing of significance of difference of means.

Note:—Out of the two topics No. 5 Mechanics and No. 6 Statistics, the candidates will be allowed the option of answering questions on any one of the two topics.

BOTANY (Code—04)

- 1. Survey of the plant Kingdom.—Differences between animals and plants; Characteristics of living organism: unicellular and multicellular organism: Viruses: basis of the division of the plant kindom.
- 2. Morphology.—(i) Unicellular plants—cell, its structure and contents: division and multiplication of cell.
- (ii) Multicellular plants.—Differentiation of the body of non-vascular plants and vascular plants: external and internal morphology of vascular plants.
- 3. Life history.—OI at least one member of the following categories of plants:—Bacteria, Cyanopheyceae, Chlorophyceae, Phacophyceae Rhodophyceae, Phycomycetes Asconycetes Basidiomycetes Liverworts. Mosses, Pteridophytes, Gymnosperms and Angiosperms.
- 4. Taxonomy.—Principles of classification, principal systems of classification of angiosperms: distinctive features and economic importance of the following families:—

Graminae Scitaminae. Palmaceae. Liliaceae. Orchidaceae Moraceae, Loranthaceae. Magnoliaceae, Laurceae, Cruciferae, Rosaceae, leguminosae, Rutaceae, Meliaceae, Euphorbiaceae, Anacardiaceat, Malvaceae, Apocynaceae, Asclepiadaceae; Dipterocarpaceae, Myrtaceae, Umbelicrae, Labiatae, Solanaceaes, Rubiaceae, Cucurbitaceae Vervenaceae and Compositae.

- 5. Plant Physiology.—Autotrophy, heterotrophy. Intake of water and nutrients, transpiration, photosynthesis, mineral nutrition, respiration, growth, reproduction: plants-animal relation, symblosis, parasitism enzymes, auxins, hormones photoperiodism.
- 6. Plant Pathology.—Cause and cure of plant diseases. Disease organisms. Viruses, deficiency disease; Disease resistance.
- 7 Plant Ecology.—The basic facts relating to ecology and plant geography with special relation to Indian flora and the botanical regions of India.
- 8. General Biology.—Cytology, genetics, plant breeding Mendelism, hybrid vigour. Mutation, evolution.
- 9. Economic Botany.—Economic uses of plants, especially flowering plants in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products like foodgrains, pulses, fruits, sugar and starches, oilseeds, spices, beverages, fibres, woods, tubber, drugs and essential oils.
- 10. History of Botany.—A general familiarity with the development of knowledge relating to the botanical science.

ZOOLOGY (Code-05)

Classification of the animal kingdom into principal groups distinguishing features of the various classes.

The structure habits and life-history of the following non-chordate types:

Amoeba, malarial parasite, a sponge, hydra, liverflue tapeworm, roundworm, earth worm, leech, cockroach, housefly mosquito scorpion freshwater mussel pond snail and star-fish (external characters only).

Economic importance of insects, bionomics and life-history of the following insects; termitelocust, honey bee and silk moth.

Classification of Chordate up to orders.

The structure and comparative anatomy of the following chordate types.

Branchiostoma; Scolidon; frog; Uromastix or any other lizard (skeleton of Varanus) pigeon (Skeleton of fowl); and rabbit; rat or squirrel.

Elementary knowledge of the history and physiology of the various organs of the animal body with reference to frog and rabbit. Endocrine glands and their functions,

Outlines of the development of frog and chick structure and functions of the mammalian placenta.

General principles of evolution, variations heredity, adaptation; recapitulation hypothesis; Mendalian inheritance; asexual and sexual modes of reproduction; parthenogenesis; metamorphosis alteration of generations.

Ecological and geological distribution of animals with special reference to the Indian fauna,

Wild life of India including poisonous and non-poisonous snakes; game birds.

GEOLOGY (Code-06)

1. General Geology:

Origin age and interior of the Earth, different geological agencies and their effects on topography, weathering and erosion; Soil types, their classification and soil groups of India; Physiographic sub-division of India, Vegetation and topography. Volcanoes, earthquakes, mountain diastrophism.

2. Structural Geology:

Common structures of igneous, sedimentary and metamorphic rocks, Dip, strike and slopes; folds faults and unconformities including their effects on outcrops. Elementary ideas of methods of Geological Surveying and Mapping.

3. Crystallography and Mineralogy:

Elementary knowledge of crystal symmetry. Laws of Crystallography. Crystal habits and twinning.

Study of important rock-forming including clay minerals with regard to their chemical composition, physical properties, optical properties, alteration, occurrence and commercial uses.

4. Economic Geology:

Study of important economic minerals of India including mode of occurrence. Origin and classification of ore deposits.

5. Petrology:

Flementary study of igneous, sedimentary and metamorphic rocks including origin and classification. Study of common rock types.

6. Stratigraphy;

Principles of Stratigraphy; lithological and chronological sub-divisions of geological record. Outstanding features of Indian Stratigraphy.

7. Palaeontology:

The bearing of palaeontological data upon evolution. Fossils, their nature and mode of preservation. An elementary idea of the morphology and distribution of representative forms of animal and plant fossils.

GEOGRAPHY (Code—07)

- (i) Elementary Geomorphology.—Origin of the solar system and the earth, landforms, land sculpture, elementary geology, rocks and soil formation.
- (ii) Climatology.—Climate and its elements, temperature pressure, humidity, wind system elementary knowledge of cyclones and anti-cyclones precipitation types of rain.
- (iii) Oceanography.—Distribution of land and water, movements of ocean-water, tides, currents, salinity, deposits, of the ocean beds.
- (iv) Plant Geography.—Types of vegetation, their relation to geographical environment, forests, grasslands, deserts, major natural regions.
- (v) Human Geography.—Man in environment races of mankind, man's activities and distribution of population.
- (vi) Economic Geography.—Principal vegetable, animal and mineral products, their distribution and geographical background principal industries and their localisation; international trade in raw material, food-stuffs and manufactured goods.
- (vii) Regional Geography.—India in detail and the U.S.A., the U.K., the U.S.S.R., China, Japan, South-Fast Asia, the Middle Fast, Sri Lanka, Burma and Pakistan in outline.

ENGLISH LITERATURE (Code-08)

Candidates will be expected to show a general knowledge of the history of English literature upon the time of Spencer to the end of the reign of Queen Victoria with special reference to the works of the following authors:—

Shakespeare, Milton, Johnson, Dickens, Wordsworth, Keats, Carlyle, Tennyson and Hardy.

INDIAN HISTORY (Code--09)

India from 1600 to the establishment of Indian Republic including the constitutional developments during this period.

Note.—In this subject candidates should be acquainted with geography in its relation to history. When a fixed date is given for the beginning of the period candidates will be expected to know in general outline how the initial position was reached.

GENERAL ECONOMICS (Code--10)

Candidates will be expected to have a knowledge of economic theory and should be prepared both to illustrate theory by facts and to analyse facts by the help of theory. Some knowledge of the economic history of India and of England and of economic conditions in these countries will be expected.

POLITICAL SCIENCE (Code—11)

Candidates will be expected to show a knowledge of political theory and its history, political theory being understood to mean not only the theory of legislation but also the general theory of the State. Questions may also be set on constitutional forms (Representative Government. Federalism etc.) and Public Administration. Central and Local, Candidates will be expected to have knowledge of the origin and development of existing institutions.

SOCIOLOGY (Code-12)

Nature and Scope of Sociology; Study of Society; Sociology and its relation to other Social Sciences.

Basic concepts Status and Role; Primary and Secondary Groups; Social institutions; Social structure; Social control and Deviant behaviour; Social Conflict; Social Change.

Basic Social Structures and Institutions; Marriages; Family and Kinship; Political Institutions; Religious Institutions Social stratification—Caste, Class and Race.

Favironment, society and culture.

Sociology of India; Caste and Casteism; Family and Kinship; Village community; Social change in modern India.

PSYCHOLOGY (Code-13)

General Psychology

Definition and subject-matter of Psychology; methods of Psychology; Concept of adjustment and behaviour mechanism; Physiological basis of behaviour; (a) receptors—visual and auditory; (b) general idea of the nervous system; (c) effectors;—muscles and glands.

Factors in human development—heredity and environment, maturation and learning.

Motivation and emotion—their nature, kind and development.

Perception and its nature; Perception of form; colour and space.

Learning its nature, conditioning, insight and trial and error.

Memory and forgetting—factors effecting the processes; efficient methods of memorising.

Thinking and reasoning

Intelligence and abilities-their nature and measurement.

Personality-nature, determinants and measurement.

Abnormal Psychology

Abnormal behaviour-its concept and causes.

Frustration and conflicts; defence mechanisms.

Forms of psychological disorders—neurotic, psychotic, personality and psychophysiological disorders.

General idea of treatment of mental disorders-psychotherapy.

Social Tsychology

Group processes; individual and the group; leadership morale and crowd behaviour,

Propaganda and psychological warfare.

INTELLIGENCE AND PERSONALITY TEST

In addition, to the interview the candidates will be put to Intelligence Tests both verbal and non-verbal, designed to assess their basic intelligence. They will also be put to Group Tests such as group discussions, group planning, outdoor group tacks, and asked to give brief lectures on specified subjects. All these tests are intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms, this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also his social traits and interests in current affairs.

APPENDIX II

(Physical Standards for Admission to the Academy/School)

Note.—CANDIDATES MUST BE PHYSICALLY FIT ACCORDING TO THE PRESCRIBED PHYSICAL STANDARD. THE STANDARDS OF MEDICAL FITNESS ARE GIVEN BELOW.

A NUMBER OF QUALIFIED CANDIDATES ARE REJECTED SUBSEQUENTLY ON MEDICAL GROUNDS CANDIDATES ARE THEREFORE, ADVISED IN THEIR OWN INTEREST TO GET THEMSELVES MEDICALLY EXAMINED BEFORE SUBMITTING THEIR APPLICATIONS TO AVOID DISAPPOINTMENT AT THE FINAL STAGE.

A sufficient number of suitable candidates recommended by the Services Selection Board will be medically examined by a Board of Service Doctors. A candidate who is not declared fit by the Medical Board will not be admitted to the Academy or the School. The mere fact that medical examination has been carried out by a Board of Service Doctors will not mean or imply that the candidate has been finally selected. The proceedings of the Medical Board are confidential and cannot be divulged to anyone. The results of candidates declared unfit/temporarily unfit are intimated to them along with the procedure for submission of fitness certificate and appeal. No request for the results of Medical Board will be entertained by the President of the Medical Board.

Candidates are advised in their own interest that if their vision does not come up to the standard they must bring with them their correcting plasses if and when called for Services Selection Board Interview/Medical Examination.

- 1. To be passed fit for admission to the Academy/School a candidate must be in good physical and mental health and free from any disability likely to interfere with the efficient performance of duty.
 - 2. It will, however, be ensured that-
 - (a) there is no evidence of weak constitution, imperfect development, serious malformations or obesity;
 - (b) there is no maldevelopment or impairment of function of the bones or joints;
- Note: A condidate with a rudimentary corvical rib in whom there are no signs and symptoms referable to the cervical rib may be considered fit. However, the defect is to be recorded as a minor disability in the medical board proceedings.

- (c) there is no impediment of speech;
- (d) there is no malformation of the head or deformity from fracture or depression of the bones of the skull:
- (e) there is no impaired hearing, discharge from or disease in either ear, unhealed perforation of the tympanic membranes or signs of acute or chronic suppurative otitis media or evidence of radical or modified radical mastoid operation;
- Note: A soundly healed perforation without any impairment of the mobility of the drum and without impairment of hearing should not be a bar to acceptance of a candidate for the Army.
 - (f) there is no disease of bones or cartilages of the nose or nasal polypus or disease of the nasopharynx and accessory sinuses;
- Note: A small asymptomatic trumatic perforation of the nasal septum, would not be a cause for outright rejection. But such cases will be referred to the Adviser in Otology for examination and opinion.
 - (g) there are no enlarged glands in the neck and other parts of the body and that thyroid gland is normal;
- Note: Scars of operations for the removal of tuberculosis glands are not a cause for rejection provided that there has been no active disease within the preceding 5 years and the chest is clinically and radiologically clear.
 - (h) there is no disease of the throat palate, tonsils or sums or any disease or injury affecting the normal function of either mandibular joint;
- NOTE: Simple hypertrophy of the tonsils, if there is no history of attacks of tonsilitis is not a cause for rejection.
 - (i) there is no sign of functional or organic disense of the heart and blood vessels:
 - (j) there is no evidence of pulmonary tuberculosis or previous history of this disease or any other chronice disease of the lungs;
 - (k) there is no evidence of any disease of the digestive system including any abnormality of the liver and spleen;
 - (1) there is no inguinal hernia or tendency thereto:
- Note: (1) Inguinal hernia (unoperated) will be a cause for rejection.
 - (2) Those who have been operated for hernia may be declared medically fit provided:
 - One year has elapsed since operation. Documentary proof to this effect is to be produced by the candidate.
 - (ii) General tone, of the abdominal musculature is good.
 - (iii) There has been no recurrence of the hernia or complication there to concerned with the operation.
 - (m) there is no hydrocele or definite Varicocele or any other disease or defect of the genital organs.
- N.B.—(i) A candidate who has cele will be accepted if there are no abnormalities of the cord and testicle and there is no cyidence of filariasis.

- (ii) Undescended intra abdominal testicle on one side should not be a bar to acceptance provided the other testicle is normal and there is no untoward physical or psychological effect due to the undescended testicle. Undescended testis retained in the inguinal canal or the external abdominal ring is, however, a bar to acceptance unless corrected by operation.
- (n) there is no fistula and/or fissure of the anus or evidence of haemorrhoids;
- (0) there is no disease of the kidneys. All cases of Glycosuria or Albuminuria will be rejected;
- (p) there is no disease of the skin unless temporary or trivial scars which by their extent or position cause or are likely to cause disability or marked disfigurement are a cause for rejection;
- (q) there is no active, latent or congential venereal disease;
- (r) there is no history or evidence of mental disease of the candidate or his family. Candidates suffering from epilepsy, incontinuance of urine or enuresis will not be accepted;
- (s) there is no squint or morbid condition of the eyes or of the lids which is liable to a risk of aggravation or recurrence;
- (t) there is no active trachoma or its complication and sequelae.
- Note—Remedial operations are to be performed prior to entry. No guarantee is given of ultimate acceptance and it should be clearly understood by the candidates that the decision whether an operation is desirable or necessary is one to be made by their private medical adviser. The Government will accept no liability regarding the result of operation or any expense incurred.
- 3. Standards for Height, Weight and Chest Measurement-

(a) Height-

- (i) The height of a candidate will be measured by making him stand against the standard with his feet together. The weight should be thrown on the heels, and not on the toes or outer sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, cavles, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres, decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored; 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm. and above will be recorded as one.
- (ii) The minimum acceptable height for a candidate is 157.5 cm. (157 cm. for the Navy) except in the case of Gorkha, Nepalese, Assamese and Garhwali candidates in whose case the height in correlation table at (b)(i) below may be reduced by 5.0 cm. The minimum height of navel candidates from MANIPUR, NEFA, MEGHALAYA AND TRI-PURA may also be reduced by 5 cm. and 2 cm. in the case of candidates from LACCADIVES, 30—86GI/79

(b) Weight ...

(i) Weight will be taken with the candidate fully stripped or with underpants only. In recording weight fraction of 1/2 kg. will not be noted. A correlation table between age, height and average weight is given below for guidance:—

Age last birth day	Height without shoes	W	eight
		Average Minimum	Average Maximum
Years	Centimeters	Kgs.	Kgs.
17 to 18	157 · 5 & under 165 · 0	43 · 5	55 -0
	165·0 & under 172·5	48 ⋅0	59 - 5
	172 · 5 & under 183 · 0	52 · 5	64 0
	183 · 0 & upwards	57 ⋅0	
19	160 · 0 & under 165 · 0	44 · 5	56 ∙0
	165 · 0 & under 172 · 5	49 ·0	60 - 5
	172 · 5 & under 178 · 0	53 · 5	65 •0
	178 ·0 & under 183 ·0	58 .0	69 · 5
	183 · 0 & upwards	62 - 5	
20 & up-	160 · 0 & under 165 · 0	45 • 5	56 -5
wards	165 · 0 & under 172 · 5	50 .0	61 .0
	172 · 5 & under 178 · 0	54 ⋅5	66 •0
	178 · 0 & under 183 · 0	59 ⋅0	70 · 5
	183 · 0 & upwards	63 ·0	

HEIGHT AND WEIGHT STANDARDS

For Navy only

IJaloh+	in Cont	imate	•		Age	
Height	in Cent	metr	C3	18 years	20 years	22 years
	——·~ —			 Weight in	Kilograms	
157				47	49	50
160				48	50	51
162				50	52	53
165				52	53	55
168				53	55	57
170	•			55	57	58
173				57	59	60
175	•			59	61	62
178	•			61	62	63
180				63	64	65
183				65	67	67
185	•			67	69	70
188			-	70	71	72
190				72	73	74
193				74	76	77
195				77	78	78

(ii) It is not possible to lay down precise standards for weiht in relation to height and age. The correlation table is, therefore, only a guide and cannot be applied universally. A 10 per cent (±6 kg. for the Navy) departure from the average weight given in the table is to be considered as within normal limits. There may nevertheless be some individuals who recording to the above standard may be overweight but from the general build of the body are fit in every respect. The overweight in such cases may be due to heavy bones and muscular development and not to obesity. Similarly for those who are underweight, the criteria should be the general build of the body and proportionate development rather than rigid adherence to the standards in the above table.

(c) Chest.—The chest should be well-developed with a minimum range of expansion of 5.0 cm. The candidate's chest will be measured by making him stand erect with his feet together, and his arms raised over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and its lower edge the upper part of the nipples in front. The arms will then be lowered to hand loosely by the sides. Care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum and minimum expansion of the chest will be carefully noted. The minimum and maximum will then be recorded in cm. thus 84/89 and 86/91 etc.

In recording the measurements, decimal fraction lower than 0.5 centimetre will be ignored: 0.5 centimetre will be recorded as such and 0.6 cm. and above will be recorded as one.

For Navy

"X-Ray" of chest is compulsory.

4. Dental Condition ---

It should be ensured that sufficient number of natural and sound teeth are present for efficient mastication.

- (a) A caudidate must have a minimum of 14 dental points to be acceptable. In order to assess the dental condition of an individual points are allotted as under for teeth in good apposition with corresponding teeth in the other jaw—
 - (i) Central incisor, lateral incisor, canine, 1st and 2nd pre-molar and under developed 3rd molar—1 point each.
 - (ii) 1st and 2nd molar and fully developed 3rd molar—2 points each.

When all 32 teeth are present, there will be a total count of 22 points.

- (b) The following teeth in good functional opposition 'must be present in each jaw—
 - (i) any 4 of the 6 anteriors
 - (ii) any 6 of the 10 posteriors

NOTE.—Candidate for direct commission and technical modulates, with well fitting dentures will, however, be accepted for commission.

(c) Candidate suffering from severe pyorrhoea will be rejected. Where the state of pyorrhoea in such that in the opinion of the dental officer it can be cured without extraction of teeth, the candidate may be accepted.

5. Visual Standard (Army)

	etter eye	Worse eye
Distan vision (corrected)	6/6	6/18

Myopia of not more than — 3.5 D including astigmatism Manifest Hypermetropia of not more than +3.5D including astigmatism.

- NOTE 1. Fundus and Media to be healthy and within normal limits.
 - No undue degenerative signs of vitreous or chorioretina to be present suggesting progressive myopia.
 - Should have good binocular vision, fusion faculty and full field of vision in both eyes.
 - There should be no organic disease likely to exacerbations or deterioration.

Myopia—Not to exceed 0.5 dioptre in any one meridian.

Binocular Vision

The candidates must possess good binocular vision (fusion faculty and full field of vision in both eyes).

Colour Vision

Candidates who do not possess the minimum colour perception standard CP-3 (Defective State), defined below will be declared Unfit:—

CP-3 (Defective Safe)—Candidates should be able to recognise white. Signal red and signal green colours correctly as shown by Martin's I antern at a distance of 1.5 metres or read the requisite plates of Ishihara Bock/Tokyo Medical College Book.

Visual Standard (Navy)

(a) Visual Acuity

Standard I Better eye Worse eye V-6/6 V-6/9

Distant Vision

Correctable to 6/6

Navy (i)—Visual standard I. No glasses will be worn by candidates for the Executive Branch but these standards may be relaxed if permitted by Naval Headquarters, for a limited number of otherwise suitable candidates of Engineering, Electrical and Supply and Secretariat Branches up to 6/18, 6/36 correctable to 6/6 both eyes with glasses.

(il) Special requirements:

Normally Cadets/Direct entry officers for all Branches of the Navy will not be tested for Della Caca for Night Vision acuity (NVA) as a routine and will be asked to furnish the following certificate at the time of medical examination which will be attached to the medical board proceedings:—

'I hereby certify that to the best of my knowledge there has not been any case of congenital night blindness in our family, and I do not suffer from it'.

Signature of the candidate

Countersignature of the Medical Officer

Heterophoria

Limits of Heterophoria with the Maddox Rod/Wing tests (provided convergence insufficiency and other symptoms are absent) must not exceed :--

(a) At 6 metres—

Exophoria 8 prism dioptres Esophoria 8 prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptre

(b) At 30 cms-

Esophoria 6 prism dioptres Exophoria 16 prism dioptres Hyperphoria 1 prism dioptre

Executed

level

Limits of hypermetropia (under homatropine)

Better Eyes

Hypermetropia . .

. 1.5 dioptres

Simple Hypermetropic .

0.75 dioptre

Astigmatism

Compound Hypermetropic

Astigmatism

The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 1.5 dioptres of which not more than 0.75 dioptre may be due to astigmatism.

Worse-Eyes

Hypermetropia

Astigmatism

2.5 dioptres

Simple Hypermetropic Astigmatism

1.5 dioptres

Compound Hypermetropic

The error in the more hypermetropic meridian must not exceed 2.5 dioptres of which not more than 1.0 dioptre not more than 1.0 may be due to astigmatism.

6. Hearing Standard-

Hearing will be tested by speech test. Where required audiometric records wil allso be taken.

- (a) Speech test. The candidate should be able to hear with his back to the examiner at a distance of 609.5 cm, in a reasonably quiet room. The examiner should whisper with the residual air; that is to say at the end of an ordinary expiration.
- loss of hearing in either ear at frequencies 128 to 4096 cycles per second. Audiometry reading between plus 10 and minus 10. Obstacling between plus 10 and minus 10. (b) Audiometric record.—The candidate will have ween plus 10 and minus 10. (Not applicable to Navy).

APPENDIX III

(Brief Particulars of service etc.)

- (A) FOR CANDIDATES JOINING THE INDIAN MILITARY ACADEMY, DEHRA DUN.
- 1. Before the candidate joins the Indian Military Academy--
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or

other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operatoin performed upon or anaesthesia administred to him for the treatment any injury received as aforesaid or otherwise;

- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that if for any reason considered within his control, the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission, if offered, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training for about 18 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Indian Military Academy.
- 3. While the cost of training including accommodations, books, uniforms, boarding and medical treatment will be books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses at the Indian Military Academy are not likely to exceed Rs. 55.00 per mensem. If a cadet's parent or guardian is unable to meet wholly or partly even this expenditure financial assistance may be granted by the Government. No cadet whose parent or guardian has an income of Rs. 450.00 per mensem or above would be eligible for the grant of the financial assistance. The immovable property and other assets and income from all source are also taken into account sets and income from all source are also taken into account for determining the eligibility for financial assistance.

The parent/guardian of a candidate desirous of having any financial assistance, should immediately after his son/ward has been finally selected for training at the Indian Military Academy submit an application through the District Magistrate of his District who will, with his recommendations, forward the application to the Commandant, Indian Military Academy, Dehra Dun.

- 4. Candidates finally selected for training at the Indian Military Academy will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
 - (a) Pocket allowance for the five months at Rs. 55.00 per month-Rs. 275.00
 - (b) For items of clothing and equipment.—Rs. 800.00

Total: Rs. 1075.00

Out of the amount mentioned above the following amount is refundable to the cadets in the event of financial assistance being sanctioned to them :-

Pocket allowance for five months at Rs. 55.00 per months—Rs. 275.00.

- 5. The following scholarships are tenable at the Indian Military Academy :---
- (1) PARSHURAM BHAU PATWARDHAN Scholarship.—This scholarship is awarded to cadets from MAHARASHTRA AND KARNATAKA. The value of one scholarship is up to the maximum of Rs. 500.00 per annum for the duration of a cadet's stay at the Indian Military Academy subject to the cadet making satisfactory progress. The cadety are the cadet making satisfactory progress. subject to the cadet making satisfactory progress. The cadet who are granted this scholarship will not be entitled to any other financial assistance from the Government.

- (2) COLONEL KENDAL FRANK MEMORIAL Scholarship.—This Scholarship is of the value of Rs. 360.00 per annum and is awarded to an eligible Maratha cadet who should be a son of ex-serviceman. The Scholarship is in addition, to any financial assistance from the Government.
- 6. An outfit allowance at the rates and under the general conditions applicable at the time for each cadet belonging to the Indian Military Academy will be placed at the disposal of the Commandant of the Academy. The unexpended portion of this allowance will be—
 - (a) handed over to the cadet on his being granted a Commission: or
 - (b) if he is not granted a commission, refunded to the state.

On being granted a commission, article of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles will, however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The article withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

- 7. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ. Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Indian Military Academy. A Gentleman Cadet who is not considered suitable to complete the full course of training may, with permission of the Government, be discharged. An Army candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8. Commission will be granted only on successful completion of training. The date of commission will be that following the date of successful completion of training. Commission will be permanent,
- 9. Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service after the grant of commission will be identical with those applicable from time to time to regular officers of the army.

Training:

10. At the Indian Military Academy, Army Cadets are known as Gentlemen Cadets and are given strenuous military training for a period of 18 months aimed at turning out officers capable of leading infantry sub-units. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Permanent Commission in the rank of 2nd Lt. subject to being medically fit in S.H.A.P.E.

11. Terms and Conditions of Service

(I) PAY

Rank		Pay scale	Rank	Pay Scale
		Rs.		Rs.
2nd Lieut	•	750—790	Lt. Colonel (Time scale)	1800 fixed
Lieut		830 —95 0	Colonel	1950—2175
Captain	,	1100—1550	Brigadier	2 2 00—2400
Major	•	1450—1800	Maj General	2500 125/2- 2750
Lt. Colonel (selection)	Ву	1750—1950	Lt. General	3000 p.mn

(ii) QUALIFICATION PAY AND GRANT

Officers of the rank of Lt Col and below possessing certain prescribed qualifications are entitled to a lump sum grant of Rs. 1600/-, 2400/-, 4500/- or 6000/-, based on the qualifications held by them. Flying Instructors (Cat. 'B') are authorised qualification pay @ Rs. 70/- p.m.

(iii) ALLOWANCES

In addition to pay, an officer at present receives the following allowances—

- (a) Compensatory (city) and Dearness Allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the civilian Gazetted Officers from time to time.
- (b) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (c) Expatriation Allowance is admissible when serving outside India. This varies from 25% to 40% of the corresponding single rate of foreign allowance.
- (d) Separation allowance: Married officers posted to non-family stations are entitled to receive separation allowance of Rs. 70 p.m.
- (c) Outfit Allowance—Initial outfit allowance is Rs. 1400/-. A fresh outfit allowance @ Rs. 1200/- is to be claimed after every seven years of the effective service commencing from the date of first commission.

(iv) POSTING

Army officers are liable to serve anywhere in India and abroad

(v) PROMOTION

(a) Substantive promotion

The following are the service limits for the grant of substantive promotion to higher ranks:—

by time scale

Lt.				2 years of Commissioned Service
Capt.				6 years of Commissioned Service
Major				13 years of Commissioned Service
Lt. Col.	from	Maj•	o r	25 years of Commissioned Service
(if not p	prome n)	oted t	у	

hy selection

0, 50000000		
Lt. Col .		16 years of Commissioned Service
Col		20 years of Commissioned Service
Brigadier		23 years of Commissioned Service
Major Gen.		25 years of Commissioned Service
Lt, Gen.		28 years of Commissioned Service
Gen, .		No restriction

(b) Acting promotion

Officers are eligible for acting promotion to higher ranks on completion of the following minimum Service limits subject to availability of vacancies:

Captain		•	•	•	-	3 years
Major			•			5 years
Lt. Colonel						6-1/2 yars
Colonel						8-1/2 years
Brigadier			-			12 years
Major Gene	ral					20 years
Lt. General		-				25 years

(B) FOR CANDIDATES JOINING THE NAVAL ACADEMY, COCHIN.

- 1. (a) Candidates finally selected for training at the Academy will be appointed as cadets in the Executive Branch of the Navy. They will be required to deposit the following amount with the Officer-in-Charge, Naval Academy, Cochin.
- (1) Candidates not applying for government financial aid:
 - (i) Pocket allowance for five months
 @Rs. 45.00 per month . . Rs. 225.00

Total . . . Rs. 685.00

- (2) Candidates applying for Government financial aid:
 - (i) Pocket allowance for two months, @Rs. 45:00 per month Rs

Rs. 90 .00

(ii) For items of clothing and equip-

Rs. 460 ·00

Total

Rs. 550 ·00

(b) (i) Selected Candidates will be appointed as cacets and undergo training in Navel Ships and Establishments as under:

- (a) Cadets Training including affort training for 6 morths 1 year
- (b) Midshipmen affoat Training . . 6 mcnths
- (c) Acting Sub-Lieutenant Technical Courses 12 months
- (d) Sub-lieutenants

A minimum period of 6 months at sea is essential to obtain a watch-keeping certificate.

(ii) The cost of training including accommodation and allied services, bloks, uniform, messing and medical treatment of the cadets at the Naval Academy will be borne by the Government. Parents or guardians of cadets will however, be required to meet their pocket and other private expense while they are cadets. When a cadet's parent or guardian has an income less than Rs. 450 per mensem and is unable to meet wholly or partly the pocket expenses of the cadet, financial assistance up to Rs. 55 per mensem may be granted by the Government. A candidate desirous of securing financial assistance may immediately after his selection, submit an application through the District Magistrate of his District, who will with his recommendations, forward the application to the Director of Personnel Service, Naval Headquarters, New Delhi:

Provided that in a case where two or more sons or wards of a parent or guardian are simultaneously undergoing training at Naval ships/establishments, financial assistance as aforesaid may be granted to all of them for the period they simultaneously undergo training, if the income of the parent or guardian does not exceed Rs. 500 p.m.

- (iii) Subsequent training in ships and establishments of the Indian Navy is also at the expense of the Government. During the first six months of their training after leaving the Academy financial concession similar to those admissible at the Academy vide sub-para (ii) adove will be extended to them. After six months of training in ships and establishments of the Indian Navy, when Cadets are promoted to the rank of Midshipman they begin to receive pay and parents are not expected to pay for any of their expenses.
- (iv) In addition to the uniform provided free by the Government cadets should be in possession of some other items of clothing. In order to ensure correct pattern and uniformity these items will be made at Naval Academy and cost will be met by the parents or guardians of the cadets. Cadets applying for financial assistance may be issued with some of these items of clothing free or on loan. They may only be required to purchase certain items.
- (v) During the period of training Service Cadets may receive pay and allowances of the substantive rank held by them as a sailor or as a boy or as an apprentice at the time of selection as cudets. They will also be entitled to receive increments of pay, if any, admissible in that rank. If the pay and allowances of their substantive rank be less than the financial assistance admissible to direct cadets and provided they are eligible for such assistance, they will also receive the difference between the two amounts

- (vi) No cadet will normally be permitted to resign while under training. A cadet who is not considered suitable to complete the full course at the Indian Naval Ships and establishment may, with the approval of the Government be withdrawn from training and discharged. A service cadet under these circumstances may be reported to his original appointment. A cadet thus discharged or reverted will not be eligible for re-admission to a subsequent course. Cases of cadets who are allowed to resign on compassionate grounds may, however, be considered on merits
- 2. Before a candidate is selected as a cadet in the Indian Navy, his parent or guardian will be required to sign—
 - (a) A certificate to the effect that he fully understands that he or his son or ward shall not be entitled to claim any compensation or other relief from the Government in resect of any injury which his son or ward may sustain in the course of or as a result of the training or whose bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesald or otherwise.
 - (b) A bond to the effect that if for any reasons considered within the control of the candidate, he wishes to withdraw from training or fails to accept a commission, if offered, ne will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition, food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by Government.

3. PAY AND ALLOWANCES

(a) PAY

Sub. Lieut.	
Ag. Sub Lieut.	Rs. 750 Rs. 830—870
Sub. Lieut.	. Rs. 830—870
Lieut	. Rs. 1100—1450
Lieut. Cdr.	. Rs. 1450—1800
Commander (By Selection)	. Rs. 1750—1950
Commander (By time Scale)	. Rs. 1800 fixed
Captain	Rs. 1950—2400 (Commodore receives pay to which entitled according to seniority as Captain).
Rear Admiral	. Rs. 2500-125/2-2750
Vice Admiral	. Rs. 3000.

(b) ALLOWANCES

In addition to ray, an officer receives the following allowances:—

- (i) Compensatory (City) and dearness allowances are admissible at the same rates and under the same conditions as are applicable to the Civillan Gazetted officers from time to time.
- (ii) A kit maintenance allowance of Rs. 50 p.m.
- (iii) When officers are serving outside India expatriation allowance ranging from Rs. 50 to Rs. 250 p.m. depending on rank held; is admissible.
- (iv) A separation allowance of Rs. 70 p.m. is admissible to-
 - (i) married officers serving in non-family station;
 - (ii) married officers serving on board I.N. Ships for the period during which they remain in ships away from the base ports.
- (v) Free ration for the periods they remain in the ships away from the base ports.
- NOTE I:—In add tion certain special concessions like hardlying money, sub-marine allowance, sub-marine pay, sur ey bounty, qualification pay/grant and diving pay are admissible to officers.
- Note II: —Officers can volunteer for Service in Sub-marine or Aviat on Arms. Officers selected for Service in these arms are entitled to enhanced pay and special allowances.

4. PROMOTION

(a) By time scale

Midshspman to Ag. Sub. Lieut. 1-2 year

Ag. Sub. Licut. to Sub. Licut. 1 year

(Sub. Lieut, to Lieut,

3 years as Ag, and confirmed Sub. Lt. (Subject to gain) forfeiture of sinjority).

Tileut, to Lieut, Cdr.

8 years seniority as Lieut.

Lieut, Cdr. no Cdr. (if not

24 years (reckonable com-

promoted by a lection

missioned service)

(b) By selection

Lieut. Cdr-to Cdr.

2--8 years seniority as Lieut Cdr. to

Cdr.to Capt.

Capt, to Rear Admiral and No servi

4 years seniority as Cdr. No service restriction.

5. POSTING

Officers are liable to serve anywhere in India and abroad.

- Note.—Further information, if desired, may be obtained from the Director of Personnel Service Naval Headquarters, New Delhi-110011.
 - (C) FOR CANDIDATES JOINING THE OFFICERS' TRAINING SCHOOL, MADRAS.
- 1. Before the candidate joins the Officers Training School, Madras—
 - (a) he will be required to sign a certificate to the effect that he fully understands that he or his legal heirs shall not be entitled to claim any compensation or

- other relief from the Government in respect of any injury which he may sustain in the course of or as a result of the training, or where bodily infirmity or death results in the course of or as a result of a surgical operation performed upon or anaesthesia administered to him for the treatment of any injury received as aforesaid or otherwise.
- (b) his parent or guardian will be required to sign a bond to the effect that, if for any reason considered within his control the candidate wishes to withdraw before the completion of the course or fails to accept a commission if offered or marries while under training at the Officers' Training School, he will be liable to refund the whole or such portion of the cost of tuition food, clothing and pay and allowances received as may be decided upon by the Government.
- 2. Candidates finally selected will undergo a course of training at the Officers' Training School for an approximate period of 9 months. Candidates will be enrolled under the Army Act as 'gentlemen cadets'. Gentlemen cadets will be dealt with for ordinary disciplinary purposes under the rules and regulations of the Officers' Training School.
- 3. While the cost of training, including accommodation books, uniforms, boarding and medical treatment will be borne by Government, candidates will be expected to meet their pocket expenses themselves. The minimum expenses during pre-Commission training are not likely to exceed Rs. 55 per month but it the cadets pursue any hobbies such as photography, Shikar, hiking, etc. they may require additional money. In case, however, the cadet is unable to meet wholly or partly even the minimum expenditure, financial assistance at rates which are subject to change from time to time, may be given provided the cadet and his parent/guardian have an income below Rs. 450 per month. The rate of assistance under the exi ting orders is Rs. 55 per month. A candidate desirous of having financial assistance should immediately after being finally selected for training submit an application on the prescribed form through the District Magistrate of his district who will forward the application to the Commandant Officers Training School, MADRAS along with his verification report.
- 4. Candidates finally selected for training at the Officers Training School will be required to deposit the following amount with the Commandant on arrival:—
 - (a) Pocket allowance for ten months at Rs. 55.00 per month

Rs. 550.00

(b) For items of clothing and equipment.

Rs. 500.00

Total Rs. 1050.00

Out of the amount mentioned above, the amount mentioned in (b) above is refundable to the Cadets in the event of financial assistance belog sanctioned to them.

5. Outfit allowance will be admissible under orders as may be issued from time to time.

On being granted a commission articles of clothing and necessaries purchased from this allowance shall become the personal property of the cadet. Such articles, will however, be withdrawn from a cadet who resigns while under training or who is removed or withdrawn prior to commissioning. The articles withdrawn will be disposed of to the best advantage of the State.

6. No candidate will normally be permitted to resign whilst under training. However, Gentlemen Cadets resigning after the commencement of training may be allowed to proceed home pending acceptance of their resignation by Army HQ Cost of training, messing and allied services will be recovered from them before their departure. They and their parents/guardians will be required to execute a bond to this effect before the candidates are allowed to join Officers' Training School.

TOTAL CONTRACTOR OF THE PARTY O

- 7. A Gentleman Cadet who is no, considered suitable to complete the full course of training may with permission of Government be discharged. An Arms candidate under these circumstances will be reverted to his Regiment or Corps.
- 8 Pay and allowances, pension, leave and other conditions of service, after the grant of commission, are given below

9. Tra ning

- 1. S:lected candidates will be enrolled under the Army Act as Goutlemen Cadets and will undergo a course of training at the Officers Training School for an approximate period of rine months. On successful completion of training Gentlemen Cadets are granted Short Service Commission in the rank of 2/Lt from the date of successful completion of trainin z.
 - 10. Terms and conditions of Service
 - (a) Period of probation

An officer will be on probation for a period of 6 months from the date he receives his Commission. If he is reported on within the probationary period as unsuitable to retain his commission, it may be terminated at any time, whether before or after the expiry of the probationary period.

(b) Posting

Personnel granted Short Service Commissions are liable to serve anywhere in India and abroad.

(c) Tenure of appointment and Promotion

Short Service Commission in the Regular Army will be granted for a period of five years. Such officers who are willing to continue to serve in the Army after the period of five years' Short Service Commission may if eligible and suitable in all respects, be considered for the grant of Permanent Commission in the last year of their Short Service Commission in accordance with the relevant rules. Those who fail to qualify for the grant of Permanent Commission during the tenure of five years, would be released on completion of the tenure of five years.

(d) Pay and Allowances

Officers granted Short Service Commission will receive pay and allowances as applicable to the regular officers of the Army.

Rates of pay for 2/Lt and Lieut, are :-

Second Lieut.

Rs. 750-790 p.m.

Lieut. Plus other allowances as laid down for regular officers

Rs. 830-950 p.m.

- (c) Leave: For leave, these officers will be governed by rules applicable to Short Service Commission Officers as given in Chapter V of the Leave Rules for the Service Vol Officers as ervice Vol I—Army. They will also be entitled to leave on passing out of the Officers Training School and before assumption of duties under the provisions of Rule 91 ibid.
- (f) Termination of Commission: An officer granted Short Service Commission will be liable to serve for five years but his Commission may be terminated at any time by the Government of India-
 - (i) for misconduct or if services are found to be unsatisfactory; or

- (ii) on account of medical unfirmess: or
- (iii) if his services are no longer required; or
- (iv) if he fails to qualify in any prescribed test or Course

An officer may on giving three months rotice be permitted to resign his Commission on compassionate grounds of which the Government of India will be the sole judge. An officer who is permitted to resign his Commission on compassionate grounds will not be eligible for terminal gratuity.

- (g) Pensionary benefits
 - (i) These are under consideration.
 - (ii) SSC officers on expiry of their five years' term are eligible for terminal gratuity of Ps. 5,000.00.
- (h) Reserve Liability

On being released on the expiry of the five years Short Service Commission or extension thereof, they will carry a reserve liability for a period of five years of up to the age of 40 years whichever is carlier,

(i) Misce laneous: All other terms and conditions of Service where not at variance with the above provisions will be the same as for regular officers.

APPENDIX IV
The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes Candidates applying for appointment to posts under the Government of India. This is to certify that Shri son of Shri of village/town* of the State/Union Territory* belongs to the Caste/Tribe* which is recognised as a
Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under:—
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Tribes) Order 1950*
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*
the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*
In amended by the Cahadulad Coster and Cahadulad Tribes

las amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act. 1960, the Punish Reorganisation Act. 1966, the State of Himachel Pradesh Act. 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act. 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act. 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry), Schedule Castes Order. 1964*

the Constitution (Scheduled Tribos) (Uttar Pradesh) Order. 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*.				
the Constitution (Gos. Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*.				
the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*.				
2. Shri — and/or* his family ordinarily reside(s) in village/town* — of — of — District/Division* of the State/Union Territory* of — —				
Signature				
**Designation				
State/Union Territory*				
(with seal of office)				
Place				
Date				
*Please delete the words which are not applicable.				

Note.—The term 'ordinarily reside(s)' used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates:

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/†Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assigtant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.
- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.
- (iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.
- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

APPENDIX V

CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called on 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOK-LET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ...etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c,etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct then the best response. (see "sample items" at the end In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200 have been rrinted in four 'Parts'. Against each item, respones, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.

(Ca)	دط		רבק	Œ
رتعی,د	r b zo	[2]	cs	
3,	(.d		cdh	

Your answer sheet (specimen enclosed) will be scored by an optical scoring machine which is sensitive to improper marking, use of non-HB pencils, and mutilated answer sheets. It is, therefore important that—

- You bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items. The machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
- If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
- 3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to multilate or fold or wrinkle or spindle it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

- You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
- Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
- No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
- 4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. You ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.

- 5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No. Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
- 6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the enswer sheet is analoguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test. you must follow his instructions immediately.
- 7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer shoet at the end of the test.

B. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your sheet in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. Back Test Booklet will be scaled in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number and it is scaled, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are not allowed to break the seal of the Test Booklet antil you are asked to do so by the supervisor.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your times as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can. without becoming careless. Do not worry if you cannot answer although the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the ouestions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

The questions are designed to measure your knowledge, anderstanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet and answer sheet frees you and permits you to leave the Halt. You are

not allowed to take the Test Booklet and the answer sheet out of the examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

- 1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?
 - (a) the successors of Asoka were all weak.
 - (b) there was partition of the Empire after Asoka,
 - (c) the northern frontier was not guarded effectively.
 - (d) there was economic bankruptcy during post-Asoka era.

(Answer-d)

- 2. In a parliamentary form of Government
 - (a) the Legislature is responsible to the sudiciery.
 - (b) the Legislature is responsible to the Executive.
 - (c) the Executive is responsible to the Legislature.
 - (d) the Judiciary is responsible to the Legislature
 - (e) the Executive is responsible to the Judiclary.

(Answer-c)

- 3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to:
 - (a) facilitate development.
 - (b) prevent disciplinary problems.
 - (c) provide relief from the usual class soom work
 - (d) allow choice in the educational programme.

(Answer-a)

- 4. The nearest planet to the Sun is:
 - (a) Venus
 - (b) Mars
 - (c) Jupitar
 - (d) Mercury

(Answer-d)

- 5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?
 - (a) the more the vegetation, the more is the sell escence that causes floods.
 - (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
 - (e) the more the vegetation, the less is the sitting of rivers that prevents floods.
 - (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Acewer-e)

11 1	1 1 1